# آئینہ بدیع

## عملیات اسم یا بدیع

Educational Publishers
Al-Gaba
GABA EDUCATIONAL BOOKS
URDU BAZAR, M.A. JINNAH ROAD,
KARACHI, (PAKISTAN)
TEL: 2628266, 2636565 FAX: 2630606
e-mail:gebpak@cyber.net.pk
website: gabaedu.com

Scanned with CamScanner

بِسۡمِ اللّٰهِ الرَّحۡمٰنِ الرَّحِيۡمِ

# آئینہ بدیع

## المعروف

## عملیات اسم "یابدیع"

بَلۡ لَّهٗ مَا فِی السَّمٰوٰتِ وَالۡاَرۡضِ ؕ كُلٌّ لَّهٗ قٰنِتُوۡنَ

## بَدِيۡعُ السَّمٰوٰتِ وَالۡاَرۡضِ

وَاِذَا قَضٰۤى اَمۡرًا فَاِنَّمَا يَقُوۡلُ لَهٗ كُنۡ فَيَكُوۡنُ

اصل حقیقت یہ ہے کہ زمین اور آسمانوں کی تمام موجودات اس کی ملک ہیں، سب کے سب اس کے مطیع اور فرمانبردار ہیں، وہ آسمانوں اور زمین کا موجد ہے، اور جس بات کا وہ فیصلہ کرتا ہے اس کیلئے بس یہ حکم دیتا ہے کہ ہوجا،، اور وہ ہوجاتی ہے۔

مصنف

علی شاہ حیدری

الروحانی البرق

ناشر

مکتبہ آئینہ عملیات 148-اے بلاک بورے والا

٧٨٦

جملہ حقوق بحق مصنف محفوظ ہیں

| | |
|---|---|
| نام کتاب | آئینہ بدیع<br>المعروف<br>عملیات اسم "یا بدیع" |
| مصنف | علی شاہ حیدری الروحانی البرق |
| کتابت | شیخ کمپیوٹر کمپوزر بورے والا |
| مطبع | یثرب پرنٹنگ پریس بورے والا |
| تعداد | ایک ہزار (1000) |
| اشاعت | جون 2007 |
| قیمت | 150 |

## ناشر

ادارہ شمس الرّوحانیات (مکتبہ آئینہ عملیات)

148/A بورے والا۔

پوسٹ کوڈ۔ 61010

بسم اللہ الرحمٰن الرحیم

# آئینہ بدیع المعروف عملیات اسم یا بدیع

☆☆☆☆☆

قانون عملیات۔ علاج جملہ امراض روحانی وجسمانی۔ عملیات محبت ونفرت
عملیات بندش وکشائش۔ عملیات دفع دشمن وحاسدین۔ حفاظت وحصار
عملیات کشائش رزق وحصول مال ودولت۔ عملیات قضائے حاجات
زکاتیں آیۃ الکریمہ۔ تعویزات ونقوش آیۃ الکریمہ۔ تسخیر روحانیات
تسخیر جنات۔ تسخیر مؤکلات۔ تسخیر ہمزاد۔ تسخیر خلائق۔ طلسمات کواکب

☆☆☆☆☆

## از افادات

استاذ العالمین مجذوب سالک **علی شاہ** حیدری الروحانی البرق

پیر طریقت محمدی و رہبر شریعت

ماہر نفسیات و روحانیات۔ عامل عملیات و تعویزات

بانی و سرپرست ادارہ شمس الرّوحانیات

148/A نزد عربیہ اسلامیہ مدرسہ بوریوالہ۔

موبائل { گھر : 0333-6292203
آفس : 0300-6997148

# فہرست

## آئینہ بدیع المعروف عملیات اسم "یا بدیع"


| نمبر شمار | نام موضوع | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 1 | خطبہ | 6 |
| 2 | پیشِ لفظ | 6 |
| 3 | مثال | 6 |
| 4 | انتساب | 10 |
| 5 | اجازت کتاب | 10 |
| 6 | خواص | 11 |
| 7 | لوازمات عامل | 12 |
| 8 | ہدایات چلہ کشی | 15 |
| 9 | پرہیز جلالی و جمالی | 19 |
| 10 | پرہیز جمالی | 20 |
| 11 | سعد و نحس تاریخیں | 21 |
| 12 | ایام فارغہ و ملانہ | 21 |
| 13 | بخورات یا دھونی | 22 |
| 14 | جنات و آسیب کی دھونی | 22 |
| 15 | محبت و حاضری مطلوب | 23 |
| 16 | نفرت و جدائی | 23 |
| 17 | مقہوری اعداء | 23 |
| 18 | جدول ساعات لیل و نہار | 24 |
| 19 | وفق شمسی و قمری اسم "یابدیع" | 25 |
| 20 | اسم "یابدیع" کے خواص و فوائد | 28 |
| 21 | اسم یابدیع کی زکاتیں | 30 |
| 22 | طریقہ اوّل | 31 |
| 23 | طریقہ دوم | 31 |
| 24 | طریقہ سوم | 32 |
| 25 | عمومی طریقہ زکات | 32 |
| 26 | غلط فہمی | 32 |
| 27 | زکات کا طریقہ نمبر1 | 33 |
| 28 | زکات کا طریقہ نمبر2 | 33 |
| 29 | زکات کا طریقہ نمبر3 | 33 |
| 30 | زکات کا طریقہ نمبر4 | 33 |


Scanned with CamScanner

| نمبرشمار | نام موضوع | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 31 | زکات کا طریقہ نمبر5 | 33 |
| 32 | زکات کا طریقہ نمبر6 | 34 |
| 33 | خصوصی طریقہ زکات | 34 |
| 34 | عاملین حاضرات کے لیے نادر و نایاب تحفہ | 35 |
| 35 | تحفہ خاص برائے عاملین | 36 |
| 36 | نقوش وتعویزات کی زکاتیں | 37 |
| 37 | طریقہ نمبر1 | 37 |
| 38 | طریقہ نمبر2 | 37 |
| 39 | طریقہ نمبر3 | 37 |
| 40 | طریقہ نمبر4 | 38 |
| 41 | طریقہ نمبر5 | 38 |
| 42 | طریقہ نمبر6 | 38 |
| 43 | طریقہ نمبر7 | 38 |
| 44 | قضائے حاجات وحل المشکلات | 39 |
| 45 | عمل نمبر1 | 39 |
| 46 | عمل نمبر2 | 39 |

| نمبرشمار | نام موضوع | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 47 | عمل نمبر3 | 40 |
| 48 | عمل نمبر4 | 40 |
| 49 | عمل نمبر5 | 40 |
| 50 | عمل نمبر6 | 40 |
| 51 | عمل نمبر7 | 40 |
| 52 | عمل نمبر8 | 41 |
| 53 | عمل نمبر9 | 41 |
| 54 | كتاب الشفاء | 43 |
| 55 | عمل نمبر1 | 43 |
| 56 | عمل نمبر2 | 43 |
| 57 | عمل نمبر3 | 44 |
| 58 | عمل نمبر4 | 44 |
| 59 | عمل نمبر5 | 45 |
| 60 | طلسم نورانی نمبر1 | 45 |
| 61 | طلسم نورانی نمبر2 | 45 |
| 62 | طلسم نورانی نمبر3 | 46 |


Scanned with CamScanner

| نمبر شمار | نام موضوع | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 63 | طلسم نورانی نمبر 4 | 46 |
| 64 | طلسم نورانی نمبر 5 | 46 |
| 65 | طلسم نورانی نمبر 6 | 47 |
| 66 | ذاتی طریقہ استعمال نمبر 1 | 47 |
| 67 | ذاتی طریقہ استعمال نمبر 2 | 47 |
| 68 | ذاتی طریقہ استعمال نمبر 3 | 47 |
| 69 | ذاتی طریقہ استعمال نمبر 4 | 47 |
| 70 | **باب دفع آسیب و جنّات** | 47 |
| 71 | آسیب و جنّات کی چند نوعیتیں اور وجوہات | 48 |
| 72 | عمل نمبر 1 | 49 |
| 73 | عمل نمبر 2 | 50 |
| 74 | عمل نمبر 3 | 50 |
| 75 | عمل نمبر 4 | 51 |
| 76 | عمل نمبر 5 | 51 |
| 77 | عمل نمبر 6 | 52 |
| 78 | عمل نمبر 7 | 53 |
| 79 | **باب السحر جادو ٹونہ** | 53 |
| 80 | بطلانِ سحر عمل نمبر 1 | 53 |
| 81 | بطلانِ سحر عمل نمبر 2 | 54 |
| 82 | بطلانِ سحر عمل نمبر 3 | 54 |
| 83 | بطلانِ سحر عمل نمبر 4 | 55 |
| 84 | بطلانِ سحر عمل نمبر 5 | 56 |
| 85 | بطلانِ سحر عمل نمبر 6 | 56 |
| 86 | بطلانِ سحر عمل نمبر 7 | 56 |
| 87 | **باب الشفاء** | 57 |
| 88 | امراض سر | 57 |
| 89 | سر درد | 57 |
| 90 | عمل نمبر 1 | 57 |
| 91 | عمل نمبر 2 | 57 |
| 92 | عمل نمبر 3 | 57 |
| 93 | عمل نمبر 4 | 58 |
| 94 | امراض اٹھراہ | 59 |

| نمبر شمار | نام موضوع | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 95 | عمل نمبر 1 | 59 |
| 96 | عمل نمبر 2 | 59 |
| 97 | عمل نمبر 3 | 60 |
| 98 | بچوں کا سوکڑا | 60 |
| 99 | عمل نمبر 1 | 60 |
| 100 | عمل نمبر 2 | 60 |
| 101 | عمل نمبر 3 | 61 |
| 102 | عورتوں کی جملہ امراض حمل | 61 |
| 103 | عمل نمبر 1 | 61 |
| 104 | عمل نمبر 2 | 61 |
| 105 | عمل نمبر 3 | 62 |
| 106 | پتہ کی پتھری | 62 |
| 107 | عمل نمبر 1 | 62 |
| 108 | پتھری توڑ | 63 |
| 109 | عمل نمبر 2 | 63 |
| 110 | عمل نمبر 3 | 63 |
| 111 | عمل نمبر 4 | 64 |
| 112 | نگاہ و روشنی چشم | 65 |
| 113 | عمل نمبر 1 | 65 |
| 114 | عمل نمبر 2 | 65 |
| 115 | عمل نمبر 3 | 66 |
| 116 | عمل نمبر 4 | 67 |
| 117 | امراض دل | 67 |
| 118 | عمل نمبر 1 | 67 |
| 119 | عمل نمبر 2 | 68 |
| 120 | عمل نمبر 3 استقامت دل اور دھڑکن کی تیزی | 68 |
| 121 | عمل نمبر 4 | 68 |
| 122 | امراض جگر | 69 |
| 123 | عمل نمبر 1 | 69 |
| 124 | عمل نمبر 2 | 69 |
| 125 | عمل نمبر 3 | 70 |
| 126 | عمل نمبر 4 | 70 |

| نمبرشمار | نام موضوع | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 127 | برائے ناف | 71 |
| 128 | عمل نمبر 1 | 71 |
| 129 | عمل نمبر 2 | 71 |
| 130 | امراض خونی | 71 |
| 131 | عمل نمبر 1 | 71 |
| 132 | عمل نمبر 2 | 72 |
| 133 | عمل نمبر 3 | 72 |
| 134 | امراض مخصوصہ کی تقویت | 73 |
| 135 | عمل نمبر 1 | 73 |
| 136 | عمل نمبر 2 | 73 |
| 137 | عمل نمبر 3 | 73 |
| 138 | امراض معدہ | 74 |
| 139 | معدہ کا السر اور جملہ امراض معدہ | 74 |
| 140 | **باب الحب و التسخیر** | 74 |
| 141 | محبت زوجین | 75 |
| 142 | عمل نمبر 1 | 75 |
| 143 | عمل نمبر 2 | 75 |
| 144 | عمل نمبر 3 | 76 |
| 145 | شادی و رشتہ | 76 |
| 146 | عمل نمبر 1 | 76 |
| 147 | عمل نمبر 2 | 77 |
| 148 | عمل نمبر 3 | 77 |
| 149 | شدید محبت (عمل نمبر 1) | 79 |
| 150 | عمل نمبر 2 | 79 |
| 151 | عمل نمبر 3 | 80 |
| 152 | عمل نمبر 4 | 81 |
| 153 | عمل نمبر 5 | 81 |
| 154 | عمل نمبر 6 | 82 |
| 155 | عمل نمبر 7 | 82 |
| 156 | عمل نمبر 8 | 83 |
| 157 | عمل نمبر 9 | 84 |
| 158 | عمل نمبر 10 | 84 |


Scanned with CamScanner

| نمبر شمار | نام موضوع | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 159 | عمل نمبر 11 | 84 |
| 160 | عمل نمبر 12 | 85 |
| 161 | **باب حب و تسخیر و خاص** | 85 |
| 162 | عمل نمبر 1 | 86 |
| 163 | عمل نمبر 2 | 87 |
| 164 | عمل نمبر 3 | 88 |
| 165 | عمل نمبر 4 | 88 |
| 166 | عمل نمبر 5 | 88 |
| 167 | عمل نمبر 6 | 89 |
| 168 | عمل نمبر 7 | 89 |
| 169 | عمل نمبر 8 | 91 |
| 170 | عمل نمبر 9 | 91 |
| 171 | عمل نمبر 10 | 92 |
| 172 | عمل نمبر 11 | 92 |
| 173 | عمل نمبر 12 | 93 |
| 174 | عمل نمبر 13 | 93 |
| 175 | طریقہ کار | 94 |
| 176 | **باب العداوت والبغض** | 95 |
| 177 | عمل نمبر 1 | 95 |
| 178 | عمل نمبر 2 | 96 |
| 179 | عمل نمبر 3 | 96 |
| 180 | عمل نمبر 4 | 97 |
| 181 | عمل نمبر 5 | 97 |
| 182 | عمل نمبر 6 | 98 |
| 183 | عمل نمبر 7 | 98 |
| 184 | عمل نمبر 8 | 99 |
| 185 | عمل نمبر 9 | 100 |
| 186 | عمل نمبر 10 | 100 |
| 187 | عمل نمبر 11 | 101 |
| 188 | عمل نمبر 12 | 101 |
| 189 | **باب مقهوری اعداء** | 103 |
| 190 | عمل نمبر 1 | 103 |


Scanned with CamScanner

| نمبر شمار | نام موضوع | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 191 | عمل نمبر2 | 104 |
| 192 | عمل نمبر3 | 104 |
| 193 | عمل نمبر4 | 104 |
| 194 | عمل نمبر5 | 105 |
| 195 | عمل نمبر6 | 106 |
| 196 | عمل نمبر7 | 107 |
| 197 | عمل نمبر8 | 107 |
| 198 | عمل نمبر9 | 108 |
| 199 | عمل نمبر10 | 108 |
| 200 | عمل نمبر11 | 109 |
| 201 | عمل نمبر12 | 109 |
| 202 | باب العقودات (بندش) | 110 |
| 203 | عمل نمبر1 | 110 |
| 204 | عمل نمبر2 | 111 |
| 205 | عمل نمبر3 | 111 |
| 206 | عمل نمبر4 | 112 |
| 207 | عمل نمبر5 | 113 |
| 208 | عمل نمبر6 | 114 |
| 209 | عمل نمبر7 | 114 |
| 210 | عمل نمبر8 | 114 |
| 211 | عمل نمبر9 | 115 |
| 212 | عمل نمبر10 | 116 |
| 213 | عمل نمبر11 | 116 |
| 214 | باب الفتوح الغیب | 118 |
| 215 | عمل نمبر1 | 118 |
| 216 | عمل نمبر2 | 119 |
| 217 | عمل نمبر3 | 119 |
| 218 | عمل نمبر4 | 119 |
| 219 | طریقہ | 120 |
| 220 | عمل نمبر5 | 121 |
| 221 | عمل نمبر6 | 121 |
| 222 | عمل نمبر7 | 122 |


Scanned with CamScanner

| نمبر شمار | نام موضوع | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 223 | عمل نمبر 8 | 123 |
| 224 | عمل نمبر 9 | 124 |
| 225 | عمل نمبر 10 | 125 |
| 226 | عمل نمبر 11 | 126 |
| 227 | عمل نمبر 12 | 126 |
| 228 | **باب بروج وسیارگان** | 128 |
| 229 | شرف قمر (چاند) | 130 |
| 230 | عمل نمبر 1 | 131 |
| 231 | عمل نمبر 2 | 132 |
| 232 | طلسم نمبر 1 | 133 |
| 233 | شکل نمبر 1 | 133 |
| 234 | شکل نمبر 2 | 134 |
| 235 | شرف عطارد | 134 |
| 236 | عمل نمبر 1 | 134 |
| 237 | عمل نمبر 2 | 135 |
| 238 | طلسم عطارد شکل نمبر 1 | 136 |
| 239 | طلسم عطارد شکل نمبر 2 | 136 |
| 240 | شرف زہرہ | 136 |
| 241 | عمل نمبر 1 | 137 |
| 242 | عمل نمبر 2 | 137 |
| 243 | شرف شمس | 138 |
| 244 | عمل نمبر 1 | 139 |
| 245 | عمل نمبر 2 | 140 |
| 246 | عمل نمبر 3 | 141 |
| 247 | طلسم نمبر 1 | 143 |
| 248 | طلسم نمبر 2 | 143 |
| 249 | عمل نمبر 4 | 144 |
| 250 | شرف مریخ | 145 |
| 251 | عمل نمبر 1 | 146 |
| 252 | عمل نمبر 2 | 146 |
| 253 | عمل نمبر 3 | 147 |
| 254 | شرف مشتری | 148 |


Scanned with CamScanner

| نمبرشمار | نام موضوع | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 255 | طلسم نمبر 1 | 149 |
| 256 | طلسم نمبر 2 | 149 |
| 257 | طلسم نمبر 3 | 149 |
| 258 | عمل نمبر 1 | 150 |
| 259 | ستارہ مشتری کی چند عزیمتیں | 150 |
| 260 | عمل نمبر 2 | 152 |
| 261 | عمل نمبر 3 | 152 |
| 262 | تعویز کلاں | 155 |
| 263 | شرف زحل | 156 |
| 264 | عمل نمبر 1 | 158 |
| 265 | عمل نمبر 2 | 159 |
| 266 | عمل نمبر 3 | 159 |
| 267 | عمل نمبر 4 | 160 |
| 268 | **باب حاضری مؤکلات** | 162 |
| 269 | حاضری مؤکل قدسی | 162 |
| 270 | طریقہ کار | 162 |
| 271 | حاضری پری | 163 |
| 272 | حاضری ہمزاد آتشی | 163 |
| 273 | تسخیر ہمزاد خاکی | 164 |
| 274 | شرائط عمل ہمزاد | 165 |
| 275 | تسخیر ہمزاد آبی | 166 |
| 276 | تسخیر ہمزاد بادی | 166 |
| 277 | تسخیر مؤکل علوی نوری | 167 |
| 278 | **تسخیر جنّات** | 167 |
| 279 | منتر "بدیع" تسخیر مؤکل باطنی | 168 |
| 280 | تاثیر عمل و طریقہ کار | 169 |
| 281 | حاضری نمبر 1 | 169 |
| 282 | حاضری نمبر 2 | 169 |
| 283 | حاضری نمبر 3 | 170 |
| 284 | حاضری نمبر 4 | 170 |
| 285 | حاضری مؤکلات نوری سفلی | 171 |
| 286 | طریقہ نمبر 1 | 172 |


Scanned with CamScanner

| نمبر شمار | نام موضوع | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 287 | طریقہ نمبر2 | 172 |
| 288 | طریقہ نمبر3 | 172 |
| 289 | طریقہ نمبر4 | 172 |
| 290 | نوٹ | 173 |
| 291 | حاضری مؤکلات اربعہ | 173 |
| 292 | طریقہ زکات نمبر1 | 173 |
| 293 | طریقہ زکات نمبر2 | 174 |
| 294 | طریقہ زکات نمبر3 | 174 |
| 295 | طریقہ عمل نمبر1 | 174 |
| 296 | طریقہ عمل نمبر2 | 174 |
| 297 | طریقہ عمل نمبر3 | 175 |
| 298 | حاضری مؤکلات اربعہ بادی | 175 |
| 299 | عمل نمبر1 | 175 |
| 300 | عمل نمبر2 | 176 |
| 301 | عمل نمبر3 | 176 |
| 302 | طریقہ نمبر1 | 176 |

| نمبر شمار | نام موضوع | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 303 | طریقہ نمبر2 | 176 |
| 304 | طریقہ نمبر3 | 177 |
| 305 | حاضری مؤکلات خاص اسم "یابدیع" | 177 |
| 306 | عمل نمبر1 | 177 |
| 307 | عمل نمبر2 | 178 |
| 308 | عمل نمبر3 | 178 |
| 309 | طریقہ نمبر1 | 178 |
| 310 | طریقہ نمبر2 | 178 |
| 311 | طریقہ نمبر3 | 179 |
| 312 | حاضرات اسم "یابدیع" | 179 |
| 313 | تسخیر مؤکلات رزق مال و دولت | 180 |
| 314 | ادارہ شمس الروحانیات کی تیار شدہ لوحیں | 183 |
| 315 | لوح فتح نامہ | 183 |
| 316 | تعویز فتح نامہ کلاں | 183 |
| 317 | لوح تحفظ | 183 |
| 318 | نقش تحفظ کلاں | 184 |


Scanned with CamScanner

| نمبر شمار | نام موضوع | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 319 | دم شدہ نگینہ | 184 |
| 320 | انگشتری خاص | 185 |
| 321 | جادو شکن کورس | 185 |
| 322 | نقش اسم اعظم شمسی | 185 |
| 323 | نقش آیۃ الکریمہ | 186 |
| 324 | نقش نادعلی کرم اللہ وجہہ | 186 |
| 325 | تعویزات سحر بندی | 186 |
| 326 | نقش کثرت ماہواری | 187 |
| 327 | نقش تحفظ حمل | 187 |
| 328 | تعویز اٹھراہ | 188 |
| 329 | نقش اکسیر طفلان | 188 |
| 330 | نقش سبعہ سیارگان | 188 |
| 331 | لوح مشتری | 189 |
| 332 | نقش مشتری | 189 |
| 333 | نقش ذاتی ستارہ و برج | 190 |
| 334 | تعویز قرآن | 190 |

| نمبر شمار | نام موضوع | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 335 | نقش آیۃ الکرسی کلاں | 190 |
| 336 | تعویزات بندش خاص | 191 |
| 337 | نقش بندش | 191 |
| 338 | تعویزات نفرت وجدائی | 192 |
| 339 | تعویزات عشق ومحبت | 192 |
| 340 | نقش زوال دُشمن | 192 |
| 341 | عمل پُتلا | 192 |
| 342 | عمل نحوست | 193 |
| 343 | تعویز امراض دشمن | 193 |
| 344 | نقش تسخیر خلائق (ترقی وعروج) | 193 |
| 345 | نقش امن وسلامتی | 193 |
| 346 | نقش دفع بھوک وافلاس | 194 |
| 347 | نقش شفائے امراض | 194 |
| 348 | ضروری نوٹ | 195 |
| 349 | مختصر تعارف ادارہ شمس الروحانیات | 196 |
| 350 | ایڈریس | 198 |


Scanned with CamScanner

| نمبرشمار | نام موضوع | صفحہ نمبر |
|---|---|---|
| 351 | ادارہ شمس الروحانیات کی تیار شدہ لوحیں و تعویزات | 186 |
| 352 | مسلمانوں کے نام ضروری پیغام | 199 |
| 353 | دعائے الروحانی البرق | 210 |
| 254 | قصیدہ خلافتِ الروحانی البرق | 212 |
| 255 | مختصر تعارف مصنف | آخری صفحہ |



## خبردار!

خیال رہے مصنف کتاب ہٰذا پیر علی شاہ حیدری الروحانی البرق کی تحریر شدہ ہر کتاب کے جملہ حقوق بحق مصنف محفوظ ہیں لہٰذا ہر خاص و عام کو مطلع کیا جاتا ہے کہ مصنف کی اس کتاب یا دیگر تحریر کردہ کتب کی چھپائی یا فوٹو کاپی یا پھر کسی دوسری زبان میں ترجمہ سخت منع ہے قانوناً جرم بھی اور غیر اخلاقی حرکت بھی۔

مصنف کی کسی کتاب کا کوئی حصہ فوٹو کاپی یا چھپائی یا ترجمہ بغیر تحریری اجازت پیر علی شاہ حیدری الروحانی البرق قابلِ مؤاخذہ ہے۔

منجانب:۔

مصنف کتاب ہٰذا

علی شاہ حیدری الروحانی البرق


# آئینہ بدیع

## المعروف

# عملیات اسم "یا بدیع"

صرف ایک صفت اِلٰہی پر لکھی جانے والی ایک جامع کتاب جس میں ایک عامل و روحانی پیشوا کو پیش آنے والے تمام مسائل کا مجرب المجرب اور آسان ترین حل موجود ہے اور عملیات تسخیر روحانیات، جنات، مؤکلات اور ہمزاد کے طاقتور ترین اعمال دیئے گئے ہیں۔ علاوہ ازیں محبت و کشش اور حاضری مطلوب و محبوب، علاج جنات و جادو، طلسمات کواکب، عملیات نفرت و بندش اور جملہ امراض روحانی و جسمانی کے ساتھ ساتھ قضائے حاجات اور کشائش مال و دولت اور فراخی رزق کے تعویزات و عملیات بارہا آزمودہ تحریر ہیں تا کہ صاحب عمل و ریاضت کو دیگر مختلف کتب عملیات اور مختلف وظائف سے چھٹکارا حاصل ہو سکے اور وہ صرف ایک ہی اسم "یا بدیع" میں کامل ہستی بن کر مضبوط روحانیت کا کامل فیض عوام الناس کو پہنچانے کا ذریعہ بنے۔ اس کتاب کا مطالعہ عام شخص کو ایک بہتر عامل بنا دے اور عامل کو کامل بنانے کا سبب ہے۔ لہٰذا اس کتاب کا ہر عام و خواص کے ساتھ ساتھ کاملین کی لائبریریوں میں بھی موجود ہونا ضروری ہے

بسم اللہ الرحمن الرحیم

# خطبہ

تمام تعریفیں اللہ رب العزت ہی کیلئے ہیں جس نے تمام کائنات بنائی اور حروف واسماء بنائے پھر کائنات کی مختلف چیزوں کو انکے متعلقہ اسماء اور حروف کے تحت کرتے ہوئے مسخر کیا اور بھید کی باتوں سے محنت کرنیوالوں کو آگاہ کیا۔

# پیش لفظ

عاجز نے اپنی زندگی کا قیمتی وقت حصول علم کیلئے ہی وقف کر رکھا ہے اور یہ تمام توفیق اللہ رب العزت ہی کیطرف سے ہے اور والدہ ماجدہ کی دعاؤں کی برکت ہے۔ علاوہ ازیں اساتذہ کی محنت اور بندہ عاجز کی لگن اور شوق کافی حد تک شامل ہے علم روحانیات عاجز کو وراثتی طور پر خاندان ہی کے بزرگوں سے حاصل ہوا۔ علم روحانیات نوری میں سے شاید ہی کوئی عمل ہو جس کی اجازت عاجز کے پاس نہ ہو ورنہ جس عمل پر بھی نظر پڑی وہ عمل اپنے قرب وجوار ہی سے بخشش اور خاص عنایات سے حاصل ہوا اور اللہ رب العزت نے ہر اجازت شدہ عمل کی زکات وچلہ کشی ادا کرنے کی توفیق دی اور یہ سب اللہ رب العزت کی خاص رحمت اور فضل وکرم ہے۔

کثرت سے مختلف چلہ جات کرنے کے بعد بہت سی باتیں اور تجربات سے روشناسی ہوئی پھر کافی تعداد میں عاملین سے وابستگی رہی جو بزرگوں کے دوست احباب یا شاگردوں میں سے تھے جن میں چند کامیابی کی خوشخبری سناتے اور اکثر



ناکامی کا رونا روتے۔ کہ حضرت زندگی کا طویل عرصہ عملیات سے وابستہ ہونے پر کئی عمل کیلئے لیکن کامیابی صحیح معنی میں حاصل نہ ہوسکی جسطرح ہم چاہتے تھے اسطرح کی کئی باتیں زمانہ طالب عملی ہی میں سن رکھی تھیں اور عاجز ان کی مایوسی اور بے یقینی سے سخت پریشان ہوتا پھر اسی دوران عملیات کی طرف رجوع بھی کیا اور تحقیق بھی شروع کردی کہ حقیقت کیا ہے تجربہ سے یہ بات ثابت ہوئی کہ جو حضرات کامل یقین سے اپنے پیر ومرشد یا استاد کے بتلائے ہوئے عمل پر ثابت قدمی سے جمے رہتے ہیں اور ادھر ادھر منہ نہیں مارتے اور یکدم سب کچھ حاصل کرنے کی بجائے مستقل مزاجی اور صبر کے ساتھ ثابت قدمی کا مظاہرہ کرتے ہیں وہ ہمیشہ عملیات کی کتب اور کثیر اعمال سے غنی رہتے ہیں اور اللہ رب العزت انکو اسی عمل ہی میں کامیابی دیتے ہیں عاجز نے یہی بات مختلف انداز سے اپنی مختلف تحریرات میں سمجھانے کی کوشش کی ہے۔

اللہ رب العزت اس عمل سے بہت خوش ہوتے ہیں جو مسلسل ہو مستقل ہو اگرچہ تھوڑا ہو۔

جب ہم کوئی بھی عمل کرتے ہیں تو اسکی روحانیات متوجہ ہوتی ہے، اولاً روحانیت مانوس ہوتی ہے پھر مسخر وتابع ہوتی ہے پھر خاص شکل اختیار کرکے عامل کے سامنے آتی ہے۔

روحانیت کے نئے طالب علموں کا حال تو یہ ہوتا ہے کہ ذاتی روحانیت اتنی قوی تو ہوتی ہی نہیں کہ عمل کی بیان شدہ منازل کو ایک ہی چلہ کے اندر اندر پیش نظر لاسکیں۔ جب عمل کرتے ہیں تو ابھی بڑی مشکل سے روحانیت مانوس ہی ہوئی ہوتی ہے اگلی منازل باقی ہوتی ہیں۔ ہم چھوڑ کر دوسرے عمل کی جانب رخ اختیار کر لیتے

Scanned with CamScanner

ہیں۔پھر اسطرح تیسرے عمل کی طرف، پھر چوتھے عمل کی طرف، آخر کار یا تو تقدیر کو دوش دیتے ہیں یا استادوں کی کمزوریاں بیان کرتے ہیں لیکن اپنی غیر مستقل مزاجی اور بے ثابت قدمی کیطرف دھیان بھی نہیں جاتا۔کم ازکم اپنے گریبان میں ضرور جھانک لینا چاہیے دوسروں کا قصور نکالتے وقت۔اس لئے ضروری ہے کہ اہل علم یا کامل مرشد سے رابطہ پختہ ہو جو رہبری زبردست طریقے پر کرتے ہوئے آپکو کامیابی کی منازل طے کرواتے ہوئے، آپکو محنت کے پھل کا ذائقہ چکھا سکے۔ہم آپکو ایک مثال دیتے ہیں اس طرح کی کئی مثالیں آپ نے سن رکھی ہونگی۔

## مثال

ایک درویش بچپن میں والدہ کے کہنے پر مولوی صاحب سے قرآن پڑھنے گیا مولوی صاحب نے نورانی قاعدہ پڑھاتے ہوئے الف سبق دیا جب مولوی صاحب نے آگے پڑھنے کو کہا تو درویش بولا استاد جی جب یہ سبق پکا ہو جائے گا تو آگے سبق لوں گا استاد نے اجازت دے دی درویش اپنے سبق کو پکا کرتا رہا عرصہ بعد اللہ تعالیٰ نے درویش کو الف کی روحانیت عطاء کردی بس اسکے تمام کام اسی حرف سے پورے ہونے لگے۔اب درویش نے سوچا کہ استاد کا حق بنتا ہے کہ اسکا شکریہ ادا کیا جائے، درویش اپنے مولوی صاحب کے پاس آیا اور اپنے استاد سے عرض کی استاد جی آپکی بڑی مہربانی آج ہمارا سبق پکا ہو گیا استاد نے بغور دیکھا، یاد نہیں آیا کہ یہ کون ہے بھلا ایک مرتبہ ایک دن پڑھنے والا طالب علم کیسے یاد آسکتا ہے جبکہ سینکڑوں شاگرد ہوں۔استاد کے دوبارہ پوچھنے پر درویش نے مکمل بات بتلائی اور پھر ایک



درخت کی طرف اشارہ کرتے ہوئے کہا ''الف'' درخت قریب آ گیا پھر درخت کو اشارہ کرتے ہوئے ''الف'' کہا درخت اپنی جگہ چلا گیا۔اس بات پر مولوی صاحب نے کہا بھائی ہم تو سارا قرآن بار بار پڑھ کر حفظ کر گئے لیکن پکا نہیں ہوا لیکن آپ نے صرف ایک حرف پڑھا اور اسے پکا کر لیا۔

اصل مقصد یہ ہے کہ سبق اگر چہ کوئی سا ایک ہو صرف اسے پکا کر لینے پر تمام مقاصد حاصل ہو جائیں گے ورنہ آپ کتابوں کی کتابیں چھان لیں اور ہزاروں سبق پڑھ لیں کچھ حاصل نہ ہو گا علم بڑھانا اور بات ہے لیکن روحانیت بڑھانا یا حاصل کرتے ہوئے روحانیت میں مقام بنانا اور بات ہے۔اس لئے بڑوں کے تجربات سے فائدہ اٹھاتے ہوئے ان کی نصیحتوں پر عمل کرنے سے آپ بہت ساری مشکلات سے بچ جائیں گے اور اپنی منزل تک جلد پہنچ جاؤ گے ورنہ راستہ ہی میں گم راہوں کا شکار ہوتے ہوئے، گمراہ ہو جاؤ گے اور آپ کو مایوسی اور بے یقینی گھیر لے گی جس سے آپ کبھی نہ نکل پاؤ گے۔ان تمام باتوں کو مدنظر رکھتے ہوئے عاجز نے قلم اٹھائی علاوہ ازیں عاجز نے کئی کتب کا مطالعہ کیا جس میں نقوش وطلسمات کی بہتات تو ہوتی ہے لیکن یہ بالکل نہیں بتلایا جاتا کہ یہ نقش فلاں آیت کا ہے یا فلاں اسم کا، جس بنا پر متلاشی کو کافی مشکلات پیش آتیں ہیں اور پھر تجربہ کے طور پر جتنے نقوش متعلقہ باب میں موجود ہوتے ہیں تمام سائلین کو دیئے جاتے ہیں اب انتظار رہتا ہے کہ کہیں سے خوشخبری ملے کامیابی کی اگر بائی چانس کہیں سے خوشخبری ملتی ہے تو آئندہ ناکامی---
وجہ یہ ہے کہ ایک تو سبق پکا نہیں، دوسری وجہ یہ ہے کہ نقش کی متعلقہ آیت سے لاعلمی، اگر علم ہوتا تو عامل بھائی وفق کے مطابق پڑھائی ہی کر دیتے تا کہ ناکامی کا چانس کم رہتا

Scanned with CamScanner

اور کامیابی کے قریب ہوجاتے مگر افسوس۔ تیسری وجہ یہ کہ نہ ہی ہم نے اس سبق کی زکات ادا کی ہوتی ہے اور نہ ہی نقش کے عامل ہوتے ہیں۔ جس وجہ سے تاثیر پیدا ہی نہیں ہوتی سب سے بڑی وجہ یہ کہ متعلقہ امر کی روحانیت خود کے اندر ہی نہیں ہوتی عاجز نے عملیات کی سینکڑوں کتب کا مطالعہ کیا مگر سوائے دو چند کتب کے باقی سب کو غیر معتبر پایا۔

میری دعا ہے کہ اللہ رب العزت ہمیں سیدھی راہ دکھلائے اور صحیح عمل کرنے کی توفیق عطا فرمائے آمین آمین! ثم آمین۔

## انتساب

عاجز اپنی اس کتاب کا انتساب اپنی والدہ ماجدہ کے نام کرتا ہے جن کی دعاؤں کی بدولت مجھے یہ مقام حاصل ہوا۔ اور اللہ رب العزت سے دعا کرتا ہے کہ اللہ تعالی مجھے میری ماں کے قدموں کے صدقے میری مغفرت فرمائے۔ آمین!

## اجازت کتاب

عملیات میں کامیابی کیلئے شیخ (مرشد) سے تعلق اور والدین کی دعاؤں خصوصاً والدہ کی دعاؤں کا ہونا بہت ہی ضروری ہے۔ اس لئے آپ بالمشافہ ملاقات کریں بہتر ہے۔ ورنہ روحانی لحاظ سے ۷۰،۰۰۰ (ستر ہزار) مرتبہ کلمہ طیبہ پڑھ کر مجھے ایصال ثواب کردیں اور پچیس ہزار مرتبہ درود شریف پڑھ کر بارگاہ الٰہی میں پیش کرتے ہوئے محمد وآل محمد صلی اللہ علیہ والہ وسلم کی خدمت میں میری طرف سے ایصال ثواب



کردیں اور اللہ رب العزت جل جلالہ سے "قبولیت عمل وحصول روحانیت عمل کی دعا کریں"۔ اللہ تعالیٰ سے دعا ہے کہ طالب حق کو اپنی مراد تک پہنچائے۔ آمین!

### طریقہ

(i) آپ کبھی بھی وقت مقرر کرکے سات دن کا عمل کریں بنیت ایصال ثواب روزانہ دس ہزار مرتبہ کلمہ طیبہ پڑھیں. اول آخر درود ابراہیمی 11+11 مرتبہ کے ساتھ میرا نام لے کر میرے لئے۔

(ii)۔ پچیس ہزار مرتبہ درود مندرجہ ذیل پڑھیں۔

اَللّٰهُمَّ صَلِّ عَلٰى مُحَمَّدٍ وَّعَلٰى آلِ مُحَمَّدٍ وَّبَارِكْ وَسَلِّمْ وَصَلِّ عَلٰى جَمِيْعِ الْاَنْبِيَاءِ وَالْمُرْسَلِيْنَ وَعَلٰى كُلِّ مَلَائِكَةِ الْمُقَرَّبِيْنَ وَعَلٰى عِبَادِ اللّٰهِ الصَّالِحِيْنَ بِرَحْمَتِكَ يَا اَرْحَمَ الرَّاحِمِيْنَ ۔

### خواص

مندرجہ بالا درود شریف پڑھنے سے تمام ارواح انبیاء علیہ الصلوٰۃ والسلام کی طرف سے دعائیں ملتی ہیں ملائکہ عامل کیلئے استغفار کرتے ہیں اور موکلات جلد مانوس ہوجاتے ہیں جیسا کہ درود شریف سے ہی واضح ہورہا ہے اور عامل کی روحانی قوت بہت ہی زیادہ ہوجاتی ہے بعض اوقات تو کشف بھی ہونے لگتا ہے میرے ایک استاد نے اس درود کا عمل کروایا تھا عاجز نے سوا لاکھ مرتبہ اس کی زکات ادا کی ہے یہ سب اللہ جل جلالہ کا ہی فضل وکرم ہے۔

Scanned with CamScanner

# لوازماتِ عامل

۱۔ باوضو باطہارت ہو۔ اکل حلال وصدق مقال رکھتا ہو۔اس لیے کہ حرام کھانے سے دعا قبول نہیں ہوتی اور جھوٹ بولنے سے زبان کی تاثیر جاتی رہتی ہے۔

۲۔ جس وقت کوئی عمل پڑھنے بیٹھے یا تعویز لکھے۔تو وسواس شیطانی اور خیالات لایعنی کو دل میں نہ آنے دے۔جس مقصد کے لیے عمل کرے اس کو تصور کامل سے پیش رکھے ایسا نہ ہو کہ۔

برزبان تسبیح در دل گاؤ خر — اس چنیں تسبیح کے دارد اثر

۳۔ جن ایام میں عمل پڑھے۔ پرہیز موافق عمل جلالی یا جمالی کرے۔کھانے کی چیزوں میں تاثیر بہت ہوتی ہے۔جس سے نقصان کا احتمال ہوتا ہے۔بعض اعمال میں پرہیز متعلقہ عمل کا بیان ہوتا ہے تو متعلقہ پرہیز کرنا ہی کافی ہوتا ہے۔عمل پڑھتے وقت بدبودار چیز کی منہ سے بو نہ آتی ہو۔جیسے لہسن یا پیاز اور تمباکو وغیرہ اس طرح تعویز لکھتے وقت بھی تمیز کرے۔

۴۔ عمل پڑھنے کے لیے جو وقت مقرر کرے،اس کی پابندی کرے۔اختلاف وقت سراسر نقصان ہے

۵۔ تعین مکان وجگہ بھی ضروری ہے۔اس لیے کہ جگہ کی تبدیلی عمل کی تاثیر کو کمزور ثابت کرتی ہے۔اور لوازمات ضروریات عمل کے اکٹھا کرنے میں کوتاہی نہ کرے نہ ان کو کسی دوسرے کو استعمال کرنے دے۔یعنی ایک عمل میں جن چیزوں کی ضرورت ہوتی ہے وہ عمل شروع کرنے سے پہلے ہی مکمل کرلے۔



۶۔ جب بامؤکل ، جلالی عمل یا تعویز کے لئے بیٹھے۔تو الحمد شریف۔آیت الکرسی اور چاروں قل کو تین تین مرتبہ پڑھ کر اپنے ہاتھوں کو انگلیوں پر دم کرے اپنے گرد حصار باندھ کر بیٹھے۔

۷۔ جب کسی عمل یا نقش کی زکات دے لے۔تو ہر روز سات یا گیارہ مرتبہ یا زیادہ لیکن طاق مرتبہ ورد رکھے اور اس پر عادت کرے۔جب تک مداومت کرے گا زکات قائم رہے گی۔جتنے دن کا عمل کیا ہوگا اتنے دن تک مداومت ترک کردینے سے زکات ختم ہوجاتی ہے اور عمل کی تاثیر جاتی رہتی ہے۔

۸۔ جو اسم یا دعا پڑھے۔اگر حرف دعا کا یا حرف سرنام پڑھنے والے کا آتشی ہو تو مراد جلد برآئے حرف آتشی وآبی میں عداوت ہے۔چاہیے کہ جو کوئی اسم یا عمل شروع کرے۔حرف اسم درست کر کے پڑھے یعنی عناصر اربعہ کی مطابقت کا خیال رکھے۔

۹۔ عمل کی اجازت صاحب عمل سے لینا اور سرپرستی کامل ضروری ہے۔ورنہ اس کے کرنے سے نقصان اور فتور کا احتمال ہے۔

۱۰۔ عطریات،بخورات،قلم اور دیگر لوازمات عمل سے پیشتر مہیا کرے اور کامل اطمینان سے ہر چیز کو کام میں لائے۔نقش وعمل جفر وغیرہ وقت سے پہلے مشق کر کے تیار کرلے ایسا نہ ہو کہ وقت پر کوئی الجھن پیش آئے۔

۱۱۔ عمل کرنے والا عاشق صادق ہو اور ایسا مضطرب کہ شروع میں ہی اس کا جواز موجود ہو۔

۱۲۔ جب عمل یا نقش شروع کرے۔تو اسم خود اسم مطلوب اسم خدا اور

Scanned with CamScanner

موکلات کو نکال کر یکجا کر کے عزیمت بنائے۔ اور قسم دے۔

۱۳۔ جب عمل کو ختم کرلے۔ تو اس دعا و آیت کو تین مرتبہ پڑھے اور تعویز پر دم کرے۔

اللّٰھم اِنّی اسئلک علماً نافعاً وعملاً متقبلاً بفضلک ورحمتک یا سمیع یا علیم. فاستجاب لھم ربھم انّی لا اضیع عمل عاملٍ منکم من ذکرٍ او انثیٰ. بحق قوله تعالیٰ ادعونی استجب لکم یا مجیب یا مجیب یا مجیب

۱۴۔ جب کام ختم کرے۔ تو ختم دلائے۔ عمل ختم کرے۔ تو نفل شکرانے کے پڑھے۔ پھر ختم دلائے۔

۱۵۔ بے وضو آیاتِ قرانی کاغذ یا تشتری پر لکھنا جائز نہیں۔

۱۶۔ بلا وضو اس کاغذ یا طشتری کو چھونا جائز نہیں بس چاہیے کہ لکھنے والا طشتری یا تعویز ہاتھ میں لینے والا اور اس کو دھونے والا سب باوضو ہوں۔ ورنہ گنہگار ہوں گے۔

۱۷۔ جب تعویز سے کام ہو چکے۔ تو اس کو قبرستان میں کسی احتیاط کی جگہ دفن کردے یا جاری پانی میں بہادے۔

۱۸۔ اور جب کسی نے تعویز کئے ہوں۔ اور وہ کسی جگہ گھر یا دوکان میں پائے جائیں۔ خواہ وہ کسی بھی مقصد کے ہوں تو ان کو فورا کچی لسی میں ڈال کر پانی میں بہانا چاہیے اور فورا صدقہ دینا چاہیے اس لئے کہ صدقہ بلا کو کھا جاتا ہے۔ اور بہا کر آنے والا گھر آ کر نہائے۔ کپڑے بدلے پھر کوئی دنیاوی کام کرے۔



# ہدایات چلہ کشی

۱۔ کسی استاد کامل سے طریقہ اعمال سیکھے اور اجازت حاصل کرنے اور جس طرح مرشد فرمائے۔ اس طرح سے کرے ذرا فرق نہ ہو اور یقین رکھے کہ جو مرشد نے فرمایا ہے وہ صحیح ہے ذرا شک دل میں نہ لائے۔ تب ضرور فائدہ کاملہ اور نتیجہ تامہ مرتب ہوگا۔ اگر بے اجازت کرے گا باوجودیکہ سب شرائط بجالائے مگر رجعت میں گرفتار ہونے کا اندیشہ ہوگا۔ دیوانوں کی طرح کوچہ بکوچہ مارے مارے پھرے گا۔ مگر کوئی علاج کارگر نہ ہوگا۔

۲۔ اکل حلال وصدق مقال وتفصیل طعام وتکبیر صوم، ادائیگی صدقہ طریقہ بنالے۔ فرمایا رسول اللہ ﷺ نے پاک کر کھانا اپنا۔ تا کہ تمہاری دعا مقبول ہو۔ لکھا ہے کہ اگر ایک لقمہ روزی حرام سے کسی کے پیٹ میں جاتا ہے۔ چالیس روز تک اس کی دعا قبول نہیں ہوتی۔ اور قلب میں کدورت آ جاتی ہے۔

۳۔ شاغل کو واجب ہے کہ جب پڑھے نہ سستی پیدا ہو۔ نہ نیند غالب ہو۔ جب نیند غالب ہوگی۔ تو خشوع وخضوع نہیں رہے گا۔ محنت بھی برباد ہوگی۔

۴۔ جھوٹ بولنے سے پرہیز کرے۔ جو کوئی جھوٹ بولتا ہے۔ اس کی زبان سے تاثیر جاتی رہتی ہے۔

۵۔ روزہ دار رہے۔ اس لیے کہ حدیث شریف میں آیا ہے کہ دعا

روزہ دار کی رد نہیں ہوتی۔

۶۔ قبل شروع کرنے عمل کے صدقہ ضروری ہے۔ اس سے مراد پوری ہوتی ہے، اور محتاجوں کا خوش کرنا خوشنودی حق تعالےٰ ہے اور رحمت الٰہی جوش کرتی ہے اور صدقہ دینے والا اللہ کا پیارا ہو جاتا ہے۔

۷۔ ترک حیوانات جلالی و جمالی تین روز قبل عمل شروع کرنے سے کرے۔ بدبودار چیزیں نہ کھائے۔ اس لئے کہ ملائکہ کو اس سے تکلیف ہوتی ہے۔ حضرت محمد ﷺ نے فرمایا کہ جو کوئی بدبودار چیز کھائے ہماری مسجد میں حاضر نہ ہو۔ کہ اس کی بو سے ملائکہ کو اذیت ہوتی ہے۔ جب کوئی شخص عمل پڑھنے بیٹھتا ہے تو موکل اس کے حاضر ہوتے ہیں۔ اگر اس کے منہ سے پڑھنے کے وقت بدبو نکلے گی تو موکل پریشان ہو کر بددعا کریں گے۔ عوض فائدہ کے نقصان ہوگا۔

۸۔ طہارت بدن و پاکیزگی لباس و مکان کا خاص خیال رکھے۔ غسل اور وضو کو اصول بنالے بغیر غسل کے عمل پڑھنا شروع نہ کرے اور ہمیشہ خیال رکھے کہ کپڑا ناپاک نہ ہو۔

۹۔ جس مکان میں بیٹھے نہایت صاف ہو۔ عوام الناس کا گزرگاہ نہ ہو۔ خوشبو سے مہکار ہے۔ زمین پر صرف بوریا یا مصلیٰ ہو۔ کمرہ میں اور کوئی سامان نہ ہو۔ چلہ میں وہیں سویا کرے۔ کہ اللہ کو عاجزی پسند ہے۔ خلوت گاہ میں روشنی کم ہو۔

۱۰۔ عامل کو چاہیے۔ جب عمل پڑھنے کا قصد کرے۔ تو اول گوشہ نشینی اختیار کرے۔ اور عوام کی عورتوں اور لڑکوں سے احتیاط کرے کہ صحبت کا اثر



ہوتا ہے اور ان کے اختلاط سے باطن میں تاریکی پیدا ہوتی ہے اور قلب متوجہ برائے اللہ نہیں ہوتا مخلوق کی طرف رہتا ہے۔

۱۱۔ روبقبلہ بیٹھے حالت جلوس میں مثل قعود کے بیٹھے یعنی جس طرح نماز میں بیٹھ کر التحیات پڑھتے ہیں۔ اسی طرح بیٹھے اور نیت کرے کہ فلاں اسم یا آیت کی زکات اتنی کل تعداد کی ادا کر رہا ہوں روزانہ اتنی تعداد ہوگی اور اتنے دنوں میں ختم کردوں گا۔ اے اللہ تکمیل کی توفیق دے اور اگر دو نفل اسی نیت سے ادا کرے تو بہتر ہوگا۔

۱۲۔ اعمال سے تاثیر ظاہر نہ ہو۔ تو عمل کو نہ چھوڑے برابر پڑھتا رہے مطلقاً اثر ظاہر نہ ہو۔ تب بھی نہ چھوڑے اور مایوس نہ ہو۔ یہ خیال دل میں قطعی نہ لائے کہ اتنے دن تک پڑھا ہے۔ کوئی اثر ہی ظاہر نہیں ہوا اب چھٹی دو۔ وقت ضائع نہ کرو۔ اکثر ایسا ہوتا ہے کہ بے احتیاطی یا کسی اور فرد گزاشت کے سبب عمل میں نقص ہو جاتا ہے جب تک پوری پوری سب شرطیں ادا نہ ہوں گی اثر کچھ بھی ظاہر نہ ہوگا۔ مگر یہ محنت کلی طور پر ضائع نہ ہوگی۔ بلکہ تاثیر عمل میں کام دے گی۔ عامل کو لازم ہے کہ ثابت قدم رہے اگر کسی وجہ سے ایک چلے میں فائدہ مرتب نہ ہو۔ دوسرا چلہ شروع کردے۔ اس طرح سے جب تک اثر ظاہر نہ ہو۔ پڑھتا رہے اور یقین دل میں رکھے کہ ضرور فائز المرام ہوگا۔

جب کسی عمل کے متعلق لکھا ہوتا ہے کہ ایک چلہ کی تعداد اتنی ہے۔ تو اس کا یہ مطلب نہیں ہوتا کہ صرف ایک چلہ میں ہی کامیابی ہوگی۔ جس طرح کوئی دوا ایک شیشی خرید کر لائیں تو اس کا یہ مطلب نہ ہوگا کہ ایک شیشی

Scanned with CamScanner

کھانے سے آرام آجائے گا۔ ممکن ہے۔ دو کھانی پڑیں یا تین تک فائدہ ہو۔ اس طرح عمل میں ایک چلہ اور اس کی تعداد ایک تعین ہے عین ممکن ہے اسی میں کام ہو جائے۔ ورنہ کم از کم تین چلہ تک ضرور عمل کرنا چاہیے۔

۱۳۔ شروع و ختم عمل پر درود شریف طاق مرتبہ پڑھا کرے۔ ۱۱ مرتبہ پڑھے تو انسب ہے کیونکہ اسم محمد کے عدد ۹۲ کا مفرد ۱۱ ہے۔ منقول ہے کہ دعا بندے کی مقبول نہیں ہوتی جب تک درود نہ پڑھے میں نے یہ بھی پڑھا ہے کہ درود شریف کے پر ہوتے ہیں اول آخر پڑھنے سے عمل یا دعا کو دو پر لگ جاتے ہیں چونکہ درود شریف کے لئے اللہ پاک کا وعدہ ہے کہ پیغمبر ﷺ کو پہنچانے کا خاص انتظام ہے۔ اس لئے دعا بھی ضرور قبول ہو جائے گی۔

۱۴۔ اپنے کھانے پینے کے برتن علیحدہ رکھے۔ اور اپنے کپڑے جو عبادت و عمل کے لئے خود دھوئے عامل اپنی چیزوں کو کسی دوسرے شخص کو استعمال نہ کرنے دے۔

۱۵۔ عمل پڑھنے کے لئے جو وقت مقرر کرے اس کی پابندی کرے۔ اختلافات وقت سراسر نقصان ہے۔

۱۶۔ تعین مکان و جگہ بھی ضروری ہے۔ اختلاف مکان ہرگز جائز نہیں ہے۔

۱۷۔ جب چلہ ختم کرے۔ تو ختم پر نفل پڑھے اور ختم دلائے۔ پھر کم از کم ایک ہی تعداد مقرر کرے۔ جو روزانہ پڑھتا رہے اور سختی سے اس پر مداومت کرے۔



۱۸۔ عمل عموماً جمعرات کو شروع کرتے ہیں۔ اور خصوصاً نوچندی جمعرات کو۔ میں یہ بتادوں کہ نوچندی جمعرات کسے کہتے ہیں۔ کیونکہ اکثر لوگ اس کی تلاش میں غلطی کرتے ہیں۔

یاد رہے کہ چاند چڑھنے کے پہلے تین دن سُوتک کے ہوتے ہیں ان میں جو جمعرات آئے گی وہ نوچندی نہ ہوگی۔ بلکہ چار تاریخ سے دس تاریخ کے اندر جو پہلی جمعرات ہوگی وہ نوچندی ہوگی۔ خواہ ۴ کو ہی آجائے۔ یا اس کے بعد۔ اسی طرح دوسرے نوچندی دنوں کو سمجھیں۔

۱۹۔ اگر کوئی خاص ورد یا وظیفہ ہو۔ اور وقت مقررہ پر نہ پڑھ سکے۔ تو اس کو چاہیے کہ جس وقت فرصت ملے پڑھ لے۔ آنحضرت ﷺ فرماتے ہیں کہ جس کا رات کا وظیفہ قضا ہو جائے۔ وہ اسے نماز فجر اور ظہر کے درمیان پڑھ لے۔ تو اس کا شمار رات ہی کے پڑھنے میں شامل رہے گا۔

## پرہیز جلالی و جمالی

### پرہیز جلالی:

ترک حیوانات سے مراد یہ ہے کہ عامل گوشت ہر قسم، مچھلی، انڈا، شہد، مشک، کشتہ، سیب کا استعمال ترک کردے۔ چمڑے کے برتن میں پانی نہ پئے۔ ریشمی کپڑا نہ پہنے۔ چمڑے کے جوتے نہ پہنے۔ غرضیکہ اور بھی جو چیز حیوانات سے بنتی ہے۔ اور پیدا ہوتی ہے قطعی ترک کردے۔ اس طرح وہ چھری یا چاقو یا استرا وغیرہ جس پر ہاتھی دانت یا شیر ماہی یا سینگ کا دستہ ہو۔ استعمال نہ کرے۔

جماع کرنا، بال تراشنا، ناخن اتارنا بھی منع ہے۔ لیکن بعضوں نے لکھا ہے کہ سنت بال مثل بغل، لب، پاکی اور ناخن اتارنا کر سکتے ہیں۔ ہاں اہتمام نہ کرے۔ جس قدر ممکن ہو۔ پرہیز ہی کرے تو اچھا ہے۔

سرکہ، پیاز، ترب، الگوزہ، خودساختہ نمک، خرما، عنبر کا استعمال بھی نہ کرے اور کوشش کرے کہ پھل کسی قسم کا استعمال نہ کرے کیونکہ پھلوں پر مکھیاں بیٹھتی ہیں۔ روغن کنجد روغن سرشف بھی نہیں کھانا چاہیے۔

عامل اپنے بستر پر کسی کو نہ سونے دے۔ نہ وہ کسی کے بستر پر سوئے۔ بلکہ زمین پر بستر بنائے۔ اور عمل کے دوران جن برتنوں کا استعمال کرے وہ بھی الگ رکھے۔ اور کسی کو استعمال نہ کرنے دے۔

عامل کے لئے لازم ہے کہ روزانہ غسل کرے۔ اگر ایسا نہ کر سکے تو طہارت و پاکیزگی کا انتہائی خیال رکھے۔ ہر وقت باوضو رہے۔ اگر طاقت جسمانی اچھی ہو تو ہر روز روزہ رکھے۔ ورنہ سوموار اور جمعرات کا ضرور روزہ رکھے۔

کپڑا ایسا پہنے جو سلا ہوا نہ ہو اور عمل میں کسی خاص لباس کا اشارہ نہ ہو تو اپنے ستارہ کے مطابق رنگ کا کپڑا لے۔ اس بات میں بھی احتیاط رکھے کہ جسم سے خون نہ نکلے۔ کسی درخت کا پتہ، شاخ، پھل، پھول وغیرہ نہ توڑے۔ گھوڑے یا کسی جانوروں کی سواری نہ کرے۔ اگر عمل کے دوران کسی کو اپنی خدمت کے لئے مقرر کرے تو وہ پرہیزگار اور نمازی ہو۔

**پرہیز جمالی:**

گوشت ہر قسم، مچھلی، سرکہ، شہد، پیاز، لہسن استعمال نہ کرے۔



جماع سے پرہیز کرے۔ جسم اور کپڑے کی صفائی ہر وقت رہے۔ بلکہ باوضو رہے۔ دودھ۔ لسی بھی نہ پیئے مگر بناسپتی گھی، پھل، میوے، روغن کنجد اور سرشف کی پابندی نہیں ہے استعمال کر سکتا ہے۔ برنج، دال مونگ کا استعمال کرے۔ حجامت کرنا، ناخن اتارنا، سلا ہوا کپڑا پہننا، جانور کی سواری کرنا اور جانوروں سے بنی ہوئی یا پیدہ شدہ اشیاء کا استعمال بھی ممنوع نہیں۔

## سعد و نحس تواریخ

جس وقت ماہ انتخاب کرلیں۔ تو اس میں ان تواریخ کا خیال رکھیں جو اس ماہ میں عمل یا زکات کیلئے سعد نہیں ہیں۔ ان تاریخوں میں شروع نہ کریں۔

| | | | |
|---|---|---|---|
| محرم | ۱۱-۱۴ | رجب | ۱۱-۱۲-۱۳ |
| صفر | ۲-۱۱-۲۰ | شعبان | ۱۴-۲۰-۲۶ |
| ربیع الاول | ۴-۱۰-۲۰ | رمضان | ۳-۱۲-۲۴ |
| ربیع الثانی | ۱-۱۱-۲۸ | شوال | ۲-۶-۸ |
| جمادی الاول | ۱۰-۱۱-۲۸ | ذی قعد | ۲-۶-۸ |
| جمادی الثانی | ۱-۱۱-۲۸ | ذی الحجہ | ۸-۲۰-۲۸ |

## ایام فارغہ وملانہ

علمائے جفر کے نزدیک یہ ایام بہت معتبر ہیں۔ دراصل اعمال جمالی کو ایام ملانہ میں کرتے ہیں اور اعمال جلالی کو ایام فارغہ میں کرتے ہیں۔

تقسیم ان کی یہ ہے یہ قمری تاریخیں ہیں اعمال جفر میں ان کا لحاظ کیا جاتا ہے۔

| | |
|---|---|
| ۱۔۲۔۳۔۴۔۵ | ایام فارغہ |
| ۶۔۷۔۸۔۹۔۱۰ | ایام ملانہ |
| ۱۱۔۱۲۔۱۳۔۱۴ | ایام فارغہ |
| ۱۵۔۱۶۔۱۷۔۱۸ | ایام ملانہ |
| ۱۹۔۲۰۔۲۱ | ایام فارغہ |
| ۲۲۔۲۳۔۲۴ | ایام ملانہ |
| ۲۵۔۲۶ | ایام فارغہ |
| ۲۷۔۲۸ | ایام ملانہ |
| ۲۹۔ | ایام فارغہ |
| ۳۰۔ | ایام ملانہ |

## بخورات یا دھونی

مختلف عملیات میں عملیات کے متعلقہ دھونی دی جاتی ہے۔سعد عملیات میں بخورات اور قسم کے ہوتے ہیں اور نحس عملیات میں مختلف دھونی جلاتے ہیں۔مگر ہم اس کتاب کے متعلقہ اعمال کے مطابق چند دھونیاں درج کر رہے ہیں۔جو متعلقہ عمل کی روحانیت کو متوجہ اور مانوس کرتے ہوئے تاثیر کو زوداثر اور قوی الاثر کا کام سرانجام دے گی۔

## جنات و آسیب

جنات و آسیب وغیرہ کو دفع کرنے کے لئے مندرجہ ذیل بخورات میں سے دھونی دیں۔گوگل، اجوائن، ہرمل، لوبان وغیرہ کی دھونی دینا بہتر ہے۔



## محبت و حاضری مطلوب

چونکہ محبت و عشق کے اعمال کا تعلق سعد عملیات سے ہے لہذا لوبان کی دھونی بہتر ہے اگر مطلوب کے ستارہ کے متعلق کوئی بخور شامل کر لیا جائے تو تاثیر کو قوت بخشتا ہے۔بشرطیکہ ستارہ سعد ہو

## نفرت و عداوت

اعمال بغض و جدائی کا تعلق نحس عملیات سے ہے۔اس میں ہینگ کی دھونی عمل کی تاثیر کو قوت بخشتی ہے۔

اگر جانبین کے ستاروں میں سے کسی نحس ستارے کی دھونی شامل کر لی جائے تو جلد رزلٹ کی حامل ثابت ہوگی۔ورنہ مریخ یا زحل کا بخور شامل کر لیں۔

## مقہوری اعداء

دفع دشمنان و حاسدان وغیرہ کے عملیات کا تعلق نحس ترین اعمال سے ہے ان میں ہمارا معمول مندرجہ ذیل بخور ہے۔کوڑا کرکٹ (روڑی) سے حاصل شدہ گوبر، بھوسہ، تنکے وغیرہ کے ساتھ ہینگ اور پیاز کے چھلکوں کی دھونی ہے۔

Scanned with CamScanner

# ساعات لیل والنہار

(طلوع آفتاب سے غروب آفتاب تک)

ہر دن کا پہلا ستارہ اس دن کا بادشاہ ہوتا ہے۔ باقی ستارے اس کے ماتحت ہوتے ہیں۔

| دن | پہلا گھنٹہ | دوسرا گھنٹہ | تیسرا گھنٹہ | چوتھا گھنٹہ | پانچواں گھنٹہ | چھٹا گھنٹہ | ساتواں گھنٹہ | آٹھواں گھنٹہ | نواں گھنٹہ | دسواں گھنٹہ | گیارہواں گھنٹہ | بارہواں گھنٹہ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| جمعہ | زہر | عطارد | قمر | زحل | مشتری | مریخ | شمس | زہرہ | عطارد | قمر | زحل | مشتری |
| ہفتہ | زحل | مشتری | مریخ | شمس | زہرہ | عطارد | قمر | زحل | مشتری | مریخ | شمس | زہرہ |
| اتوار | شمس | زہرہ | عطارد | قمر | زحل | مشتری | مریخ | شمس | زہرہ | عطارد | قمر | زحل |
| سوموار | قمر | زحل | مشتری | مریخ | شمس | زہرہ | عطارد | قمر | زحل | مشتری | مریخ | شمس |
| منگل | مریخ | شمس | زہرہ | عطارد | قمر | زحل | مشتری | مریخ | شمس | زہرہ | عطارد | قمر |
| بدھ | عطارد | قمر | زحل | مشتری | مریخ | شمس | زہرہ | عطارد | قمر | زحل | مشتری | مریخ |
| جمعرات | مشتری | مریخ | شمس | زہرہ | عطارد | قمر | زحل | مشتری | مریخ | شمس | زہرہ | عطارد |

(غروب آفتاب سے طلوع آفتاب تک)

ہر رات کا پہلا ستارہ اس رات کا بادشاہ ہوتا ہے۔ باقی ستارے اس کے ماتحت ہوتے ہیں۔

| شب | پہلا گھنٹہ | دوسرا گھنٹہ | تیسرا گھنٹہ | چوتھا گھنٹہ | پانچواں گھنٹہ | چھٹا گھنٹہ | ساتواں گھنٹہ | آٹھواں گھنٹہ | نواں گھنٹہ | دسواں گھنٹہ | گیارہواں گھنٹہ | بارہواں گھنٹہ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| جمعہ | قمر | زحل | مشتری | مریخ | شمس | زہرہ | عطارد | قمر | زحل | مشتری | مریخ | شمس |
| ہفتہ | مریخ | شمس | زہرہ | عطارد | قمر | زحل | مشتری | مریخ | شمس | زہرہ | عطارد | قمر |
| اتوار | عطارد | قمر | زحل | مشتری | مریخ | شمس | زہرہ | عطارد | قمر | زحل | مشتری | مریخ |
| سوموار | مشتری | مریخ | شمس | زہرہ | عطارد | قمر | زحل | مشتری | مریخ | شمس | زہرہ | عطارد |
| منگل | زہرہ | عطارد | قمر | زحل | مشتری | مریخ | شمس | زہرہ | عطارد | قمر | زحل | مشتری |
| بدھ | زحل | مشتری | مریخ | شمس | زہرہ | عطارد | قمر | زحل | مشتری | مریخ | شمس | زہرہ |
| جمعرات | شمس | زہرہ | عطارد | قمر | زحل | مشتری | مریخ | شمس | زہرہ | عطارد | قمر | زحل |



## عمل نمبر 1 قمری اعداد

یا بدیع العجائب بالخیر یا بدیع

(۱۱۵۴) = ۸۶ + ۱۱ + ۸۴۳ + ۱۱۷ + ۸۶ + ۱۱

## اعداد شمسی

یا بدیع العجائب بالخیر یابدیع

(۷۳۲۲) = ۲۱۰۱ + ۱۵۲۱ + ۱۵۹۹ + ۱۱۰۰ + ۱۰۰۱

## کل حروف

جن حروف کے اعداد لیے گئے ہیں انکی تعداد چھبیس (26) ہے۔

مندرجہ بالا عمل بدیع تمام خیر والے اعمال میں اپنی مثال آپ ہے۔ اس عمل کے مختلف کاموں میں مختلف رخ ہیں لھذا تمام نوعیتیں اس عمل کی یہیں بیان کی جائیں گی تا کہ ہر نوعیت اور اس عمل کے ہر رخ کے اوقاف شروع ہی میں موضوع کے مطابق معلوم ہو جائیں لیکن طریقہ استعمال متعلقہ ابواب میں آئے گا۔ انشاءاللہ!

## عمل نمبر 2 وفق قمری

یا بدیع العجائب بالقہر یا بدیع

(۶۵۰) = ۸۶ + ۱۱ + ۳۹ + ۱۱۷ + ۸۶ + ۱۱

## وفق شمسی

یا بدیع العجائب بالقہر یا بدیع

(۸۵۱۵) = ۱۱۰۰ + ۱۰۰۱ + ۱۷۱۴ + ۱۵۹۹ + ۱۱۰۰ + ۱۰۰۱

## کل حروف

عمل ثانی یابدیع کے کل حروف جن کے اعداد حاصل کیئے گئے ہیں چھبیس (۲۶) ہیں۔

### عمل نمبر3 وفق قمری

یا بدیع العجائیب بالرزق یا بدیع

(۶۵۲) = ۸۶ + ۱۱ + ۳۴۱ + ۱۱۷ + ۷۶ + ۱۱

### وفق شمسی

یابدیع العجائیب بالرزق یابدیع

(۷۶۳۵) = ۲۱۰۱ + ۸۳۴ + ۱۵۹۹ + ۲۱۰۱

## کل حروف

مندرجہ بالا عمل یابدیع "بالرزق" میں چھبیس (26) حروف ہیں۔

### عمل نمبر4 وفق قمری

یا بدیع العجائیب بالشفاء یابدیع

(۷۲۷) = ۹۷ + ۴۱۶ + ۱۱۷ + ۹۷

### وفق شمسی

یا بدیع العجائیب بالشفاء یابدیع

(۷۵۴۷) = ۲۱۰۱ + ۷۴۶ + ۱۵۹۹ + ۲۱۰۱

## کل حروف

یا بدیع کے چوتھے عمل میں ان حروف کی تعداد جن کے اعداد لیے گئے ہیں وہ کل



ستائیس (۲۷) ہیں۔

### عمل نمبر5 وفق قمری

یا بدیع العجائیب بالفتوح الغیب یابدیع

(۱۸۸۲) = ۹۷ + ۱۵۷۱ + ۱۱۷ + ۹۷

### وفق شمسی

یا بدیع العجائیب بالفتوح الغیب یابدیع

(۸۹۱۷) = ۲۱۰۱ + ۳۱۱۶ + ۱۵۹۹ + ۲۱۰۱

## کل حروف

۳۲ حروف اس عزیمت کے کل ہیں جنکے اعداد شمسی اور قمری میں استعمال میں لاتے ہوئے وفق بیان کیے گئے ہیں۔

### عمل نمبر6 وفق قمری

یابدیع السمٰوٰت والارض یابدیع

(۱۷۶۹) = ۹۷ + ۱۰۳۸ + ۵۳۷ + ۹۷

### وفق شمسی

یابدیع السمٰوٰت والارض یابدیع

(۷۵۰۸) = ۲۱۰۱ + ۱۳۷۲ + ۱۹۳۴ + ۲۱۰۱

## کل حروف

اس میں کل حروف ۲۴ ہیں جنکے اعداد قمری اور شمسی حاصل کئے گئے ہیں۔

میرے ربّ نے عاجز ناچیز پر اپنا خاص فضل وکرم کیا جس کی برکات سے حروف والفاظ اور آیات کے خواص ظاہری وباطنی ظاہر کرتے ہوئے ان سے اپنے امورجات دینی و دنیاوی حاصل کرنے سے آگاہ کیا ہے۔

مندرجہ بالا امورجات کی طرح اسی عزیمت یابدیع سے آپ حب اور تسخیر کے کام بھی لے سکتے ہیں اسی طرح اگر آپکا شعور ساتھ دے تو کوئی بھی کام اسم یابدیع سے بعید نہیں ہے لیکن ہم پھر بھی آپکو اپنی کوشش کے مطابق بیان کرنے کی ہمت کریں گے۔

آپ کی دعائیں اور اللہ رب العزت کی توفیق چاہیے ورنہ عاجز تو حقیقت میں کوئی حیثیت ہی نہیں رکھتا، عاجز تو یہ بھی نہیں جانتا کہ کس وجہ سے اس ناچیز سے اتنا بڑا کام لیا جارہا ہے یہ تو اللہ جل جلالہ کا احسان عظیم ہے جسکا شکریہ ادا کرنے کیلئے میرے پاس الفاظ بھی نہیں ہیں اور زندگی بھی کم ہے۔

## اسم یابدیع کے خواص وفوائد

اس اسم کے خواص کلی طور پر بیان کرنے سے قلم وعلم انسانی عاجز ہے، اس لیئے کہ کسی بھی شخصیت کا نام اس شخصیت کو مکمل طور سے بیان کرتا ہے اسی طرح کسی بھی ادارہ کا نام اس ادارہ کی مکمل تفصیل اپنے اندر رکھتا ہے بعینہ اسم ذات اللہ بھی اپنے اندر ہو تمام تفصیل رکھتا ہے جو صلاحیتیں وخواص اللہ تعالی میں پائے جاتے ہیں اسی طری اللہ رب العزت کا ہر صفائی نام فقط نام ہی نہیں بلکہ وہ ایک خزانہ ہے، دفتر ہے ادارہ ہے جو متعلقہ کاموں کی تفصیل اپنے اندر رکھتا ہے۔

یہ تو ہمیں آپ کو سمجھانے کیلئے مثالیں دیں ورنہ مکمل طور پر بیان کرنے سے اس ذات کی کسی بھی صفت کو تمام مخلوقات عاجز ہیں اور یہی بات قرآن بھی کہتا ہے۔ " کہہ دو اگر سمندر (بحر) ہو جائیں سیاہی اور تعریف لکھیں میرے ربّ (اللہ) کی بے شک سمندر (بحر) ختم ہو



جائیں اور نہ ختم ہو میرے ربّ (اللہ) کی باتیں (تعریف) اگرچہ اور بھی لے آئیں پہلے کی طرح۔(سمندر) **(سورۃ کھف آیۃ ۱۰۹)**

اس لیے اس اسم کے خواص وفوائد سے آگاہ ہونے کیلئے اولاً معنی جاننے بہت ضروری ہیں تاکہ تشریح ذہن میں آسکے۔

ترجمہ۔ **"یابدیع "** نادر پیدا کرنے والا۔

یعنی اے وہ ہستی جو کسی بھی چیز کو نئے سرے سے تخلیق کرنے کی صلاحیت رکھتی ہو۔خواہ اس چیز کا پہلے سے وجود ہو یا نہ ہو یعنی جب کائنات کا بالکل وجود ہی نہ تھا تو اللہ رب العزت نے تخلیق کی (بدیع) اور جب قیامت آجائے گی تو زمین وآسمان اور تمام ستارے ٹوٹ پھوٹ جائیں گے۔اگر اللہ رب العزت ان ٹوٹے پھوٹے ستاروں کو اور زمین وآسمان کو دوبارہ صحیح کرنا چاہیں کرسکتے ہیں۔بالکل اسی طرح جس طرح اللہ رب العزت نے انسانوں اور جنات کو فرمایا ہے کہ یہ نہ سمجھو کہ موت کے بعد دوبارہ اٹھائے نہیں جاؤ گے بلکہ قبروں سے نکال کر یوم الدین قائم کیا جائے گا۔یہ تمام تشریح ہے اسم یابدیع کی اب ہم آپکو اس اسم کے خواص وفوائد سے آگاہ کرتے ہیں۔

## خواص وفوائد

جس طرح ہم نے بدیع کا ترجمہ نئے سرے سے پیدا کرنے والا کیا بالکل ویسے ہی خواص وفوائد کا خزانہ ہے یہ اسم کسی بھی کام کو شروع کرنے سے پہلے کثرت سے اسکا ورد کرنا اس کام کیلئے اسم اعظم کا درجہ رکھتا ہے اور آب حیات کیطرح کام کرتا ہے اور علم وحکمت کے حصول کیلئے اکسیر کا درجہ رکھتا ہے ہم انشاءاللہ تفصیل متعلقہ باب میں بیان کریں گے۔(انشاءاللہ) اگر کوئی کتاب لکھنے کیلئے کوشاں ہو تو اسے چاہیے کہ اس اسم کا ورد کثرت سے کرے اس کی برکت سے ایسے ابواب علم وحکمت کے کھلیں گے کہ عقل بھی حیران رہ جائے گی۔اور جو روحانیت کا

Scanned with CamScanner

طالب ہواورعلوم مکاشفہ چاہتا ہوا سکے لیے اس کاورد کرنا منزل کی رہبری کا باعث بنے گا اور اسی طرح جو بات یا علم یا طلسم سمجھ نہ آتا ہوا سے چاہیے کہ اس کا ورد باطہارت کرے ہم انشاءاللہ کشف القلوب اور کشف القبور میں اسکی مزید وضاحت کریں اسی طرح ٹوٹی ہوئی ہڈی یا اعضاء کی خرابی کو درست کرنے کیلئے بھی اس کا ورد کرنا بہتر ہے، اگر کسی مرد یا عورت کے جراثیم کمزور ہوں یا مردہ ہوں تو یہ اسم ایسی برکات کا باعث ہے کہ اس کی بدولت مردہ جراثیم دوبارہ زندہ اور طاقتور ہو جائیں گے عاجز تو شروع ہی میں بیان کر چکا ہے کہ جس طرح کوئی بھی نام اپنے اندر متعلقہ تفصیل رکھتا ہے اپنے موسوم کی یہ تو پھر اللہ رب العزت کا نام ہے ہم اس ایک اسم پر کتاب تحریر کر رہے ہیں یہ تو کچھ بھی نہیں ہے اصل تو یہ ہے کہ سمندر کا ایک قطرہ بھی نہیں مکمل طور پر بیان۔۔۔۔

اب ہم اس اسم کی اور متعلقہ بیان شدہ عزیمتوں کی زکاتیں ادا کرنے کے طریقہ جات اور اسکی روحانیت کو مانوس و مسخر کرنے کے طریقے تحریر کرتے ہیں ہم انشاءاللہ اس اسم کے موکلات کو تابع اور اسکی روحانیت سے کام لینے کے طریقے بھی بیان کریں گے تا کہ کوئی ایسا پہلو نہ رہ جائے جسکی ضرورت عامل کو اپنی زندگی میں پیش آتی ہے اور یہ طریقہ کار اصل ہے عملیات کا صرف دانائی کی ضرورت ہے تا کہ عقل وفہم صحیح استعمال ہو سکے اور آپ زندگی بھر مستفید ہو سکیں۔

# زکاتیں

یا بدیع میں کل چار حروف استعمال ہوئے ہیں" یا "حروف ندا میں سے ہے اسکے اعداد یا حروف شامل کرنے ضرورت نہیں ہے لھٰذا آپ کو اگر صرف کسی بھی اسم کی زکات ادا کرنا ہو تو آپ ندا سے پڑھیں اور مندرجہ ذیل طریقوں میں سے کوئی بھی طریقہ زکات آپکے عمل میں روحانی تاثیر پیدا کر دے گا جو آپکے امور جات میں کام کرے گی۔



## طریقہ اوّل

یہ طریقہ اصولاً جفری قوانین کے مطابق بالکل صحیح ہے لیکن قدرے عجیب ہے بوجہ متعلقہ ایام میں پڑھائی کی تعداد مختلف ہے لیکن ہم آپکو خصوصی طریقہ جات کے ساتھ ساتھ عمومی طریقہ جات سے بھی آگاہ کریں گے تا کہ جو بھی طریقہ پسند آئے آپ عمل کر کے فائدہ اٹھائیں۔

| ایام | روز اوّل | دوم | سوم | ۴ | ۵ | ۶ | ۷ | ۸ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| نیت | بمطابق اعداد | نصاب | زکات | عشر | قفل | دور مدور | بذل | ختم |
| تعداد | ۴۰۰۰ | ۱۶۰۰۰ | ۸۰۰۰ | ۴۰۰۰ | ۲۰۰۰ | ۱۶۰۰۰ | ۷۰۰۰ | ۱۲۰۰ |

**نوٹ۔** ایک بات ذہن نشین ہونی چاہئے کہ زکات میں تسلسل اور نیت شرط اول ہے وقت اور جگہ کا مقرر کرنا شرط دوم ہے پھر متعلقہ پرہیز جات کرنے اشد ضروری ہوتے ہیں مثلاً جلالی اعمال میں جلالی ور جمالی اعمال میں جمالی پرہیز کرنا بہت ضروری ہوتا ہے جسکی تشریح کتاب ہذا کے اول ہی میں بیان کی جا چکی ہے اور اگر پرہیز جلالی جمالی دونوں ایک ساتھ کیلئے جائیں تو زیادہ بہتر ہے۔

## طریقہ دوم

| ایام | ۱ | ۲ | ۳ | ۴ | ۵ | ۶ | ۷ | ۸ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| نیت | صغیر | وسیط | کبیر | نصاب | حظ | کفو | ختم | بدیع |
| تعداد | ۴ | ۴۰ | ۴۰۰ | ۴۰۰۰ | ۸۵ | ۱۹۳ | ۱۴۷۰۶ | ۴ |

Scanned with CamScanner

## طریقہ سوم

| ایام | ۱ | ۲ | ۳ | ۴ | ۵ | ۶ | ۷ | ۸ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| نیت | بدیع | کبیر | اکبر | کبائر | اکبر کبائر | اصغر | صغائر | اصغر صغائر |
| تعداد | ۸۶ | ۳۴۴ | ۱۳۷۶ | ۵۵۰۴ | ۲۲۰۱۶ | ۴۳ | ۲۲ | ۱۱ |

مندرجہ مذکورہ طریقوں کے علاوہ چند عمومی طریقے بھی ہیں جو مشہور ہیں انکو بیان کرنے کے ساتھ ساتھ ہم ایک غلط فہمی کا ازالہ بھی کریں گے ۔ انشاء اللہ تعالیٰ

## عمومی طریقہ زکات

(۱) اسم "یابدیع" کو شب جمعہ سے عروج ماہ قمری ہر شب کو وقت جگہ مقرر کر کے تین ہزار ایک سو پچیس (۳۱۲۵) مرتبہ پڑھیں اکتالیس (۴۱) روز تک۔

(۲) بلاناغہ آپ اسم "یابدیع" کو چار ہزار (۴۰۰۰) مرتبہ چالیس (۴۰) یوم تک پڑھ کر زکات ادا کریں متعلقہ تمام لوازمات کو پورا کرتے ہوئے۔

(۳) "یابدیع" کو وقت جگہ مقرر کر کے قبلہ رو پرہیز جلالی جمالی کے ساتھ چار ہزار چار سو چوالیس (۴۴۴۴) مرتبہ پڑھ کر اکتالیس (۴۱) دن تک زکات ادا کریں۔

## غلط فہمی

بعض عاملین کو دیکھا گیا ہے کہ وہ ایک طریقہ زکاتِ اسماء چالیس (۴۰) یوم تک (1100) مرتبہ پڑھتے ہیں یہ ایک بہت بڑی غلطی ہے اس لیے کہ یہ طریقہ مکمل آیات یا باموکل اسماء یا پھر سفلی منتروں میں کامیاب ہے اصل مقصد یہ ہے کہ صرف لفظ "یا بدیع" کو (1100) مرتبہ پڑھ لینا کافی نہیں ہے اگر آپ نے (1100) مرتبہ والا طریقہ ہی اپنانا ہے تو پوری عزیمت یا بدیع میں بہتر ہے یا باموکل عزیمت "اجب یا جبرائیل بحق یا بدیع" میں زیادہ



موزوں ہے اب آپ یقیناً قانون بھی سمجھ گئے ہوں گے اور غلطی کا بھی پتہ چل گیا ہوگا۔

اب آتے ہیں دو چند طریقے اسم یابدیع کی مذکورہ عزیمتوں کی زکاتیں ادا کرنے کے بیان کر دیتے ہیں۔

## زکات کا طریقہ اوّل

بیان کردہ عزیمتوں میں سے کسی بھی ایک عزیمت کو سوا لاکھ مرتبہ پڑھ کر زکات ادا کریں۔

## طریقہ نمبر۲

چار ہزار (۴۰۰۰) مرتبہ پڑھیں روزانہ بلاناغہ وقت اور جگہ مقرر کرتے ہوئے تمام لوازمات چلہ کشی سے 41 دن تک۔

## طریقہ نمبر۳

1100 مرتبہ بلاناغہ لوازمات چلہ کشی کو پورا کرتے ہوئے مسلسل 40 روز تک پڑھ کر زکات ادا کریں یہ طریقہ جلالی میں زیادہ بہتر ہے مگر 41 دن کا عمل ہوگا۔

## طریقہ نمبر۴

پرہیز جلالی و جمالی کے ساتھ 40 یوم تک ہر روز وقت و جگہ مقرر کر کے بارہ سو (۱۲۰۰) مرتبہ پڑھیں۔

## طریقہ نمبر۵

1200 مرتبہ ۱۲ دن یا ۳۶ یوم تک پڑھنے سے بھی زکات ادا ہوجائے گی آپ اپنے مقاصد کو چھونے لگتے ہیں۔

Scanned with CamScanner

اگر آپ 40 یوم مکمل کریں ۱۲۰۰ مرتبہ پڑھائی کے ساتھ تو اپنے اندر عجیب قوتِ روحانی محسوس کروگے اور ہر بیماری، درد اور متعلقہ نقوش میں متاثر کن تاثیراتی رزلٹ پاؤ گے صرف ہر نقش پر یا دم کرتے وقت صرف ۱۲ مرتبہ پڑھ کر دم کریں کافی ہے اگر درد ہے تو ہر ۱۲ کے بعد پوچھیں اور تین سے بارہ دم ایک ہی مجلس میں کرنا زبردست نتائج کا حامل ہے۔

اگر آپ ۱۲۰۰ مرتبہ وقت مقرر اور جگہ مقرر کے ساتھ ہمیشہ مداومت رکھیں تو معجزے اور کرامات ظاہر ہوں اور دعا کیلئے دل سے ہاتھ اٹھائے تو اللہ رب العزت کبھی بھی خالی نہ لوٹائے ایسے صاحب مداومت سے عجائبات ظاہر ہوں کہ اصحاب معاملات حیران رہ جائیں اور تسخیر و فتوح کے دروازے کھل جائیں ایک وقت ایسا آئے صاحب ریاضت کا حکم جن وانس پر چلے اور فرشتے اطاعت کریں اور یہ سب تقویٰ اور ریاضت پر منحصر ہے۔

## طریقہ نمبر ۶

ایک قاعدہ ہم بیان کردیتے ہیں جو علماء جفر کے خواص میں پایا جاتا ہے لیکن عام فائدہ بھی بیان کردیتے ہیں تاکہ آپ کے علم میں اضافہ ہوجائے طریقہ عمومی یہ ہے کہ آپ جس عزیمت کی روحانیت کو مانوس کرنا چاہتے ہیں "وفق قمری" کو مناسب ایام پر تقسیم کرتے ہوئے "وفق قمری" کی تعداد پوری کردیں کافی ہے لیکن یہ طریقہ بڑی آیات اور سورتوں میں چلتا ہے چھوٹے اسباق میں تو وفق ہی بہت چھوٹا ہوتا ہے

## خصوصی طریقہ

وفق قمری کی تعداد کو روزانہ اس عزیمت یا آیت میں جتنے حروف ہوں اتنے دنوں تک پڑھیں اور یہ طریقہ اپنی مثال آپ ہے اور زبردست روحانی قوتوں کا حامل ہے عقلمند کیلئے اشارہ کافی ہے زیادہ تعریف اور زیادہ تفصیل اچھی نہیں لیکن اگر آپ مزید قانون سے فائدہ اٹھانا



چاہتے ہوں تو ۱۲ پر تقسیم کرکے طالع استخراج کریں اور ۷ پر تقسیم کرکے ساعت معلوم کریں اور یہی وقت ابتداء عمل ہے اب ہم مزید تفصیل کی ضرورت نہیں سمجھتے کیونکہ دیواروں کے بھی کان ہوتے ہیں اور جاہلوں سے کچھ خاص اشیاء کا چھپانا ضروری ہوتا ہے تاکہ خواص کی باتیں عوام تک نہ پہنچ سکیں یہ قاعدہ سیف ضارب ہے۔

اب آتے ہیں کہ کیسے ان عزیمتوں سے فائدہ حاصل کیا جاسکتا ہے اور ان کے نقوش وغیرہ سے کس طرح کام لینا ہے۔

## عاملین حضرات کیلئے نادر و نایاب تحفہ

اسم یابدیع عاملین کیلئے ایسا آبِ حیات ہے جو شخص اس کی مداومت رکھتا ہے اسکے تمام چھوٹے ہوئے وظائف دوبارہ خود بخود اپنی روحانیت زندہ کرتے ہوئے عاملین کو فائدہ پہنچانا شروع کردیتے ہیں اور عامل کی روحانی قوتیں بیدار ہوجاتی ہیں۔

جو عامل یہ سمجھتا ہو کے فلاں وظیفہ بہت کارآمد تھا لیکن نت نئے نئے وظائف کرنے کے چکر میں وہ ہاتھ سے نکل گیا اب دوبارہ اتنا نہ تو وقت ہے نہ ہی قوت ہے کہ کرسکے۔ اس کو چاہئے کہ نیت وارادہ عمل کو بیدار کرنے کیلئے عمل یابدیع صرف رات کو چار ہزار مرتبہ چار دن تک پرہیز جلالی جمالی سے کھڑے ہو کر باوضو قبلہ رو کریں عمل کا اختتام شب جمعہ کو ہونا چاہیے یا پھر ابتداء شب جمعہ کو کریں صرف لفظ "یابدیع" کو چار ہزار (۴۰۰۰) مرتبہ اس نیت سے پڑھیں۔

اگر آپ پچھلے تمام وظائف جو ایک سے زائد ہیں انکی روحانیت کو بیدار کرنا چاہتے ہیں اور کھوئی ہوئی روحانی قوتوں کو دوبارہ حاصل کرنا چاہتے ہیں تو "یابدیع العجائب بالرّوحانیات یابدیع" کو ۱۲۰۰ مرتبہ ۱۲ دن تک پڑھیں اور اس عمل کی ابتداء میں مندرجہ بالا عمل کرنا تاثیر کو قوت بخشے گا اور جلد منزل مقصود تک پہنچ جائیں گے۔ انشاءاللہ تعالیٰ

Scanned with CamScanner

# تحفہ خاص برائے عاملین

یہ عمل حدیث میں بھی ہے آپ ﷺ سے ثابت ہے اگر "یا بدیع" کے ساتھ پڑھا جائے تو عامل کی روحانیت کبھی بھی ضائع نہ ہو اور اگر کوئی وظیفہ کسی دن رہ بھی جائے تو اس عمل کی برکت سے شمار کیا جائے گا اور اللہ تعالیٰ مداؤمت کے برابر اجر بھی دے گا اور روحانیت بھی قائم رکھے گا جو دعا حدیث شریف میں آئی ہے وہ قرآن شریف کی آیت بھی ہے

بسم اللہ الرحمن الرحیم فسبحن اللہ حین تمسون و حین تصبحون ولہ الحمد فی السمٰوٰت والارض وعشیاً وّحین تظھرون یخرج الحیی من المیّت ویخرج المیت من الحیی و یحیی الارض بعد موتھا و کذالک تخرجون یا حیی بحق یا بدیع

مندرجہ بالا آیت قبل از طلوع آفتاب بعد از فجر اور قبل از غروب آفتاب بعد از عصر 1+1 مرتبہ پڑھ لینا کافی ہے

ہمارا طریقہ یہ ہے کہ عاجز صرف نماز فجر کے بعد ایک مرتبہ آیت پھر تین مرتبہ یا حیی بحق یا بدیع یہ ایک مرتبہ شمار کیا اسکو ۷ مرتبہ پھر سبحان اللہ وبحمدہ سبحان اللہ العظیم ۷ مرتبہ اول آخر درود شریف ۳+۳ مرتبہ پھر دعا

اللّٰھم انّی اسئلک علماً نافعاً وعملاً متقبلاً ورزقاً طیّباً واسعاً ومالاً حلالاً کثیراً کثیراً بحقّ محمد وآل محمد ﷺ یا بدیع یا بدیع یا بدیع

اس دعا کو تین مرتبہ بھی دہرا سکتے ہیں پھر دعا ربنا اٰتنا فی الدّنیا حسنۃ وّفی الاخرۃ حسنۃ وقنا عذاب النّار ایک مرتبہ۔



# نقوش وتعویزات کی زکاتیں

اس سے قبل کہ ہم آپکو "یا بدیع" اور اسکی عزیمتوں سے کس طرح مختلف امورجات میں کام لینا ہے ہم چند طریقے تعویزات اور نقوش کی زکاتوں کو بیان کردیں تاکہ کسی بھی قسم کا کوئی بھی پہلو باقی نہ رہے جس طرح عزیمت یا اسم کی روحانیت کو مانوس کرنے کیلئے وظیفہ یا پڑھائی کی جاتی ہے اسی طرح اسی آیت یا اسم کو تحریراً لکھ کر اسکی تحریری قوت کو مسخر کیا جاتا ہے ایک عامل کیلئے ایک ہی سبق یعنی آیت یا اسم کی روحانیت کو دونوں طرح مسخر کرنا بہتر ہوتا ہے تاکہ تاثیر جلد از جلد اثر دکھلائے اور عامل کامل قوت کا حامل ہوجائے یہ طریقہ اعلیٰ اور بہتر ہے عامل اپنے اندر دوگنی طاقت محسوس کرتا ہے ہم چند طریقے بیان کرتے ہیں جو چاہیں کریں ہر طریقہ پر تاثیر اور روحانی قوت کا حامل ہے فقط یقین کامل ضروری ہے۔

## طریقہ نمبر۱

اگر عمل 40 دن کا ہے تو چالیس تعویز ہی روزانہ تحریر کیے جائیں اگر اکتالیس یوم کا ہے تو پھر 41 تعویزات روزانہ تحریر کیے جائیں گے

## طریقہ نمبر۲

چودہ ہزار چار سو (۱۴۴۰۰) تعویزات جفت ایام میں تحریر کر کے تعویزات کی زکات ادا کریں۔

## طریقہ نمبر۳

کسی بھی تعویز کو سوالاکھ تحریر کرنا کامل تاثیر کا حامل ہوتا ہے یہ طریقہ تمام نقوش میں چلتا ہے۔

Scanned with CamScanner

## طریقہ نمبر۴

وفق قمری کے مطابق نقوش کی تحریری زکات ادا کریں خواہ جتنے بھی ایام لگیں

## طریقہ نمبر۵

اسم بدیع کے چھیاسی نقوش روزانہ چھیاسی دنوں تک لکھ کر زکات ادا کریں

## طریقہ نمبر۶

اگر کسی عامل نے مثلث طبعی اور مربع طبعی کی زکاتیں ادا کی ہوئی ہیں صحیح قانون کے مطابق تو اسے ان وضعی نقوش کی زکات ادا کرنے کی ضرورت بالکل نہیں ہے۔

ہم نے اپنی کتاب "عملیات مثلث المعروف نقش آدمؑ وحوّا" یعنی پندرہ یہ مثلث نقش آدمؑ وحوّا پر پوری کتاب تحریر کی ہے اور تفصیل سے تمام طریقے اور قوانین تحریر کیے ہیں اسمیں دیکھیں اسی طرح ہم نے مربع پر بھی ایک کتاب تحریر کی ہے "آئینۃ العجل المعروف عملیات نقش المربع" لکھی ہے کہ شاید ہی کوئی پہلو چھوڑا ہوا ان کتابوں کی مدد سے آپ تفصیلی طور پر نقوش وغیرہ اور تعویزات پر کرنے کے تمام قوانین کی جان کاری حاصل کر سکتے ہیں ایک عامل کیلئے ان دونوں کتابوں کا مطالعہ خاص طور پر کرنا بہت ضروری ہے

## طریقہ نمبر۷

دو طریقے ہیں علیحدہ علیحدہ بیان کرتے ہیں ایک طریقہ مثلث نقش یا بدیع کی زکات ادا کرنے کا ہے اور دوسرا طریقہ مربع نقش یا بدیع کی زکات ادا کرنے کا ہے۔

اگر آپ نے مثلث میں کسی بھی عزیمت یا بدیع یا اسم کا نقش تحریراً زکات ادا کرنا ہو تو آپ ۴۵ نقش روزانہ وقت جگہ مقرر ۴۵ دنوں تک باپرہیز لکھیں۔

اور اگر اسی طرح مربع میں اسم یا بدیع یا اسکے متعلق کسی عزیمت کی زکات ادا کرنا ہے تو



آپ ایک سو چھتیس (۱۳۶) نقوش وقت جگہ مقرر کر کے بلا ناغہ ۱۳۶ دنوں تک تحریراً زکات مربع ادا کریں۔

# قضائے حاجات اور حل المشکلات

اس کتاب کے شروع ہی میں ہم ایسے عملیات درج کریں گے جو زندگی میں ہر مشکل میں کام آنے والے ہیں اور آپکی ہر حاجت بغیر محنت اور کوشش سے پورے ہو مگر ایک محنت ضرور کرنا پڑے گی وہ محنت ہے عمل یا بدیع کی لھذا ہم آپکو چند مجرب اعمال بتلاتے ہیں جو ہر مشکل میں آپکو ساتھ دیں گے ان میں سے جو پسند آئے اپنے معمولات میں جگہ دیکر فائدہ کثیر حاصل کریں۔

## عمل نمبر۱

کسی بھی مشکل میں بارہ ہزار (۱۲۰۰۰) مرتبہ شب جمعہ کو پڑھیں "یا بدیع العجائب بالخیر یا بدیع" درود شریف اوّل آخر ۱۲+۱۲ مرتبہ پڑھیں اور پھر اپنی حاجت بیان کریں

## عمل نمبر۲

اگر کوئی ایسی مشکل آ گئی ہو جسکا حل کرنا بہت دشوار ہو مصائب کا پہاڑ ٹوٹ پڑا ہو اور نحوسات کے بادل چھا گئے ہوں تو ایسے وقت میں گھر کے چند افراد جنکی تعداد طاق ہو روزانہ وہی افراد پڑھیں جو پہلے دن پڑھائی کریں اور جب بھی پڑھائی کیلئے بیٹھیں ۱۱ مرتبہ درود شریف پڑھیں اور اگر درمیان میں کسی کو کوئی بات کرنا پڑے تو بات کرنے والا پہلے درود پڑھے پھر مختصر بات کرے پھر درود پڑھ کر پڑھائی شروع کر دے پڑھائی کی کل تعداد سوا لاکھ مرتبہ ہے

بسم اللہ الرحمٰن الرحیم "یا بدیع العجائب بالخیر یا بدیع"

Scanned with CamScanner

## عمل نمبر ۳

عام حالات میں اور چھوٹے مسائل میں ۱۲ دنوں تک وقت جگہ مقرر کرتے ہوئے ۱۲۰۰ مرتبہ اول آخر ۱۲+۱۲ مرتبہ درود شریف پڑھیں باوضو قبلہ رو پڑھائی کی ابتدا شب جمعہ کو کریں اگر مجبوری ہو تو عروج ماہ ضروری نہیں ہے ورنہ بہتر یہ ہے کہ عروج ماہ عمل کیا جائے۔

## عمل نمبر ۴

اگر رات کو بعد نماز عشاء باوضو قبلہ رو تین دن تک مسلسل ایک ہزار مرتبہ روزانہ "یابدیع العجائب بحل المشکلات یابدیع" اوّل آخر درود شریف ۱۰+۱۰ مرتبہ کے ساتھ پڑھائی کریں انشاءاللہ پہلی ہی رات کے عمل سے مسئلہ حل ہوتا ہوا نظر آجائے گا

## عمل نمبر ۵

اگر کوئی بھی مشکل سے مشکل امر پیش آجائے تو ستر ہزار (۷۰۰۰۰) مرتبہ " یابدیع العجائب بحل المشکلات یابدیع " پڑھیں زبردست نتائج کا حامل ہے قدر کریں۔

## عمل نمبر ۶

اگر کوئی یہ چاہے کہ اسکا ہر کام غیب سے سرانجام ہو اور فتوحات کے دروازے اس پر کھل جائیں کبھی کوئی مشکل پیش نہ آئے تو وہ کثرت سے یابدیع بحق یاباسط پڑھے یہاں تک کہ حال طاری ہو جائے قلب جاری ہو جائے اور آپ رطب اللسان ہو جائیں۔

## عمل نمبر ۷

" اجب یاجبرائیل بحق یابدیع " کا عامل روحانیت میں تصرف رکھتا ہے یہاں تک کہ مردوں کو زندہ کر سکتا ہے بے پھل درخت کو پھلدار اور بے اولاد حضرات کو صاحب اولاد اور اسی طرح اگر کوئی نحوسات میں گرا ہوا آئے تو اس کا عامل سب نحوسات کو دفع کرتے ہوئے اس



سائل کے دامن میں خوشیاں ہی خوشیاں بھر سکتا ہے اس عمل کی تعریف کرتے کرتے عاجز کی زندگی کم ہو سکتی ہے قلم اور زبان عاجز آسکتے ہیں لیکن تعریف کم نہیں ہو سکتی بالکل اسی طرح جس طرح ہم شروع میں بیان کر چکے ہیں کہ یہ ربوبیت کا خزانہ ہے اس خزانے کے کس کس گوہر کی تعریف کروں آپ خود اندازہ لگا سکتے ہیں جو صاحب اس عمل کو کرے گا سو خود بخود خواص اور فوائد عمل ھذا اس پر کھل جائیں گے۔

## عمل نمبر ۸

اگر کوئی صاحب سفلی طریقے سے اپنے مقاصد کو حل کروانا چاہتا ہے تو وہ 1100 مرتبہ "اجب یابدیع بحق یابدوح" پڑھے مقصد حل ہونے تک بلاناغہ مسلسل ۴۱ یوم تک۔

## عمل نمبر ۹

بعض عاملین کو چاہت ہوتی ہے کہ سفلیات پر ہمارا حکم چلے اور ہر کام جلد سرانجام ہو اور وہ اس چاہت کو پورا کرنے کیلئے غلط عملیات کیطرف رخ کر کے دینی اور دنیاوی دونوں نقصان اٹھاتے ہیں چند سکوں کی خاطر آخرت کی زندگی ہمیشہ ہمیشہ والی خراب کر لیتے ہیں وہ مندرجہ ذیل عمل کو سوا لاکھ مرتبہ کر کے اپنی چاہت پوری کریں اور کالی طاقتوں سے بھی زیادہ زبردست اور طاقتور روحانیت کو حاصل کریں اور اپنی اس زندگی اور آخرت کی زندگی کو خراب ہونے سے بچائیں یہ عمل ہماری طرف سے تحفہ ہے قدر کرنا اور نا اہلوں سے پوشیدہ رکھنا۔

" یابدوح بحق یابدیع "۔

اب تک ہم نے حل المشکلات اور قضائے حاجات کے اعمال یابدیع پیش کیے لیکن انکے ساتھ ساتھ فتوحات غیبی کے اعمال کیطرف بھی اشارہ کیا لیکن ہم تسخیر و فتوح پر علیحدہ سے بحث کرتے ہوئے باب قائم کریں گے انشاءاللہ اور علاوہ ازیں کچھ تعویزات بھی درج کرنے کی

Scanned with CamScanner

کوشش کریں گے لیکن اپنی ترتیب کا خیال رکھیں گے سب سے پہلے شفاء کا باب قائم کیا جائے گا پھر انشاء اللہ تعالیٰ تسخیر وفتوح کا باب تحریر کیا جائے گا باقی ترتیب مقھور اعداء عداوت وبغض اور مئوکلات وھمزاد وغیرہ کے بیان باالترتیب تحریر کیے جائینگے اللہ کے حکم سے۔ اگر چہ اکثر عاملین کی یہ کوشش ہوتی ہے کہ ہمارے پاس حاضری لازمی ہونی چاہیے جس سے ہم اپنے تمام امور جات میں مدد لے سکیں یہ سوچ کسی حد تک درست ہے مگر قرآن ہمیں اس چیز کا درس دیتا ہے کہ اصل طاقت اللہ رب عزت کی ہے جس کے ساتھ اللہ رب العزت کی طاقت ہو جاتی ہے وہ اس دنیا اور آخرت میں کامیاب وکامران ہے۔ پورے کے پورے قرآن مجید میں مختلف قوموں کے قصہ جات بیان کر کے یہ بات سمجھائی گئی ہے کہ جو اللہ رب العزت کرنا چاہتے ہیں وہ ہی ہوتا ہے اگر چہ ساری دنیا کے جن وانس کوشش کرلیں۔ مثلاً ابراہیمؑ اور نمرود کا واقعہ یہ بات واضح کرتا ہے کہ اس دور میں اہل نجوم اتنے طاقتور تھے کہ نطفہ کا صحیح وقت اور رات تک بیان کردی اور شہر تک بتادیا مگر اللہ رب العزت نے اسی رات اسی شہر میں ابراہیمؑ کی والدہ کے رحم میں نطفہ منتقل کر کے دیکھایا۔ پھر قرآن موسیٰؑ کے قصہ میں اہل نجوم کی کمزوری بھی بیان کرتا ہے کہ اہل نجوم اتنے کمزور ہو چکے تھے نہ صحیح وقت تعین کر سکے نہ شہر بلکہ یہ بیان کیا گیا کہ فلاں قوم میں فلاں سال ایک لڑکا پیدا ہوگا جو فرعون کے زوال کا سبب بنے گا۔ اس بات سے اندازہ لگا سکتے ہیں کہ اہل نجوم کتنے کمزور ہو چکے تھے اور پھر جادوگروں کا موسیٰؑ سے مقابلہ یہ بات واضح کرتا ہے کہ اصل کامیابی اللہ رب العزت کے احکامات پر عمل کرنے والوں کی ہوتی ہے زیادہ دور جانے کی بات نہیں ایسے ہزاروں واقعات امت محمد رسول ﷺ میں بھی پیش آئے ہیں کہ جادوگر اگر چہ جتنی مرضی بڑی حاضری رکھتے ہوں مگر اللہ کے نیک بندوں کے سامنے ہمیشہ سرنگوں ہی رہے ہیں مثلاً مشہور ہے کہ ایک جادوگر بابا صاحبؒ کے مقابلہ پر آیا اور ہوا میں اڑنا شروع ہو گیا اور بابا صاحبؒ سے کہا کہ آؤ ہوا میں میرا مقابلہ کرو مگر بابا صاحبؒ نے اپنے جوتے اوپر ہوا میں پھینکے



اور وہ جوتے اس جادوگر کے سر پر ضربیں کرتے ہوئے اس جادوگر کو نیچے قدموں میں گرا دیا آپ اندازہ لگائیں کہ جادوگر کی حاضری یا ہمزاد کتنا طاقتور ہوگا جو جادوگر کے جسم کو ہوا میں اڑا لے گیا۔ مگر جوتے نہیں روک سکا اس لیے ہم تمام سفلی عاملین کو دعوت دیتے ہیں کہ دھوکے کی زندگی سے نکل کر اصل روحانی وہ نورانی طاقتوں کی طرف آئیں۔ اور یہی میرا قلم اٹھانے کا اصل مقصد ہے ورنہ عملیات پر بیشمار کتب مارکیٹ میں دستیاب ہیں نئے سرے سے کتب لکھنے کی گنجائش نہ تھی

# کتاب الشفآء

(۱) بسم اللہ الرحمٰن الرحیم
یاشافی یاشافی یاشافی
یابدیع یابدیع یابدیع
یابدیع العجائب باالخیر یابدیع

یہ تعویز ہر قسم کی امراض میں کام کرتا ہے ایک عدد پہنا دیں اور ۷ عدد پینے کو دیں۔

(۱۱) بسم اللہ الرحمٰن الرحیم
یاھادی یاھادی یاھادی
یاشافی یاشافی یاشافی
ونزل من القرآن ماھوا شفاء
یابدیع یابدیع یابدیع
یابدیع العجائب باالشفآء یابدیع
شفاء شفاء شفاء

یہ تعویز سر سے لیکر پاؤں تک کی تمام امراض جسمانی و روحانی میں زبردست نتائج رکھتا ہے ایک پہنا دیں اور ایک تیل میں مالش کیلئے دیں کہ بعد از غسل ہلکا ہلکا پورے جسم پر مالش کریں اور ۷ عدد پینے کیلئے دیں۔

Scanned with CamScanner

(iii)

بسم اللہ الرحمٰن الرحیم

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| یاشافی | ۲۴۶ | ۲۳۸ | ۲۴۳ | یاشافی |
| یاشافی | ۲۴۰ | ۲۴۲ | ۲۴۵ | یاشافی |
| یاشافی | ۲۴۱ | ۲۴۷ | ۲۳۹ | یاشافی |

یابدیع العجائیب بالشفآء یابدیع

ایک تعویز پہنا دیں اور ۱۲ عدد تعویز پینے کیلئے بنا دیں انشاء اللہ ہر مرض میں کام کرے گا عددی تعویز کی یہ چال مختلف کاموں کیلئے اکسیر ہے۔

(iv) مندرجہ ذیل تعویزات میں سے جو چاہیں اختیار کریں ایک ہی تاثیر کے حامل ہیں صرف حرفی اور عددی فرق ہے

بسم اللہ الرحمٰن الرحیم

| | | | |
|---|---|---|---|
| یابدیع | بالشفآء | العجائیب | یابدیع |
| یابدیع | العجائیب | بالشفآء | یابدیع |
| بالشفآء | یابدیع | یابدیع | العجائیب |
| العجائیب | یابدیع | یابدیع | بالشفآء |

وننزل من القرآن ماھو اشفآء

یہ تعویز مکمل ہے لیکن اگر آپ آیات شفاء بھی تحریر کر دیں تو زود اثر ثابت ہوگا آپ آیات کو بعد از تسمیہ تحریر کر سکتے ہیں۔



۷۸۶

بسم اللہ الرحمن الرحیم

| | | | |
|---|---|---|---|
| بدیع ۱۸۱ | بدیع ۱۸۴ | بدیع ۱۸۸ | بدیع ۱۷۴ |
| بدیع ۱۸۷ | بدیع ۱۷۵ | بدیع ۱۷۰ | بدیع ۱۸۵ |
| بدیع ۱۷۶ | بدیع ۱۹۰ | بدیع ۱۸۲ | بدیع ۱۷۹ |
| بدیع ۱۸۳ | بدیع ۱۷۸ | بدیع ۱۷۷ | بدیع ۱۸۹ |

یہ چال ہر کارہ ہے آپ کسی بھی مقصد میں دے سکتے ہیں مگر شفاء میں آپ اس تعویز کے نیچے اس تعویز کی عزیمت "یابدیع العجائیب بالشفآء یابدیع" تحریر کریں۔

اب تک ہم شفاء کے مختلف تعویزات اور اعمال پیش کر چکے ہیں لیکن اب ہم آپ کو مختصر اعمال شفاء طلسم نورانی کی شکل میں بیان کریں گے جو اپنی مثال آپ کے تحت بہت مجرب اور اکسیر کا درجہ رکھتے ہیں۔

(i) ایک عدد پہننے کو دیں اور ۷ عدد یا ۱۲ عدد پینے کیلئے دیں۔

البدیع یابدیع شفاء بحق یاشافی
یابدیع العجائیب بالشفاء یابدیع

(ii) یہ طلسم آسیبی امراض میں بھی کام کرتا ہے ۱۲ عدد پینے کیلئے ایک چھینٹے مارنے کیلئے اور پہننے کیلئے۔ ( تعویز اگلے صفحے پر ہے )

Scanned with CamScanner

| | | |
|---|---|---|
| یابدیع | یابدوح | یاباقی |

یابدیع العجائب باالشفاء یابدیع

(III) یاحفیظ یاسلام یاھادی بحق بدیع

یابدیع العجائب باالشفاء یابدیع

| | | | |
|---|---|---|---|
| یابدوح | یابدوح | یابدوح | یابدوح |

یہ تعویز نظر بد، آسیبی، خلل، سحر وغیرہ جیسی مہلک اور دائمی امراض کے علاوہ جسمانی امراض میں بھی زبردست قوت کا حامل ہے

(iv)

| | | | |
|---|---|---|---|
| یاھادی | یانافع | یابدیع | یاسلام |
| یاحفیظ | یابدیع | یابدوح | یاکافی |
| یابدیع | العجائب | باالشفاء | یابدیع |

یہ اپنی نوعیت کا ایک علیحدہ طلسم ہے ہر مرض میں شافی کا درجہ اکسیر رکھتا ہے۔

(V)

| | | | |
|---|---|---|---|
| حفیظ | حیی | حق | حلیم |
| بدیع | بدیع | بدیع | بدیع |
| حکیم | حکیم | حکیم | حکیم |
| یابدیع | العجائب | باالشفاء | یابدیع |
| بدوح | بدوح | بدوح | بدوح |

الف

حفاظت + آب حیات + دفع جادو ٹونہ آسیب وغیرہ + ہم امراض جسمانی + نظر بد + حافظہ + قوت + برکات + شفاء وغیرہ وغیرہ کیلئے بہت ہی اکسیر ہے۔

نوٹ ۔ مذکورہ تمام طلسمات میں 'بسم اللہ الرحمٰن الرحیم' ضرور لکھیں حرف نداء 'یا' ختم کردیں۔



(vi) بسم اللہ الرحمٰن الرحیم

شافی کافی ھادی بدیع

وننزل من القرآن ماھوا شفاء

یابدیع العجائب باالشفاء یابدیع

یہ طلسم روحانی میرے معمولات میں سے ہے لیکن اس کو مختلف کاموں میں مختلف طریقے سے لکھا جاتا ہے لیکن پینے کیلئے یہی بہتر ہے۔

(I) اگر آسیب کا خلل ہو تو اس طلسم روحانی کے نیچے لکیر لگا کر چار مرتبہ "بدوح" لکھیں۔

(II) اگر حفاظت خاص کیلئے تحریر کرنا ہو تو چار مرتبہ "حفیظ" لکھیں لکیر لگا کر۔

(III) اگر سلامتی کیلئے اور امن وغیرہ کیلئے لکھنا ہو تو لفظ "سلام" چار مرتبہ تحریر کریں نیچے لکیر لگا کر۔

(iv) ہم عمومی طور پر "ھادی" کا لفظ چار مرتبہ تحریر کرتے ہیں۔ اور اسی پر اکتفا کرتے ہیں

## باب دفع آسیب وجنات

شفاء کے ساتھ ہم نے جنات اور آسیب کے دفع کرنے کے طریقے بیان کررہے ہیں اس لئے یہ روحانی بیماریوں میں سے ہے اور پھر ہم جادو ٹونہ کی کاٹ اور پلٹ کے طریقے اس عمل کے بیان کریں گے انشاءاللہ تعالیٰ۔

لیکن ہم جنات اور آسیب کے دفع کرنے سے پہلے چند نصیحتیں کرنا چاہتے ہیں اگر آپ ان پر عمل کریں گے تو ضرور آپ کو فائدہ عظیم حاصل ہوگا۔

(I) سب سے پہلے آسیب کی نوعیت دیکھیں کہ کس طرح کا ہے۔

Scanned with CamScanner

(ii) آسیب کو جلانا بہتر طریقہ نہیں ہے اگر چہ یہ عمومی طریقہ اور معروف طریقہ جات میں سے ہے۔ بہتر ہے کہ آسیب کو دفع ہی کیا جائے ہر ممکن طریقے سے ورنہ اسکے ساتھی آپ کے دشمن بن سکتے ہیں۔

(iii) جن عاملین کے باموکل عملیات نہ کیئے ہوں وہ بالکل ایسے مریض پر ہاتھ نہ ڈالیں اس لیئے کہ آسیب بالکل مریض کو چھوڑنا پسند نہیں کرتا اور وہ ہر ممکن کوشش کرتا ہے کہ اس کا قبضہ مضبوط رہے اس لیئے کہ اگر عامل کمزور رہوا تو وہ کسی بھی قسم کا نقصان پہنچا سکتا ہے۔

(iv) آسیب و ہوائی اثرات کی وجوہات بھی مختلف ہوتی ہیں سب سے پہلے یہ جانکاری حاصل کریں کی مریض کو کس وجہ سے آسیب کا خلل ہوا ہے۔

## آسیب وجنات کی چند نوعیتیں اور وجوہات مندرجہ ذیل ہیں۔

(i) بوجہ سحر باموکل

(ii) بوجہ جادو ٹونہ وغیرہ

(iii) اگر کسی نے غلطی سے جنات کا کوئی نقصان کر دیا ہو تو آسیب مریض کو اچھی طرح قابو کر لیتے ہیں اور مریض کو دورے وغیرہ پڑنے شروع ہو جاتے ہیں۔

(iv) بعض اوقات کوئی آسیب یعنی جنات وغیرہ مریض پر عاشق ہو جاتے ہیں اور مریض کو تسخیر کر لیتے ہیں۔

یہ باتیں ہیں جنکا خیال رکھنا اور جاننا بہت ضروری ہے اور ہمارے تجربے میں آچکی ہیں مختلف سایہ والے مریضوں کے آسیب وجنات کی حاضری پر جب تفصیلی بات چیت ہوئی تو ان کی بہت ساری اقسام کا پتہ چلا اور نوعیتیں سامنے آئیں اور آسیب کا شکار ہونے کی وجوہات کا علم ہوا۔ اس لیئے ہم آپ کو اپنے تجربے اور علم سے مکمل طور پر آگاہ کر رہے ہیں لیکن ہم نے جنات وآسیب پر ایک علیحدہ سے کتاب تحریر کی ہے ” آئینہ جنات “ جس میں جنات کا



علاج اور دفع آسیب اور جناتی سحر وغیرہ کے علاجات کے علاوہ ہم نے جنات سے دوستی کرنے کے طریقے بھی لکھیں ہیں اور ان کو تسخیر کرنے کے بھی طریقے لکھے ہیں علاوہ ازیں جنات کی تمام اقسام بیان کی ہیں اور مفصل جنات کے رہنے سہنے کے حالات اور عادات تحریر کی ہیں۔

اب ہم آتے ہیں اصل موضوع کیطرف لیکن اس سے پہلے اپنی تصنیف کا نام بتلا دیں تا کہ آپ کو آسیب وجنات کے متعلق مکمل جانکاری حاصل ہو سکے اور اس طرح کے سخت معاملات میں بہت فائدہ مند ثابت ہو۔ ہماری تحریر شدہ تصنیف ” آئینہ جنات المعروف عملیات تسخیر جنات “ کا مطالعہ ایک عامل کیلئے اشد ضروری ہے۔

## عمل نمبر 1

"یابدیع العجائیب بالقہر یابدیع" باپرہیز جلالی وجمالی اور تمام قوانین عملیات کو ملحوظ خاطر رکھتے ہوئے ۴۱ دن وقت جگہ مقرر رات 10:30 کے بعد 1100 مرتبہ بلاناغہ پڑھیں اور مداومت عمل 650 مرتبہ روزانہ رکھیں۔

جب بھی کوئی مریض آئے صرف 11 مرتبہ پڑھ کر دم کریں آسیب فوراً حاضر ہوگا اور آپ فوراً آیت الکرسی سے حصار کر کے مریض کے آسیب سے معاملہ طے کر لیں پھر مندرجہ ذیل طلسم گلے میں پہننے کیلئے دے دیں۔

بسم اللہ الرحمٰن الرحیم
دافع مانع حفیظ سلام
بدیع بدیع بدیع بدیع
یابدیع العجائیب بالقہر یابدیع

واللہ خیراً حافظاً وھو ارحم الراحمین
۶۵۰ ۳۱۳ ۸۵۱۵

Scanned with CamScanner

## عمل نمبر 2

۱۲ دنوں تک ۱۲۰۰ مرتبہ روزانہ 11:30 سے 12:30 بجے کے درمیان یا 10:30 بجے تک " یابدیع العجائب بالقہر یابدیع " پڑھیں درود اول آخر 12 + 12 مرتبہ تمام لوازمات چلہ کشی کو پورا کریں۔

صاحب زکات عامل کو چاہیے کہ نیلے رنگ کا سوتی دھاگہ لے اور ہر گرہ پر ایک مرتبہ "یابدیع العجائب بالقہر یابدیع" پڑھ کر دم کرے اور ۱۲ گرہ لگائے اور مریض کو پہنا دے انشاء اللہ مریض ٹھیک ہو جائے گا۔

## عمل نمبر 3

تین قسم کے تعویزات مریض کو دے جنکی ترتیب مندرجہ ذیل ہے۔

(ا) پینے کیلئے بارہ (۱۲) عدد بنائیں۔ یابدیع العجائب بالخیر یابدیع

(اا) تیل میں مالش کیلئے ایک عدد بارہ دنوں تک دیں۔ یابدیع العجائب بالقہر یابدیع

(ااا) پہننے کیلئے مندرجہ ذیل تعویز دیں۔

بسم اللہ الرحمٰن الرحیم

حفیظ حفیظ حفیظ

سلام سلام سلام

ھادی ھادی ھادی

بدیع بدیع بدیع

القاف

یابدیع العجائب بالقہر یابدیع

۳۱۳ ۳۱۳ ۳۱۳



## عمل نمبر 4

اگر آسیب سخت ہو مریض کی جان بالکل نہ چھوڑتا ہو یا کسی کے گھر میں آسیب و جنات کا خلل ہو تو یہ دھونیاں دیں۔ علیقاً ملیقاً تلیقاً یابدوح

انت تعلم مافی قلوبھم طلیقاً

ق

یابدیع العجائب بالقہر یابدیع

کل ۱۲ عدد دھونیاں ایک کام کیلئے تیار کریں اور ہر دھونی پر ۱۲ مرتبہ پڑھ کر دم کرتے ہوئے لپیٹ دیں کافی ہیں اللہ رب العزت کے حکم سے ان تمام تحریر شدہ دھونیوں کے پیچھے مندرجہ ذیل عبارت تحریر کریں۔

ہمہ اقسام سحر آسیب ہوائی جادو جنات دفع گردد

یا جبرائیل بحق یا بدیع العجل العجل العجل

الساعۃ الساعۃ الوحا الوحا الوحا

یا بدوح یا بدوح یا بدوح

## عمل نمبر 5

ق

اللھم احرق الشیاطین

| | | | |
|---|---|---|---|
| ۱۶۷ | ۱۵۷ | ۱۵۶ | ۱۷۰ |
| ۱۶۲ | ۱۶۴ | ۱۶۵ | ۱۵۹ |
| ۱۶۶ | ۱۶۰ | ۱۶۱ | ۱۶۳ |
| ۱۵۵ | ۱۶۹ | ۱۶۸ | ۱۵۸ |

ابجد ھوز حطی

کلمن

سعفص قرشت ثخذ

Scanned with CamScanner

مذکورہ نقش بہت مجرب ہے جادو جنات اور ہر قسم کے آسیب اور پلید وخبیث شیاطین اور غیر مسلم ہوائی اثرات کو دفع کرتا ہے اور اگر نہ دفع ہوں تو انکو جلا دیگا اس نقش کے پیچھے مندرجہ ذیل عبارت تحریر کریں۔

ہمہ اقسام آسیب وہر بلائے دروجو فلاں بن فلاں موجود

درایں فلیتہ حاضر بیایند ودفع شوند ورنہ گرفتہ بسوزند وسوختہ گردد

**بحق یا بدیع العجائیب با القہر یا بدیع**

**العجل العجل العجل الساعۃ الساعۃ**

**الساعۃ الوحا الوحا الوحا**

روغن تلخ ڈال کر کورے چراغ میں نیلے رنگ کے کپڑے سے فلیتہ تیار کریں وقت مقرر کر کے روزانہ مریض کے پاس اسطرح جلائیں کہ مریض اپنی نگاہ اسمیں رکھے رات کو 10:30 بجے کے بعد جلانا بہتر ہے۔اس طرح کے فلیتے کل ۱۲ عدد یا ۹ عدد تیار کر کے دیں۔

## عمل نمبر 6

ہم آپ کو ایک طاقتور طلسم روحانی بتلاتے ہیں جو بہت ہی طاقتور اور مضبوط ہے اور درجہ اکسیر رکھتا ہے فلیتہ جات میں

**یا قہّار قہر کر۔ یا جبّار جبر کر**

ہمہ اقسام آسیب در وجود فلاں موجود کی پکڑ کر

**بحق یا بدیع العجائیب با القہر یا بدیع**



## عمل نمبر 7

اسی طلسم کی دوسری شکل یہ بھی ہے جس سے وہ مختصر ہو جاتا ہے۔

**یا جبّار جبر کر یاقہّار پکڑ کر آسیب کو حاضر کر**

**بحق یا بدیع العجائیب باالقہر یا بدیع**

اس طلسم روحانی کی دوسری جانب مندرجہ ذیل مقصد تحریر کریں۔

ہر بلائے وہر آسیب در وجود فلاں

موجود گرفتہ بسوزند و سوختہ گردد

# باب السحر وجادو ٹونہ

## بطلان سحر

## عمل نمبر 1

ہر قسم کے مسحور مریض کو پلانے کیلئے تعویزات باب الشفاء میں دیکھیں اور دھونیاں جنات وآسیب کے باب میں دیکھیں اور تیل کی مالش کیلئے بھی باب الشفاء میں دیکھیں۔

یہ تمام تفصیل اس لیئے لکھ رہے ہیں ہماری کتاب سے مکمل طور پر استفادہ حاصل کرنے کا طریقہ معلوم ہو جائے ہماری اس کتاب میں ایک عامل کیلئے پوری زندگی میں پیش آنے والے تمام مسائل کا حل تحریر ہے۔

Scanned with CamScanner

## عمل نمبر 2

بسم اللہ الرحمٰن الرحیم

حکیم حکیم حکیم

حیی حیی حیی

بدیع بدیع بدیع

یابدیع العجائیب باالخیر یابدیع

یا حیی حین لا حیی فی دیمومۃ ملکہ وبقائہ

عام طور پر ٧ سے ١٢ یوم تک روزانہ پلائیں نہار منہ اور ایک ٧ مساجد کے پانی میں ڈالکر رکھیں تا کہ جب بھی مریض پانی پیئے تو وہی پانی پلائیں۔ اور ایک عدد مریض کو پہنا دیں۔ اور اگر مریض زیادہ متاثر ہو تو ٤١ دن تک پلائیں۔

## عمل نمبر 3

ہر قسم کی بندش کھولنے کیلئے یہ عمل بہت مجرب ہے ایک عدد اپنے بازو پر باندھیں عورت بائیں جانب اور مرد دائیں جانب اور ایک چھڑکاؤ کیلئے گھر یا کاروبار کی جگہ اور ایک گھر یا کاروبار کی جگہ لگائیں۔

بسم اللہ الرحمٰن الرحیم

یافتاح یافتاح یافتاح

یاکاشف یاکاشف یاکاشف

یاواسع یاواسع یاواسع

یابدیع العجائیب بالفتوح الغیب یابدیع

یابدوح یابدوح یابدوح



## عمل نمبر 4

مندرجہ ذیل تعویز ہر گھر میں ضرور لٹکانا چاہئے اس لیئے کہ اس کی برکت سے ہر قسم کی آفات وبلیات اور دشمن کا شر جادو ٹونہ نحوسات وغیرہ دفع دور رہتی ہیں اور امراض روحانی و جسمانی بھی دفع رہتی ہیں اگر گھر میں آسیب وغیرہ کا خلل ہو تو وہ بھی اس تعویز کی برکت سے دفع ہو جائیں گے اللہ کے حکم سے۔

بسم اللہ الرحمٰن الرحیم

یا دافع البلیّات یا مانع الآفات

یا حلّ المشکلات یا قاضیّ الحاجات

جبرائیلؑ یا بدیع العجائیب با الخیر یا بدیع میکائیلؑ

| | | | |
|---|---|---|---|
| ٢٨٥ بدیع | ٢٩١ بدیع | ٢٩٦ بدیع | ٢٨٤ بدیع |
| ٢٩٢ بدیع | ٢٨٩ بدیع | ٢٧١ بدیع | ٢٩٥ بدیع |
| ٢٨٢ بدیع | ٢٩٤ بدیع | ٢٩٣ بدیع | ٦٨٧ بدیع |
| ٢٩٧ بدیع | ٢٨٣ بدیع | ٢٨٦ بدیع | ٦٩٠ بدیع |

اسرافیلؑ فا للہ خیر حافظا وھوا ارحم الرا حمین عزرائیلؑ

مندرجہ بالا تعویز سے صاف ظاہر ہے کہ یہ ایک زبردست تعویز ہے اس کے خواص سے قلم عاجز ہے جو بھی استعمال کرے گا اس پر خواص و فوائد کھلتے ہی چلے جائیں گے۔

اگر اس نقش کی پچھلی جانب آیت الکرسی اور سورۃ فلق بھی تحریر کر دی جائے تو سونے پر سہاگہ ہے اور اس طرح کرنے سے تو خواص اور فوائد عقل اور علم سے بھی زائد ہو جائیں گے جنکو بیان کرنا ناممکن ہے۔

Scanned with CamScanner

## عمل نمبر5

اگر کسی جگہ جادو یا آسیب یا کسی بھی قسم کا اثر ہو تو عامل کو چاہیئے کہ ۱۴۰۰ مرتبہ اوّل آخر درود ۱۲ + ۱۲ مرتبہ کے ساتھ "یا بدیع العجائیب با القھر یا بدیع" پانی پر دم کر کے مندرجہ ذیل نقش پانی میں ڈالکر دے۔

۷۸۶ اعوذ بکلمات اللہ التامات کلھا من شر ماخلق

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| یابدیع | ۱ | العجائیب | ۱۴ | یاالقھر | ۱۱ | یابدیع | ۸ |
| العجائیب | ۱۲ | باالقھر | ۷ | یابدیع | ۲ | العجائیب | ۱۳ |
| باالقھر | ۶ | یابدیع | ۹ | العجائیب | ۱۶ | یاالقھر | ۳ |
| یابدیع | ۱۵ | العجائیب | ۴ | باالقھر | ۵ | یابدیع | ۱۰ |

## عمل نمبر6

هادی هادی هادی
جبّار جبّار جبّار
یابدیع العجائیب باالقھر یابدیع

یہ تعویز نورانی طلسم ہے جو پلانے میں استعمال کر سکتے ہیں اور تیل میں بطور مالش اور جسم پر مل کر جلانے میں بھی کام دیگا۔ مندرجہ مذکورہ نورانی طلسم مجرب و آزمودہ ہے۔

## عمل نمبر7

دافع دافع دافع
مانع مانع مانع
یابدیع العجائیب باالقھر یابدیع
مقصد تحریر کریں

کسی بھی مرض سحر آسیب وغیرہ کو دفع کرنے اور منع کرنے میں اکسیر ہے۔ لکیر کے نیچے متعلقہ مرض کا نام تحریر کر کے لکھیں ختم ہو یعنی ' فلاں (مرض) ختم ہو '



# باب الشفاء امراض جسمانی

## امراض سر

### عمل نمبر۱

### سر درد

"یابدیع العجائیب بالشفاء یابدیع" تحریر کریں اور عامل کو چاہیئے کہ ۱۲ مرتبہ عبارت پر پڑھ کر دم کرے اور سر پر بھی دم کرے اور مریض کو کہے کہ سر پر باندھ لے۔

### عمل نمبر۲

اگر آدھے سر میں درد ہو یا اُل کا درد ہو اور اُسکی وجہ سے آنکھ کا بھی درد محسوس ہو رہا ہو یا کان کا درد محسوس ہو رہا ہو تو مندرجہ ذیل طلسم نورانی مفید ہے مقام درد پر باندیں انشاء اللہ درد ختم ہو جائے گا۔

وبالحق بسم اللہ الرحمٰن الرحیم انزلناہ
شافی | یابدیع العجائیب باالخیر یابدیع | کافی
وبالحق نزل

### عمل نمبر۳

اگر پرانا مرض ہو درد سر کا یا دماغی کمزوری ہو یا سر بھاری رہتا ہو تو بادام روغن یا گری کے تیل پر ۱۲۰۰ مرتبہ "یابدیع العجائیب بالشفاء یابدیع" پڑھ کر دم کر دیں مریض ہر روز سر کی مالش کرے ۱۲ دن تک۔

Scanned with CamScanner

## عمل نمبر۴

اگر عامل تیل سرسوں کو دھوپ میں چار گھنٹے اسطرح رکھے کہ تیل گرمی کی تپش کیوجہ سے خوب گرم ہو جائے شیشے کی بوتل میں پھر اسکو آہستہ سے نتھار لے یعنی جو میل نیچے بیٹھ گئی ہے اسکو چھوڑ کر اوپر اوپر سے صاف تیل دوسرے برتن میں ڈال لے پھر ۱۲۰۰ مرتبہ اول آخر ۱۲+۱۲ مرتبہ درود شفاء پڑھ کر دم کرے پھر دو چند قطرے امرت دھارا ملائے اور اس عمل کو ۱۲ دنوں تک اسی ترتیب کے مطابق دہرائے تو یہ تیل اکسیر امراض جلد و امراض درد ہے ترتیب استعمال مختلف امورجات میں مندرجہ ذیل ہے۔

(i) مقام درد پر چند قطرے ملیں فوراً فائدہ ہو۔ انشاءاللہ

(ii) چند دنوں تک مالش کرنے سے پٹھوں اور جوڑوں کا درد ختم ہو جائے۔

(iii) داد اور چنبل پر ہر روز لگانے سے مرض سے چھٹکارا حاصل ہو۔

(iv) کان درد میں تین قطرے ڈالنے سے کان درد ختم ہو جائے گا۔ اللہ کے حکم سے۔

(v) اگر کان میں پیپ آتی ہے تو رات کو روزانہ کان کی اچھی طرح صفائی کر کے چار سے پانچ قطرے ڈال کر روئی سے بند کر دیں اور مریض دوسری کروٹ سو رہے یعنی خراب کان اوپر کرتے ہوئے تو چند ایام میں بہتر ہو جائے۔

(vi) مچھر اور بھڑ کے کاٹے پر مالش کرنے سے فوراً فائدہ ہو۔

(vii) سوجن پر مالش کر کے گرم پٹی باندھیں اور ہلکی ہلکی گرمی پہنچائیں سوزش کی جگہ پر تو چند دنوں میں سوجن ختم ہو گی۔

(viii) اگر خارش ہو تو اس تیل کا استعمال بہت مفید ہے۔

(ix) اگر عورت یا مرد کے خاص مقام پر جلن یا خارش ہوتی ہو تو رات کو خوب اچھی طرح مالش کرنے سے فائدہ ہو اور اسی طرح اگر عورت کی رحم میں خارش ہو تو رحم کے اندر تیل لگانے سے بھی شفآء حاصل ہو۔ اسی طرح یہ تیل کئی امراض میں شافی ہے۔



# امراض اٹھراہ

## عمل نمبر 1

مندرجہ بالا تیل کی طرح تیل اسی ترتیب پر ۱۲ دنوں میں تیار کریں مگر امرت دھارا استعمال نہ کریں اور پڑھائی بدون تسمیہ و درود کریں اور "یابدیع العجائب بالقہر یابدیع" پڑھ کر دم کریں تعداد ۱۲۰۰ مرتبہ ہے۔ یعنی ترتیب وہی ہے عمل نمبر۴ والی جو ہم نے سر درد میں بیان کی ہے۔ یہ تیل عورتوں کی اٹھراہ، سحر، آسیب اور دیگر عوارضات جو عورتوں اور بچوں کی کسر میں آتے ہیں بطور مالش اکسیر ہے تجربہ شرط اوّل ہے۔ آزمائش نہ کریں حقیقت سے فائدہ اٹھائیں مگر اس تیل پر عزیمت کے بعد ایک ہزار مرتبہ روزانہ "یاقہاّر یاجبّار" بھی پڑھیں۔ جو تاثیر میں قوت اور مضبوطی پیدا کرتے ہوئے عمل کو زود اثر بنادیگا۔

## عمل نمبر 2

### اٹھراہ میں مندرجہ ذیل تعویذ بے حد مفید ہے

بسم اللہ الرحمن الرحیم ط

| | | |
|---|---|---|
| جبّار | یابدیع | اللہ |
| باالشفآء | اٹھراہ | العجائب |
| شافی | یابدیع | ھادی |

ایک عدد مریضہ کو پہنادیں اور ۱۲ عدد پینے کے لیے دیں اور ایک عدد تیل میں ڈالیں بطور مالش۔

Scanned with CamScanner

## عمل نمبر3

مذکورہ بالا تعویز اٹھراہ کی طرح ذیل کا نقش بھی امراض اٹھراہ میں مجرب ہے۔

۷۸۶

سلام قولاً من ربّ رحیم

| | | |
|---|---|---|
| اللہ | یابدیع | اللہ |
| العجائیب | اٹھراہ | دفع ھو |
| اللہ | باالخیر | اللہ |

(i) ایک عدد تیل میں بطور مالش۔ (ii) ۲۱ عدد پینے کے لیے۔

(iii) ایک عدد پہننے کے لیے دیں۔

# بچوں کا سوکڑا

## عمل نمبر1

بچوں کے سوکڑے میں اٹھراہ والا تیل زبردست فائدہ مند ہے بطور مالش۔

## عمل نمبر2

اگر کدّو پر ہر مرتبہ بسم اللہ کے ساتھ سات (۷) مرتبہ سورۃ فاتحہ اس طرح پڑھیں کہ " ایّاک نعبد و ایّاک نستعین یا بدیع العجائیب باالخیر یا بدیع " ۷ مرتبہ پھر ختم سورۃ کریں اور ہر مرتبہ دم کریں اور اس کدّو کو مریض بچہ کے سر کے اوپر لٹکا دیں تو اللہ کے حکم سے بچہ موٹا تازہ ہوجائے گا بچے کی مرض کدّو میں جذب ہوجائے گی۔



## عمل نمبر3

اگر بچے کے قد کے برابر سوتی دھاگہ لے کر اس پر ۱۲ گرہ لگائیں اس طرح کہ ہر گرہ پر ۱۲ مرتبہ "یابدیع العجائیب باالشفآء یابدیع" پڑھیں ہر مرتبہ بسم اللہ کے ساتھ۔ بچوں کی مختلف امراض میں یہ گنڈا بے حد مفید ہے۔

(i) نظر بد (ii) سوکڑا پن (iii) ہوائی اثرات

(iv) مسان (v) خواب میں ڈرنا یا رونا وغیرہ (vi) ضد کرنا

(vii) دانت نکلنے کی تکلیف وغیرہ میں اکسیر کا درجہ رکھتا ہے۔

# عورتوں کی جملہ امراض حمل

## عمل نمبر1

عورتوں کی امراض کے شفآء کے لیے عامل کو چاہیے کہ سفید زیرہ + مرچ سیاہ + سونف + اجوائن ہر ایک ان میں سے ایک ایک کلو لیکر خوب اچھی طرح صاف کرلے علیحدہ علیحد پھر ان پر سورۃ یٰسین اس طرح پڑھے کہ ہر مبین پر ۱۰۰ مرتبہ " یا بدیع العجائیب باالشف یابدیع " پڑھے اور آخر میں دم کر کے محفوظ کرلے۔ پھر جب بھی کوئی مریضہ آئے تو ایک ایک چھٹانک ان میں سے دے دیا کرے۔

## عمل نمبر2

عرق مکو پر ۱۲۰۰ مرتبہ بسم اللہ کے ساتھ " یابدیع العجائیب باالشفاء یابدیع " پڑ کر دم کر کے رکھ لے جب بھی ضرورت مند آئے تو ایک پاؤ عرق مکو دم شدہ دے دیا اور اس میں ایک بوتل عرق ملا کر پیئے۔ انشاءاللہ فائدہ کثیر ہو۔

## عمل نمبر 3

۷۸۶

بسم اللہ الرحمٰن الرحیم

یا شافی　　　　یاکافی

| یا بدیع | العجائیب | بالشفآء | یا بدیع |
|---|---|---|---|
| ۴۱۷ | ۹۶ | ۹۸ | ۱۱۶ |
| ۹۵ | ۴۱۴ | ۱۱۹ | ۹۹ |
| ۱۱۸ | ۱۰۰ | ۹۴ | ۴۱۵ |

یا ھادی　　　　و ننزل من القرآن ما ھوا شفآء　　　　یا نافع

مندرجہ بالا تعویز تمام امراضِ جسمانی میں اکسیر اعظم ہے اگر کوئی صاحب عقل سے کام لے تو وہ شفآء جسمانی میں صرف اسی کو اپنا ہتھیار بنائے اور اسی کو اپنے معمولات میں شامل کرلے۔ اشارہ کافی ہے قانوناً نقش بالکل صحیح ہے۔

# پتہ کی پتھری

## عمل نمبر 1

اگر پتہ میں کوئی بھی مسئلہ ہے یا پتہ کی پتھری ہے تو آپ انجیر کے ۴۱ عدد پھل (میوہ) لیں اور ہر انجیر پر ۱۲ مرتبہ " یابدیع العجائیب بالشفآء یابدیع " پڑھ کر دم کریں اور مریض سے کہیں کہ نہار منہ تین عدد ہر روز بلاناغہ کھائے۔ انشاءاللہ ۴۰ یوم سے لیکر تین ماہ تک بالکل مرض جاتا رہے گا۔ اور مریض بالکل صحت یاب ہو جائے گا۔



# پتھری توڑ

## عمل نمبر 2

اگر کوئی صاحب توجہ اور تصوّر میں مضبوط ہو تو آنکھیں بند کر کے پوری توجہ سے یہ تصوّر کرے کہ پتھری ٹوٹ ٹوٹ کر ریزہ ریزہ ہو رہی ہے اور دوران تصوّر یہ عزیمت پڑھے " یابدیع العجائیب بالقہر یابدیع " پھر مریض کی طرف دم کرے۔ آخر میں جب عامل ۱۲ مرتبہ پڑھ لے ایک مرتبہ دم کرے اور فوراً آنکھیں کھول لے۔ چند دنوں کے عمل سے ہر قسم کی پتھری، رسولی، گلٹی، وغیرہ جیسی امراض میں زبردست فائدہ ہو اگر عامل اپنے تصوّر اور توجہ میں مزید مضبوط ہو جائے تو ایک ہی بار میں تمام امراض کا خاتمہ کر دے اور کینسر جیسی موذی مرض کا بھی علاج کرسکتا ہے۔

## عمل نمبر 3

ایک لوہے کی ایسی چھری بنائیں جسکی دستی بھی لوہے کی ہو اور دستی میں تین کیل لوہے کے ہی لگوائیں پھر اس چھری کی دونوں جانب " یابدیع العجائیب بالقہر یابدیع " اس پر سورۃ یٰسین ورد مبین کے ساتھ اس طرح پڑھیں کہ ہر مبین پر ۷۰ مرتبہ " یابدیع العجائیب بالقہر یابدیع " پڑھیں روزانہ ایک مرتبہ وقت مقرر کے ساتھ باپرہیز لوازمات کو پورا کرتے ہوئے سات دن تک عمل کر کے دم کریں اور دم کے ساتھ تھوڑی چھیچ " پھوار لعاب " کریں اب آپکی طلسماتی قوتوں کی چھری تیار ہے۔ جو ہر مرض کی کاٹ میں کام کریگی خاص طور پر پتھری، درد، رسولی، گلٹیاں وغیرہ جیسی امراض مہلک و موذی میں زبردست کارکردگی کی حامل ہے عامل کو چاہیے کہ عبارت عزیمت پڑھتا جائے اور مقامِ مرض پر لکیر لگاتا جائے تین لکیریں عرضاً اوّل کھینچے پھر ان تین لکیروں کو طولاً تین لکیروں سے کاٹ دیں۔ (شکل اگلے صفحہ پر ہے)

شکل مندرجہ ذیل ہے۔

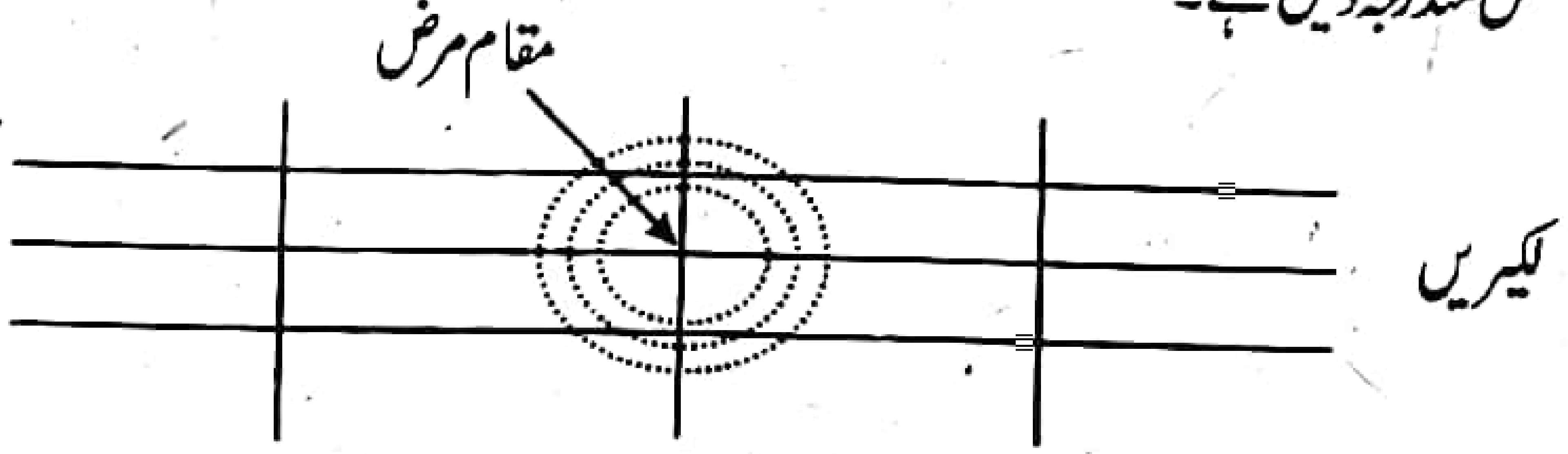


## عمل نمبر 4

یہ ایک عجیب طلسم نورانی ہے۔ جسکا استعمال ہر قسم کی پتھری، رسولی وغیرہ کو جڑ سے ختم کر دیگا۔

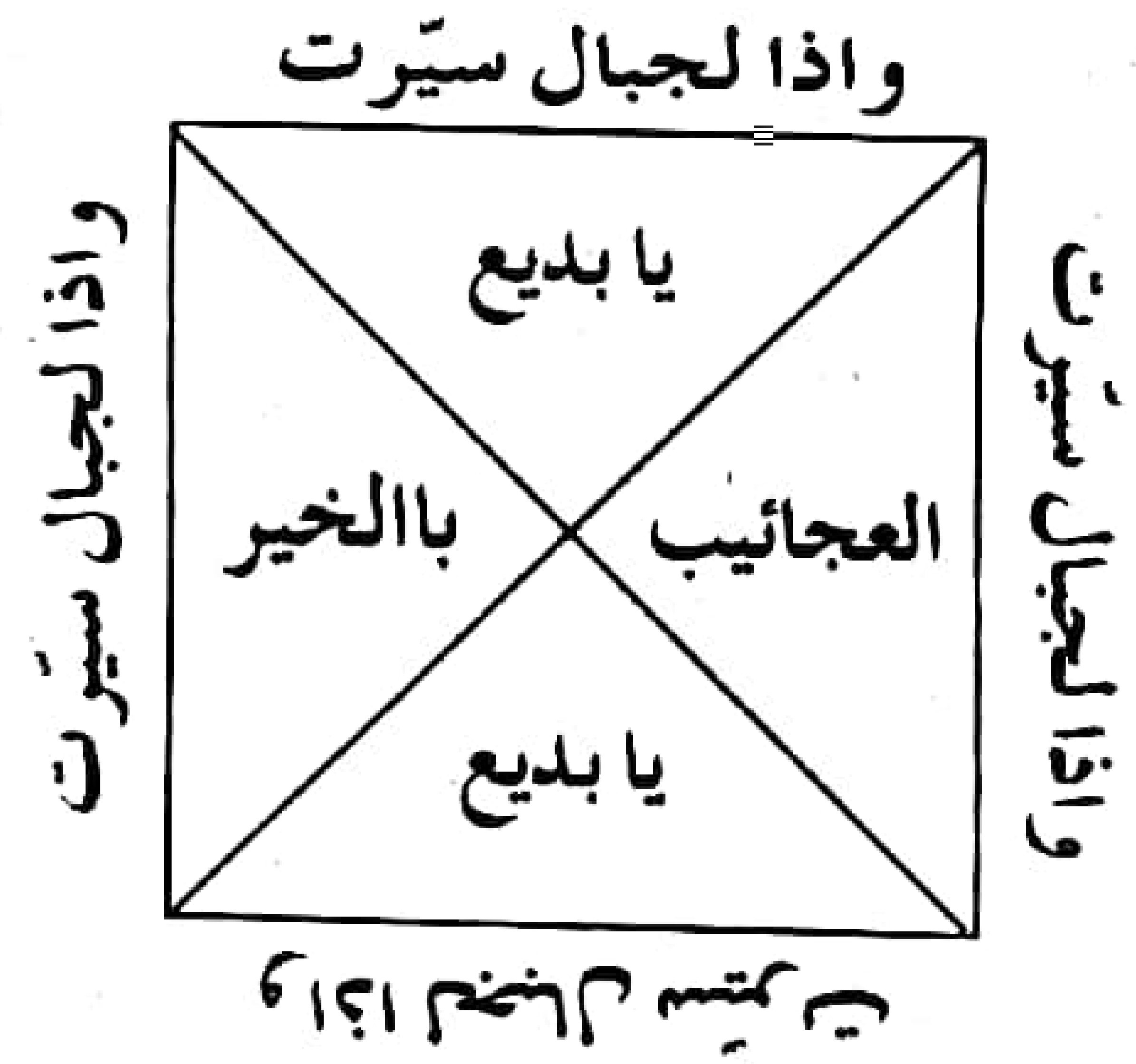


ولو انزلنا هذا القرآن

علىٰ جبل لرأیة خاشعة

متصدعاً مّن خشیة الله



# نگاہ و روشنی چشم

## عمل نمبر 1

زعفران سے نقش نورانی طلسم تحریر کریں اور شہد میں ڈال دیں اور روزانہ رات کو شہد آنکھ میں ڈالیں۔ جملہ امراض چشم کیلیے اکسیر ہے۔

بسم اللہ الرحمٰن الرحیم

| | | |
|---|---|---|
| نور | نور | نور |
| بصیر | بصیر | بصیر |
| قوی | قوی | قوی |

یابدیع العجائیب بالشفآء یابدیع

## عمل نمبر 2

بسم اللہ الرحمٰن الرحیم

| | | | |
|---|---|---|---|
| قوی | | قوی | قوی |
| بدیع | | بدیع | بدیع |
| نور | | نور | نور |
| یابدیع | العجائیب | بالخیر | یابدیع |
| بصیر | | بصیر | بصیر |

(i) پلانے کے لیے

(ii) بادام روغن میں ڈال کر سر پر لگائیں۔

(iii) شہد میں ڈال کر رات کو سوتے وقت آنکھ میں ڈالیں۔

## عمل نمبر 3

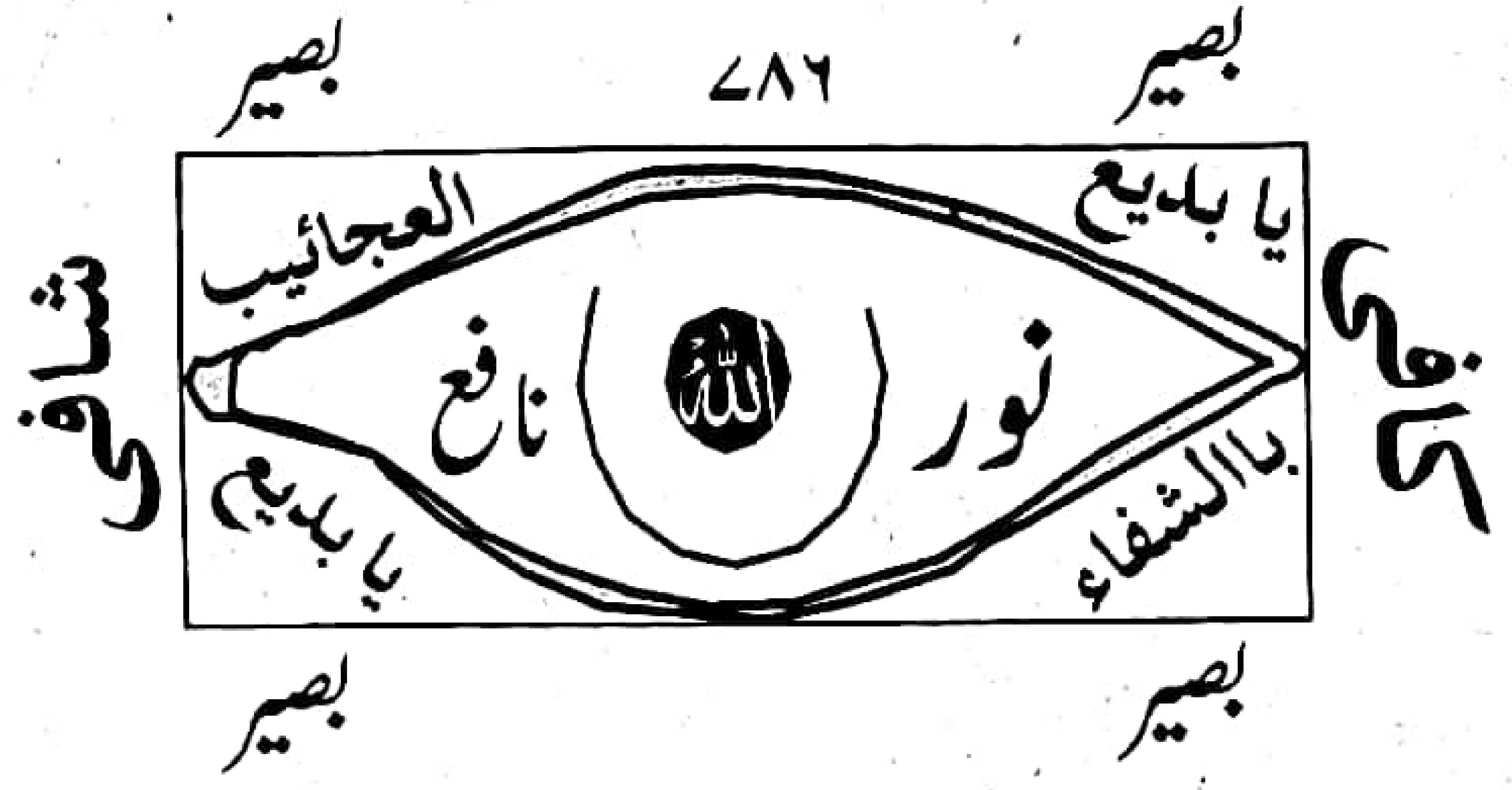


مریض کو ۴" x ۶" کاغذ پر سبز سیاہی سے تیار کر دیں اور کہیں کہ صبح بعد نمازِ فجر ۱۱ مرتبہ درود شفآء پڑھیں پھر " یانور " ۱۰۰ مرتبہ پھر ۱۰۰ مرتبہ "یابدیع العجائیب باالشفاء یابدیع" پھر ۱۰۰ مرتبہ "یابصیر" پڑھ کر عرق گلاب پر دم کرے اور داھنے ہاتھ میں چلو بھر عرق گلاب ڈال کر یا کافی یاشافی ایک مرتبہ پڑھ کر دائیں آنکھ کو چھینٹا مارے پھر ایک مرتبہ پڑھ کر دوسرا چلو عرق گلاب کا بائیں آنکھ کو مارے یا کافی یاشافی پڑھ کر۔ پھر اسی ترتیب سے ایک ایک بار یا کافی یاشافی پڑھتے ہوئے باری باری آنکھ دھوتے جائیں کہ تین مرتبہ دائیں تین مرتبہ بائیں پھر دائیں آنکھ آخر میں چوتھی مرتبہ دھوئیں اس طرح سات مرتبہ یا کافی یاشافی پڑھا جائیگا اور سات بار ہی چھینٹے مارے جائیں گے پھر آخر میں ۱۱ مرتبہ درود شفآء پڑھ کر دعا کریں عمل ختم ہوا۔ انشاءاللہ اس عمل کی برکت سے آنکھوں کی ہر مرض دور ہو گی اور نگاہ بے حد تیز ہو جائے گی عمل کی مدت تابحد اصلاح بصر ہے۔ تمام عمل کے دوران نگاہ مندرجہ بالا طلسم روحانی مین رکھی جائے۔



## عمل نمبر 4

ایک ایسا عمل و تعویز جس کی برکت سے نورِ چشم تابحد حیات قائم و دائم رہے اگر کوئی کمی محسوس ہو رہی ہو تو ۲ عدد تعویز تیار کیے جائیں پھر ان کو علیحدہ علیحدہ سبز رنگ کے سوتی کپڑے کی تھیلی میں اس طرح سیا جائے کہ بالکل جیسے آنکھ کا آپریشن کرنے کے بعد سبز رنگ کا کپڑا آنکھ پر باندھ کر لٹکایا جاتا ہے۔ آپ نے ڈبل بنانا ہے تاکہ دونوں آنکھوں کے اوپر آجائے۔ وہ تعویز مندرجہ ذیل ہے۔ قدر کرنا بہت ہی سودمند ہے۔

| | | |
|---|---|---|
| بسم اللہ | بسم اللہ | بسم اللہ |
| باقی | باقی | باقی |
| بصیر | بصیر | بصیر |
| بدیع | بدیع | بدیع |

یا بدیع العجائیب باالخیر یا بدیع

---

نور نافع ن نور نافع

اگر پلانا مقصود ہو تو پھر لکیر اور لکیر سے نیچے والی عبارت نہ تحریر کی جائے۔ تحریر میں زعفران یا سبز سیاہی استعمال کی جائے۔

# امراضِ دل

## عمل نمبر 1

اگر نیت دفع امراض دل ہو تو کثرت سے " یا بدیع العجائیب باالخیر یا بدیع " پڑھا جائے تو اللہ تعالیٰ کے فضل و کرم سے مریض بالکل اچھا ہو جائے۔

## عمل نمبر 2

اگر ہر نماز کے بعد ۷۰ مرتبہ یابدیع یاشافی دل پر ہاتھ رکھ کر پڑھا جائے آخر میں دعا کی جائے تو انشاء اللہ دل کی تمام امراض سے نجات ملے اور شفآء کاملہ حاصل ہو۔

## عمل نمبر 3

### استقامت دل اور دھڑکن کی تیزی

استقامت دل اور دھڑکن کی تیزی کے علاج کیلئے یہ تعویز بہت بہتر ہے۔

بسم اللہ الرحمٰن الرحیم

| | | |
|---|---|---|
| قیوم | قیوم | قیوم |
| قائم | قائم | قائم |
| قوی | قوی | قوی |
| یابدیع | العجائب | بالشفآء یابدیع |

الا بذکر اللہ لتطمئن القلوب

علاوہ ازیں یہ دل کی دیگر امراض میں بھی فائدہ مند ہے مثلاً دل کا بڑھنا، دل کا دورہ پڑنا وغیرہ لیکن دل کے سوراخ میں نہ استعمال کیا جائے۔

## عمل نمبر 4

یہ تعویز امراض قلب میں بہت زبردست ہے اگرچہ دل میں سوراخ ہو یا اگرچہ شریانوں کا مسئلہ ہو۔

بسم اللہ الرحمن الرحیم

| | | | |
|---|---|---|---|
| ھادی | شافی | کافی | حفیظ |
| یابدیع | العجائب | بالشفاء | یابدیع |
| وتطمئنّ | قُلوبھُم | بذِکرُ | اللہ |

لاَ حَولَ وَ لاَ قُوَّۃَ اِلاَ بِا اللہ



# امراضِ جگر

جگر کی تمام امراض میں مندرجہ ذیل تعویز بہت بہتر ہے۔

## عمل نمبر 1

| | | |
|---|---|---|
| ج | ج | ج |
| جیم | جیم | جیم |
| جبار | جبار | جبار |
| بدیع | بدیع | بدیع |
| یابدیع العجائب | بالشفآء | یابدیع |

ک ل ک ا ی ل

(i) اسطرح پہنایا جائے کہ جگر تک آجائے (ii) نہار منہ شہد سے کھلایا جائے ۲۱ یوم تک۔ اور کلونجی پر ۳ ۳ ۳ مرتبہ ''یابدیع العجائب بالشفآء یابدیع'' پڑھ کر دم کیا جائے کہ مریض ۲۱ یوم تک نہار منہ کھائے۔

## عمل نمبر 2

اگر کسی مریض کو کالا یرقان ہو گیا ہو تو عامل مندرجہ ذیل عمل سے فائدہ اٹھائے بہت بہتر ہے۔ عروج ماہ قمری بروز اتوار پہلی ساعت میں مولیوں کے کھیت میں جاکر مولیوں کے درمیانی پتے اسقدر توڑے کہ ان میں سے ایک کلو پانی برآمد ہو جائے توڑتے وقت "یابدیع العجائب بالشفآء یابدیع" پڑھتا رہے دوران عمل کسی سے بات نہ کرے۔ راستے میں جاتے اور آتے ہوئے درود شفآء پڑھتا رہے تعداد مخصوص نہیں جتنا زیادہ پڑھے گا اتنا ہی فائدہ زیادہ اور جلد شفاء کی تاثیر ظاہر ہوگی۔ جب پانی حاصل کر چکے تو اس میں پانی کے برابر شہد خالص ملا لے پھر خوب اچھی طرح ملا کر آگ پر پکائیں کہ صرف شہد ہی رہ جائے پانی بالکل خشک ہو جائے بس نسخہ

تیار ہے اب آپ ایک پاؤ کلونجی لیں اس پر ۱۲۰۰ مرتبہ یہی عمل پڑھ کر دم کیا جائے اب ایک مریض کا نسخہ مکمل ہو چکا ہے صرف نہار منہ ۴۰ یوم کی خوراک تیار کی جائے برابر برابر۔ مسلسل علاج بلا ناغہ کیا جائے اور جگر کی رپورٹ ۲۱ یوم کے بعد لی جائے انشاء اللہ مرض کافی حد تک ختم ہو چکا ہوگا۔ اللہ کے حکم سے ایک مرتبہ کا نسخہ مریض کی زندگی بدل دیگا دوبارہ زندگی بھر یرقان نہ ہوگا۔

## عمل نمبر 3

بسم اللہ الشافی بسم اللہ الکافی
بسم اللہ لقمان حکیم حلیم غفور
یابدیع العجائیب بالشفآء یابدیع

ح ح ح ح ح ح ح ح ح ح ح ح

(i) پینے کے لئے ۲۱ عدد
(ii) پہننے کے لیے
(iii) تیل سے مالش کے لیے

## عمل نمبر 4

یرقان پیلیا کے خاتمہ کیلئے مندرجہ ذیل نورانی تعویز و طلسم بہت بہتر ہے۔ دن میں شربت بزوری دم شدہ جس پر عزیمت ۱۲۱ مرتبہ پڑھ کر ۳ مرتبہ روزانہ یہ تعویز کھلائے۔ نیلی سیاہی سے طلسم تحریر کرے۔

بسم اللہ الرحمٰن الرحیم

حکم حکیم حمید حسیب
حی حلیم حنان حفیظ
یابدیع العجائیب بالشفآء یابدیع

ح ح ح ح ح ح ح ح

ایک دن میں تین یا چار تعویز کھلائے مریض کو دم شدہ شربت بزوری سے اور ہر قسم کی گرم اشیاء اور تلی ہوئی اشیاء چھوڑ دے۔ تین یا چار دنوں میں بالکل مریض صحت یاب ہوجائے گا۔ کل ۱۲ عدد کافی ہیں



# برائے ناف

## عمل نمبر 1

مندرجہ ذیل تعویز لکھ کر ناف پر باندھیں اس کی برکت سے ناف اپنی جگہ قائم رہے اور کبھی بھی تنگ نہ کرے اللہ تعالیٰ کے حکم سے مریض بالکل تندرست ہو جائے۔

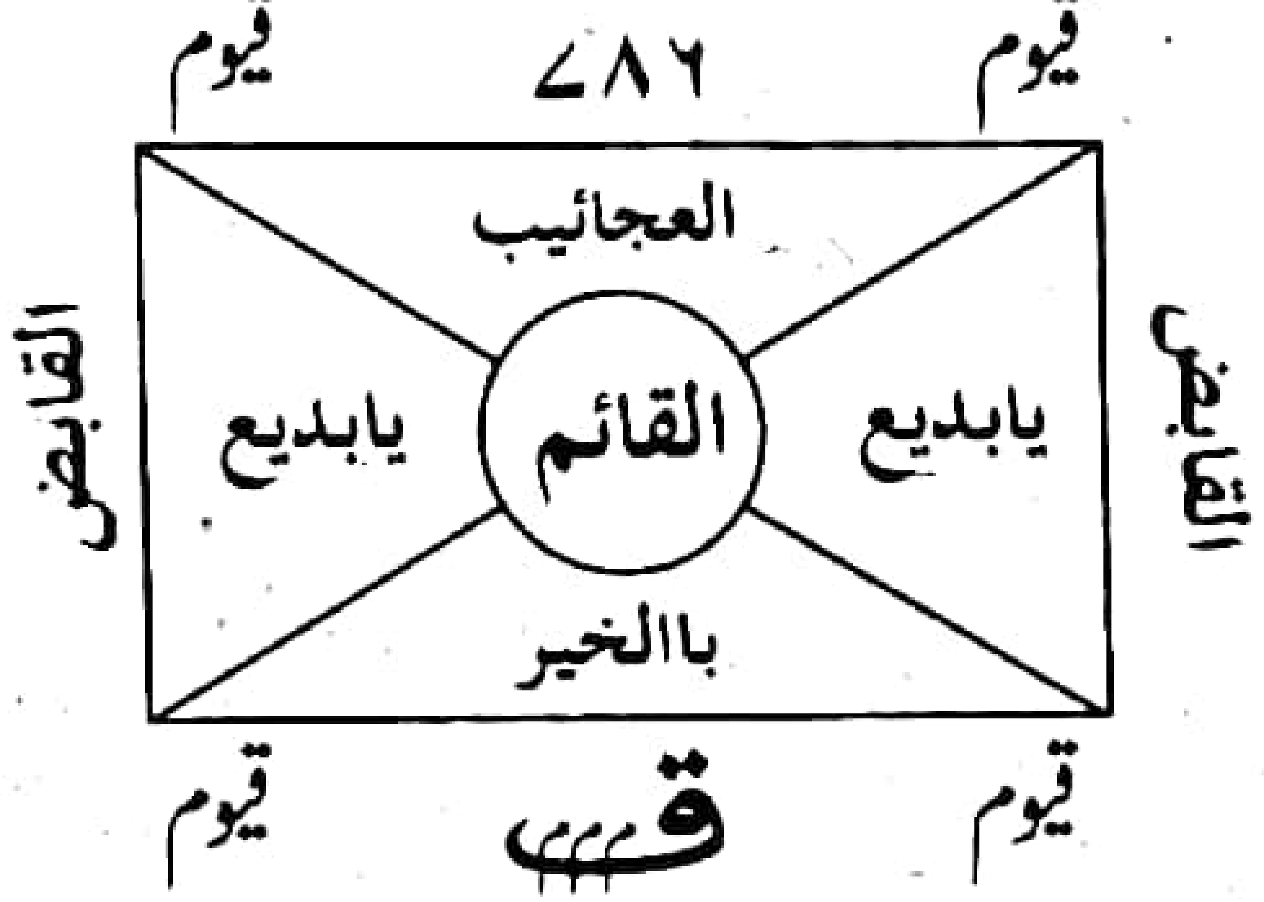


## عمل نمبر 2

یہ تعویز ناف کو درست کرنے میں اپنی مثال آپ ہے۔ ناف جتنی بھی خراب کیوں نہ ہو یہ از سر نو ناف کو اصلی حالت میں لے آئے گا۔ انشاء اللہ

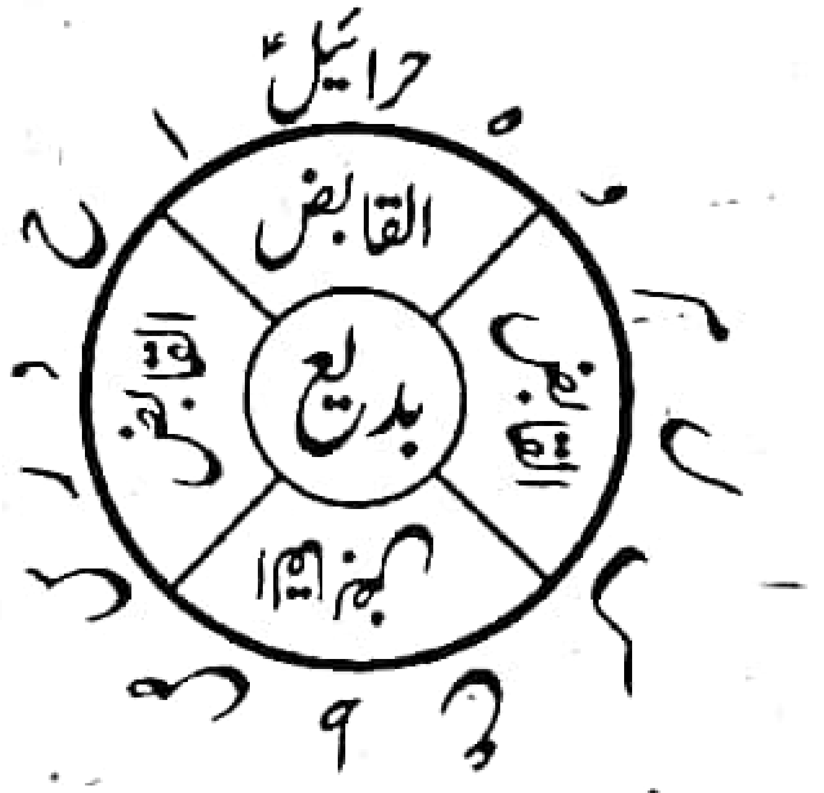


# امراض خونی

## عمل نمبر 1

خون میں کسی بھی قسم کی خرابی ہو یا خون کی خرابی کیوجہ سے کوئی بھی مرض پیدا ہوگیا ہو تو یہ روحانی طلسم بہت ہی اکسیر ہے۔ ( تعویز اگلے صفحہ پر ہے۔ )

بسم اللہ الرحمن الرحیم

۷۸۶ ۷۸۶ ۷۸۶

اللہ اللہ اللہ

لطیف لطیف لطیف

طاہر طاہر طاہر

یابدیع العجائب بالشفاء یابدیع

(۱) شہد میں ملا کر دیں دن میں تین مرتبہ کم از کم اور زیادہ سے زیادہ ۷ مرتبہ ۱۸ یوم تک۔

## عمل نمبر2

بسم اللہ الرحمن الرحیم

قدوس قدوس قدوس

ھادی ھادی ھادی

حیی حیی حیی

بدیع بدیع بدیع

یابدیع العجائب بالشفاء یابدیع

۷۸۶ ۷۸۶ ۷۸۶

اللہ اللہ اللہ

نیم کی تختی پر یہ نقش تحریر کریں کالی سیاہی سے نہار منہ پیئے۔ اور پھر عزیمت شفاء ۱۰۱ مرتبہ کلونجی پر پڑھ کر ۲۱ سے ۴۰ دانے تک نہار منہ کھا سکتے ہیں۔ ناشتہ آدھا گھنٹہ بعد یا ایک گھنٹہ بعد کریں۔

## عمل نمبر3

۷۸۶ ۷۸۶ ۷۸۶ ۷۸۶

اللہ اللہ اللہ اللہ

یابدیع العجائب بالشفاء یابدیع

لا الہ الا انت سبحانک انی کنت من الظالمین

یہ تعویز دن میں تین مرتبہ تحریر کر کے کھلائے ۱۲ یوم تک کالی سیاہی سے یا سرخ سیاہی سے تحریر کریں



# امراضِ مخصوصہ کی تقویت کیلئے

## عمل نمبر1

بسم اللہ القوی القادر

قوی قوی قوی

قادر قادر قادر

قیوم قیوم قیوم

یابدیع العجائب بالخیر یابدیع

اللہ اللہ اللہ اللہ

(۱) رات کو سوتے وقت اور صبح نہار منہ زعفران سے تحریر کر کے ۱۲ سے ۲۱ یوم تک کھائیں۔

(۱۱) عزیمت خیر کو ۱۰۰ مرتبہ چار چھواروں اور ایک ابلے ہوئے انڈے پر دم کر کے رات کو کھائے

## عمل نمبر2

جس شخص کی اولاد نہ ہوتی ہو اور جراثیم کمزور ہوں اور شہوت میں کمزوری ہو اسے چاہئے کہ چار انڈے ابالے پھر ایک انڈے پر "ب" تحریر کرے دوسرے انڈے پر "د" تحریر کرے، تیسرے انڈے پر "ی" تحریر کرے اور چوتھے انڈے پر "ع" تحریر کرے پھر ان چاروں انڈوں کو گرم دودھ سے کھائیں۔ اور نہار منہ شہد کا استعمال کرے پانی میں گھول کر اس شہد پر ہر روز ۱۷۰ مرتبہ "یابدیع العجائب بالخیر یابدیع" پڑھکر استعمال کرے۔ عمل کی کل مدت ۲۱ سے ۴۱ یوم ہے۔ انشاءاللہ بہت فائدہ ہو۔

## عمل نمبر3

کتاب کے شروع میں ہی " بدیع " کے خواص بیان کرتے ہوئے ہم نے مردہ جرثیموں کو دوبارہ زندہ کرنے اور انہیں اولاد کے قابل بنانے کے متعلق بھی بتلا یا تھا۔ اگر کسی

Scanned with CamScanner

صاحب کو یہ پریشانی ہے تو وہ آدھی رات کو باوضو قبلہ رو کھڑے ہو کر چار ہزار مرتبہ "یا بدیع" پڑھے اوّل آخر درود 11+11 مرتبہ پڑھے عمل کرنے کی نیت ذہن میں رکھنا بہت ضروری ہے عمل کی کل مدت ۱۲ یوم ہے آٹھ یوم سے قبل ہی اللہ رب العزت اپنا کرشمہ دکھلاتے ہوئے مردہ جراثیموں میں زندگی بھر دیگا۔

## امراض معدہ

### معدے کا السر اور معدہ کی تمام امراض میں مفید ہے

بسم اللہ الرحمٰن الرحیم

| | | | |
|---|---|---|---|
| یابدیع | العجائیب | باالخیر | یابدیع |
| العجائیب | العجائیب | یابدیع | یابدیع |
| یابدیع | باالشفاء | یابدیع | باالشفاء |

یہ تعویز ایک عجیب تاثیر کا حامل ہے آپ تمام امراض میں بھی استعمال کر سکتے ہیں اگر اس تعویز کے نیچے آیت شفاء تحریر کر دیں" وننزل من القرآن ماهوا شفاء ورحمة اللمومنين ولا يزيد الظالمين الا خسارا " تو یہ اکسیر کا درجہ رکھے گا۔

## باب الحبّ والتسخیر

یہاں پر ہم محبت عمومی وخصوصی کے ساتھ تسخیر انفرادی بیان کریں گے لیکن تسخیر خلائق کا ذکر ہم علیحدہ باب میں تحریر کریں گے اور اس موضوع کے ساتھ مکمل تفصیل بیان کریں گے۔



## محبت زوجین

**عمل نمبر 1** ۱۲ عدد پلانے کیلئے دیں روزانہ کا ایک عدد ۱۲ یوم تک پلائیں۔

بسم اللہ الرحمٰن الرحیم

| یا بدیع | العجائیب | با الخیر | یا بدیع |
|---|---|---|---|
| ۸۴۴ | ۹۶ | ۹۸ | ۱۱۶ |
| ۹۵ | ۸۴۱ | ۱۱۹ | ۹۹ |
| ۱۱۸ | ۱۰۰ | ۹۴ | ۸۴۲ |

محبت زوجین زود بیاید ، زود بیاید

**عمل نمبر 2** یہ تعویز نااتفاقی کو ختم کرتا ہے اور نافرمان اولاد اور انکے جھگڑوں کو بھی ختم کر کے محبت پیدا کرتا ہے۔

بسم اللہ الرحمٰن الرحیم

عسیٰ الله ان يجعل بينكم وبين الذين عاديتم منهم مودة والله قدير والله غفور رحيم

| | | | |
|---|---|---|---|
| ۲۹۴ | ۲۸۱ | ۲۸۸ | ۲۹۱ |
| ۲۸۷ | ۲۹۲ | ۲۹۳ | ۲۸۲ |
| ۲۸۹ | ۲۸۶ | ۲۸۳ | ۲۹۶ |
| ۲۸۴ | ۲۹۵ | ۲۹۰ | ۲۸۵ |

محبت زود بیاید    محبت زود بیاید۔    محبت زود بیاید

(ا) ۷ عدد پینے کیلئے (اا) زیروزن رکھیں یا پھلدار درخت سے باندھیں خوشبو لگا کر۔

Scanned with CamScanner

## عمل نمبر 3

٧٨٦ یاودود بسم اللہ الرحمٰن الرحیم یاودود ٧٨٦

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ٣٨١ | ٣٨٧ | ٣٨٦ | عسی اللہ ان یجعل بینکم وبین الذین | ٣٧١ | ٣٨٧ | ٣٨٦ |
| ٣٨٩ | ٣٨٥ | ٣٨٠ | عادئتم منھم مودۃ عظیم کریم رحیم | ٣٧٩ | ٣٨٥ | ٣٨٠ |
| ٣٨٤ | ٣٨٢ | ٣٨٨ | یا بدوح یا بدوح یا بدوح | ٣٨٤ | ٣٨٢ | ٣٨٨ |

یاودود الٰہی بحرمت ایں نقش وآیت قرآن مجید یاودود

ہمہ اقسام نفرت ختم شوند ومحبت پیدا شود ومحبت زود بیاید زود بیاید العجل الساعۃ الوحا

# شادی و رشتہ

## عمل نمبر 1

اگر کوئی صاحب کہیں رشتہ کرنا چاہتا ہے اور ڈر ہو کہ رشتہ ملنے میں رکاوٹ ہے تو صاحب ضرورت کو چاہیئے کہ وقت جگہ مقرر کر کے ١٢٠٠ مرتبہ اول آخر درود 12+12 مرتبہ کے ساتھ بعد نماز عشاء" یا بدیع العجائیب با الحب الخیر لشدیدیا بدیع " پڑھے پھر ایک کاغذ لے اس پر ١٢ مرتبہ بمعہ تسمیہ کے یہی عزیمت حب تحریر کرے اور اسکے نیچے یوں لکھے۔" الٰہی بحرمت اسم اعظم یابدیع وبحرمت ایں کلام پاک فلاں بنت فلاں کا نکاح فلاں بن فلاں سے جلد ہو ضرور ہو۔ یابدوح بحق یابدیع یابدوح بحق یابدیع یابدوح بحق یابدیع "۔ ہر روز بعد از عمل یہ عبارت تحریر کر کے پھونک مارے کاغذ پر پھر تہہ کر کے اپنے سرہانے رکھ کر سو جائے صبح نماز فجر کے فوراً بعد اس کاغذ کو نہر میں ڈال دے یعنی جاری پانی میں بہادے اللہ کے حکم سے ١٢ یوم کا عمل آپکی تقدیر بدل دے گا اور آپکی شادی وہیں ہوگی جہاں آپ چاہتے ہیں۔



## عمل نمبر 2

اگر کسی صاحب کی شادی نہ ہوتی ہو وہ مندرجہ ذیل تعویز تحریر کر کے ایک اپنے پاس رکھے اور ایک خوشبو لگا کر نئی قبر کے سرہانے دفن کرے اور ایک عدد خوشبو لگا کر پھلدار درخت پر لٹکائے درخت ایسا پھل دار ہو جس پر کانٹے نہ ہوں مثلاً لیموں اور بیری وغیرہ سے گریز کیا جائے اگرچہ کانٹے کے بغیر وہ کسی پھل کی بیل ہی کیوں نہ ہو مثلاً انگور کی بیل بھی کام دے گی۔

بسم اللہ الرحمٰن الرحیم

جامع جامع جامع

بدوح بدوح بدوح

یابدیع العجائیب بالحب الخیر لشدیدیابدیع

قل ان الفضل بید اللہ یؤتیہ من یشاء واللہ ذوالفضل العظیم

الٰہی بحرمت ایں اسماء الحسنٰی وکلام پاک فلانہ کا نکاح جلد ہو۔

## عمل نمبر 3

مندرجہ ذیل تعویز بھی نکاح کیلئے ہے جنکی شادی کہیں نہ ہوتی ہو اور ان بچیوں کیلئے اکسیر ہے اور خوشبختی کا ذریعہ ہے جن کیلئے ماں باپ کی جگہ جگہ کوششیں ناکام ہو رہی ہوں تو اس سے ضرور کام لیں۔

آزمائش شرط ہے نتیجہ زبردست مثبت میں ہوگا اللہ جل شانہٗ کے حکم سے۔

( تعویز اگلے صفحہ پر ہے )

Scanned with CamScanner

بسم اللہ الرحمٰن الرحیم

**الذی خلق الازواج کلھا مماتنبت الارض ومن انفسھم ومما لا یعلمون**

جبرائیل ۷۸۶ دردائیل

| | | | |
|---|---|---|---|
| یابدیع | العجائب | بالخیر | یابدیع |
| ۸۴۴ | ۹۶ | ۹۸ | ۱۱۶ |
| ۹۵ | ۸۴۱ | ۱۱۹ | ۹۹ |
| ۱۱۸ | ۱۰۰ | ۹۴ | ۸۴۲ |

رفتمائیل یابدوح یابدوح یابدوح تنکفیل

**قل ان الفضل بید اللہ یؤتیہ من یشاء واللہ واسع علیم**

**یختص برحمتہ من یشاء واللہ ذوا لفضل العظیم**

مندرجہ بالا تعویز بالکل اسی ترتیب سے ہی تحریر کیا جائے ایک عدد ضرورتمند اپنے پاس رکھے خوشبو لگا کر اور ایک عدد ہوا میں لٹکائے اونچی جگہ کہ تعویز ہلتا رہے۔ رات کو بعد نماز عشاء ورنہ بعد از فجر بہتر ہے صرف ۱۲ یوم تک باوضو قبلہ رو وقت جگہ مقرر کے ساتھ تعوذ وتسمیہ کے بعد ۱۲ مرتبہ درود تنجینا یا ابراہیمی پھر ۱۱۲ مرتبہ آیت " الذی خلق الازواج کلھا......." ۱۲۰۰ مرتبہ " یابدیع العجائب بالخیر یابدیع " پھر ۱۱۲ مرتبہ یا ۳۱۳ مرتبہ آیت " قل ان الفضل بید اللہ........ " پھر درود شریف ۱۲ مرتبہ وہی جداول میں پڑھا تھا یہ عمل بہت ہی زبردست ہے صرف ۱۲ یوم کا عمل ہے۔

اللہ رب العزت اس عمل کی برکت سے خوش بختی کی راہیں کھول دیگا اور جیون ساتھی .



کے علاوہ شادی کا انتظام بھی اللہ تعالیٰ کردیں گے غیب سے۔

## شدید محبت

اگر آپ چاہتے ہیں کے فلاں آپ کی محبت میں دیوانہ ہو جائے اور وہ آپ کے بغیر بچ نہ سکے اور دل وجان سے آپ کو چاہنے لگے تو یہ عمل بہت زبردست ہے۔

جبرائیل بسم اللہ الرحمٰن الرحیم دردائیل

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| یابدیع | العجائب | بالحب | الخیر | لشدید | یابدیع |
| ۹۷ | ۱۱۷ | ۴۴ | ۸۴۰ | ۳۴۸ | ۹۷ |
| ۱۲۲ | ۴۸ | ۹۶ | ۹۹ | ۸۳۵ | ۳۴۳ |
| ۹۳ | ۳۴۶ | ۸۳۷ | ۴۵ | ۱۲۰ | ۱۰۲ |
| ۴۹ | ۹۲ | ۱۲۱ | ۳۴۷ | ۹۸ | ۸۳۶ |
| ۸۳۸ | ۱۰۱ | ۳۴۵ | ۱۱۸ | ۹۵ | ۴۶ |
| ۳۴۴ | ۸۳۹ | ۱۰۰ | ۹۴ | ۴۷ | ۱۱۹ |

رفتمائیل یابدوح یابدوح یابدوح تنکفیل

(۱) ایک آتش تپش میں رکھے

(۱۱) ہوا میں لٹکائے اتوار کی پہلی ساعت میں لکھنا بہتر ہے عمل قوی ثابت ہوگا

## عمل نمبر 2

محبت شدید پیدا کرنے کا دوسرا تعویز ایک عجیب تاثیر کا حامل ہے یوں سمجھیں محبت کا دوسرا نام ہے ایک عدد طالب اپنے پاس رکھے اور ایک عدد ہوا میں لٹکائیں اور ۱۲ عدد فلیتہ جات تیار کر کے ہر روز چراغ میں ایک فلیتہ جلائیں منہ بجانب خانہ مطلوب کرے چراغ کا

Scanned with CamScanner

اور وقت مقررہ پر روشن کرے اور طالب ۱۲۰۰ مرتبہ عزیمت حب یابدیع پڑھے اول آخر درود شریف ۱۲+۱۲ مرتبہ پڑھے۔

جبرائیل ۷۸۶ دردائیل

| | | | |
|---|---|---|---|
| ۳۸۲ | ۳۸۷ | ۳۹۳ | ۳۸۱ |
| ۳۹۴ | ۳۸۰ | ۳۸۳ | ۳۸۶ |
| ۳۷۹ | ۳۹۱ | ۳۸۹ | ۳۸۴ |
| ۳۸۸ | ۳۸۵ | ۳۷۸ | ۳۹۲ |

رفتمائیل تنکفیل

یا بدیع العجائیب باالحب الخیر لشدید یا بدیع جلب قلب فلانه فی محبت وعشق فلانه سامعاً مُطیعاً یحبونهم کحب الله والذین امنوا اشد حباً لله اجب یا جبرائیل یا بدیع بحق یا بدوح یا جبرائیل یا بدیع بحق یا بدوح یا جبرائیل یا بدیع بحق یا بدوح العجل العجل العجل الساعة الساعة الوحا الوحا الوحا

## عمل نمبر3

۷۸۶ ۷۸۶ ۷۸۶ ۷۸۶

جبرائیلؑ دردائیلؑ رفتمائیلؑ تنکفیلؑ

بدوح بدوح بدوح بدوح

بدیع بدیع بدیع بدیع

یابدیع العجائیب بالحب الخیر لشدید یابدیع

یا ودود یا ودود یا ودود یا ودود



ہم اس طلسم روحانی کی تعریف بیان کرنے سے قاصر ہیں جو آزمائے سو وہ پائے

## عمل نمبر4

یہ بھی طلسم روحانی ہے محبت میں بے خطا تیر ہے سیف ضارب کا اثر رکھتا ہے۔

بسم اللہ الرحمٰن الرحیم

ودود ودود ودود

رحمٰن رحمٰن رحمٰن

یابدیع العجائیب بالحب الخیر لشدید یابدیع

انّ الذین امنو ا وعملو الصّٰلحٰت سیجعل الرّحمٰن ودّ

## عمل نمبر5

بسم الله الرحمن الرحيم

جبرائیلؑ دردائیلؑ رفتمائیلؑ تنکفیلؑ

بدوح بدوح بدوح بدوح

ودود ودود ودود ودود

یا بدیع العجائیب با الخیر لشدید یابدیع

والقیتُ علیک (نام مطلوب) محبةً مِنیّ (نام طالب) ولتصنع علیٰ عینی

مندرجہ بالا طلسم بہت زبردست ہے باموکل عمل حب ہے۔

نوٹ۔ (i) کوئی بھی باموکل طلسم نہ پلایا جائے۔ (ii) وزن کے نیچے رکھے۔ (iii) اپنے پاس رکھے طالب۔ (iv) پھلدار درخت یا بیل سے خوشبو لگا کر باندھے۔

یہی ترتیب استعمال کرنے کی دوسرے طلسمات حب کی ہے جن میں موکلات کے

Scanned with CamScanner

اسماء استعمال نہیں کیے گئے ہیں وہ پلائے جا سکتے ہیں ۷ عدد یا ۱۲ عدد کافی ہیں۔

ایک بات ذہن میں رکھیں کہ اس طلسم کے نیچے جو آیت حب تحریر کرنی ہے وہ ایک ہی سطر میں پوری کرنا ہوگی اور جانبین کے اسماء بمعہ والدہ تحریر کریں۔

## عمل نمبر 6

بسم الله الرحمٰن الرحیم

وودود وودود وودود وودود

بدیع بدیع بدیع بدیع

یابدیع العجائیب بالحب الخیر لشد یدیابدیع

یحبونهم کحب الله والذین اٰمنوا اشد حباً لله

اللهم سخرلي (نام طالب) با الحب و التسخير فلان مطلوب

یا مسخر یا مسخر یا مسخر یا مسخر

یہ طلسم حاکم یا ظالم کی تسخیر کیلئے اکسیر ہے ایک اپنے پاس رکھے ایک مطلوب کے مکان یا راہ میں دفن کریں اگر محسوس کریں تو آپ آتشی اور بادی طریقہ بھی اپنا سکتے ہیں مثلاً ایک زیر آتش اور ایک عدد ہوا میں معلق کریں کسی پھل دار درخت یا بیل وغیرہ سے باندھ کر۔

## عمل نمبر 7

ایک ایسا تعویز تحریر کر رہے ہیں جو تسخیر خلائق عمومی و خصوصی تسخیرِ محبوب، رجوع خلق محبت و اتفاق اور صلح وغیرہ میں اپنی مثال آپ ہے۔ ( تعویز اگلے صفحہ پر ہے )



بسم اللہ الرحمٰن الرحیم

| شمکائیلٌ | جبرائیلٌ | میکائیلٌ | لوبائیلٌ |
|---|---|---|---|
| ۳۹۴ | ۳۸۰ | ۳۸۳ | ۳۸۶ |
| ۳۷۹ | ۳۹۱ | ۳۸۹ | ۳۸۴ |
| ۳۸۸ | ۳۸۵ | ۳۷۸ | ۳۹۲ |
| ۳۸۲ | ۳۸۷ | ۳۹۳ | ۳۸۱ |
| فقطلشائیلٌ | اسرافیلٌ | عزرائیلٌ | شقفیائیلٌ |

(ہر سطر کے دائیں جانب: کھیعص — بائیں جانب: ص)

اللّٰهم سخرلی (نام بمعه والده) کل مخلوقات کما سخرت الريح والجن والانس وطيور لسليمان بن داؤد عليه السلام يا بديع السمٰوٰت والارض يا بديع سخرلى قلوب الجن والانس وجميع خلقك يا مسخر يا مسخر يا مسخر سخر بحق هو الذى ايدك بنصره وبالمؤمنين والف بين قلوبهم لوانفقت ما فى الارض جميعاً ماالفت بين قلوبهم ولكن الله الف بينهم ان الله عزيز حكيم العجل الساعة الوحا يا بديع يابديع يابديع

## عمل نمبر 8

(i) یہ تعویز گھول کر پلانے میں بہت زیادہ طاقت ور ہے

(ii) ایک طالب اپنے پاس رکھے۔

(iii) زیر وزن رکھے یا ئی قبر کے سرہانے خوشبو لگا کر دفن کرے۔

(iv) ۱۲ عدد فتیلہ جات تیار کرے اور ہر روز ایک چراغ میں رکھ کر جلائے اور پھر بمطابق عدد قمری مطلوب بمعہ والدہ یا ۱۲۰۰ مرتبہ یا ۳۱۳ مرتبہ ورنہ کم از کم ایک تسبیح چراغ

Scanned with CamScanner

میں نظر قائم کر کے مکمل تصور اور توجہ کاملہ سے پڑھائی کرے اور ایک عدد ہوا میں اس طرح لٹکائے کہ ہلتا رہے اور ایک عدد مطلوب کے گھر میں دفن کرے ورنہ راستے میں دفن کرے۔

بسم اللہ الرحمن الرحیم

عسیٰ اللہ ان ایجعل بینکم وبین الذین عادیتم
منهم مودة عظیم

قول الم

| | | | |
|---|---|---|---|
| ٣٨٨ | ٣٨٥ | ٣٧٨ | ٣٩٢ |
| ٣٧٩ | ٣٩١ | ٣٨٩ | ٣٨٤ |
| ٣٩٤ | ٣٨٠ | ٣٨٣ | ٣٨٦ |
| ٣٨٢ | ٣٨٧ | ٣٩٣ | ٣٨١ |

والقیت علیک محبة منی ولتصنع علی عینی

قد شغفها حباً انا لنراها
فی نار العشق و الجنون

یابدیع العجائیب با الحب الخیر لشدید یا بدیع

## عمل نمبر 9

اگر ۱۲۰۰ مرتبہ ۱۲ دن تک " یابدیع العجائیب باالخیر یابدیع " اول آخر درود ابراہیمی ۱۲+۱۲ مرتبہ حب و تسخیر کے لیے پڑھا جائے تو مطلوب ضرور بضرور مسخر اور مطیع ہو۔

## عمل نمبر 10

اگر محبوب سرکش ہو اور معشوق کے دل میں آتش عشق جلا کر عاشق بنانا مقصود ہو تو کسی میٹھی چیز پر "یابدیع العجائیب باالحب الخیر لشدید یابدیع" ایک ہزار (۱۰۰۰) مرتبہ اول و آخر درود ۱۰+۱۰ مرتبہ پڑھے اور دم کر کے کھلائے۔

## عمل نمبر 11

اگر آپ چلہ کشی کی نیت سے ۱۲ یوم تک تمام لوازمات چلہ کشی کو پورا کرتے ہوئے ۱۲۰۰ مرتبہ "یابدیع العجائیب باالحب الخیر لشدید یابدیع" پڑھے وقت جگہ مقرر اور پرہیز جلالی



و جمالی کے ساتھ تو صرف ۱۲ مرتبہ پڑھ کر حب وغیرہ کیلئے دم کرنا کافی ہوگا۔

## عمل نمبر 12

مندرجہ ذیل تعویز حب و تسخیر میں لاجواب ہے اور زبردست تاثیر کا حامل ہے۔

بسم اللہ الرحمن الرحیم

یا بدیع العجائیب باالحب الخیر لشدید یا بدیع

باودود باودود باودود

| | | | |
|---|---|---|---|
| یا بدیع | باالخیر | العجائیب | یا بدیع |
| یا بدیع | العجائیب | باالخیر | یا بدیع |
| باالخیر | یابدیع | یابدیع | العجائیب |
| العجائیب | یا بدیع | یابدیع | باالخیر |

باودود باودود باودود

صورثا صارثا صبرثا ابرثا

اللّٰھم یارَبّ جبرائیلؑ یا رَبّ میکائیلؑ سخرلی
کلّ مخلوقات با الحبّ و العشق یا مسخر یا بدوح
العجل العجل العجل الساعة الساعة الساعة
الوحا الوحا الوحا

## باب حب و تسخیر خاص

یوں تو ہم کافی حد تک محبت و تسخیر کے تعویزات تحریر کر چکے ہیں لیکن ہم اپنی ترتیب کے مطابق تسخیر خاص اور تسخیر خلائق کے اعمال تحریر کرینگے جن کی برکت سے آپ امراء، عظما، علماء، حکماء، وزراء کو مسخر کر سکیں گے۔ انشاءاللہ

ہم نے حب اور تسخیر کے مجرب اور زبردست عملیات پر ایک کتاب تحریر کی ہے

Scanned with CamScanner

جس کا نام " آئینہ عشق و الجنون المعروف عملیات حبّ و تسخیر " ہے جس میں آپ کو محبت اور تسخیر کے ساتھ ساتھ حاضری مطلوب کے مضبوط اعمال ملیں گے۔ فقط کتاب کے مطالعہ کی ضرورت کے ساتھ ساتھ محنت کی ضرورت ہوگی۔ اور آپ اعمال حب کے بادشاہ شمار ہونگے۔ اور دنیا جہاں آپ سے محبت کرے گا۔ اور تسخیر اتنی کہ آپ حیران رہ جائیں گے آیئے! آپ کو بالکل اس طرح کے چند اعمال عزیمت یا بدیع کے پیش کرتے ہیں جن کی برکت سے آپ محبت کے گرو مانے جائیں گے فقط محنت کی ضرورت ہے۔

## عمل نمبر 1

اگر کوئی صاحب طاق دنوں میں پرہیز جلالی و جمالی اور تمام لوازمات چلہ کشی کو پورا کرتے ہوئے سوالاکھ مرتبہ " یا بدیع العجائیب بالحب الخیر لشدید یا بدیع " پڑھنے کے بعد ایک ہزار مرتبہ مداومت رکھے تابحد حیات وقت مقررہ کو ملحوظ خاطر رکھتے ہوئے۔

(i) ایسا عامل حب و تسخیر کا بادشاہ بن جائے گا۔ اگر وہ صرف زبان سے اتنا کہہ دے کہ جا اللہ کے حکم سے فلانہ تیری محبت میں مارا مارا پھرے گا تو اس کی تاثیر بھی پائے گا۔ انشاء اللہ

(ii) دنیا جہان اس عامل کی محبت میں گرفتار ہو جائے۔

(iii) جنات اس سے مانوس ہو جائیں۔

(iv) ایسی ایسی ہستیوں کو مسخر پائے کہ عقل حیران رہ جائے۔

(v) جس کو چاہے اپنی محبت میں گرفتار کرلے۔

عاجز نے بہت ہی کم بیان کیا لیکن پھر بھی کم الفاظ میں اس عمل کی وضاحت ایسی کردی ہے کہ ہر عامل اس کی طاقت کو سمجھ سکتا ہے۔



## عمل نمبر 2

جو شخص وقت اور جگہ مقرر کے ساتھ ساتھ تمام لوازمات چلہ کشی کو پورا کرتے ہوئے ۴ ماہ تک مسلسل ۳۱۲۵ مرتبہ "یا بدیع العجائیب باالخیر یا بدیع " پڑھے پھر مداومت بھی ۳۱۲۵ مرتبہ ہی رکھے جس میں جگہ کا تقرر اور پرہیز جلالی و جمالی نہیں ہے لیکن وقت کا تقرر ضروری ہے۔

(i) زندگی میں فتوحات غیبی کی حد تک تسخیر و فتوح حاصل ہو۔

(ii) لوگوں کا ہجوم اردگرد رہے۔

(iii) محبت و تسخیر میں نام پیدا ہو۔

(iv) ہر دلی تمنا پوری ہو۔

(v) عامل سراپاءِ خیر بن جائے۔ اور خیر ہی خیر حاصل ہو۔ ہر طرف سے اور خیر ہی کا فیض جاری ہو۔

(vi) حب اور تسخیر کے تعویزات میں کمال درجہ کی تاثیر ظاہر ہو۔

(vii) جس کو چاہے اپنی محبت میں گرفتار کرلے اور مسخر کرلے۔

(viii) جس کے لیے محبت کی دعا کرے وہ مسخر ہو جائے۔

(ix) اس عمل کی برکت سے ایسی تسخیر ہو کہ فیض حاصل کرنے کے لیے ہر طبقے سے ہر طرح کا امیر غریب خدمت میں حاضر ہو۔

(x) اس طرح کا عامل اللہ سے جو چاہے مانگے اور وہ اس کو ملے۔

(xi) تمام جہان مسخر ہو جائے ہر کوئی محبت کرے ہر جاندار مانوس ہو جائے۔

(xii) جس بھی تعویز یا عمل کو استعمال کرے وہ عمل پہلے ہی سے مسخر پائے اور تاثیر عمل ظاہر ہو۔

اس عمل کی جتنی بھی تعریف کی جائے کم ہے۔ تمام عجائبات و غرائبات اس عمل کے عامل

Scanned with CamScanner

پرعیاں ہو جائیں فقط محنت شرط ہے تجربہ کی ضرورت نہیں تجربہ شدہ عمل ہے۔

## عمل نمبر 3

جو شخص پوری زندگی ہمیشہ وقت مقرر پر ہی باوضو اول آخر درود ۱۲ + ۱۲ مرتبہ " یا بدیع العجائیب باالخیر یابدیع "پڑھے ایک سال کے اندر اندر فتوحاتِ غیبی کے دروازے اس پر کھل جائیں۔ ایک وقت ایسا آئے ہر کام میں خیر ہی خیر نظر آئے اور جو بھی منہ سے نکالے پورا ہوتا ہوا پائے۔ کبھی بھی زندگی میں ناکامی نہ پائے۔ یہ ایک عجیب راز ہے۔ زیادہ تفصیل مناسب نہیں ہے۔ یہی وہ کلیہ ہے جس سے منزل مقصود جلد نصیب ہوتی ہے۔

## عمل نمبر 4

اگر آپ تا بحد حیات وقت مقررہ پر باوضو ایک ہزار مرتبہ بلاناغہ " یابدیع العجائیب باالحب الخیر لشدید یا بدیع " اول آخر درود ۱۲ + ۱۲ مرتبہ پڑھتے رہیں تو بلاشبہ حب اور تسخیر اتنی ہو کہ عقل دھنگ رہ جائے۔ ایسا شخص جہاں جائے عزت پائے لوگ محبت سے پیش آئیں جس سے بات کرے وہ مانوس ہو جائے۔

## عمل نمبر 5

ایک ایسا عمل جو فتوحات غیبی کے دروازے کھول دے اور تسخیر خلق و رجوع خلق میں اپنی مثال آپ ہے۔ آپ ہمیشہ ہر جگہ ہر میدان میں غالب رہیں۔ ایک چلہ نکالیں باپرہیز تمام لوازمات کو پورا کرتے ہوئے ایک ہزار (۱۰۰۰) مرتبہ بلاناغہ ۴۱ یوم تک " یا بدیع العجائیب باالفتوح الغیب یا بدیع " اول آخر ۱۰ + ۱۰ مرتبہ درود ابراہیمی پڑھیں بعد چلہ کشی وقت مقررہ پر ۳۱۳ مرتبہ عمل ھذا کی مداومت رکھیں درود اول آخر ۷ + ۷ مرتبہ کے ساتھ۔ انشاء اللہ عجائبات عمل سے نوازا جائے۔



۴۹

## عمل نمبر 6

اگر ۵۰۰ مرتبہ تا بحد حیات بلاناغہ وقت مقررہ جگہ کا تعین کرتے ہوئے یا مصلی کے تعین سے باطہارت ظاہری و باطنی کے ساتھ " یا بدیع العجائیب باالتسخیر الخلق یا بدیع " اول آخر درود پچاس پچاس مرتبہ پڑھیں۔ تو حیران کن تسخیر ہو ہر طبقے سے ہر قسم کا ہر خاص و عام شخص کھینچا ہوا چلا آئے۔ اس عمل میں مداومت اور طہارت شرط ہے اور وقت کی پابندی ضروری ہے فقط۔ کوئی جلالی و جمالی پرہیز شرط نہیں ہے اور نہ ہی دیگر لوازمات شرط ہیں۔ ہاں اگر کہیں جانے کا ارادہ سفر وغیرہ کا ہے تو تین یوم قبل ہی کپڑا تعین کر لیں یا مصلّٰی تعین کر لیں ضروری ہے۔ اگر آپ ہمیشہ مصلّٰی تعین کر لیں اور اس مصلّے کو دوسرا استعمال میں نہ لائے تو بہت بہتر ہے۔ زیادہ تعریف کی ضرورت نہیں ہے عمل خاص تسخیر کا ہے عمل کی عبارت ہی سے واضح ہے جو بھی کرے گا فیض پائے گا۔ اللہ تعالیٰ آپ کو کامیاب و کامران کرے۔ آمین ثم آمین۔

ایک آخری تسخیر اور فتوح کا عمل بتلاتے ہیں پھر ہم انشاء اللہ تعویزات بتلائیں گے۔ امراء ، عہدیدار ، وزراء وغیرہ کو کس طرح مسخر کرنا ہے اور تسخیر خلائق کے نقوش بیان کریں گے تا کہ کوئی بھی پہلو عمل " یا بدیع " نہ رہ جائے اور طالب حق کو کسی قسم کی کوئی پریشانی نہ پیش آئے اور طالب روحانیت کو تلاش کرنے سے ہر چیز اسی کتاب سے اسی عمل کی مل جائے ہماری دعا ہے کہ اللہ رب العزت ہماری اس کتاب سے متلاشی روحانیت کی پیاس بجھائے مکمل طور پر تا کہ مکمل طور پر فیض یاب ہو سکے۔ آمین! برحمتک یا ارحم الراحمین۔

## عمل نمبر 7

جو صاحب ایک چلہ ۱۲ یوم کا ۱۲۰۰ مرتبہ عروج ماہ قمری نکالے تمام لوازمات اور

Scanned with CamScanner

پرہیز چلہ کشی کو پورا کرتے ہوئے اول آخر درود ۱۲ + ۱۲ مرتبہ کے ساتھ " **یا بدیع العجائیب باالتسخیر و الفتوح یا بدیع** " پڑھے وقت اور جگہ کے تعین کے ساتھ باوضو پھر تا بحد حیات ۳۱۳ مرتبہ مداومت اول آخر درود ۷+۷ مرتبہ وقت مقرر باوضو قبلہ رو پڑھے جگہ تعین کی شرط نہیں۔

(i) جس کو چاہے مسخر کرے۔

(ii) فتوحات اور تسخیرات کے دروازے کھل جائیں۔

(iii) ہر میدان میں ہر طرف سے کامیابی حاصل ہو۔

(iv) رجوع خلق ہو اور ہر شخص مانوس ہو۔

(v) جن و انس مسخر ہو جائیں۔

(vi) دشمن اور حاسد بھی مسخر ہو جائیں۔

(vii) جس کو جس کے حق میں مسخر کرنا چاہے مسخر کر سکے۔

(viii) کوئی موذی جانور بھی گزند نہ پہنچائے۔

(ix) کوئی خوف، کوئی خطرہ باقی نہ رہے چاہے نصف شب کو جنگل یا قبرستان سے گزرے۔

(x) اگر قبرستان میں چلہ کشی کرے تو میتوں کے ہمزاد مسخر اور مانوس ہو جائیں اور جنات اطاعت کریں۔

زیادہ تعریف کی تو عمل کے حجابات اٹھ جائیں گے۔ اور جاہل عمل کو بے پردہ پائیں گے جس سے عمل کی عزت وقدر اور مرتبہ میں یقینی کمی اور نقصان ہو جائے گا لھذا جو صاحب کرے خواص خود بخود اس پر عیاں ہو جائیں گے۔

ہم نے اپنی طرف سے پوری کوشش کی ہے کہ "یابدیع" کے تمام اقسام کے اعمال صحیح صحیح طریقے سے آپ تک پہنچ سکیں اور آپ کامیاب و کامران ہو جائیں اور مکمل طور پر فیض یاب



ہو جائیں آپ ہمیں اپنی دعاؤں میں یاد رکھیں اور ہم آپ کے لیے دعا کرتے ہیں کہ اللہ آپکو روحانیت کی منازل آپ کی چاہت کے مطابق طے کروائے۔ آمین!

## عمل نمبر 8

**بسم الله الجامع جل جلاله**

**مطیع مطیع مطیع**

**مسخر مسخر مسخر**

**یابدیع العجائیب باالتسخیر الخلائق یابدیع**

---

**یابدوح یابدوح یابدوح**

(i) ایک اپنے بازو پر باندھے۔

(ii) دوکان / کاروبار کی جگہ پر آویزاں کرے

(iii) ہوا میں لٹکائے کہ ہلتا رہے۔

## عمل نمبر 9

بسم اللہ الرحمٰن الرحیم

| صورثا | صارثا | صبرثا | ابرثا |
|---|---|---|---|
| یابدیع | باالتسخیر | العجائیب | یابدیع |
| یابدیع | العجائیب | باالتسخیر | یابدیع |
| باالتسخیر | یابدیع | یابدیع | العجائیب |
| العجائیب | یابدیع | یابدیع | باالتسخیر |
| صورصا | صارصا | صبرصا | ابرصا |

**اللّٰھم یابدیع العجائیب باالتسخیر یا بدیع سخرلی** " اپنا نام بمعہ والدہ لکھے " امراء، عظماء ، حکماء ، وزراء ، بادشاہان و عہدیداران. **یا معز اعزني بعزتک یا عزیز العجل العجل الساعة الساعة الوحا الوحا یا مسخر یا مسخر یا مسخر**

(i) اتوار کی پہلی ساعت میں تحریر کرے۔ زعفران وغیرہ اور خوشبو لگا کر اپنے پاس رکھے۔

(ii) قرآن پاک میں سورۃ والشمس کی جگہ رکھے۔

(iii) اپنے کاروبار کی جگہ یا مسکن میں لٹکائے۔

## عمل نمبر 10

۷۸۶

**اللہ الذی سخرلکم سبع سمٰوٰت والارض**

**وفیھا جمیعاً منہ کل شیٔ و جمیع خلقک**

| یابدیع | العجائیب | باالتسخیر | یابدیع |
|---|---|---|---|
| جبرائیل | دردائیل | سراکیتائیل | لومائیل |

نااہلوں سے اس طلسم نورانی تعویز کو پوشیدہ رکھنا انگوٹھی بھی بنوائی جا سکتی ہے اور تہہ کر کے نگینہ کے نیچے بھی رکھا جا سکتا ہے۔

## عمل نمبر 11

بسم اللہ الرحمن الرحیم

معطي معطي معطي

مسخر مسخر مسخر

بدیع بدیع بدیع

**یا بدیع العجائیب باالتسخیر یا بدیع**

الٰہی بحرمتہ ایں طلسم سخر لی قلب فلاں بن فلاں

۱۔ ایک اپنے دائیں بازو پر باندھے۔

۲۔ ایک اس کے گھر / دفتر میں زیرِ وزن رکھو۔

۳۔ مرغ کے دل ڈال کر پھلدار درخت پر لگائیں کہ ہوا اچھی طرح لگے۔



## عمل نمبر 12

بسم اللہ الرحمٰن الرحیم

فتاح فتاح فتاح فتاح

راجع راجع راجع راجع

بدیع بدیع بدیع بدیع

**یا بدیع العجائیب کل شیئی راحمہ و راجعہ یا بدیع**

الٰہی فتوح غیب و رجوع خلق شود۔

فتوح غیب اور رجوع کیلئے یہ طلسم روحانی بہت کارآمد ہے۔

(i) ایک اپنے پاس رکھیں۔ (ii) کاروبار یا مسکن میں رکھیں۔

## عمل نمبر 13

تسخیر بادشاہ اور بڑے عہدے دار، جاگیردار، افسران، امیر کبیر لوگ اور عظیم شہرت یافتہ لوگوں کو مسخر کرنے کے لیے اور ان سے کام نکلوانے اور ان کے ساتھ تعلقات قائم کرنے کے لیے یہ تعویز بہت ہی کارآمد ہے اور زبردست نتائج کا حامل ہے کہ آپ بروز اتوار عروج ماہ قمری بوقت طلوع آفتاب کہ شمس برج اسد میں ہو یا شرفی برج میں یا عالم نوروز سے لیکر ایک ماہ تک جب بھی اتوار آئے مگر عروج ماہ قمری شرط ہے شرف کا وقت، طالع یا عالم نوروز شرط نہیں ہیں اگر خود بخود ایسا وقت مل جائے تو سونے اور ہیرے جواہرات سے بھی افضل ہے۔ سورج کی طرف منہ کرتے ہوئے ۲۱ مرتبہ سورۃ الشمس پڑھیں پھر پہلی ساعت کے اندر اندر ہی تحریر

Scanned with CamScanner

کریں۔" زعفران + عنبر + کستوری سے / ورنہ صرف زعفران بھی کام دیگا۔ یہ وقت آپ کسی بھی جنتری یا تقویم سے باآسانی دیکھ سکتے ہیں۔

**طریقہ کار** باوضو ہو کر تمام اشیاء ضرورت کو اپنے پاس رکھ کر صندل کی اگربتی سلگائیں جو بازار سے باآسانی مل سکتی ہے۔ پھر طلوع آفتاب کے فوراً بعد تعوذ اور تسمیہ پڑھ کر سورۃ الشمس پڑھیں ۲۱ مرتبہ۔ پھر جائزہ لیں کہ کہیں دورانِ عمل اگربتی ختم تو نہیں ہو جائے گی۔ ورنہ دو چند بتیاں پھر سلگا دیں اور نہایت صاف ستھرا نقش تحریر کریں۔ پھر ۳۱۳ مرتبہ " یابدیع " پڑھیں اور نقش پر دم کر کے بند کر دیں پھر ۷۰ مرتبہ " اللّٰھم سخرلی کل شیئی وجمیع خلقک کماسخرت لسلیمان بن داؤد علیه السلام " تعویز ہاتھ میں لے کر دعاء کی طرح ہاتھ اٹھا کر پڑھے اور تعویز کو قرآن کی سورۃ الشمس کی جگہ رکھ کر کہے " اے قرآن یہ میری امانت ہے تیرے حوالے کر رہا ہوں قسم ہے تجھے اس ذات کی جس کی تو کلام ہے جس مقصد کے لیے تحریر کیا ہے وہ مقصد مجھے حاصل ہو ورنہ کل قیامت کے دن تجھے میں دوش دونگا "۔ پھر قرآن بند کر دے۔ ایک ہفتہ تک سورۃ الشمس ہر روز بلاناغہ ۲۱ مرتبہ پڑھتا رہے پہلی ساعت ہی میں۔ جب اگلی اتوار آئے تو ۲۱ مرتبہ سورۃ الشمس کو پڑھ کر وہی عمل دہرائیں جو پہلے دہرایا تھا جو ہم تحریر کر چکے ہیں اور کہے اے قرآن آپ کی بڑی مہربانی آپ نے ہمارا کام کیا ہم سے جو ہو سکا اپنی استعداد کے مطابق ہم نے کیا۔ آپ اپنی طاقت کے مطابق اور شان اور مرتبہ کے مطابق کام کریں کہہ کر تعویز کو اٹھائیں اور ہمیشہ اپنے پاس رکھیں۔

جب بھی کسی عظیم شخصیت وغیرہ سے کوئی کام پیش آئے تو آپ فقط ۲۱ مرتبہ سورۃ شمس پڑھیں تعویز کو انگوٹھے اور شہادت کی انگلی کے درمیان پکڑتے ہوئے پھر کہیں اے قرآن فلاں آدمی سے فلاں کام ہے تعاون ہو اور کہہ کر اس آدمی کی پاس جائیں۔ انشاء اللہ وہ شخص آپ کی چاہت کے مطابق کام کرے گا۔

( تعویز اگلے صفحہ پر ہے )



یا بدیع العجائیب باالتسخیر یا بدیع

یاکلنبائیلؑ ۷۸۶ یاروقیائیلؑ

ابرٹا صبرٹا صارٹا صورٹا

| | | | |
|---|---|---|---|
| ۱۸۳۹ | ۱۸۳۶ | ۱۸۳۳ | ۱۸۴۷ |
| ۱۸۳۷ | ۱۸۴۲ | ۱۸۴۴ | ۱۸۳۲ |
| ۱۸۴۵ | ۱۸۳۱ | ۱۸۳۸ | ۱۸۴۱ |
| ۱۸۳۴ | ۱۸۴۶ | ۱۸۴۰ | ۱۸۳۵ |

یاسیدالمذهب وفق ۸۳۵۵ یاابو عبدالله

# بابَ العداوت و بغض

## عمل نمبر 1

آک کے پتے پر سیاہ سیاہی سے تحریر کریں اور ایک عدد پرانی قبر کے پاؤں کی جانب دفن کر دیں ایک عدد خار دار درخت کی جڑ میں رکھ دیں اور ایک سوکھنے پر مخالف میں سے کسی کے گھر میں چورا چورا کر کے ڈال دیں۔ اللہ کے حکم سے زبردست قسم کی دشمنی پیدا ہو جائے گی۔

والقینا بینهم العداوة البغضآء الی یوم القیمة

| | | | |
|---|---|---|---|
| ۱۶۸ | ۱۶۱ | ۱۹۳ | ۱۵۸ |
| ۱۵۵ | ۱۶۶ | ۱۶۰ | ۱۶۹ |
| ۱۶۲ | ۱۶۷ | ۱۵۷ | ۱۶۴ |
| ۱۶۵ | ۱۵۶ | ۱۷۰ | ۱۵۹ |

البغض والعداوة فلانه علیٰ بغض والعداوة فلانه

یا بدیع العجائیب باالقهر یا بدیع العجل الساعة الوحا

Scanned with CamScanner

## عمل نمبر2

پرانے کپڑے پر تحریر کریں سیاہ سیاہی سے اور آگ میں دفن کریں کہ تپش خوب رہے مگر جلے نہ۔ پرانا کپڑا اگر فریقین میں سے مل جائے تو بہتر ہے ورنہ کوڑے کرکٹ کی جگہ سے تلاش کر کے لائیں اور پھر اچھی طرح مَل مَل کر صاف کریں دھوئیں نہیں پھر بروز منگل اس پر تحریر کریں۔

یا بدیع العجائیب باالقهر یا بدیع

| | | |
|---|---|---|
| ۲۲۰ | ۲۱۲ | ۲۱۸ |
| ۲۱۴ | ۲۱۷ | ۲۱۹ |
| ۲۱۶ | ۲۲۱ | ۲۱۳ |

فلاں بن فلاں درمیان فلاں بن فلاں عداوت و دشمنی پیدا شود

## عمل نمبر3

اجهزطِ یا بدیع العجائیب باالقهر یا بدیع اجهزطِ

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ۲۱۸ | ۲۱۹ | ۲۱۳ | البغض ونفاق | ۲۱۸ | ۲۱۹ | ۲۱۳ |
| ۲۱۲ | ۲۱۷ | ۲۲۱ | فلانہ علی البغض | ۲۱۲ | ۲۱۷ | ۲۲۱ |
| ۲۲۰ | ۲۱۴ | ۲۱۶ | فلانہ عداوت شدید | ۲۲۰ | ۲۱۴ | ۲۱۶ |

یاقہار یاقہار یاقہار یاقہار یاقہار یاقہار

یہ تعویز ایک عدد پرانی قبر میں دفن کریں بائیں جانب اور ایک عدد ہوا میں لٹکائیں۔ زبردست عمل ہے۔



## عمل نمبر4

پرانے کپڑے پر تحریر کرے فقط دو عدد ایک کو جلا کر دشمن کے گھر ڈال دیں اور ایک پرانی قبر میں ڈال دیں اور ۵۰ مرتبہ عزیمت" یابدیع العجائیب باالقہر یابدیع "پڑھ کر قبر کی مٹی ایک چٹکی اٹھالائیں پھر رکھ تعویز ثانی ملا کر استعمال میں لائیں۔ تا قیامت دشمنی قائم رہے کبھی صلح نہ ہو۔ اگر میاں بیوی ہوتو طلاق ہوجائے اور اگر گہرے دوست ہوں تو لڑائی ہوجائے۔

یابدیع العجائیب باالقهر یابدیع

لڑائی لڑائی لڑائی

عداوة عداوة عداوة

یاقهار یاقهار یاقهار

والقینا بینهم العداوة والبغضآء الیٰ یوم القیامة

فلانه یاتباهی شود فلانه

## عمل نمبر5

یہ عمل بھی بہت سخت ہے اور خطرناک بھی ہے جس کا رزلٹ تباہی، دشمنی اور جنگ وجدل کے سوا کچھ نہیں۔ اور یہ عمل آگ کی طرح اثر رکھتا ہے۔ عاجز زیادہ لوازمات تحریر نہیں کریگا تا کہ فسادِ زمانہ پیدا نہ ہوجائے۔ عقلمند خود اس کا طریقہ درستگی کے ساتھ استعمال کرے۔

یا بدیع العجائیب باالقهر یا بدیع

یاقهار یاقهار یاقهار

العداوة العداوة العداوة

یاتباهی شود یا تباهی شود یا تباهی شود

اجهزطِ اجهزطِ اجهزطِ

Scanned with CamScanner

## عمل نمبر 6

یا بدیع العجائیب باالقهر یا بدیع

| | | |
|---|---|---|
| ۲۱۳ | ۲۱۹ | ۲۱۸ |
| ۲۲۱ | ۲۱۷ | ۲۱۲ |
| ۲۱۶ | ۲۱۴ | ۲۲۰ |

یاقهار یاقهار یاقهار

باقهار باقهار باقهار

اجهزطِ اجهزطِ اجهزطِ

والقینا فلاں بن فلاں بینهم فلاں بن فلاں

العداوة والبغضآء الیٰ یوم القیامة

العجل الساعة الوحا

بھوج پتر پر تحریر کریں اور دو پرانی قبروں کے درمیان دفن کریں۔ پرانی قبروں سے مراد کم از کم پانچ سال پرانی ہوں۔ اور ایک راستہ میں دفن کریں۔

## عمل نمبر 7

کوری سکوری لیں اس پر ایک ہزار (۱۰۰۰) مرتبہ " والقینا بینهم العداوة والبغضآء الیٰ یوم القیامة " اور ۱۲۰۰ مرتبہ "یا بدیع العجائیب باالقهر یا بدیع " پڑھ کر دم کریں اور تھوڑی چھچ (لعاب کی پھوار) کریں پھر ایسی جگہ توڑیں جہاں ان کی مجلس ہو۔ پس ان کی مجلس خراب ہوگی اور دوبارہ کبھی اکٹھے نہ ہوں گے۔

یہ عمل ایسی جگہ کیلئے ہے جیسے پنچائیت میں پھوٹ ڈلوانا کسی گھر میں آپ کے خلاف سازش ہو رہی ہو اس کو ناکام کرنا۔ بارات میں پھوٹ ڈلوانا۔ عدالت میں گواہوں کو توڑنا اور رشتہ داریاں تڑوانا وغیرہ وغیرہ میں اکسیر کا درجہ رکھتا ہے۔



## عمل نمبر ۸

ایک ایسی کچی اینٹ تلاش کریں جو بالکل صاف ستھری ہو اور وہ قبرستان میں لحد کے اندر استعمال ہو سکتی ہو اس پر فریقین کے اسمآء بمعہ والدہ کے اعداد قمری کے مطابق پڑھائی کریں اگر تعداد زیادہ ہو تو آپ طاق دنوں پر تقسیم کرتے ہوئے وقت مقررہ پر پڑھائی کریں جگہ قبرستان میں ہی تعین کرنا افضل ہے۔ ورنہ رہائش سے ہٹ کر کوئی جگہ تلاش کریں۔ حصار آیة الکرسی ۳ مرتبہ پڑھ کر اپنے اوپر دم کریں پھر بغیر بسم اللہ اور تعوذ کے " یا بدیع العجائیب باالقهر یا بدیع " پڑھیں۔ اگر دونوں کی تعداد تین یوم سے زیادہ ہوئی اور جگہ قبرستان میں تعین کی گئی تو عین ممکن ہے کہ شروع ہی میں کام ہو جائے مگر پڑھائی اور عمل پورا کرنا ضروری ہے۔

اس اینٹ پر مندرجہ ذیل طریقے پر نقش تحریر کریں۔

نام بمعہ والدہ

جبرائیل

| | | | |
|---|---|---|---|
| یا بدیع | باالقهر | العجائیب | یا بدیع |
| الیٰ یوم القیامة | والبغضآء | العداوة | والقینا بینهم |

عزرائیل

نام بمعہ والدہ

اس طلسم روحانی کے اوپر اس فریق کا نام لکھیں بمعہ والدہ بسط حرفی میں یعنی علیٰحدہ علیٰحدہ حرفوں میں۔ جس کو لڑوانا مقصود ہو۔

نیچے اس فریق کا اسم علیٰحدہ علیٰحدہ حرفوں میں تحریر کریں جس سے لڑوانا ہو۔

پس اس عمل سے اللہ کے حکم سے خطرناک حد تک لڑائی پیدا ہو جائے گی۔

Scanned with CamScanner

## عمل نمبر 9

والقینا بینھم العداوۃ والبغضآء الیٰ یوم القیامۃ

| یا بدیع ۹۷ | العجائیب ۱۱۷ | باالقھر ۳۳۹ | یابدیع ۹۷ |
|---|---|---|---|
| ۳۴۰ | ۹۶ | ۹۸ | ۱۱۶ |
| ۹۵ | ۳۳۷ | ۱۱۹ | ۹۹ |
| ۱۱۸ | ۱۰۰ | ۹۴ | ۳۳۸ |

البغض والعداوۃ فلانہ درمیان فلاں دشمنی پیدا شود

وھمہ اقسام محبت ختم شود، نفرت عداوت پیدا کنند

دشمنی زود بیاید زود بیاید العجل الساعۃ الوحا

## عمل نمبر 10

ایک عدد کورا چراغ لیں اس میں روغن تلخ ڈالیں اور مندرجہ ذیل فلیتہ رکھ کر جلائیں روئی وغیرہ لپیٹ کر۔

اجب یاعزرائیلؑ بحق یا بدیع العجائیب باالقھر یابدیع

فلاں بن فلاں درمیان فلاں بن فلاں

عداوت ونفرت پیدا شود بحق اجھزطِ اجھزطِ اجھزطِ

فلیتہ بالکل اسی طرح تحریر کرنا ہے تمام فلیتہ جات بروز منگل پہلی ساعت زوال ماہ تیار کریں اور ۱۲۰۰ مرتبہ بدون تسمیہ وتعوذ اور بغیر درود کے ۱۲ دن تک وقت جگہ تعین کرتے



ہوئے پڑھائی کردیں۔"اجب یا عزرائیلؑ بحق یا بدیع العجائیب باالقھر یا بدیع" دوران عمل ہر سینکڑہ پر سیاہ مرچ چراغ کی لو میں جلائیں اور جلاتے وقت کہیں" فلاں بن فلاں درمیان فلاں بن فلاں عداوت و نفرت پیدا ہو "۔اس طرح کل ۱۲ عدد سیاہ مرچ جلیں گی۔

### نوٹ

(i) اس عمل کے دوران ہی کام ہونے کی صورت میں عمل ۱۲ یوم مکمل کرنا ہوگا۔

(ii) دوران عمل فلیتہ ختم نہ ہونے پائے اور نہ ہی چراغ بجھنے پائے۔

(iii) چراغ کا منہ بجانب مشرق کیا جائے یا خانہ مطلوب کی طرف۔

## عمل نمبر 11

**نوٹ۔** عورت کا نام بمعہ والدہ اور مرد کا نام بمعہ والد تحریر کریں طلسم روحانی کی پچھلی جانب۔مقصد تحریر کرنے کی ضرورت نہیں ہے۔یہ میاں بیوی کی طلاق کا خطرناک عمل ہے۔

| | | |
|---|---|---|
| اجھزط | اجھزط | اجھزط |
| جدائی | جدائی | جدائی |
| طلاق | طلاق | طلاق |

یابدیع العجائیب باالقھر یا بدیع

یاعزرائیلؑ یاعزرائیلؑ یاعزرائیلؑ

(i) قبرستان میں دفن کریں۔

(ii) زیرِ تپش رکھیں۔

(iii) گھر میں یا زیر چوکھٹ رکھیں۔

## عمل نمبر 12

نفرت، عداوت، جدائی، دشمنی وغیرہ میں یہ ایک عجیب پر تاثیر نقش ہے جو اپنی نوعیت کے اعتبار سے اپنے متعلقہ مقصد کے لیے کافی ہے۔دیگر نقوش وطلسمات کی طرح

Scanned with CamScanner

اس کو بھی لوازمات کے ساتھ تحریر کیا جائے اور استعمال میں لایا جائے۔

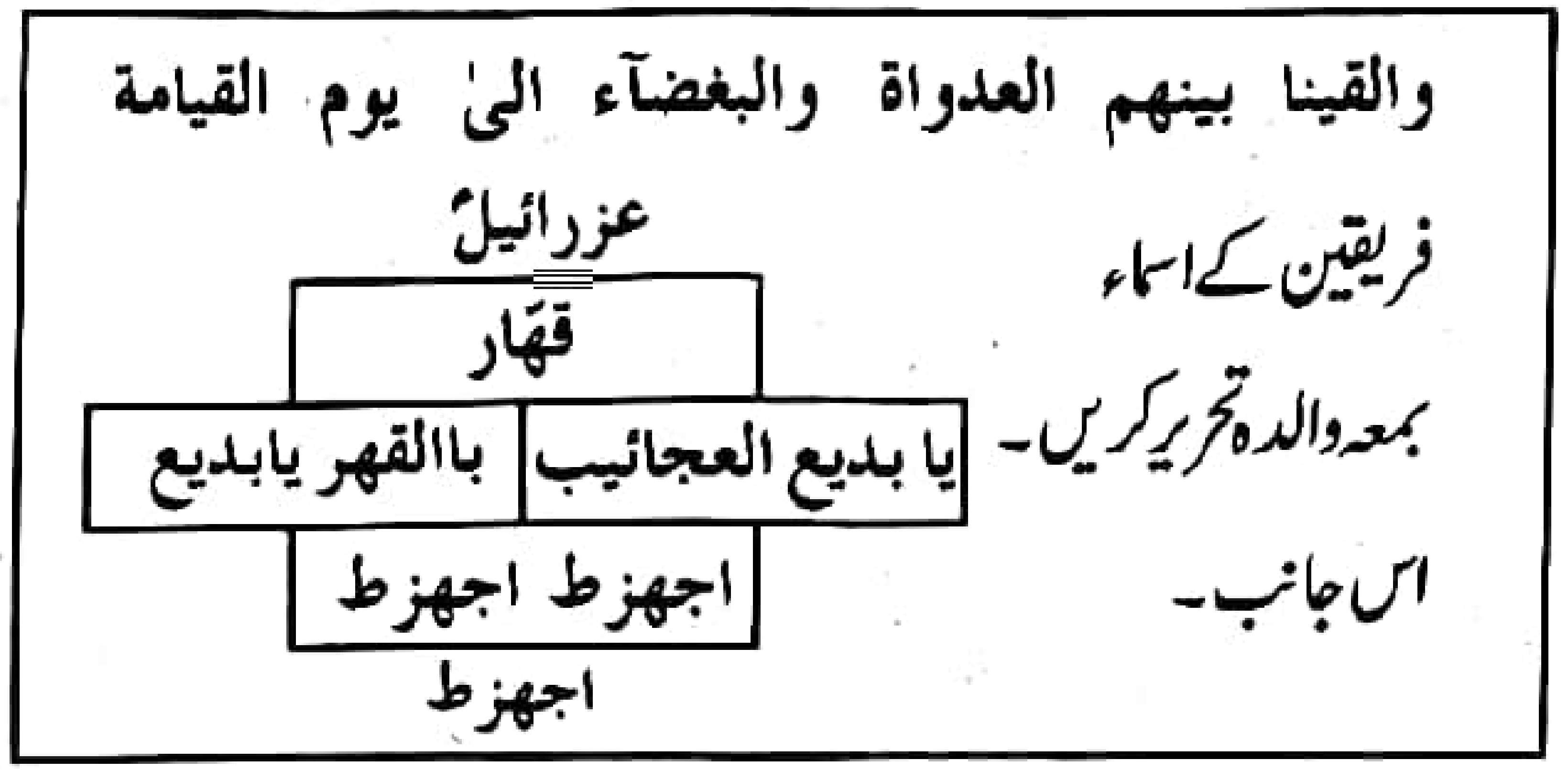


مندرجہ بالا تمام عملیات میں جائز ناجائز دیکھ کر استعمال کریں ورنہ کل قیامت کو اور اس دنیا میں خود عامل ذمہ دار ہوگا۔عاجز کی ذمہ داری بالکل نہ ہوگی۔

تھوڑی سی بات پر یا کسی کے بہکاوے میں آ کر اس طرح قلم نہ اٹھانی چاہیے بلکہ تحمل اور صبر کا مادہ اپنے اندر پیدا کرنا چاہیے۔معاف کرنا اور درگزر کرنا سب سے بڑی نیکی اور درجہ محسنین کا پیشہ ہے۔ایک نوری عامل میں زیادہ سے زیادہ قوت برداشت ہونی چاہیے۔ہمیشہ انسانوں پر احسان کرنا سیکھو یہی سنت انبیاء ہے۔

اب عاجز مقہوری اعدآء اور دشمن کو تباہ و برباد کرنے کا باب تحریر کر رہا ہے۔مندرجہ بالا تمام باتوں پر عمل کرنا اپنے اوپر لازم رکھنا بہتر ہے۔عاجز تو یہ تمام اعمال اس لیے تحریر کر رہا ہے کہ علم چھپانا بخل ہے اور اشد ترین ضرورت میں کام لیا جا سکے اور مکمل طور پر عمل بدیع کے خواص عاملین کے سامنے آ جائیں اور اس کتاب میں کسی قسم کی کوئی کمی باقی نہ رہے وغیرہ وغیرہ جیسی بہت سی وجوہات ہیں اور سب سے بڑی وجہ یہ ہے کہ اللہ کی کلام کو چھوڑ کر شیطانی اور سفلی اعمال کی طرف رجوع نہ کر بیٹھے مجبوری کا بہانا لگا کر۔ہمیں تو قرآن نے جنود اللہ کہا ہے حزب الرحمان کے لوگ ہیں ہم نے تو ہر حالت میں اللہ کا نام بلند کرنا ہے اور توحید کی دعوت دینی ہے اور اللہ کے اسماء اور اس کی کلام کی طاقت بیان کرنی ہے یہی اصل مقصد ہے۔



# باب مقہوری اعدآء

اس باب میں ہم انشآءاللہ دشمن کی ہر چال کا منہ توڑ جواب تحریر کریں گے اور دشمن کو ذلیل وخوار کرنے اور تباہ و برباد کرنے کے ساتھ ساتھ دشمن کو بیمار کرنے کے اعمال بھی درج کریں گے۔مگر جب بھی کوئی عمل کیا جائے تو متعلقہ لوازمات ضرور پورے کیے جائیں تا کہ عمل صحیح طریقے سے کھل کر اپنی تاثیر دکھلا سکے۔اگر ہماری کتاب "قانون عملیات" کا مطالعہ کیا جائے تو بہتر ہے ہر عمل کرنے کے قوانین درج ہیں مگر پھر بھی ہم نے اپنی طرف سے اس کتاب کے شروع میں ہی کافی قواعد وضوابط تحریر کیے ہیں تا کہ آپ مستفید ہو سکیں۔ہم نے اپنی طرف سے اس کتاب میں کسی قسم کی کوئی کمی نہیں چھوڑی اور ہر عمل کو صحیح طریقہ سے مکمل طور پر درج کیا ہے۔فقط ضرورت اس بات کی ہے کہ عامل اپنے عمل میں جان پیدا کرے ایک ہی عمل کو انتہاء تک پہنچا دے پھر عمل کی طاقت کا کمال دیکھنا کہ کس طرح عمل کے خواص اور فوائد زندگی کو چار چاند لگا دیتے ہیں۔اسی لیے ایک ایک عمل پر علیٰحدہ علیٰحدہ مکمل تفصیل کے ساتھ پوری پوری کتاب لکھ دی ہے۔تا کہ عامل کو اپنے سبق میں نہ تو کمی اور کمزوری محسوس ہو اور نہ ہی وہ اپنی کمزوریاں دور کرنے کیلئے کسی دوسری جانب منہ مارے۔

## عمل نمبر 1

اگر کسی خاندان یا قبیلہ کے لوگوں نے آپ کا جینا دوبھر کر رکھا ہو یا خواہ مخواہ تنگ کرتے ہوں تو آپ ستر ہزار ( 70,000 ) مرتبہ " یا بدیع العجائیب باالقهر یا بدیع " کی پڑھائی کروائیں۔اللہ کے حکم سے تمام دشمن مقہور ہوں۔یہ عمل ناجائز مقدمہ جات میں دشمن کو شکست دینے میں بھی کامیاب ہے۔

Scanned with CamScanner

## عمل نمبر2

اگر کوئی عامل یا کسی طاقتور پیر کا مرید آپ کو تنگ کر رہا ہو اور آپ پر بلا وجہ زیادتی کرتا ہو تو آپ ۱۲ یوم تک ۱۲۰۰ مرتبہ "یا بدیع العجائیب باالقھر الشدید یا بدیع "پڑھیں پھر ۳۱۳ مرتبہ اللھم انا نجعلک فی نحورھم و نعوذبک من شرورھم پڑھیں اور مندرجہ ذیل طریقہ سے عبارت تحریر کر کے ایک قبرستان میں دفن کریں اور ایک دشمن کے گھر میں یا راستہ میں جہاں سے اکثر گزرتا ہو دبا دیں۔

یا بدیع العجائیب با القھر الشدید یا بدیع

اللھم انا (اپنا نام تحریر کریں) نجعلک فی نحورھم

و نعوذ بک من (نام دشمن تحریر کریں) شرورھم

## عمل نمبر3

۱۲ مساجد میں سے ایک ایک تنکہ مصلّے کا کوڑے کرکٹ سے لائیں پھر قبرستان میں چلے جائیں اور ۱۲ قبروں سے ایک ایک چٹکی مٹی کی لیں ۱۰۰ + ۱۰۰ مرتبہ ہر قبر پر اجب یا عزرائیلؑ بحق یا بدیع العجائیب باالقھر یا بدیع پڑھیں۔ پھر تنکوں کو جلا کر قبروں کی مٹی کے ساتھ ملا کر دشمن کے گھر ڈال دیں انشاء اللہ دشمن اجڑ جائے گا۔ یہ تمام عمل ہفتہ کے دن زوال ماہ قمری کریں۔ پڑھائی مٹی اور تنکوں پر علیحدہ علیحدہ ہوگی۔

## عمل نمبر4

دشمن کو بیمار کرنے کے لیے درج شدہ تعویز بہتر ہے۔ درج ذیل ترکیب پر استعمال کریں

(i) ہو سکے تو ایک پلا دیں۔

(ii) پرانے کپڑے میں لپیٹ کر کوری سکوری میں بند کر کے قبرستان میں دفن کریں۔



(iii) پرانے کپڑے میں لپیٹ کر اس کے راستے میں دفن کریں۔

یا بدیع العجائیب باالقھر یا بدیع

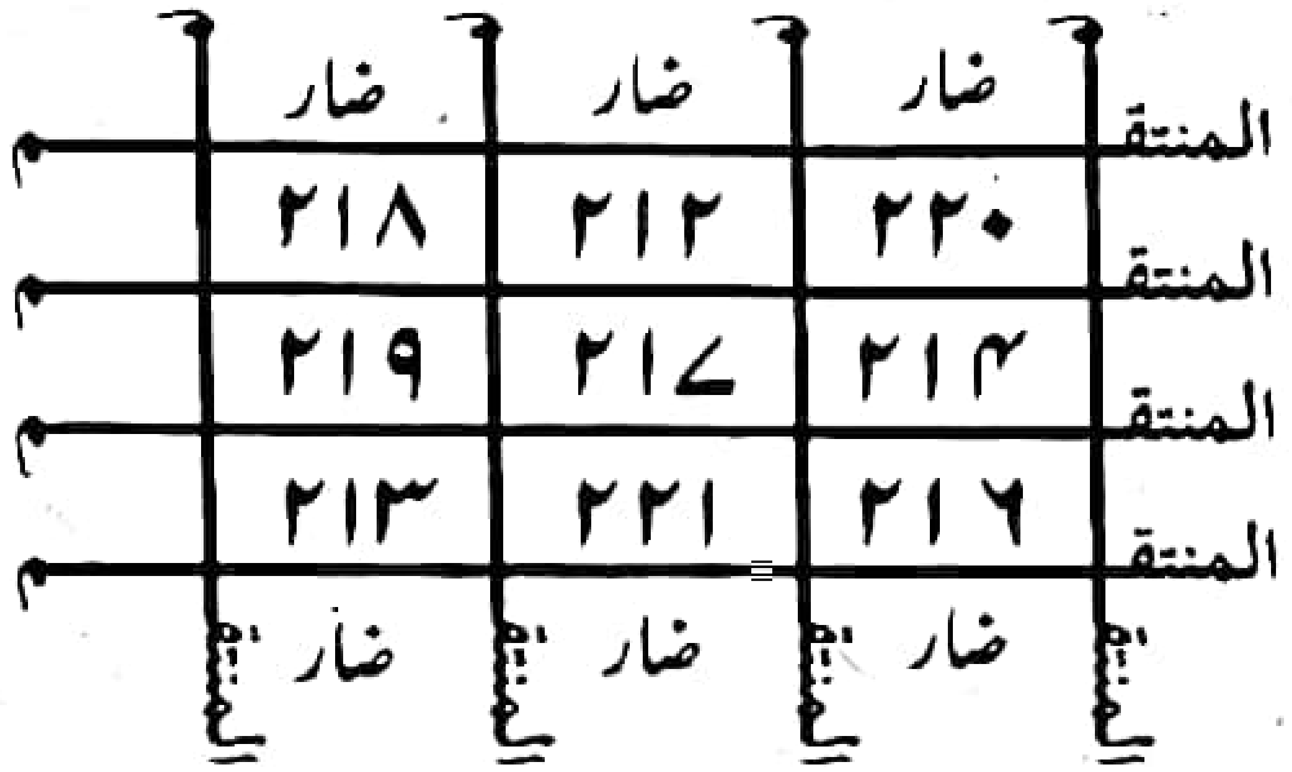


فلانہ بن فلانہ در مرض فلاں مبتلا

شود یا ضار العجل الساعۃ الوحا

## عمل نمبر5

یا بدیع العجائیب باالقھر الشدید یا بدیع

یاعزرائیل

| | | |
|---|---|---|
| ۲۱۶ | ۲۱۴ | ۲۲۰ |
| ۲۲۱ | ۲۱۷ | ۲۱۲ |
| ۲۱۳ | ۲۱۹ | ۲۱۸ |

مرض مہلکہ لاعلاج در جسم فلانہ

پیدا گردد۔ فی قلوبھم مرض

فزاداھم اللہ مرضاً ولھم عذاب الیم۔

Scanned with CamScanner

(i) ایک عدد آک (مدار) کے پتے پر تحریر کر کے قبرستان میں دفن کریں۔

(ii) ایک عدد آک کی جڑ میں دفن کریں ایسی جگہ جہاں آک بکثرت پائے جاتے ہوں۔

(iii) روڑی و کوڑے کرکٹ کی جگہ سے گندہ کپڑا کسی عورت کا تعویز پر لپیٹ کر خاردار اور کڑوے درخت پر لٹکائیں کہ ہوا سے ہلتا رہے۔

## عمل نمبر 6

اگر کسی کے ساتھ مقدمہ بازی چل رہی ہو تو یہ نقش تحریر کریں۔

نصرمن اللہ و فتح قریب

فلانہ ہارے مقدمہ (نمبرفلاں) کر فتح ہمارے نصیب

| | | | |
|---|---|---|---|
| ۱۵۹ | ۱۷۰ | ۱۵۶ | ۱۶۵ |
| ۱۶۴ | ۱۵۷ | ۱۶۷ | ۱۶۲ |
| ۱۶۹ | ۱۶۰ | ۱۶۶ | ۱۵۵ |
| ۱۵۸ | ۱۶۳ | ۱۶۱ | ۱۶۸ |

یا بدیع العجائیب باالقهر یا بدیع کر کے زور تے قہروانی

مارو دشمن کو کانی ہماری ہو فتح ، دشمن ہو ذلیل

یا عزرائیلؑ یا عزرائیلؑ یا عزرائیلؑ العجل الساعة الوحا

(i) عدالت کے دروازے میں رکھیں۔ (ii) دشمن کے گھر میں دفن کروائیں۔

(iii) اپنے بازو راست پر باندھیں۔



## عمل نمبر 7

ایک عجیب پُر تاثیر طلسمِ روحانی جو اپنی مثال آپ ہے دشمن کو خراب کرنے میں اکسیر ہے۔

اجهزط اجهزط اجهزط

المنتقم المنتقم المنتقم

المذل المذل المذل

یا بدیع العجائیب باالقهر یا بدیع

یا قهار یا قهار یا قهار

(i) ایک عدد تعویز زیرِ وزن رکھیں۔

(ii) ایک عدد تعویز دشمن کی چوکھٹ یا دشمن کے گھر میں دفن کریں۔

مندرجہ بالا طلسم نورانی کی پچھلی جانب نام (دشمن) بمعہ والدہ تحریر کریں۔

## عمل نمبر 8

عزرائیلؑ عزرائیلؑ عزرائیلؑ

یا تباهي شود یا تباهي شود یا تباهي شود

القهار القهار القهار

یا بدیع العجائیب باالقهر یا بدیع

ا ب ج د ھ و ز ح ط "نام دشمن"

مندرجہ بالا طلسم روحانی کو سیسہ "سکہ" کی لوح پر تحریر کریں لوہے کی کیل "میخ" سے یا چاقو کی نوک سے۔ پھر زیرِ آتش دفن کریں اس طرح کہ پگھلنے نہ پائے۔

Scanned with CamScanner

## عمل نمبر 9

اگر کسی کو کسی مقام سے گرانا ہو ذلت اور نیچا دکھانا ہو تو مندرجہ ذیل طلسم روحانی بہت کام کی چیز ہے۔ فقط عقل مندی سے استعمال میں لائیں۔ اس لیے عاجز طریقہ استعمال نہیں کر رہا کہ جاہل دور رہیں۔ جو چند سکوں کے خاطر مسلمانوں کو تکلیف دیتے ہیں۔ اللہ رب العزت مسلمانوں کی حفاظت فرمائے اور آپس میں اتحاد و محبت پیدا کرے۔ آمین آمین

| | | |
|---|---|---|
| ٦ | ٨ | ٧ |
| بَ | طَ | دِ |
| زَ | هَ | جَ |
| وَ | ا | حَ |
| مُ | ذِ | لَ |

یا بدیع العجائیب باالقہر الشدید یا بدیع

یَا خَافِضِ یَا خَافِضِ یَا خَافِضِ

## عمل نمبر 10

العزرائیلؑ یا عزرائیلؑ

| | | |
|---|---|---|
| یابدیع | العجائیب | باالقہر |
| العجائیب | باالقہر | الشدید |
| باالقہر | الشدید | یا بدیع |

یہ ایک ایسی مثلث ہے اگر آپ تھوڑی سی بھی عملیات میں سوج بھوج رکھتے ہیں تو یہی



نقش کافی ہے نہ صرف مقہور اعداء بلکہ بندش میں بھی کام کرتا ہے۔ عداوت اور دشمنی میں بھی اپنی تاثیر رکھتا ہے۔ معزول کرنا یا کسی کے کام میں رکاوٹ ڈالنا مقصود ہو تو، یہ بھی اس کے خواص میں شامل ہے۔ عاجز پھر بھی اشارہ کر دیتا ہے تاکہ راستہ دکھائی دے سکے کہ " صرف طریقہ استعمال کی ترتیب بمطابق مقصد ہونی چاہیے اور تحریر بھی" ------

## عمل نمبر 11

یہ عمل بھی انتہائی طاقتور ہے اور تقریباً وہی خواص و فوائد ہیں جو مذکورہ بالا عمل کے ہیں اور یہ ایک کامل نقش ہے بوجہ مثلث قمری جس میں عبارت کا وفق قمری ہر خانہ میں مکمل ہی ہے۔ مقصد پچھلی جانب تحریر کر سکتے ہیں۔

یا بدیع العجائیب باالقہر الشدید یا بدیع

عزرائیلؑ

| | | |
|---|---|---|
| ٦٥٠ | ٦٥٠ | ٦٥٠ |
| ٦٥٠ | ٦٥٠ | ٦٥٠ |
| ٦٥٠ | ٦٥٠ | ٦٥٠ |

عزرائیلؑ

ع ٨٥١٥ ھ

## عمل نمبر 12

اس نقش پر ہمارا کوئی ذاتی طور پر تجربہ نہیں ہے مگر تعریف اور خواص بہت ہیں جن سے قلم عاجز ہے اور زبان قاصر ہے بعض شاگردوں نے اس کو زبردست پایا ہے۔

Scanned with CamScanner

**یا بدیع العجائیب باالقہر یا بدیع**

| | | | |
|---|---|---|---|
| ۸ | ۵ | ۱ | ۵ |
| ۱ | ۵ | ۵ | ۸ |
| ۵ | ۵ | ۸ | ۱ |
| ۸ | ۵ | ۱ | ۵ |

( مقصد تحریر کریں )

دراصل یہ " یا بدیع العجائیب باالقہر یا بدیع " کے اعداد شمسی کی تکسیر کا نقش ہے جو اپنی مثال آپ ہے تجربات سے معلوم ہوا ہے کہ اگر اس نقش کو اتوار کی پہلی ساعت میں جب شمس رجعت میں ہو اور زوال ماہ قمری ہو تو اس سے زیادہ خطرناک کوئی عمل نہیں اس سے زیادہ تفصیل نہیں بیان کریں گے۔ اس لیے کہ دیواروں کے بھی کان ہوتے ہیں۔

# باب العقودات

( یعنی بندش کے بیان میں )

## عمل نمبر 1

یا بدیع العجائیب

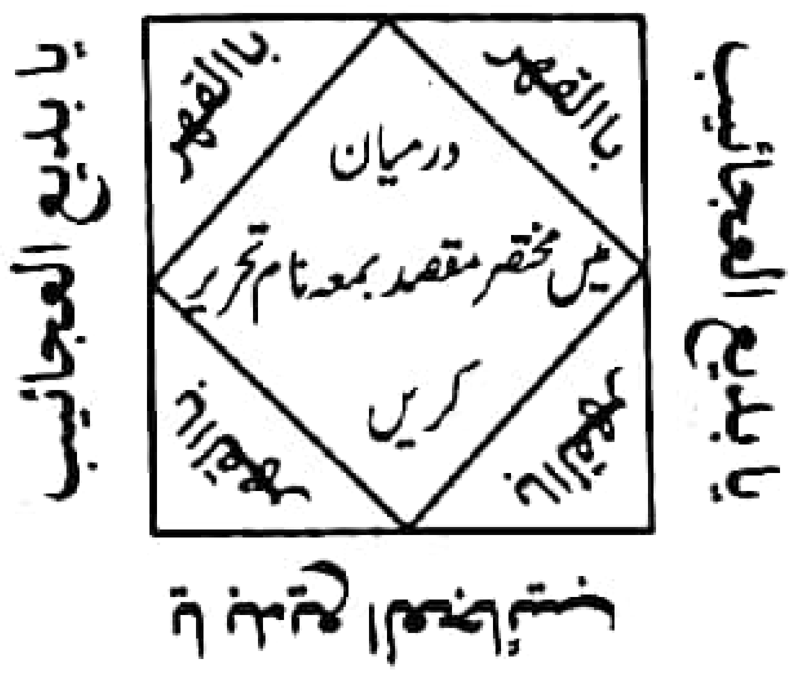

یہ نقش ہر قسم کی بندش میں اکسیر کا درجہ رکھتا ہے۔

مثلاً زبان بندی کرنی ہو تو فقط یہ تحریر کرنا کافی ہے۔

" عقداللسان فلا نہ فی حق فلا نہ یابدیع "



## عمل نمبر 2

اسی طرح کا عددی طلسم مجرب تحریر کرتے ہیں۔ جو ہر قسم کی بندش کا حامل ہے درمیان میں مقصد تحریر کر کے ایک عدد زیرِ وزن دبائیں اور ایک عدد قبرستان یا جائے نمناک میں دفن کریں۔ اس طرح کہ طلسم ٹھنڈا رہے اور خراب نہ ہونے پائے۔

## عمل نمبر 3

اگر کسی کی شہوت باندھنی ہو یا زناء وغیرہ سے روکنا ہو یا نشہ چھڑوانا ہو تو ذیل کا عمل بہت بہتر ہے۔

| | | |
|---|---|---|
| القابض | القابض | القابض |
| المهيمن | المهيمن | المهيمن |
| البديع | البديع | البديع |

**یا بدیع العجائیب باالقہر الشدید یا بدیع**

(i) اگر عورت کو زناء سے روکنا ہے تو " بستم فرج فلانی بر ذکر فلانہ کہ قطعاً زناء نہ کر سکے " تحریر کریں۔ مرد کو روکنے کے لیے معکوس مقصد لکھیں۔

(ii) اگر نشہ کی عادت سے روکنا ہو تو۔ بستم عادتِ نشہ و سگریٹ فلانہ کہ قطعاً نشہ نہ کر سکے۔

(iii) اگر شہوت باندھنی ہو تو۔ بستم شہوت ذکر فلانہ کہ قطعاً فلاں کو شہوت نہ آئے۔

یعنی کوئی بھی مقصد ہو تو ذیل میں تحریر کریں اور نام بمعہ والدہ کے اعداد قمری کے مطابق عزیمت کو پڑھ کر دیسی تالا میں طلسم روحانی کو رکھ کر بند کر دیں اور ویران کنویں میں ڈال دیں یا ایسے جوہڑ یا تالاب میں جس کا پانی کوئی نہ استعمال کرتا ہو۔ پھر دیکھیں قدرت کا تماشہ لاکھوں روپے کا عمل ہے زیادہ تفصیل سے عمل کی قدر جاتی رہتی ہے علاوہ ازیں پلایا بھی جا سکتا ہے وغیرہ وغیرہ۔ مختلف طریقہ جات سے استعمال میں لایا جا سکتا ہے صرف علم ہونا چاہیے اسی لیے عملیات کا بنیادی علم حاصل کرنے کے لیے ہم نے " قانونِ عملیات " کتاب تحریر کی ہے۔ جس کا مطالعہ ایک عامل کے لیے انتہائی ضروری ہے۔

## عمل نمبر 4

یا قابض — یا قابض

| | | |
|---|---|---|
| عـــه | عـــه | عـــه |
| ۵۴۳ | ۵۴۳ | ۵۴۳ |
| ۶۵۰ | ۶۵۰ | ۶۵۰ |
| ۱۳ | ۱۳ | ۱۳ |

بمعہ والدہ

فلانہ کی مرض/عادتِ بدفلاں بستم بستم گردد
بحقِ یا بدیع العجائیب باالقھریابدیع

یہ طلسم ہر قسم کی بندش میں اکسیر کا درجہ رکھتا ہے خصوصاً احتلام روکنا، کثرت ماہواری روکنا، خون استحاضہ بند کرنا، سفر سے روکنا، حمل وغیرہ باندھنا، جراثیم زنانہ و مردانہ باندھنا، اولاد باندھنا، اولاد نرینہ باندھنا، حواس خمسہ کی بندش، زبان بندی وغیرہ وغیرہ۔

غرضیکہ کوئی بھی جاندار یا جاندار کے متعلقہ چیز کو باندھا جاسکتا ہے۔ جس کا طریقہ مندرجہ ذیل ہے۔ سب سے پہلے نام بمعہ والدہ یا والد تحریر کریں پھر اردو میں " کی " یا " کا " تحریر



کریں یا فارسی زبان کا لفظ " را " استعمال کریں پھر جس چیز کو باندھنا ہے اس کا نام تحریر کریں پھر دو مرتبہ لفظ " بستم " تحریر کرکے " گرد د " یا " شود " لکھیں پھر عبارت عزیمت " یابدیع العجائب باالقھریابدیع " تحریر کرکے ۱۳ مرتبہ عزیمت پڑھ کر تعویز پر دم کر کے تعویز کو بند کر دیں اور استعمال میں لائیں اگر کوئی عادت باندھنی ہے تو مریض کے گلے میں ڈالدیں اور ایک اندھیری جگہ میں وزن کے نیچے رکھیں۔ اگر ماہواری وغیرہ باندھنا مقصود ہو تو عورت کی ران سے باندھیں استحاضہ اور کثرت ماہواری بند ہو جائے گی۔ اگر کوئی اور مسئلہ ہے تو ایک وزن میں رکھیں اور ایک جائے نمناک میں دفن کریں۔ اگر احتلام باندھنا مقصود ہو تو ایک پلا دیں اور ایک قبرستان میں وزن کے نیچے رکھیں۔ یہی طریقہ جراثیموں کو باندھنے میں استعمال کریں۔

## عمل نمبر 5

اگر کسی کا عہدہ یا ترقی یا کاروبار باندھنا ہو تو ذیل کا طلسمِ روحانی بہت ہی زبردست ہے اور تجربہ شدہ اور اکسیر ہے۔

| | | |
|---|---|---|
| المذل | المذل | المذل |
| الخافض | الخافض | الخافض |
| البدیع | البدیع | البدیع |
| یا بدیع | العجائیب باالقھر | یا بدیع |
| یاقابض | یا قابض | یا قابض |

نقش کی پچھلی جانب نام بمعہ والدہ یا عہدہ تحریر کریں اور اگر خاص بندش کرنی ہو تو مقصد بھی تحریر کریں۔

## عمل نمبر 6

ہر قسم کی بندش کے لیے ذیل کا طلسم استعمال کریں۔ اس کی برکت سے آپ ہر قسم کی بندش آسانی کے ساتھ کر سکتے ہیں۔ اس کو نیلی سیاہی سے تحریر کریں۔

| | | |
|---|---|---|
| عـــه | عـــه | عـــه |
| قابض | قابض | قابض |
| یابدیع | العجائیب باالقهر | یا بدیع |

## عمل نمبر 7

مندرجہ بالا عمل کی طرح یہ بھی ہر قسم کی بندش میں کام کرتا ہے۔ بلکہ اپنی نوعیت کا خاص طلسم نورانی ہے جو عقودات پر متصرف ہے تجربہ شرط ہے۔

| | | |
|---|---|---|
| قابض | قابض | قابض |
| مذل | مذل | مذل |
| یابدیع | العجائیب باالقهر | یابدیع |

نام بمعہ والدہ تحریر کریں۔

## عمل نمبر 8

یہ نقش عقودات پر تصرف رکھتا ہے اس سے زیادہ کچھ نہیں کہتے ہم آزمائش شرط ہے صرف یقین کامل کی بات ہے۔ (i) زیر وزن (ii) قبرستان (iii) راستہ



| | | | |
|---|---|---|---|
| ١٥٩ | ١٦٤ | ١٦٩ | ١٥٨ |
| ١٧٠ | ١٥٧ | ١٦٠ | ١٦٣ |
| ١٥٦ | ١٦٧ | ١٦٦ | ١٦١ |
| ١٦٥ | ١٦٢ | ١٥٥ | ١٦٨ |

## عمل نمبر 9

| اجهزطِ | یاعزرائیل | اجهزطِ |
|---|---|---|
| ٣١٦ | ٣٢١ | ٣١٣ |
| ٣١٤ | ٣١٧ | ٣١٩ |
| ٣٢٠ | ٣١٢ | ٣١٨ |
| اجهزطِ | | اجهزطِ |

بندش وعقودات کی یہ مثلث اپنی کارکردگی میں ایک منہ بولتی مثال ہے فقط مقصد بمعہ نام وغیرہ پچھلی جانب لکھیں۔ اگر آپ چاہتے ہیں کہ ایسی بندش ہو جسکا کوئی توڑ ہی نہ ہو اور جادو کی طرح اثر کرے تو ٦٥٠ مرتبہ عزیمت یابدیع العجائیب باالقهر یابدیع پڑھ کر دم کریں اور پھر دیسی تالا میں رکھ کر بند کر دیں یا پھر آپ نے جسکی بندش کرنی ہے اس کے نام بمعہ والدہ کے اعداد کے مطابق پڑھائی کر کے بند کر کے قبرستان میں پرانی قبر میں ڈالیں

Scanned with CamScanner

## عمل نمبر 10

یہ احرام مصر نما مثلث بندش اور عقود ات کی سر تاج ہے۔ جو عزیمت "بدیع قہری" کے شمسی اعداد سے وضع ہے۔

(i) تالا میں استعمال کیا جا سکتا ہے۔

(ii) جائے نمناک

(iii) وزن

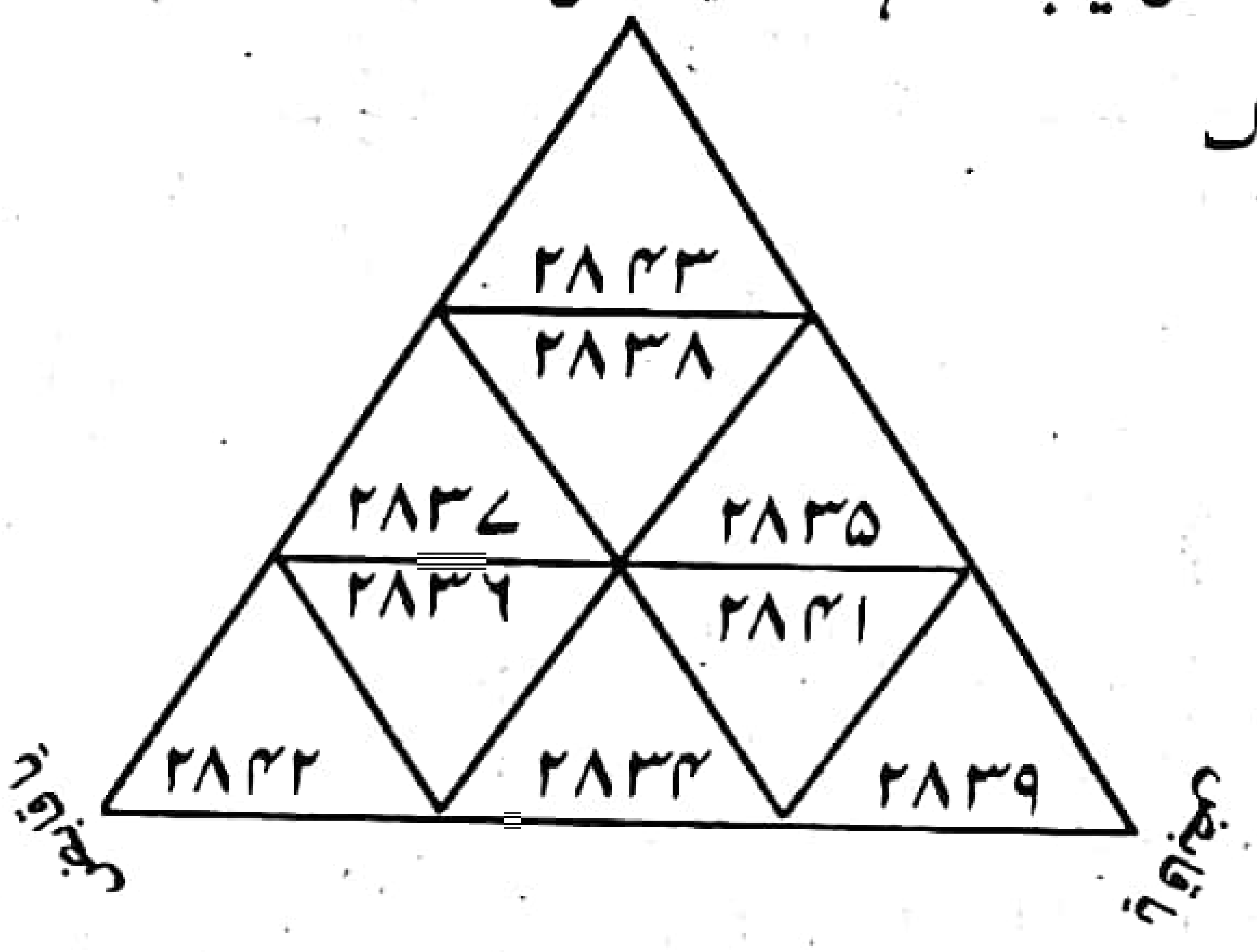


## عمل نمبر 11

| یابدیع | العجائیب | باالقهر یابدیع |
|---|---|---|
| ۲۸۳۷ | ۲۸۴۳ | ۲۸۳۵ |
| ۲۸۳۶ | ۲۸۳۸ | ۲۸۴۱ |
| ۲۸۴۲ | ۲۸۳۴ | ۲۸۳۹ |

اس تعویز کے عجیب وغریب خواص ہیں۔

(i) ہر قسم کی بندش کر سکتے ہیں۔

(ii) جادو ٹونہ کی بندش کر سکتے ہیں۔



(iii) سفر یا کاروبار کی بندش کر سکتے ہیں۔

(iv) آسیب ہوائی یا دشمن کا خلل بند کر سکتے ہیں۔

(v) بُری عادت کی بھی بندش کر سکتے ہیں۔

(vi) نکاح ونسبت وغیرہ کے علاوہ شہوت، زنا، فرج و ذکر کی بھی بندش کر سکتے ہیں

(vii) کسی بھی بیماری کی بندش کر سکتے ہیں۔

(viii) کسی کو بھی کسی کام یا فرد سے روک سکتے ہیں۔

(ix) دشمن کی آوارگی کیلئے پچھلی جانب نام بمعہ والدہ تحریر کر کے چوراہے میں دفن کریں۔

(x) اس تعویز سے دل کی دھڑکن تک باندھ سکتے ہیں۔صرف طریقہ استعمال اور لوازمات کا فرق ہے۔

اب یہاں ہم فتوحات غیبی کے حصول کیلئے اور ہر قسم کی بندش کھولنے کے اعمال درج کرتے ہیں ایسے مضبوط اعمال کہ فتوحات کی بارش برسنے لگے۔نیت پر ہی کام ہونے لگیں گے۔ اللہ کے حکم سے اگر چہ ہم نے چیدہ چیدہ مقامات پر فتوح کے عمل درج کیئے ہیں۔ وہ کافی ہیں مگر پھر بھی ہم اجمالاً و اختصاراً سے کتاب ھذا کا رخ مفصلاً کی طرف موڑتے ہیں۔ اس لیے کہ اس دور میں فتوحات کی اشد ضرورت ہے کیونکہ جتنے بھی منتر کالے جادو کے ہیں اور مندرے اور ڈنکے وغیرہ سبھی 90% بندش کے ہیں لہٰذا جس پر بھی سفلی عامل کے عملیات میں کوئی بھی اثر ہو یا عام عامل کا کوئی خاص اثر ہو گیا ہو تو سمجھ لو کہ اثرات بندش کے ہیں لھذا طریقہ علاج میں فتوحات کو ضرور شامل کیا جائے تا کہ علاج بالکل صحیح طریقہ سے ہو سکے

اور کسی قسم کی کوئی کسر باقی نہ رہے۔

اس لیے ایک عامل کیلئے ضروری ہے کہ وہ فتوح کا کوئی مضبوط عمل ضرور اپنے پاس رکھے تاکہ جب کسی موڑ پر دشمن، مخالف یا کسی ہوائی چیز سے مقابلہ ہو جائے تو آپ اپنے فتوح کے عمل کی برکت سے فتح حاصل کر سکیں۔ میرے خیال میں اس سے زیادہ تعریف فتوح کے عمل کی ضروری نہیں ہے۔ عقل مند کیلئے تو لفظ " فتوح " ہی کافی ہے۔

اگر دماغ میں عقل موجود ہو تو عملیات کی ابتداء ہی فتوحات سے کرنی چاہیے۔ تاکہ ہر عمل آپ کے تابع و مسخر ہوتا چلا جائے اور اس عمل کی تاثیر کو فتح کرتے ہوئے عمل کے خواص و فوائد سے لطف اندوز ہو سکیں۔ اللہ رب العزت سمجھنے کی توفیق عطا فرمائے۔ آمین

## باب الفتوح الغیب

شروع میں ہی ہم عزیمتِ فتوح یا بدیع کی بیان کر چکے ہیں جس طرح ہم نے دوسری عزیمتیں بیان کی ہیں اور موقع محل کے مطابق موضوع کے لحاظ سے ان کے اعمال درج کیے ہیں بالکل اسی طرح ہم تفصیل کے ساتھ یہاں اعمال درج کرتے ہیں۔

### عمل نمبر1

شب جمعہ سے آپ عروج ماہ قمری ۱۲ یوم کا چلہ شروع کریں بنیت فتوحات غیبی اوّل آخر ۱۲+۱۲ مرتبہ درود شریف کے ساتھ ۱۲۰۰ مرتبہ " یا بدیع العجائب باالفتوح الغیب یا بدیع "



### عمل نمبر2

اگر شب جمعہ بارہ ہزار (۱۲۰۰۰) مرتبہ اوّل آخر ۱۰۰ + ۱۰۰ مرتبہ درود شریف پڑھیں ایک ہی رات کا عمل ہے کروڑوں روپے کا عمل ہے جو لاکھوں خوبیوں کا حامل ہے

### عمل نمبر3

اگر کوئی صاحب ہمت کر کے ۳۱۲۵ مرتبہ روزانہ پڑھائی کرتے ہوئے سوا لاکھ کی تعداد پوری کر لے تو کیا ہی کہنا ہر طرف فتح ہی فتح حاصل ہو غیب سے ضرورتیں پوری ہوں۔ ہر راستہ کھلتا چلا جائے فتوحات غیبی اتنی زیادہ حاصل ہو کہ کرامات ظاہر ہونے لگیں۔

جو صاحب عفریت، جل پری یا ہمزاد کے شائق ہوں وہ اس عمل کو ضرور کریں پھر کسی بھی سخت سے سخت عمل کو ہاتھ ڈالنے سے عمل خود بخود مسخر ہوتا ہوا اپنی تاثیر سے مکمل فیض یاب کرے گا۔ کامیابی کی یہی سیڑھی ہے بلکہ ماسٹر چابی کامیابیوں کی ثابت ہوگا۔ اس عمل کی برکت سے ہر رکاوٹ دور ہوگی اور ہر بندش کھل جائے گی اللہ کی رحمتیں اور برکات کا حصول ہوگا۔

### عمل نمبر4

ایک ایسا عجیب عمل جس کی برکت سے عامل اپنے اندر عجیب روحانی قوتیں محسوس کرتا ہے اور غیبی طاقتیں اپنے ہمراہ محسوس کرتا ہے عین ممکن ہے کہ بالکل واضح حاضری ہو جائے۔ ایسا عمل جو دنیا کی فکر تک ختم کرا دے ہر تمنا اور حرص مٹا دے عملیات کی دنیا کا بادشاہ بنا دے کسی غم کو قریب نہ آنے دے ہر مشکل آسان کر دے پس جب عامل ھذا پر فتوحاتِ غیبی کے دروازے کھل جائیں اور نصرتِ خداوندی کو آنکھوں سے دیکھ لے تو اللہ رب العزت کا شکر اور

Scanned with CamScanner

اپنے لیے استغفار کثرت سے کرے اس لیے کہ ایسے وقت میں یہی حکم ہے جیسا کہ سورۃ نصر میں بیان کر دیا ہے اللہ ربّ العالمین میں ۔ ہاں ہم موضوع کی مطابق بیان کرتے چلیں کہ ہم نے سورۃ اذاجآء نصراللہ پر ایک ضخیم نسخہ اس کے عجیب و غریب فوائد و خواص کے ساتھ تحریر کیا ہے۔

" آئینہ نصرت المعرف عملیات سورت نصر " کے نام سے موسوم ہے اسی طرح فتوحاتِ غیبی و فتح و کشائش پر ہم نے کتب تحریر کی ہیں" آئینہ فتاح المعروف عملیات اسم یا فتاح " اور دوسری کتاب "آئینہ فتح المعروف عملیات سورت فتح " سے موسوم ہیں ہم اس عمل کے زیادہ خواص تحریر نہیں کر سکتے اس لیے کہ کتاب اپنے موضوع کی اعتبار سے زیادہ طوالت پکڑ سکتی ہے لھٰذا آپ میں سے جو بھی عمل کو مکمل کرے گا وہ خود بخود اس کے خواص و فوائد سے آگاہ ہوتا چلا جائے گا۔

## طریقہ

پس چاہیے کہ تین یوم قبل سے ہی پرہیز جلالی و جمالی شروع کر دے جن کی تفصیل ہم نے اس کتاب کی ابتداء میں ہی تحریر کر دی ہے اور شب جمعہ یعنی جمعرات اور جمعہ کی درمیانی رات کو بعد از نماز عشاء باوضو قبلہ رو اگربتی سلگا کر ۴۰ تسبیح (۴۰۰۰) اول آخر ۱۰۰+۱۰۰ مرتبہ درود شریف یا ۴۰+۴۰ مرتبہ درود شریف کے ساتھ پڑھائی کریں لوازمات کو ملحوظ خاطر لاتے ہوئے وقت اور جگہ کے تعین کے ساتھ بلا ناغہ مسلسل ۴۰ یوم تک پڑھائی کرتے جائیں ۴۰ یوم کے اندر اندر ہی عجائب ظاہر ہونا شروع ہو جائیں گے۔

اب آتے ہیں تعویزات و نقوش کی طرف کہ ہر ایک عمل جاری ہے اور اپنے اندر مکمل تاثیر اور خواص رکھتا ہے فقط روحانیت اور یقین کامل شرط ہے۔



## عمل نمبر 5

یہ نقش ان احباب کے لیے اکسیر کا درجہ رکھتا ہے جن بیچاروں کے کاروبار بند پڑے ہیں یا جادو کی وجہ سے بندش کاروبار کی جاچکی ہے انشاءاللہ کیسی ہی بندش کیوں نہ ہو کھل جائے گی

٧٨٦

جبرائیل — میکائیل

| | | | |
|---|---|---|---|
| ۲۲۲۲ | ۲۲۳۴ | ۲۲۳۳ | ۲۲۲۸ |
| ۲۲۳۲ | ۲۲۲۹ | ۲۲۲۱ | ۲۲۳۵ |
| ۲۲۲۶ | ۲۲۳۱ | ۲۲۳۶ | ۲۲۲۴ |
| ۲۲۳۷ | ۲۲۲۳ | ۲۲۲۷ | ۲۲۳۰ |

اسرافیل — عزرائیل

همه اثرات ختم شوند و کاربسته کشوده شود و کاروبار ترقی پذیرد و کار گیر بیاید که مشتری از غیب بیایند وروزی از غیب رسد "یا بدیع العجائب باالفتوح الغیب یا بدیع " العجل العجل العجل .. الساعة الساعة الساعة . الوحا الوحا الوحا.

## عمل نمبر 6

ہر قسم کی بندش کھولنے کے لیے مندرجہ ذیل کا نقش بہت ہی مجرب و آزمودہ ہے۔

(i) خود سائل اپنے پاس رکھے۔ (ii) ہوا میں لٹکائے۔ اور اگر ضرورت محسوس کرے تو ایک عدد قبرستان میں نئی قبر میں دفن کر دے سرہانے کی جانب۔

میکائیلؑ ۷۸۶ جبرائیلؑ

| | | |
|---|---|---|
| ۲۹۶۹ | ۲۹۷۵ | ۲۹۷۳ |
| ۲۹۷۷ | ۲۹۷۲ | ۲۹۶۸ |
| ۲۹۷۱ | ۲۹۷۰ | ۲۹۷۶ |

عزرائیلؑ اسرافیلؑ

ص ص ص ص — کھیعص کھیعص کھیعص کھیعص

الھی بحرمة ایں نقش و کلام هٰذا همه اثرات بندش و جادو و نحوسات ختم شوند که کاربسته کشوره شود و کارگیر بیاید و ترقی پذیرد. العجل . الساعة . الوحا . یابدیع العجائیب باالفتوح الغیب یا بدیع.

## عمل نمبر 7

یابدیع العجائیب باالفتوح الغیب یا بدیع

ربیائیلؑ میکائیلؑ ۷۸۶ جبرائیلؑ شمکائیلؑ

ہ قول

| | | | |
|---|---|---|---|
| ۲۲۲۶ | ۲۲۳۱ | ۲۲۲۳ | ۲۲۳۷ |
| ۲۲۲۴ | ۲۲۳۶ | ۲۲۲۷ | ۲۲۳۰ |
| ۲۲۳۵ | ۲۲۲۱ | ۲۲۳۳ | ۲۲۲۸ |
| ۲۲۳۲ | ۲۲۲۹ | ۲۲۳۴ | ۲۲۲۲ |

حمعسق کھیعص

شقفیائیلؑ عزرائیلؑ ااا ☆ ااا اسرافیلؑ فقطلشائیلؑ



(i) پچھلی جانب نقش ھذا کے اپنانام بمعہ والدہ تحریر کرے اور لحد میں لگائی جانے والی کچی اینٹ میں داخل کرے۔

(ii) اپنے کاروبار کی جگہ یا مکان میں لگائے۔

(iii) اور ایک عدد اپنے پاس رکھے۔

دوسری ترتیب نقش ھذا کے استعمال کی یہ ہے کہ ایک عدد اپنے پاس رکھے زعفران وغیرہ سے تحریر کر کے اور ایک عدد اپنے کاروبار کی جگہ لٹکائے فریم وغیرہ میں۔ اور ایک عدد پھلدار درخت میں خوشبو لگا کر لٹکائے انشاءاللہ فتوحات کے لیے اکسیر ثابت ہو۔

نوٹ۔ جو مقصد ہو وہ تحریر کرنے سے رزلٹ جلد اور واضح طور پر ظاہر ہوں مقصد کے آخر میں عزیمت فتوح تحریر کرنی چاہیے جیسا کہ پہلے ہم نے اکثر نقوش کے ساتھ ترتیب دے رکھی ہیں علاوہ ازیں نقش ھذا دشمن کو شکست دینے اور مقابلہ میں فتح حاصل کرنے میں بھی کام دیتا ہے حکمت عملی سے آپ دنیا جہان کے ہر قسم کے فتوحات کے کام لے سکتے ہیں اس ایک نقش سے فتوحات غیبی حاصل ہوں اور فاتح عظیم ثابت ہو اللہ کے حکم سے آزمائش شرط ہے فقط عامل عزیمت ہونا شرط ہے اور یقین کامل ضروری ہے۔

## عمل نمبر 8

بالکل پچھلے نقش کی طرح یہاں پر بھی ہم آپ کو ایک ایسے تمام خواص و فوائد کا حامل نقش تحریر کر دیتے ہیں جو مناسب سمجھیں اور آپکی روحانیت کے ساتھ زیادہ پُھرے اور جلد تاثیر ظاہر کرے اسے اپنا لیں ہمارے نزدیک تو دونوں ایک ہی تاثیر کے حامل ہیں۔

۷۸۶

جبرائیل — میکائیل

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| ص / اللّٰہ | ۲۲۳۰ | ۲۲۲۷ | ۲۲۲۳ | ۲۲۳۷ | اللّٰہ / کھیعص |
| ص / اللّٰہ | ۲۲۲۸ | ۲۲۳۳ | ۲۲۳۴ | ۲۲۲۲ | اللّٰہ / کھیعص |
| ص / اللّٰہ | ۲۲۳۵ | ۲۲۲۱ | ۲۲۲۹ | ۲۲۳۲ | اللّٰہ / کھیعص |
| ص / اللّٰہ | ۲۲۲۴ | ۲۲۳۶ | ۲۲۳۱ | ۲۲۲۶ | اللّٰہ / کھیعص |

عزرائیل — اسرافیل

الھی بحرمة ایں نقش فلاں بن فلانه را فتوحات غیبی ازجمیع اطراف حاصل شوند یا بدیع العجائیب باالفتوح الغیب یا بدیع العجل الساعة الوحا

## عمل نمبر 9

۷۸۶

جبرائیل — میکائیل

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| ص / فتّاح | ۲۲۳۵ | ۲۲۲۱ | ۲۲۲۹ | ۲۲۳۲ | فتّاح / کھیعص |
| ص / فتّاح | ۲۲۲۴ | ۲۲۳۶ | ۲۲۳۱ | ۲۲۶۲ | فتّاح / کھیعص |
| ص / فتّاح | ۲۲۳۰ | ۲۲۲۷ | ۲۲۲۳ | ۲۲۳۷ | فتّاح / کھیعص |
| ص / فتّاح | ۲۲۲۸ | ۲۲۳۳ | ۲۲۳۴ | ۲۲۲۲ | فتّاح / کھیعص |

عزرائیل — اسرافیل

همه اثرات ختم شوند و قوت مردانه فلانه را کشوده شود که فلانه بر فلانی قادر شود یا بدیع العجائیب باالفتوح الغیب یابدیع العجل الساعة الوحا



تحریر شدہ نقش ان احباب کیلئے ہے جن کے جراثیم یا قوت مردانگی یا شہوت وغیرہ جادو کے ذریعے باندھ دی گئی ہو ایسے احباب کیلئے بروز بدھ پہلی ساعت میں عروج ماہ قمری نقش لکھ کر دیں بحکم الٰہی فائدہ عظیم ہوگا۔

## عمل نمبر 10

شمکائیل — عربائیل

۷۸۶

میکائیل — جبرائیل — قول

| یا بدیع | باالفتوح الغیب | العجائیب | یابدیع |
|---|---|---|---|
| ۹۷ | ۱۵۷۱ | ۱۱۷ | ۹۷ |
| ۱۱۶ | ۹۸ | ۹۶ | ۱۵۷۲ |
| ۹۹ | ۱۱۹ | ۱۵۶۹ | ۹۵ |
| ۱۵۷۰ | ۹۴ | ۱۰۰ | ۱۱۸ |

عزرائیل ااا ☆ ااا اسرافیل

شنقفیائیل — فقطلشائیل

آپ اس نقش سے تمام امورجات فتوح میں کام لے سکتے ہیں۔ ہر قسم کی بندش کھولنے کیلئے اکسیر کا درجہ رکھتا ہے۔

مقصد نقش ھذا کے پچھلی جانب لکھ سکتے ہیں۔ اس نقش کی قدر کرنا اور جاہلوں سے پوشیدہ رکھنا بڑے ہی کام کا ہے۔

تحریر زعفران سے کرنا چاہیے۔ بروز بدھ بوقت طلوع آفتاب عروج ماہ قمری۔

انشاءاللہ دلی مراد پوری ہوگی۔

## عمل نمبر 11

۷۸۶

قولہ — بسم اللہ الواسع جل جلالہ — الحق

| یا بدیع | العجائیب | باالفتوح | الغیب | یابدیع |
|---|---|---|---|---|
| ۹۷ | ۱۱۷ | ۵۲۸ | ۱۰۴۳ | ۹۷ |
| ۱۰۴۴ | ۹۸ | ۹۸ | ۱۱۳ | ۵۲۹ |
| ۱۱۴ | ۵۲۵ | ۱۰۴۵ | ۹۹ | ۹۹ |
| ۱۰۰ | ۱۰۰ | ۱۱۵ | ۵۲۶ | ۱۰۴۱ |
| ۵۲۷ | ۱۰۴۲ | ۹۶ | ۱۰۱ | ۱۱۶ |

ولہ — الملک

نوٹ۔ ایک بات ذہن نشین کرلیں کہ ہم نے فتوح میں ماسوائے ملفوظی نقوش یعنی نمبر 10 اور نمبر 11 کے علاوہ تمام نقوش شمسی وفق کے تحت تحریر کیے ہیں جن کی طاقت قمری وفق والے نقوش سے کئی گنا زیادہ ہے۔ اس لیے بدھ کی پہلی ساعت یا اتوار کی پہلی ساعت میں تحریر کریں۔ بعض احباب کو بدھ کی پہلی ساعت ہوسکتا ہے زیادہ تاثیر نہ دے سکے ان کیلئے اتوار بہت بہتر رہے گا۔

## عمل نمبر 12

عام تحریر کیلئے ایک نقش لکھ رہا ہوں جو زبردست روحانیت کا حامل ہے اور عجیب وغریب کمالات کا حامل ہے اور اپنی تاثیر اپنے حروف میں چھپائے حامل نقش ہذا کو فیض فتوحات غیبی پہنچاتا رہتا ہے۔



بسم اللہ الواسع جل جلالہ

| جبرائیل | فتاح | واسع | کاشف | میکائیل |
|---|---|---|---|---|
| کاشف | یا بدیع | العجائیب | باالفتوح | فتاح |
| واسع | العجائیب | باالفتوح | الغیب | واسع |
| فتاح | باالفتوح | الغیب | یابدیع | کاشف |
| اسرافیل | فتاح | واسع | کاشف | عزرائیل |

اس نقش سادہ شکل مندرجہ ذیل ہے۔

۷۸۶

بسم اللہ الواسع جل جلالہ

| | | |
|---|---|---|
| یا بدیع | العجائیب | باالفتوح |
| العجائیب | باالفتوح | الغیب |
| باالفتوح | الغیب | یابدیع |

دونوں نقش ایک ہی قسم کے ہیں مگر جو آپ کے دل کے یقین کا مرکز بن جائے اسے ہی تحریر کریں اس لیے کہ یقین کی طاقت سب سے بڑی اور ابتدائی ہے۔ جس کے بغیر کچھ بھی حاصل نہ ہوگا۔

ہم نے تقریباً یابدیع کی تمام عزیمتوں پر بحث کردی ہے اور ہر عزیمت سے کام لینے کے مختلف طریقے بھی بیان کردیے ہیں یہ سب اللہ رب العزت کا ہی فضل وکرم ہے عاجز کا کوئی کمال نہیں ہے۔

Scanned with CamScanner

# بروج وسیارگان

مصدقہ و مسلمہ بات ہے کہ جب چاند (قمر) ۱۴ تاریخ کو پورا گول ہوتا ہے تو سمندر میں چڑھاؤ پیدا ہوتا ہے اور تحقیق سے بات معلوم ہوئی ہے کہ شمس (سورج) کی روشنی سے پھل پکتے ہیں پھول کھلتے ہیں ستاروں کی روشنی سے رنگ اور بو پیدا ہوتی ہے اور قمر (چاند) کی روشنی سے ذائقہ پیدا ہوتا ہے۔ بالکل واضح ہے کہ ہر چیز کائنات کی اپنے اپنے اندر اپنے متعلقہ اثرات رکھتی ہے اور اپنی حیثیت کے مطابق متاثر (خواص) بھی کرتی ہے اسی طرح جب نومولود انسان اپنے نرم و نازک ترین جسم کو لیکر اس دنیا میں پیدا ہوتا ہے تو اس ساعت اس گھڑی جس ستارے کا وقت ہوتا ہے جس برج کا وقت ہوتا ہے وہ سب سے پہلے اپنے اثرات سے متاثر کرتا ہے اور بالکل صاف و شفاف نومولود انسانی بچے کا دماغ (خیالات و شعور) متاثر ہوتا ہے یہی شعور و خیالات انسانی کردار و عادات کا سبب بنتے ہیں اور اہل نجوم اپنے علم سیارگان سے افعال و کردار کا اندازہ لگاتے ہیں۔ اگرچہ یہ اندازہ علم القیافہ کی طرح کسی حد تک درست ہوتا ہے مگر اللہ تعالیٰ نے حروف و اسمآء میں ایک ایسی طاقت پوشیدہ رکھی ہے جو روح کو متاثر کرتی ہے جو انسانی لطائف کو متاثر کرتی ہے یہ بات مسلم ہے کہ اجسام روح کی وجہ سے زندہ ہیں اور روح اجسام میں قید ہے ایک مدت خاص کے لیے اسی وجہ سے روح کافی حد تک جسم کے تابع ہوتی ہے اگر روح کو تقویت دی جائے اذکار اور عبادات روحانی سے تو جسم میں موجود تمام نقائص دور ہونے شروع ہو جاتے ہیں یہاں تک کہ افعال و کردار میں بھی صحت پیدا ہوتی ہے اور اثرات بد اور نحس بھی دفع ہونے شروع ہو جاتے ہیں یہاں تک کہ روح ہر لحاظ سے غالب ہو جاتی ہے اور جسم کے لیے یہ غلبہ ہی سب سے بہتر ہے اسی لیے کہ یہ بات آئینہ کی طرح واضح اور صاف ہے کہ جسم روح کو فائدہ پہنچائے یا نہ پہنچائے مگر روح جسم کو ہر لحاظ سے فائدہ پہنچاتی ہے یہ فطری عمل



ہے اسی لیے عبادات کو اللہ تعالیٰ نے ظاہری و باطنی دونوں یعنی روحانی اور جسمانی فوائد کا ذریعہ بنایا اور اصل عبادات کا مقصد جسمانیت کو کم یعنی نفس کو کمزور اور روحانیت کو مضبوط اور طاقتور بنانا ہوتا ہے اسی لیے کم سونا، کم کھانا، خواہشات سے گریز کرنا، نفس پرستی، سے رکنا وغیرہ عبادات کا حصہ ہیں۔ اصل بات تو ستاروں کے اثرات کی چل رہی تھی مگر روح اور جسم کی بات طوالت پکڑ گئی مگر یہ اس لیے سمجھائی گئی ہے کہ واضح ہو کہ روح کے اثرات زیادہ ہوتے ہیں نسبت دیگر لطیف اثرات کے اور اس سے بھی زیادہ طاقتور اثرات مضبوط عمل کے ہوتے ہیں جو روح و لطائف کو متاثر کرتے ہیں یہی وجہ ہے کہ اسلام ہمیں تدبیر کا درس ضرور دیتا ہے مگر توحید پر ایمان رکھتے ہوئے اور توحید درس دیتی ہے تقدیر کا اور تقدیر بتلاتی ہے کہ اللہ کا حکم ہر حال میں غالب ہے جسکی مثال قرآن مجید واضح طور پر بتلاتا ہے قصہ موسیٰؑ اور فرعون میں کہ اہل نجوم نے اپنے علم پر فرعونی سلطنت کے زوال کا سبب بتلا دیا مگر حل نہیں کر سکے اور اللہ تعالیٰ نے موسیٰ علیہ السلام کو فرعون کے گھر میں پال کر فرعون کے ہاتھوں پرورش کروا کر فرعون کے مدِّ مقابل لا کھڑا کیا اور باوجود مدِ مقابل ہر لحاظ سے کمزور ہونے کے یعنی ظاہری، مادی و جسمانی قوتوں کے کمزور ہونے کے پھر فرعون ہر لحاظ سے جسمانی و مادی یعنی فرعون کے پاس فوجیں تھیں بادشاہت تھی وسائل تھے وغیرہ وغیرہ۔

مگر موسیٰؑ ہی غالب کیوں ہوئے وجہ ہے روحانی طاقت جو اصل ہے جسکی وجہ سے۔ اجسام میں حیات ہے مادیت قائم ہے جب روح ہی نہ ہو تو جسم مردہ ہے اور جب اجسام ہی نہ ہوں تو مادیت کی کوئی وقعت ہی نہیں۔

دوسری مثال واقعہ حضرت علی کرم اللہ وجہہ ہے کہ آپ امام علیہ السلام جنگ پر جا رہے تھے تو ایک یہودی نجومی نے بتلایا کہ وقت درست نہیں آپ اپنے مقصد میں کامیاب نہیں ہو سکیں گے تو آپؓ نے فرمایا ہو سکتا تھا کہ میں علیؓ باب العلم اپنا ارادہ بدل لیتا مگر اب چونکہ تو

Scanned with CamScanner

(یہودی) نے بات نجوم کے متعلق کی ہے لھذا اب میں علیؑ ضرور جاؤں گا اور اپنے مقصد میں کامیاب ہو کر دکھلاؤں گا انشاءاللہ۔ پھر ہوا بھی ایسے ہی کہ آپؓ اپنے مقصد میں کامیاب ہو کر آئے تو یہودی حیران ہو کر بولا کہ یہ کیسے ممکن ہے؟ تو آپؓ نے فرمایا کہ حضرت محمد ﷺ کی سنتوں اور بتلائے ہوئے اعمال کی طاقت ہر نحوست و بد اثرات کو زائل کر دیتی ہے اسی لیے علامہ اقبالؒ جنہوں نے اپنی شاعری کا اصل مقصد امت کو بیدار اور ملت واحد کرنے کا بنا دیا تھا فرماتے ہیں۔ "ستاروں کے آگے جہاں اور بھی ہیں ------

اب آپ کو یقین ہو گیا ہو گا کہ ستاروں کے اثرات کو کنٹرول بھی کیا جا سکتا ہے اور نحوست کو دفع بھی کیا جا سکتا ہے روحانی اعمال کی بناء پر۔ اصل تقدیر کا مالک اللہ ہی ہے ہمیں اللہ کی عبادت محمد ﷺ کی سنتوں کے مطابق کرتے ہوئے اعمال سے فائدہ اٹھاتے ہوئے توکل اور بھروسہ رب العالمین (اللہ تعالیٰ) پر ہی کرنا چاہیے پھر یقیناً ہم اس دنیا اور آخرت میں کامیاب و کامران ہیں۔

اب آتے ہیں کہ اسم "یابدیع" سے کس طرح ستاروں اور بروج کے متعلق کام لینا ہے سب سے پہلے قمر (چاند) کے متعلق بتلاتے ہیں اس ستارے کی خصوصیات اسکا اجسام پر افعال و اثرات اور پھر بالترتیب باقی ستاروں کے متعلق بتلایا جائے گا۔ انشاءاللہ!

## قمر (چاند)

یہ ستارہ زمین کے سب سے زیادہ قریب ہے نسبتاً دوسرے ستاروں کے۔ اور اس کے اثرات بھی دوسرے ستاروں کی نسبت زمین پر جلد پہنچتے ہیں یہ چال کے اعتبار سے بھی دوسرے ستاروں کی نسبت تیز ہے ایک یہی وجہ سریع الاثر ہونے کی ہے۔ دوسرا یہ ستارہ زمین کے گرد اگرد چکر لگاتا ہے اس لیے دوسرے ستاروں کے اثرات کے درمیان یہ ستارہ حائل ہوتا ہے ہر



ہے ہر ستارے کے مثبت اور منفی اثرات ہوتے ہیں جب کوئی ستارہ سیدھی چال چل رہا ہوتا ہے تو اثرات مثبت ہوتے ہیں اور جب الٹی چال چل رہا ہوتا ہے تو اثرات منفی ہوتے ہیں کسی بھی ستارہ کے مثبت اثرات سے فائدہ اٹھانے کیلئے آپ اس ستارہ کے متعلقہ روحانیات سے اس وقت مستفید ہو سکتے ہیں جب وہ ستارہ سیدھی چال چل رہا ہو اور شرف میں ہو اور بالکل اسی طرح کسی بھی ستارہ کے منفی اثرات سے فائدہ اٹھانا ہو تو آپ اس ستارہ کے متعلقہ روحانیات سے اس وقت کام لیں جب وہ ستارہ الٹی چال چل رہا ہو اور وہ ہبوط یا طرح کی حالت میں ہو۔

شرف و ہبوط کے متعلق اور ستاروں کی ساعتوں کے متعلق میں نے اپنی کتاب " قانونِ عملیات " میں کافی حد تک بیان کیا ہے اس کتاب کا مطالعہ ہر صاحب عمل اور عاملین کیلئے بے حد ضروری ہے تاکہ عملیات کے صحیح قوانین کا علم ہو سکے اور بعض پرانے قوانین و قواعد جو کتابوں میں مصنفین حضرات لکیر کے فقیر بن کر درج کرتے آ رہے ہیں انکو درست کر کے اور دلائل کے ساتھ درج کیا گیا ہے تاکہ صاحب عمل پر ہر بات اچھی طرح واضح ہو جائے اور غلطیوں کا احساس پیدا ہو۔

جس شخص کا ستارہ قمر ہو یا وہ قمر کے خواص و فوائد حاصل کرنا چاہتا ہو وہ مندرجہ ذیل اعمال میں سے کوئی ایک عمل سے فائدہ اٹھائے شرفِ قمر ساعت سعد میں۔

یامؤکل ۷۸۶ یاشمدحائیلؑ

یا رحمٰن

| | | |
|---|---|---|
| یابدیع | العجائیب | السمٰوٰت |
| العجائیب | السمٰوٰت | والارض |
| السمٰوٰت | والارض | یابدیع |

یا رحیم

یاابوالنور یاسیدمرۃالابیض

ہرن کی جھلی پر زعفران سے تحریر کر کے یا چاندی کی لوح پر تحریر کر کے اپنے پاس رکھے اور بارہ سو (۱۲۰۰) مرتبہ بارہ (۱۲) دن مسلسل اوّل آخر درود شریف ۱۱+۱۱ مرتبہ کے ساتھ " یابدیع العجائب السمٰوٰت والارض یابدیع " پڑھے تو یقیناً مقصد حاصل ہوگا نیت عمل شرط ہے اور یہ واحد لوح وتعویذ ہے جو تمام سیارگان کی نحوست اور بد اثرات کو دفع کرتا ہے بشرطیکہ عمل بھی کیا جائے اور شرف میں تحریر کیا جائے سعد ساعت میں ۔اس لئے تمام سیارگان کے اثرات کے درمیان چاند (قمر) حائل ہوتا ہے۔

۷۸٦

| | بدیع | السمٰوٰت | والارض | |
|---|---|---|---|---|
| والارض الله | ۵۹۱ | ۵۸۵ | ۵۹۳ | بدیع |
| السمٰوٰت الرحمٰن | ۵۹۲ | ۵۹۰ | ۵۸۷ | السمٰوٰت |
| بدیع الرحیم | ۵۸٦ | ۵۹۴ | ۵۸۹ | والارض |

یا سید مرة الابیض بن الحارث

چاہیے کہ بالکل تحریر شدہ پچھلے عمل کی طرح یہ بھی چاندی کی لوح یا ہرن کی جھلی پر تحریر کر کے چاندی کے تعویذ میں ڈال کر اپنے پاس رکھے اور عمل بارہ سو ( ۱۲۰۰ ) مرتبہ بارہ ( ۱۲ ) دن مسلسل تمام لوازمات وشرائط کو مدنظر رکھتے ہوئے " یابدیع السمٰوٰت والارض یابدیع " کرے اور ہر روز بعد اختتام عمل لوح یا تعویذ پر دم کرتا رہے آخری دن مؤکلات کی نیاز دلائے۔ روایت سے ثابت ہے کہ اس عمل کی برکت سے دعا ضرور قبول ہوتی ہے۔ بعض بزرگوں کا آزمایا ہوا عمل ہے۔



# قمر کے متعلق چند طلسم

## یابدیع ☾ السمٰوٰت ااا والارض △ یابدیع

یہ طلسم ہر مثبت کام میں اپنی مثال آپ ہے شرفِ قمر کی رات بالمقابل قمر تحریر کریں عروج ماہ قمری اور اپنے پاس رکھیں خوشبو لگا کر۔ انشاء اللہ العزیز ہر نحوست زائل ہو اور ہر کام میں غیبی مدد ہو۔ اگر کسی کا ستارہ قمر ہو بطریقہ عددی ابجد یا زائچہ ہندی یا یونانی تو اسی طلسم مذکورہ کو مندرجہ ذیل شکل سے تحریر کریں اور پھر اللہ رب العزت کے انعامات دیکھیں اور ہر کام میں نصرت خداوندی اور غیبی مدد مؤکلات محسوس کریں۔ ہم نے اپنے شاگردوں میں سے ایک خاص شاگرد کو عمل ''یابدیع'' کروایا تو دوران عمل اس کو خواب میں آسمانوں پر تحریر ایک شکل دکھائی دی جو کہ اس کے بیان کے مطابق درج ذیل دو اشکال میں سے ایک ہے آپ کا یقین جس پر آئے تحریر کر کے فائدہ اٹھائیں۔ ہر دونوں شکلیں بہتر ہیں اس لیے کہ عبارت عمل ایک ہی ہے۔

### شکل نمبر1

۷۸٦

بسم اللہ الرحمٰن الرحیم

| |
|---|
| یابدیع ☾ السمٰوٰت ااا والارض △ یابدیع |
| یاتغورائیلؑ یاشدحائیلؑ یاابوالنور یامرۃ الابیض بن حارث |
| بحق یارحمٰن یارحیم |

Scanned with CamScanner

## شکل نمبر 2

۷۸۶

یابدیع السمٰوٰت آآ والارض یابدیع

یاتغورائیلؑ یاشدحائیلؑ یاابوالنور یامرۃ الابیض بن حارث

بحق یارحمٰن یارحیم

## عطارد

اہل نجوم کے نزدیک یہ ستارہ علم وحکمت کے متعلق ہے۔ اور یہ ستارہ سورج سے بنسبت قمر کے زیادہ دور ہے اور یہ تقریباً ایک سال میں اپنا چکر پورا کرتا ہے اور اس کے مثبت اثرات سے آپ ہر بندش کھول سکتے ہیں امراضِ جسمانی و روحانی قدیمی و دائمی کا علاج کر سکتے ہیں ترقی اور اہل علوم وفنون کی سرفرازی کا کام لیا جا سکتا ہے۔ اور منفی اثرات سے آپ مذکورہ بالا امورجات کے خلاف کام لے سکتے ہیں۔

## عمل نمبر 1

یا بھرائیلؑ ۷۸۶ یا نوائیلؑ

یا عظیم یا علی

| | | | |
|---|---|---|---|
| یا بدیع ۹۷ | السمٰوٰت ۵۳۷ | والارض ۱۰۳۸ | یا بدیع ۹۷ |
| ۱۰۳۹ | ۹۶ | ۹۸ | ۵۳۶ |
| ۹۵ | ۱۰۳۶ | ۵۳۹ | ۹۹ |
| ۵۳۸ | ۱۰۰ | ۹۴ | ۱۰۳۷ |

یا علی یا عظیم

یا ابوالعجائیب یاسیدالبرقان



## عمل نمبر 2

مندرجہ ذیل نقش فتوحاتِ غیبی اور ہر بندش کو کھولنے میں اکسیر ہے شرفِ عطارد میں تحریر کر کے اپنے پاس رکھیں۔ علاوہ ازیں یہ نقش بیشمار فوائد کا حامل ہے جو شخص بھی صحیح ساعت میں تحریر کرے گا خاص وفوائد نقش ھٰذا کے اس پر خود بخود عیاں ہوتے چلے جائیں گے۔ یہ نقش کسی اکسیر سے کم نہیں۔

یا بدیع العجائیب باالفتوح الغیب یا بدیع

یا بھرائیلؑ ۷۸۶ یا نوائیلؑ

بحق یاعلی یاعظیم

| | | | |
|---|---|---|---|
| ۴۶۹ | ۴۷۴ | ۵۷۴ | ۴۶۴ |
| ۴۷۶ | ۴۶۳ | ۴۷۰ | ۴۷۳ |
| ۴۶۶ | ۴۷۷ | ۴۷۲ | ۴۶۷ |
| ۴۷۱ | ۴۶۸ | ۴۶۵ | ۴۷۸ |

بحق یا علی یا عظیم

یا ابوالعجائیب وفق ۱۸۸۲ یا برقان

الٰہی بحرمۃ این نقش و کلام ھذا ہمہ اثرات بدونحوسات ختم شوند و ہر بندش کشودہ شود کہ ہمہ حاسدان و بدگویان و عدوّان سرنگون شوند واز آفات و بلیات زمینی و آسمانی حامل نقش فلانہ بن فلانہ محفوظ گردد یا مؤکل یاملائک یا بھرائیلؑ یا نوائیل یاابوالعجائیب یابرقان بحق یاعلی یاعظیم. العجل الساعتہ الوحا.

Scanned with CamScanner

عطارد کے متعلق چند طلسم جو آپ عطارد کی ساعت میں جب عطارد نحس اور رجعت سے پاک ہو اور طالع بھی نیک ہو جو عطارد کے متعلقہ ہو اور مخالف گھر میں کوئی نحس ستارہ نہ ہو اور نہ نحس نظر پر ہو۔ یہ شکل طلسم بہت زبردست ہے اور تاثیر میں تیر بحدف ہے آپ حرف " ع " اس طرح پر لکھیں کہ متعلقہ عبارت عمل اور موکلات عطارد اس حرف " ع " میں مکمل طور پر آجائیں۔

شکل (2)

شکل (1)

## زہرہ

یہ ستارہ اہل نجوم کے نزدیک عورتوں کے متعلق ہے حب وتسخیر کی تاثیر کا حامل ہے دوسرے لفظوں میں لکشمی دیوی اور چمپا بائی کے نام سے بھی جانا جاتا ہے یہ نام عام قسم کے نجومی دیتے ہیں خاص طور پر وہ نجومی جو رمل یا فالنامہ جات سے حساب لگاتے ہیں۔ اس ستارہ کی ساعت میں ہر مثبت کام لیا جا سکتا ہے جب یہ ستارہ نحوست سے پاک ہو اور سیدھی چال چل رہا ہو یہ ستارہ سعد اثرات کا حامل ہے ایک سال میں سورج کے گرد چکر پورا کرتا ہے۔



اگر آپ حب و تسخیر سے متعلق کام لینا چاہتے ہیں تو مندرجہ ذیل طلسم سے لیں۔

| | | |
|---|---|---|
| یا شموصائیلٌ | ٧٨٦ | یا عینیائیلٌ |

**یا بدیع العجائیب باالحب التسخیر یا بدیع**

| | |
|---|---|
| یاابو الحسن | زوبعه ابیض |

**همه اثرات ختم شوند و تسخیر عمومی و مستوارت شود و هر کسے را در محبت فلانه مسخر و تابع گردد که تسخیر خلائق شود یا مؤکل یا ملائك بحق یا کافي یا غني العجل الساعة الوحا ۔ العجل الساعة الوحا ۔ العجل الساعة الوحا ۔**

اگر اس طلسم پر بارہ سو مرتبہ (۱۲۰۰) عزیمت تحریر شدہ پڑھ کر دم کر لیا جائے تو اثرات قوی الاثر اور زود اثر ہوں اور مقصد جلد حاصل ہو۔ زہرہ کے متعلق جو تمام خواص کا حامل ہے۔

## عمل نمبر 2

زہرہ کے متعلق تعویز جو تمام خواص و فوائد کا حامل ہے تحریر کر رہے ہیں اس نقش کو شرف زہرہ میں تحریر کر کے اپنے پاس رکھے تو محبوب خلائق ہو ہر کوئی محبت سے پیش آئے یہاں تک کہ دشمن مہربان ہوں حاسدین و مخالفین مسخر و تابع ہو جائیں اگر محبت عظیم کا پیکر بننا مقصود ہو تو بعد از تحریر فوراً ساعت زہرہ ہی میں (۱۲۰۰) مرتبہ عزیمت پڑھ کر دم کرے اور بخور زہرہ سلگائے جو ہم کتاب کے شروع میں بیان کر

Scanned with CamScanner

چکے ہیں اور کوشش کرے کہ عمل ۱۲ یوم مکمل ہو جائے تا کہ کوئی کمی واقع نہ ہو۔ اگر عمل مکمل کرے تو عجائبات دیکھے تسخیر میں اور جس صاحب کو تحریر کر کے دے وہ بھی لطف اٹھائے اور اپنے گرد ہجوم پائے پس چاہیے کہ اللہ کا شکر ادا کرتا رہے اور خوش اخلاقی سے پیش آئے ہر کسی سے اور صدقہ واستغفار لازم کرے اپنے اوپر۔

یاشموصائیلؑ ۷۸۶ یا عینیائیلؑ

| یابدیع | العجائیب | باالحب | التسخیر | یابدیع |
|---|---|---|---|---|
| ۹۷ | ۱۱۷ | ۴۴ | ۱۳۰۱ | ۹۷ |
| ۱۳۰۲ | ۹۸ | ۹۸ | ۱۱۳ | ۴۵ |
| ۱۱۴ | ۴۱ | ۱۳۰۳ | ۹۹ | ۹۹ |
| ۱۰۰ | ۱۰۰ | ۱۱۵ | ۴۲ | ۱۲۹۹ |
| ۴۳ | ۱۳۰۰ | ۹۶ | ۱۰۱ | ۱۱۶ |

یاکافی

یاغنی

یاابوالحسن وفق ۱۶۵۶ یازوبعہ ابیض

# شمس

جس شخص کا ستارہ شمس ہو یا وہ تسخیرِ شمس کا طالب ہو وہ اس عمل سے بیان کردہ طریقہ پر فیض حاصل کرے۔ یہ ستارہ اہل نجوم کے نزدیک تسخیرِ اعظم کا حامل ہے اس میں کیا ہوا عمل تسخیر **اُمراء عظماء حکماء علماء** کو مسخر کرتا ہے۔ اور عامل کو عروج پر جلد از جلد لے جاتا ہے یوں تو عملیات کی کتب میں بے شمار عمل شمسی



موجود ہیں مگر یہ عمل آزمائش پر پورا اترا ہے اور اکسیر کا درجہ رکھتا ہے جن صاحبان نے بھی کیا وہ اس کی تعریف بے پناہ کے قائل ہیں چاہیے کہ عالم نوروز کی ساعت میں یا شرف شمس میں یا شمس برج اسد میں بحالت قیام رجعت سے پاک نحوست سے پاک ہو تحریر کرتے ہی ایک ہزار (۱۰۰۰) مرتبہ عزیمت مذکورہ پڑھ کر دم کرے اور بخور شمسی سلگائے اور آخر میں دعا کرے پھر ہر اتوار ایک سو (۱۰۰) مرتبہ بالمقابل طلوع شمس پڑھ کر سورج کی طرف پھونک دے اور قدرت الٰہی کا کرشمہ دیکھے کہ کیسے کیسے حکام اور امیر کبیر لوگ عظیم اور مفکر و ادیب حضرات اور بڑے بڑے علماء کھچے چلے آتے ہیں ہزار تسخیر کے عملوں سے بہتر عمل تسخیر ہے آزمائش شرط ہے فائدہ اٹھائیں اور دعا دیں عاجز تو وہی عمل ظاہر کر رہا ہے جو قانوناً صحیح ہو اور تاثیر کا حامل ہو ورنہ بازار میں پائی جانے والی کئی کتب ہیں مگر ہم نے اپنا اصل مقصد قلم اٹھانے کا اپنی ذاتی تحریر کردہ ہر کتب میں کہیں نا کہیں ضرور بیان کیا ہے تا کہ عوام اور عاملین کے سامنے صحیح عملیات آسکیں اور علم نورانی وقرآنی سے فیض یاب ہو سکیں تا کہ وہ سفلی اور کالے علم سے بچ سکیں اللہ رب العزت ہمیں ہمارے مقصد میں کامیاب فرمائے۔ آمین!

## عمل نمبر 1۔

عمل بدیع کا شمسی نقش وتعویز جو اعداد شمسی سے پُر کیا گیا ہے تا کہ اصولاً کوئی کمی نہ رہے ہر لحاظ سے نقش قانوناً صحیح ثابت ہو اور اپنی مکمل تاثیر دکھائے۔

( تعویز اگلے صفحہ پر ہے )

Scanned with CamScanner

یا روقیائیلؑ ۷۸۶ یا کلنبائیلؑ

| یابدیع | العجائیب | باالمحب | الخیر | لشدید | یابدیع |
|---|---|---|---|---|---|
| ۲۹۱۱ | ۱۶۰۰ | ۵۱۲ | ۱۵۱۸ | ۱۵۵۶ | ۲۹۱۱ |
| ۱۶۰۵ | ۵۱۶ | ۲۹۱۰ | ۲۹۱۳ | ۱۵۱۳ | ۱۵۵۱ |
| ۲۹۰۷ | ۱۵۵۴ | ۱۵۱۵ | ۵۱۳ | ۱۶۰۳ | ۲۹۱۶ |
| ۵۱۷ | ۲۹۰۶ | ۱۶۰۴ | ۱۵۵۵ | ۲۹۱۲ | ۱۵۱۴ |
| ۱۵۱۶ | ۲۹۱۵ | ۱۵۵۳ | ۱۶۰۱ | ۲۹۰۹ | ۵۱۴ |
| ۱۵۵۲ | ۱۵۱۷ | ۲۹۱۴ | ۲۹۰۸ | ۵۱۵ | ۱۶۰۲ |

یا ابو عبد اللہ وفق ۱۵۴۰۸ یا سیّد المذہب

بحق ایں نقش یا روقیائیلؑ یا کلنبائیلؑ یا ابو عبد اللہ یا سید المذہب همه نحوسات سیارگان وبروج ختم گردد که تسخیر شمسی پیدا شود و کل مخلوقات تابع و مسخر شود و از آفات وبلیات زمینی و آسمانی و جادو ٹونہ حامل نقش هذا محفوظ کنند و تاثیر شمسی حاصل شود بحق ابرصا صبرصا صارصا صورصا العجل الساعة الوحا۔

## عمل نمبر 2

یہ بات طے شدہ ہے کہ تمام تسخیروں سے زیادہ طاقتور تسخیر اگر کوئی ہے تو وہ فقط تسخیر شمسی ہے باعتبار سیارگان و بروج کے لہٰذا ہم آپکو ایک اور تعویز تحریر کر کے



دیتے ہیں جو باعتبار وفق کے نمبر 1 شمسی نقش کے موافق ہوگا مگر فرق یہ ہوگا کہ صرف عددی ہوگا حرفی شامل نہ کیا جائیگا۔ پچھلے درج شدہ نقش کیطرح جو بہتر محسوس ہو اسے استعمال میں لائیں اور فائدہ اٹھائیں۔

۷۸۶

یا روقیائیلؑ بحقّ اھیاً اشراھیاً یا کلنبائیلؑ

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| ۲۵۵۰ | ۲۵۶۷ | ۲۵۸۱ | ۲۵۸۰ | ۲۵۶۹ | ۲۵۶۱ |
| ۲۵۷۴ | ۲۵۷۸ | ۲۵۵۱ | ۲۵۶۰ | ۲۵۸۳ | ۲۵۶۲ |
| ۲۵۸۶ | ۲۵۵۹ | ۲۵۷۳ | ۲۵۶۳ | ۲۵۷۶ | ۲۵۷۹ |
| ۲۵۵۸ | ۲۵۸۴ | ۲۵۷۲ | ۲۵۶۴ | ۲۵۷۷ | ۲۵۵۳ |
| ۲۵۷۰ | ۲۵۵۴ | ۲۵۷۶ | ۲۵۸۴ | ۲۵۵۷ | ۲۵۶۶ |
| ۲۵۷۵ | ۲۵۶۶ | ۲۵۵۶ | ۲۵۵۵ | ۲۵۷۱ | ۲۵۸۶ |

ابرصا صبرصا صارصا صورصا

یا ابو عبد اللہ یا سیّد المذہب

## عمل نمبر 3

آخر میں ایک ایسا نقش تحریر کر دیتا ہوں جو کسی خاص شخص کو مسخر کرنے میں اکسیر کا درجہ رکھتا ہے۔ یہ نقش ضدی اور گھمنڈی لوگوں کو بھی راہ راست پر لے آتا ہے فقط آپ شمس کی سعد ساعت میں تحریر کرتے ہوئے کام میں لائیں حُب و تسخیر میں اپنی مثال آپ ہے۔

( تعویز اگلے صفحہ پر ہے )

۷۸۶

یا روقیائیلؑ　بحق یا حي یا قیوم　یا کلنبائیلؑ

| | | | |
|---|---|---|---|
| ۳۸۵۳ | ۳۸۴۹ | ۳۸۴۶ | ۳۸۶۰ |
| ۳۸۵۰ | ۳۸۵۶ | ۳۸۵۷ | ۳۸۴۵ |
| ۳۸۵۸ | ۳۸۴۴ | ۳۸۵۱ | ۳۸۵۵ |
| ۳۸۴۸ | ۳۸۵۹ | ۳۸۵۴ | ۳۸۴۸ |

ابرثا.صبرثا.صارثا.صورثا.

یا ابو عبد الله　یا سیّد المذهب

اقسمت علیکم و عزمت علیکم اجب یا روقیائیلؑ یا کلنبائیلؑ یا ابو عبد الله یا سید المذهب فلانہ کو فلانہ کی محبت میں تابع و مسخر کر و بحق یا حيّ یا قیوم یا مؤکل یا ملائک فلانہ علٰی حُبّ فلانہ بیقرار شود بحق یا بدیع یا بدیع العجائیب با الحب الخیر لشدید یا بدیع العجل العجل العجل الساعة الساعة الوحا الوحا الوحا

چاہیے کہ عزیمت ہذا 10 مرتبہ نقش پر دم کریں۔ اگر زیادہ زبردست کام لینا مقصود ہو تو ۴ عدد تعویز تحریر کریں اور ہر ایک پر عزیمت مذکورہ ۱۲ مرتبہ دم کریں ایک عدد پاس رکھیں ایک عدد وزن کے نیچے رکھیں یا راستہ میں دفن کریں ایک عدد زیرِ آتش رکھیں کہ نقش گرم رہے مگر جلنے نہ پائے اور ایک عدد پینے کیلئے دیں کہ طالب اپنے مطلوب کو کسی طرح سے پلا دے یہ تعویز تین دن تک بھی پلایا جا سکتا ہے۔ ورنہ ایک دن بھی کافی ہے۔



اس تعویز کو آپ ہر خاص محبت میں استعمال کر سکتے ہیں اپنا معمول بنا سکتے ہیں۔ اب ہم دو چند طلسم تحریر کر دیتے ہیں تا کہ آپ متعلقہ ساعت میں زیادہ سے زیادہ کام لیکر زیادہ فائدہ حاصل کر سکیں۔

## طلسم نمبر 1

۷۸۶

یا روقیائیلؑ　بسم الله الحيّ القیوم　یا کلنبائیلؑ

| |
|---|
| یا بدیع العجائیب با الحبّ الخیر لشدید یا بدیع |

یا ابو عبد الله ابرثا۔ صبرثا۔ صارثا۔ صورثا یا سیّد المذهب

## طلسم نمبر 2

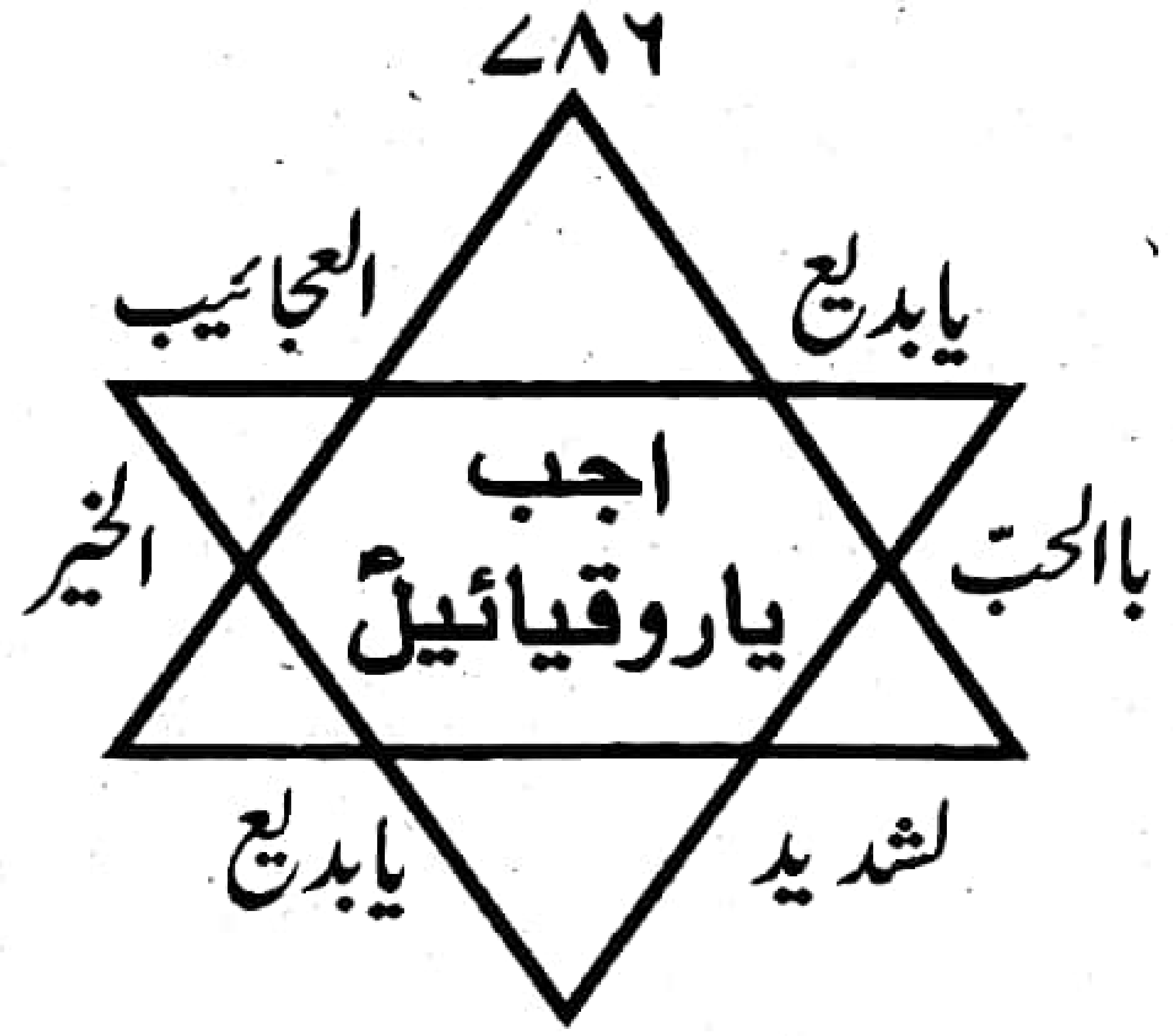


Scanned with CamScanner

## عمل نمبر 4

یہ طلسم آپ اپنے عام استعمال میں رکھ کر فائدہ حاصل کر سکتے ہیں ہر محبت میں کام کریگا فقط بروز اتوار تحریر کریں۔

جو عامل مثلث کو زیادہ استعمال کرتے ہیں وہ عاملین بروز اتوار ساعت شمس میں عروج ماہ قمری اس تعویز سے فائدہ اٹھائیں یہ مثلث ہر حُبّ میں اکسیر کا درجہ رکھتی ہے یہ مکمل گارنٹی سے تحریر کر رہا ہوں فقط اعتقاد شرط ہے۔ سائلین کو دیں اور دعائیں لیں اور حُب کے بادشاہ بن جائیں اس مثلث کے استعمال کے چند طریقے درج کر دیتا ہوں آپ جو مناسب سمجھیں اپنائیں موقع محل کے مطابق اگر مسئلہ سخت ہو تو تمام درج شدہ طریقے ایک ساتھ ہی تحریر کر سکتے ہیں اس سے قبل ایک اشکال کا جواب دیتا چلوں اگرچہ یہ سوال زیادہ اہم نہیں ہے مگر پھر بھی بعض احباب کے ذہن میں یہ بات پیدا ہو سکتی ہے کہ موضوع شمس کا چل رہا ہے۔ مثلث قمر سے منسوب ہے تو اس جگہ مثلث کا تذکرہ کیوں ؟ **جواب** اسکا یہ ہے کہ قمر شمس سے ہی روشنی حاصل کرتا ہے۔ اور شمس حاکم ہے لہٰذا شمس جتنی قوت قمر کو مہیا کر رہا ہے آپ قمر کے طریقہ پر شمس سے وہ تمام کام لے سکتے ہیں۔ اس طریقہ کا ایک فائدہ یہ بھی ہے کہ شمس قوی الاثر ہے اور قمر زود اثر ہے اس طریقہ پر عمل کرنے سے دونوں قسم کے اثرات حاصل ہوتے ہیں لہٰذا آپ کم سے کم وقت میں زیادہ سے زیادہ طاقتور فائدہ حاصل کر سکتے ہیں۔

تعویز اگلے صفحہ پر ہے



۷۸۶

**یا روقیائیل**

| | | |
|---|---|---|
| یا بدیع | العجائیب | باالحبّ |
| العجائیب | باالحبّ | الخیر |
| باالحبّ | الخیر | لشدید |

فلاں بن فلاں **علی حُبّ** فلاں بن فلاں

(i) ۱۲ عدد پینے کیلئے۔ (ii) پاس رکھنے کیلئے۔ (iii) وزن کیلئے۔
(iv) زیر آتش کیلئے۔

ہر ایک پر دم ۱۲ + ۱۲ مرتبہ پڑھ کر دم کریں عزیمت کا۔

## شرف مریخ

یہ گرم ستاروں میں ایک ستارہ ہے جس کے افعال جنگ و جدل لڑائی جھگڑا فتح و شکست مقدمات نفرت عداوت دشمنی قوت طاقت جرأت وغیرہ ہیں اگر اس سے مثبت کام لیے جائیں تو فتح قوت جرأت جیسے خواص حاصل ہوتے ہیں اور یہ آپ پر منحصر ہے کہ آپ کو کس طرح کا فائدہ یا کام لینا مقصود ہے۔ پس آپ اپنے متعلقہ مقصد میں کامیابی کیلئے ساعت مریخ کا انتخاب کریں۔ اس عزیمت کے متعلقہ سب سے بہترین نقش شرف مریخ اگلے صفحہ پر ہے۔

Scanned with CamScanner

## عمل نمبر 1

یا صعائیلؑ ۷۸۶ یا ممسائیلؑ

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| یابدیع | العجائیب | السّموات | والارض | باالفتوح | الغیب | یابدیع |
| العجائیب | السّموات | والارض | باالفتوح | الغیب | یابدیع | العجائیب |
| السّموات | والارض | باالفتوح | الغیب | یابدیع | العجائیب | السّموات |
| والارض | باالفتوح | الغیب | یابدیع | العجائیب | السّموات | والارض |
| باالفتوح | الغیب | یابدیع | العجائیب | السّموات | والارض | باالفتوح |
| الغیب | یابدیع | العجائیب | السّموات | والارض | باالفتوح | الغیب |
| یابدیع | العجائیب | السّموات | والارض | باالفتوح | الغیب | یابدیع |

یا ابو محزر یاسید الاحمر

اقسمت علیکم و عزمت بربکم یا صعائیلؑ یا ممسائیلؑ یا ابو محزر یا سید الاحمر بحق یا مالک یا قدوس فلاں بن فلاں کو فتوحات غیبی حاصل ہوں ہر کام میں فتح نصیب ہو۔ ہر مقصد میں کامیاب ہو یا مؤکل یا ملائک بحق یا بدیع العجائیب السّموت والارض با الفتوح الغیب یا بدیع العجل الساعۃ الوحا۔

## عمل نمبر 2

یہ نقش شرف کے علاوہ کبھی بھی کسی بھی سعد ساعت مریخ میں تیار کر سکتے ہیں اور عزیمت ہذا ۳۱۳ مرتبہ پڑھ کر دم کر کے دیں تاکہ تاثیر جلد برآئے نتائج جلد اخذ ہوں۔ اب چھوٹی سطح پر تعویزات اور طلسمات کی دو چند صورتیں بیان کر دیتے ہیں عمومی استعمال کیلئے

( تعویز اگلے صفحہ پر ہے )



یاصعائیلؑ ۷۸۶ یاممسائیلؑ

**یابدیع العجائیب السّموات والارض باالفتوح الغیب یابدیع**

یاابومحزر یاسیدالاحمر

## عمل نمبر 3

مربع نقش ایک ایسا نقش ہے جو ہر کام میں اپنی تاثیر دکھاتا ہے صرف چال کا فرق پڑتا ہے مگر ایک اصول ہے کہ جتنے بھی جفت تعویزات ہیں وہ مثبت کاموں میں تاثیر زیادہ رکھتے ہیں اس لیے کہ جمالی تصور کیے جاتے ہیں اور اس کے برعکس طاق تعویزات یعنی جن تعویزات کے خانے طاق ہوں وہ جلالی تاثیر ظاہر کرتے ہیں۔ اب اس سوال کے جواب میں مشکل نہ ہوگا کہ مریخ اگرچہ جلالی آتشی تاثیر کا حامل ہے نقش متعلقہ مسبع 7 x 7 مگر ہم نے چونکہ مثبت کام لینا ہے اس لیے مربع ہر لحاظ سے بہتر ہے مریخ کا مثبت کام لیا جا سکتا ہے۔

یا صعائیلؑ بسم اللہ الملک القدوس یا ممسائیلؑ

| | | | |
|---|---|---|---|
| یا بدیع | العجائیب | السّموات | والارض |
| العجائیب | السّموات | والارض | باالفتوح |
| السّموات | والارض | باالفتوح | الغیب |
| والارض | باالفتوح | الغیب | یا بدیع |

یا ابو محزر یا سیّد الاحمر

کسی بھی ستارہ کے نقش عددی بھی تحریر کیے جاسکتے ہیں ۔ دونوں باعتبار ایک ہی سبق (عزیمت / آیت) ہونے کے رزلٹ ایک ہی رکھتے ہیں اور تاثیر بھی یکساں ہوتی ہے فقط اتنا فرق ہوتا ہے کہ حروف ظاہر پر اثر انداز ہوتے ہیں اور جلد تاثیر ظاہر کرتے ہیں اور اعداد باطن پر اثر انداز ہوتے ہیں اور تاثیر تھوڑی دیر سے ظاہر کرتے ہیں۔

## شرف مشتری

یہ ستارہ سعد اکبر مانا جاتا ہے اور یہ خاص طور پر کاروباری لین دین روپے پیسے سے تعلق رکھتا ہے اس ستارے کے سعد اثرات سے حُبّ وتسخیر کے کام بھی لیے جاتے ہیں مختصر یہ ہے کہ ہر مثبت کام لیا جا سکتا ہے ہم چونکہ حُبّ وتسخیر پر ایک مستقل باب قائم کر چکے ہیں اس لیے ہماری زیادہ کوشش یہی ہوگی کہ اس ستارہ کے سعد اثرات سے آمدنی اور روپیہ پیسہ میں کیسے اضافہ کیا جاسکے اور فتوحات کیسے حاصل ہوں رزق اور مال ودولت میں کیسے فراوانی کی جائے کہ ہمارا شمار امیر کبیر لوگوں میں کیسے ہو۔ کس طرح بلا مشقت روزی حاصل کی جاسکے۔

پس چاہیے کہ آپ شرف مشتری یا اوج مشتری میں یا کوئی بھی سعد ساعت مشتری میں بروز جمعرات عروج ماہ قمری جب مشتری رجعت سے پاک ہو درج شدہ تعویزات ونقوش سے فائدہ اٹھا سکتے ہیں۔ شرف و اوج کا وقت تقریباً ساڑھے بارہ برس کے بعد آتا ہے لیکن سعد ساعتیں ایک سال میں کئی نصیب ہوتی ہے اور اسکے متعلقہ ذاتی نقش 8x8 کا ہے یعنی جسکو اہل عرب اپنی زبان میں مثمن قرار دیتے



ہیں طلسم مشتری "یا بدیع" اوّلاً بیان کرتے ہیں جو آپ کسی بھی سعد ساعت مشتری میں تحریر کر کے سائل کو مستفید کر سکتے ہیں۔

### طلسم نمبر 1

۷۸۶

بسم اللہ الواسع جل جلالہ

طـ یا بدیع العجائیب باالرزق یا بدیع ـہ

الٰہی فلانہ کے رزق میں اضافہ فرما

### طلسم نمبر 2

۷۸۶

یا غنی بسم اللہ الرحمن الرحیم یا مغنی

یا فتاح | یا بدیع العجائیب بالرزق یا بدیع | یا رزاق

یا واسع طـ ۶۵۲ ـہ یا وھاب

### طلسم نمبر 3

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| ط | یا ارمسائیل | اللہ | اللہ | یا میکائیل | ہ |
| اللہ | یا غنی المغنی | یا فتاح یا رزاق | یا واسع یا وہاب | یا کریم یا باسط | اللہ |
| اللہ | یا بدیع | العجائیب | باالرزق والمال | یا بدیع | اللہ |
| ط | یا صرفیائیل | اللہ | اللہ | یا سید الشمہورش | ہ |

## عمل نمبر 1

۷۸۶

یاصرفیائیلؑ — بسم اللہ الواسع جل جلالہ — یاارمسائیلؑ

یا بدیع العجائب بالرزق یا بدیع

| | | | |
|---|---|---|---|
| ۱۶۶ | ۱۶۳ | ۱۵۵ | ۱۶۹ |
| ۱۵۶ | ۱۶۸ | ۱۶۷ | ۱۶۱ |
| ۱۷۱ | ۱۵۷ | ۱۶۰ | ۱۶۴ |
| ۱۵۹ | ۱۶۵ | ۱۷۰ | ۱۵۸ |

یا بدیع العجائب بالرزق یا بدیع

یاابوولید — ط ۲۵۲ ۂ — یا سیّدالشمہورش

نقش مذکورہ کی پچھلی جانب یا نیچے فقط اتنا ہی مقصد لکھنا کافی ہے " بحق ایں نقش وکلام ہذا فلانہ امیر کبیر ہو"۔

ستارہ مشتری کے متعلقہ اسم یا بدیع کی بہت سی عزیمتیں ہیں عاجز علی شاہ حیدری الروحانی البرۂ ہر عزیمت کو تحریر کر دیتا ہے تاکہ آپ جس عزیمت سے چاہیں فائدہ حاصل کریں اور عوام الناس کو فیض روحانی سے مستفید کریں۔

1۔ یا بدیع العجائب بالفضل العظیم یا بدیع۔

2۔ یا بدیع السمٰوٰت والارض بالبرکات یا بدیع۔

3۔ یا بدیع العجائب بالرزق والمال یا بدیع۔



4۔ یا بدیع العجائب بالخیر یا بدیع۔

5۔ یا بدیع العجائب بالغنی المغنی یا بدیع۔

6۔ یا بدیع العجائب بالباسط یا بدیع۔

7۔ یا بدیع السمٰوٰت والارض بالفضل والمال یا بدیع۔

8۔ یا بدیع السمٰوٰت والارض بالخیر یا بدیع۔

9۔ یا بدیع العجائب بالواسع یا بدیع۔

10۔ یا بدیع العجائب بالفتوح الغیب السمٰوٰت والارض یا بدیع۔

عاجز بندہ درویش پر اللہ رب العزت کا اتنا بڑا فضل وکرم ہے کہ اگر بندہ ناچیز یہ چاہے کہ ستارہ مشتری پر فقط اسم "بدیع" یا کسی بھی ستارہ پر پوری کتاب تحریر کر سکتا ہے اور وہ بھی اصولاً وقانوناً صحیح اور پرتاثیر عملیات کے ساتھ۔ مجھے فقط آپ لوگوں کی دعاؤں کی اور ساتھ کی ضرورت ہے عنقریب آپ کے سامنے ہر ستارہ پر تحریر شدہ علیحدہ علیحدہ کتاب مہیا کی جائے گی۔ ستارہ مشتری کے سعد عملیات اور مؤکلات مشتری کی حاضری وحاضرات کے اعمال سے لبریز کتاب "آئینہ مشتری المعروف عملیات ستارہ مشتری" آپکی خدمت پیش کی جائیگی۔ تاکہ مالی مشکلات ونحوسات سے نکل کر مسلمان ومؤمن بھائی اور بہنیں اپنی زندگی بہتر سے بہتر اور آسان سے آسان بنا کر " جَنَّتَان " کا مطلب سمجھ سکیں اور مال و دولت میں برکت کیسے پیدا ہو اس کا تعویز یا طلسم ساعتِ مشتری سعد حالت میں ان احباب کیلئے بہتر ہے اور فائدہ مند بھی جو اپنے مال و دولت میں خاطر خواہ برکت چاہتے ہیں اور جن احباب

Scanned with CamScanner

کا ستارہ ہی مشتری ہوا نکے لیے نقش مشتری یا طلسم انتہائی ضروری ہے۔

## عمل نمبر 2

عمومی تحریر کیلئے زود اثر اور بہتر نتائج کا حامل آپ عروج ماہ قمری بروز جمعرات ساعت مشتری اوّل یا ہشتم میں تحریر کرسکتے ہیں۔ (تعویذ اگلے صفحہ پر ہے)

۷۸۶

یا ارمسائیلؑ بسم اللہ الواسع جل جلالہ یا صرفیائیلؑ

یا کبیر

**یا بدیع العجائیب باالمال یا بدیع**

یا متعال

یا ابو ولید یا سیّدالشمھورش

الٰہی بحرمۃ ایں نقش وکلام ہذا فلانہ کے مال ودولت میں اضافہ فرما

## عمل نمبر 3

ایک نقش اسم یا بدیع کا دکان یا کاروبار کی جگہ لگانے کے لیے چھوٹا تحریر کررہا ہوں جو آپ اپنے پاس روپے پیسے کی جگہ یا پرس میں بھی رکھ سکتے ہیں۔ یا اپنے دائیں بازو کے ساتھ باندھ کر فوائد کثیر سے فیض یاب ہو سکتے ہیں یہ نقش ہر حال میں فائدہ دیتا ہے بشرطیکہ تحریر کرنے والا صحیح طریقہ ولوازمات اور قوانین کے مطابق تحریر کرے اور بعد از تحریر متعلقہ اسم بمطابق اعداد قمری اور باقی عزیمتیں ۱۲۰+۱۲۰ مرتبہ یا ۱۲۰۰ مرتبہ پڑھ کر دم کر کے لپیٹ کر خوشبو عطر گلاب لگا کر رکھے۔

(تعویذ اگلے صفحہ پر ہے)



**یا کبیر یا متعال**

**یا بدیع العجائیب باالخیر یا بدیع**

یا واسع یا فتاح

| | | | |
|---|---|---|---|
| ع ۷۰ | ی ۱۰ | د ۴ | ب ۲ |
| ب ۲ | د ۴ | ی ۱۰ | ع ۷۰ |
| ی ۱۰ | ع ۷۰ | ب ۲ | د ۴ |
| د ۴ | ب ۲ | ع ۷۰ | ی ۱۰ |

یا بدیع العجائیب باالرزق یا بدیع

یا باسط یا رزاق

آخر میں ہم آپکو شرف مشتری میں یا مشتری کی طاقتور سعد ساعت میں ایسا نقش جو بالخصوص اسی ستارہ مشتری ہی کے متعلق ہے یعنی 8 x 8 خانوں کا مثمن حرفی (لفظی) تحریر کر دیتے ہیں تا کہ آپکو سہولت رہے اور آپ پوری طرح صحیح طریقہ سے فیض یاب ہوسکیں یہ ایک پر تاثیر چال ہے اور اسکی عزیمت سے آپ اندازہ لگا سکتے ہیں کہ کس قدر فضل وکرم اور برکات الٰہی حامل نقش ہذا پر ظاہر ہونگی۔ عاجز کا کام ہے ہر چیز کھول کھول کر بیان کرنا عاجز نہ تو کوئی بات ( علم ) آپ سے چھپا رہا ہے اور نہ ہی بے مطلب و بے فیض جو اصول و قانون عملیات کے باہر ہوں تحریر کر کے کتب کو

Scanned with CamScanner

بھر رہا ہے الحمد اللہ اب تک سینکڑوں لوگوں کے خطوط آ چکے ہیں جو بندہ کے پاس بطور دلیل محفوظ ہیں اور علاوہ ان خطوط کے ہزاروں کالیں (فون) بھی۔

عاجز سب سے زیادہ اللہ رب العزت کا شکر گزار ہے جس نے مجھ ناچیز پر اپنا خاص فضل و کرم کیا اسکے بعد اپنی محترمہ والدہ ماجدہ کا مشکور وممنون ہے جن کی دعاؤں کی برکت سے آج اس مقام پر ہوں۔

بے شک اللہ تعالیٰ اپنے علم و حکمت اور صفات کے بھید صرف اپنے نیک بندوں پر ہی کھولتا ہے جو روحانیت میں منازل طے کرتے جاتے ہیں اور بھیدوں سے واقف ہوتے جاتے ہیں یہاں تک کہ اللہ تعالیٰ کو پالیتے ہیں یہ مقام فنآء فی اللہ کا ہی ہے جو حقیقت میں بقآء ہے اور یہ مقام فنآء في الرسول ﷺ کے بغیر حاصل نہیں ہوتا اور مقام عشق رسول ﷺ بغیر فنآء في الشیخ کے حاصل نہیں ہوتا اور اس مقام فنافي الشیخ کیلئے نسبت شیخ (مرشد) ہونا اور تسلسل کے ساتھ فیض حاصل کرنا بہت ضروری ہے باوجود یہ سب کچھ حصول کے پھر بھی بندہ ناچیز اپنے آپ کو ایک عام انسان اور آدمؑ ذات ہونے کی حیثیت سے آپکی خصوصی دعاؤں کا طلبگار ہے اللہ رب العزت میری ہر خطآء کو ہر گناہ کو درگزر فرما دے اور اپنی رحمت خاص کردے اس دنیا اور آخرت میں سلامتی اور حفاظت میں رکھے۔ آمین ! اس لیے آپ لوگوں سے گزارش ہے کہ جب بھی دعا کریں تو مجھ کمزور انسان کو بھی یاد کر کے میرے لیے دعا کر دیا کریں دعا ہے کہ اللہ تعالیٰ آپکو توفیق عطاء فرمائے اور میری کتاب سے فیض روحانیت۔ آمین آمین!



نقش مذکورہ یہ ہے۔

۷۸۶

یارمسائیلؑ بسم الکبیر المتعال یاصرفیائیلؑ

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| یابدیع | العجائیب | السّموات | والارض | باالفضل | العظیم | والبرکات | یابدیع |
| العجائیب | السّموات | والارض | باالفضل | العظیم | والبرکات | یابدیع | العجائیب |
| السّموات | والارض | باالفضل | العظیم | والبرکات | یابدیع | العجائیب | السّموات |
| والارض | باالفضل | العظیم | والبرکات | یابدیع | العجائیب | السّموات | والارض |
| باالفضل | العظیم | والبرکات | یابدیع | العجائیب | السّموات | والارض | باالفضل |
| العظیم | والبرکات | یابدیع | العجائیب | السّموات | والارض | باالفضل | العظیم |
| والبرکات | یابدیع | العجائیب | السّموات | والارض | باالفضل | العظیم | والبرکات |
| یابدیع | العجائیب | السّموات | والارض | باالفضل | العظیم | والبرکات | یابدیع |

یاابو ولید یاسیّدالشھورش

**بحق ایں نقش و کلام ھذا ھمہ اثرات بد و نحوسات ختم شوند کہ فضل و کرم و برکات الھٰی فلاں را حاصل شوند و از رحمت خداوندی مستفید شود حامل نقش ھذا از غربت و محتاجگی محفوظ کند و از آفات و بلّیات زمینی و آسمانی، سحری و آسیبی محفوظ گردد یا مؤکل یا ملائک بحق ایں نقش و کلام ھذا العجل الساعة الوحا۔**

Scanned with CamScanner

اگر یہ نقش کسی مکان یا دکان پر لگانا مقصود ہو تو اس طرح عزیمت نقش مذکورہ کے نیچے تحریر کریں۔

**بحق ایں نقش همه اثرات بد سحری و آسیبی و نحوسات دفع شوند وختم شوند۔ وبرکات الهی و فضل و کرم و رحمت خداوندی هر ایں مکان / دکان واهل خانه مسلسل نازل شود تا بحد بقائے ایں نقش ۔ روزی و مال و دولت از غیب رسد۔ واز محتاجگی و بے روزگاری محفوظ گردد یا مؤکل یا ملائک افعلوا ما تؤمرون بکذا و کذا العجل الساعة الوحا العجل الساعة الوحا العجل الساعة الوحا**

## شرف زحل

یہ ستارہ جب سیدھی چال چلتا ہوا خانہ شرف میں ہو یا سعد حالت میں مستقیم ہو اور قمر زائد النور کے ساتھ ساتھ شرف میں یا سعد حالت میں ہو تو آپ دفع نحوست زحل وساڑھ ستی اور تحفظ محتاجگی وقرضہ جات اور نجات امراض خبیثہ و افلاس جیسے امور میں کام لے سکتے ہیں۔

عمومی طور پر اسی ستارہ کو نحس اکبر سمجھا جاتا ہے اس کے اثرات نحس مانے جاتے ہیں مگر حقیقت یہ ہے کہ اس کائنات کی ہر چیز میں اللہ رب العزت نے بہت سی خامیوں کے ساتھ خوبیاں بھی رکھی ہیں فقط ڈھونڈنے کی ضرورت ہے اور یہ ہمارے استعمال پر منحصر ہے اللہ رب العزت نے اس کائنات میں کوئی بھی چیز بے مقصد و بے



معنی نہیں پیدا کی اگر سانپ کی زہر میں موت رکھی ہے تو تحقیق طبی (ایلو) ادویات سانپ کی زہر سے زندگی بنانے (بچانے) والی بھی تیار کی جاتی ہیں یعنی فقط طریقہ استعمال صحیح ہونا چاہیے۔

اسی طرح اگر زحل منحوس اثرات رکھتا ہے تو سعد اثرات بھی رکھتا ہے۔ اور اگر منحوس اثرات کسی پر پڑتے ہیں تو نقصان کے ساتھ ساتھ فائدہ بھی کرتا ہے آپ سوچیں گے کہ نقصان تو ساڑھ ستی ہوگئی بندشیں جادو آسیبی بیماریاں نحوست افلاس محتاجگی مگر اسی دوران فائدہ کیا کیا ؟ بھائیو! جب انسان پر بُرا وقت آتا ہے تو انسان عبادت اور دعاؤں کیطرف راغب ہوتا ہے اللہ تعالیٰ کے سامنے روتا ہے گناہوں کو یاد کرتا ہے استغفار کرتا ہے بس یہی فائدہ ہے یہاں پر مجھے حضرت علیؓ کرم اللہ وجہہ کی بات یاد آ گئی آپ نے فرمایا ہر نقصان کے پیچھے ایک فائدہ ہوتا ہے۔ جب کسی کو کوئی نقصان پہنچتا ہے تو عقلمند دوبارہ اصلاح کر لیتا ہے اور نقصان بار بار نہیں اٹھاتا اور اسی بات کو بزرگ حکائیت و تجربہ کا نام دیتے ہیں۔ اور عقلمند ہمیشہ بڑوں کے تجربہ سے فائدہ اٹھاتا ہیں۔ ایسے وقت میں زیادہ سے زیادہ صدقات دیں اور اعمال دفع نحوست کریں۔ اب ہم آپکو اسم " بدیع " کے اُن اعمال سے فائدہ حاصل کرنا بتلاتے ہیں جو اس ستارہ زحل کی ساعت میں زیادہ سے زیادہ فائدہ پہنچائیں۔

**1- یا بدیع العجائیب السمٰوٰت والارض بالفتوح الغیب والفضل العظیم یا بدیع o**

**2- یا بدیع العجائیب السمٰوٰت والارض بالفضل العظیم والبرکات الرزق یا بدیع o**

یہ عزیمتیں نقش زحل (9x9) متبع کیلئے بہترین تاثیر کی حامل ہیں انکے علاوہ بھی اعمال درج کیے جائیں گے انشاء اللہ تا کہ کوئی کمی نہ رہے اور ایک طالب روحانیت کو مکمل فائدہ حاصل ہو۔

## عمل نمبر 1

۷۸۶

یاارو قیائیلؑ — بسم اللہ الواسع جل جلالہ — یاکسفیائیلؑ

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| یابدیع | العجایب | السمٰوات | والارض | یاالفضل | العظیم | والبرکات | الرزق | یابدیع |
| العجایب | السمٰوات | والارض | باالفضل | العظیم | والبرکات | الرزق | یابدیع | العجایب |
| السمٰوات | والارض | باالفضل | العظیم | والبرکات | الرزق | یابدیع | العجایب | السمٰوات |
| والارض | باالفضل | العظیم | والبرکات | الرزق | یابدیع | العجایب | السمٰوات | والارض |
| باالفضل | العظیم | والبرکات | الرزق | یابدیع | العجایب | السمٰوات | والارض | باالفضل |
| العظیم | والبرکات | الرزق | یابدیع | العجایب | السمٰوات | والارض | باالفضل | العظیم |
| والبرکات | الرزق | یابدیع | العجایب | السمٰوات | والارض | باالفضل | العظیم | والبرکات |
| الرزق | یابدیع | العجایب | السمٰوات | والارض | باالفضل | العظیم | والبرکات | الرزق |
| یابدیع | العجایب | السمٰوات | والارض | باالفضل | العظیم | والبرکات | الرزق | یابدیع |

یاابونوح — یامیمون سیاف السحابی

**همه اثرات بدونحوسات ساڑه ستی ختم شوند و از هر بلیات زمینی و آسمانی ، سحری و آسیبی محفوظ گردد که برحامل نقش هذا فضل عظیم شود و در رزق برکات شوند و رزق بلا مشقت از غیب بیایند العجل الساعة الوحا**



## عمل نمبر 2

عمومی تحریر کیلئے آپ نقش ہذا سے کام لے سکتے ہیں چاہیے کہ بروز ہفتہ عروج ماہ قمری جب زحل رجعت سے پاک ہو تحریر کریں کالی سیاہی سے خوشبو عطر گل وغیرہ لگائیں دوران عمل اگربتی ضرور سلگائیں۔

یاارو قیائیلؑ — بسم اللہ الواسع جل جلالہ — یاکسفیائیلؑ

| |
|---|
| یا بدیع العجائیب یا الرزق یا بدیع |

یاابونوح — واللہ خیر الرازقین — یاسیّد میمون

آپ جس سائل کو یہ نقش دیں اسے کہیں کہ روزانہ بعد فجر ۱۲ دن مسلسل ۱۲۰۰ مرتبہ "یابدیع العجایب باالرزق یابدیع" پڑھے پھر ۳۰۰ مرتبہ ورد میں رکھے ۴ ماہ تک انشاءاللہ تمام مسائل حل ہو جائیں گے۔

## عمل نمبر 3

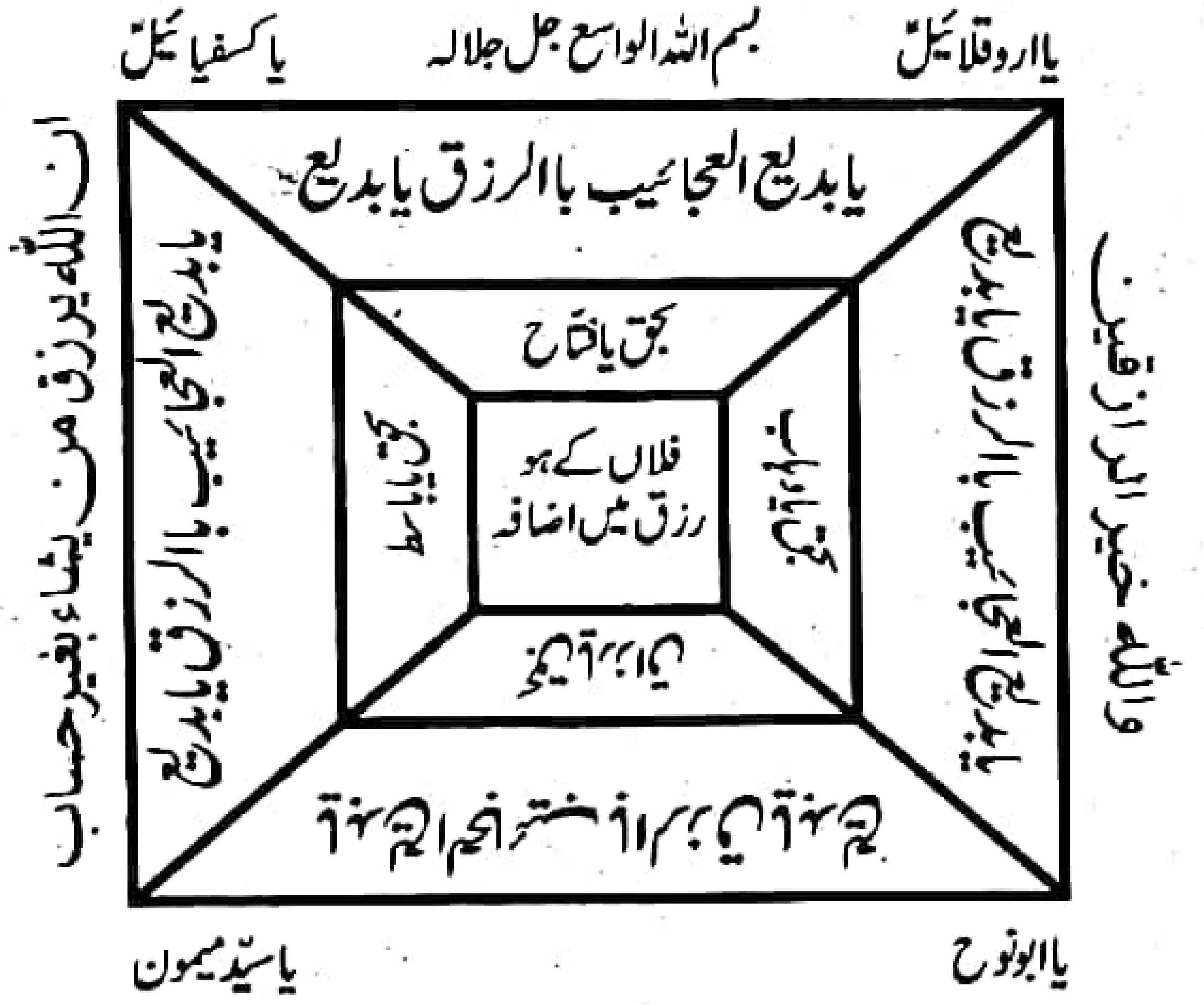

## عمل نمبر 4

یہ تعویز بھی کئی جگہ اپنی تاثیر دکھا چکا ہے۔اور بہتر نتائج کا حامل ہے۔

۷۸۶

**بسم اللہ الواسع جل جلالہ**

واللہ خیر الرازقین

یا اروقلائیلؑ یا کسفیائیلؑ

| | | |
|---|---|---|
| یابدیع | ادرکنی | باالرزق |
| ادرکنی | (نام تحریر کریں) | الواسع |
| باالرزق | الواسع | یابدیع |

یا ابو نوح یا سیّد میمون

عاجز نے اپنی طرف سے ہر بات کو وضاحت سے بیان کر دیا ہے مگر سہولت کیلئے ہر ستارہ پر عملیات کی علیحدہ سے کتب تحریر کرنے کا فیصلہ کیا ہے رفتہ رفتہ ہر کتاب آپ کے پاس آ موجود ہوگی فقط دعاؤں کی ضرورت ہے ان کتب سے آپ جان سکیں گے کہ کس کس مریض کا علاج و مسئلہ کس طرح کرنا ہے کس جگہ نام کام دیتا ہے اور کس جگہ تاریخ پیدائش و زائچہ وغیرہ اور کون سی جگہ اعداد ابجد قمری بہتر رہتے ہیں اور کس وقت شمسی طریقہ سے علاج بہتر رہتا ہے بس یوں سمجھ لیں کہ آپ نام سنتے ہی جان جائیں گے کہ مرض کی حقیقت کیا ہے علاج روحانی کیا ہے اور کونسا طریقہ بہتر رہے گا



جس شخص میں یہ صلاحیت پیدا ہو جائے اسے کسی اور کی محتاجگی نہ رہے گی اللہ کے حکم سے وہ ہر مسئلہ کا حل فی الفور اور صحیح نکال سکے گا۔کیوں کہ ستارے انسانی زندگی پر بہت گہرے اثرات رکھتے ہیں اور بروج نے شیاطین اور ہمارے درمیان حجابات قائم کیے ہوئے ہیں یہی وجہ ہے کہ بد عائیں اور نحس عملیات اور اسی طرح سعد عملیات فی الفور رزلٹ نہیں دکھاتے ورنہ جس شخص کے پاس جنات ہوں وہ علاقے کا بادشاہ بن جائے جس کے پاس دیوی وغیرہ ہو وہ وزیر اعظم سلطنت بن جائے عاملین کاملین کی اس دنیا میں حکومتیں قائم ہو جائیں اور عام انسان بیچارہ نوکر و غلام بن کر رہ جائے یہی ایک وجہ ہے اللہ رب العزت نے اعمال میں طاقت رکھنے کے ساتھ ساتھ کچھ اوقات کے ذریعے پابندیاں لگا رکھی ہیں بروج و سیارگان کو حالات میں تغیر و تبدیلی کا ذریعہ بنایا ہے مگر کسی ایک خاص حد تک اور اسی طرح ایک خاص حد تک حروف و اسمآء کو تغیر و تبدیلی کا ذریعہ بنایا ہے جب یہ سب ایک ساتھ مل جائیں تو انسان اپنے مقاصد میں کافی حد تک کامیاب و کامران ہو سکتا ہے یہی بات ہے جو ایک عام عامل اور اہل علم عامل کے درمیان فرق ظاہر کرتی ہے اس لیے زیادہ سے زیادہ علم رکھنا اور معلومات میں اضافہ کرنے میں ہی انسانیت کی عظمت و بزرگی پوشیدہ ہے اسی لیے تو آدمؑ کے اوپر جو اعتراضات تھے انکا جواب " **علم الآدم اسمآء کلھا** " کے ذریعے دیا گیا نہ کہ حُسن و جوانی وغیرہ جیسی دیگر صفات کو دلیل بنایا گیا لہٰذا کوشش کرو زیادہ سے زیادہ علم حاصل کرنے کی اور یہ اہل علم کی صحبت سے حاصل ہوتا ہے۔اللہ تعالیٰ آپکو عمل کرنے کی توفیق عطآء فرمائے اور فیض جاری فرمائے۔ آمین!

Scanned with CamScanner

# باب حاضری مؤکلات

## عمل نمبر1۔

### حاضری مؤکل قدسی نوری

نمبرایک پر ہم عمل "یابدیع" بھی نمبرون ہی بتلاتے ہیں جو کہ سب سے چھوٹا اور سب سے زیادہ زبردست ہے۔اس ایک ہی عمل کے مختلف طریقے تبدیل کرنے سے مختلف حاضریاں حاضر خدمت ہوتی ہیں۔فقط ہمت اور حوصلہ کی ضرورت ہے اور جو حاضری پسند ہو اور آپکی طبیعت آپکا ساتھ دے وہی عمل کریں۔

**طریقہ کار۔**

عمل کے تمام لوازمات پورے کرتے ہوئے اور پرہیز جات کا خیال رکھتے ہوئے نوچندے اتوار کو عمل شروع کریں قبلہ رو باوضو وقت جگہ مقرر مکمل گوشہ نشینی اختیار کرتے ہوئے 41 یوم میں سوالاکھ مرتبہ پڑھیں۔"یابدیع ادرکنی" روزانہ پڑھائی کی تعداد 3125 مرتبہ ہوگی۔ 21 ویں دن کمرے میں روشنی ہی روشنی شروع ہوجائے گی گھبرانے کی ضرورت نہیں ہے۔یہی روشنی آہستہ آہستہ شکل اختیار کرتے ہوئے نورانی مؤکل کی صورت میں حاضر ہوگی۔ انشاءاللہ تعالیٰ!



## عمل نمبر2۔

### حاضری پری

**یا بدیع ادرکنی بحق بطد بدوح**

500 مرتبہ منگل کے منگل جاری پانی کے کنارے پڑھیں بعد نماز مغرب 7 منگل پڑھائی کرنا ہوگی۔یہ عمل سفلی طریقے پر کرنا ہوگا تاکہ پری کی حاضری ہو۔اس عمل کے اوّل آخر درود شریف بالکل نہ پڑھیں۔مگر نورانی اعمال اور علوی اعمال میں درود شریف اوّل آخر لازمی پڑھیں جسطرح عمل نمبر 1 نورانی مؤکل کی حاضری کا تھا اس میں درود شریف اوّل آخر 11+11 مرتبہ ہوگا۔

## عمل نمبر3۔

### حاضری ہمزاد آتشی

**یابدیع ادرکنی باالھمزاد یابدیع**

700 مرتبہ 41 یوم بلاناغہ تمام شرائط چلہ کشی کو پورا کرتے ہوئے عمل کو بجالائیں اور پرہیز جلالی جمالی کا خاص خیال رکھتے ہوئے عمل کو تسلسل سے کریں۔

اگرچہ ہم نے تسخیر ہمزاد پر ایک کتاب تحریر کی ہے " آئینہ ہمزاد المعروف عملیات تسخیر ہمزاد" کے نام پر جسمیں مجرب المجرب اور صحت کے ساتھ (100) سو سے زائد اعمال تسخیر ہمزاد کے لکھیں ہیں غلط اور غیر مؤثر اعمال سے گریز کیا گیا ہے۔

پس آپ اس عمل میں ایک چراغ بڑا مٹی کا جو استعمال شدہ نہ ہو اسمیں

Scanned with CamScanner

خوشبودار تیل ڈالکر روئی کی موٹی بتی (فلیتہ) سے روشنی کریں اور اپنی پچھلی جانب رکھیں اسطرح کہ آپکا سایہ بالکل آپ کے قد کے موافق ہی سامنے ہو پس آپ نظر ہمزاد (سایہ) کی گردن پر جما کر مکمل تصور کرتے ہوئے پڑھائی شروع کردیں اسطرح کہ آپکی آنکھ جھپکنے نہ پائے۔ پہلے سات دنوں ہی میں عمل اپنی تاثیر دکھانا شروع کردیتا ہے خوف بالکل نہ کھائیں ورنہ نقصان کا اندیشہ ہے۔

## عمل نمبر 4۔

## تسخیر ہمزاد خاکی

یہاں پر ہم خاکی طریقے سے ہمزاد کو حاضر کرنے کا عمل بتلاتے ہیں جو زبردست تاثیر کا حامل ہے۔

### یا بدیع العجائیب بالھمزاد یا بدیع

اوّل آخر درود شریف 11+11 مرتبہ ہر روز بلا ناغہ چار ہزار (4000) مرتبہ 41 یوم تک پڑھیں وقت جگہ کے تعین کے ساتھ۔ شب جمعہ عروج ماہ قمری عمل شروع کریں تمام لوازمات چلہ کشی کو پورا کرتے ہوئے قبلہ رو باوضو خوشبو لگا کر لوبان کی اگربتی سلگا کر بعد از نماز عشاء پڑھائی کریں۔ اکیسویں دن حاضری ہے بحکم اللہ مگر آپ 41 دن سے قبل قطعاً بات نہ کریں ورنہ خطرہ ہے۔

لیکن پھر بھی آپ حضرات کی سہولت کی خاطر عاجز چند ضروری شرائط و لوازمات درج کردیتا ہے تاکہ عمل ہمزاد میں کوئی کمی واقع نہ ہو یہ شرائط آپ حضرات



کو درج شدہ تمام عملیات ہمزاد میں کام دے گی۔ ان شرائط کو مدِ نظر رکھ کر عمل کریں۔ لیکن ہمزاد کے شوقین حضرات میری تصنیف "آئینہ ہمزاد المعروف عملیات تسخیر ہمزاد" کا مطالعہ ضرور کریں تاکہ ہر قسم کی جان کاری حاصل ہو سکے۔

## شرائط

1۔ عمل ہمزاد سے قبل اپنی توجہ اور یکسوئی کی زیادہ سے زیادہ مشق کریں۔

2۔ تصور میں ذاتی چہرہ کی تصویر قائم ہو۔

3۔ جسم نقائص بدنی سے محفوظ ہو مثلاً کوئی اعضاء خراب نہ ہو۔

4۔ طبیعت میں صبر اور ثابت قدمی ہو۔

5۔ کسی عمل ہمزاد کے عامل کی زیرِ نگرانی عمل کرے ورنہ عمل جنات کے عامل کی زیرِ نگرانی عمل کرے۔

6۔ شروع کتاب میں بیان کردہ شرائط ولوازمات کو اچھی طرح ذہن نشین کرتے ہوئے عمل کرے۔

7۔ پرہیز اور احتیاط کو لازمی اختیار کرے۔

8۔ ابتدائے عمل ثابت ماہ میں کرے۔ یعنی جب شمس برج ثابت میں ہو۔

9۔ اور خالی بند کمرہ میں عمل کرے۔

10۔ لباس پاکیزہ اور صاف مقرر کرے دورانِ پڑھائی فقط۔

11۔ سفر سے پرہیز کرے دورانِ عمل۔

12۔ کثرت گفتگو اور فضولیات سے گریز کرے۔

Scanned with CamScanner

## عمل نمبر 5۔

### تسخیر ہمزاد آبی

**یا بدیع ادرکنی بالھمزاد بحق بدوح**

سوالاکھ مکمل کریں۔آپ یہ تعداد 10 دن میں یا 20 دنوں یا پھر 40 دنوں میں پوری کر سکتے ہیں۔اس عمل کو آپ دریا کے کنارے یا بڑی نہر کے کنارے کریں وقت مقرر نہیں ہے فقط عروج ماہ قمری بروز سوموار شروع کریں پڑھائی کی تعداد کو پانچوں نمازوں کے بعد تقسیم کر کے پڑھ سکتے ہیں مگر جتنی پہلے دن پڑھائی کریں روزانہ اتنی ہی کریں کمی زیادتی نہ ہو۔دوران عمل نگاہ پانی میں رکھیں جہاں آپکا سایہ یا عکس ہو چلہ کشی کے تمام لوازمات کو پورا کریں پرہیز جلالی جمالی کم از کم تین دن قبل ہی شروع کر دیں۔

## عمل نمبر 6۔

### تسخیر ہمزاد بادی

**یا بُدوح ادرکنی بالھمزاد**

**بحق یا بدیع السمٰوت والارض**

1100 مرتبہ 41 دن۔ یا سوالاکھ مرتبہ کی تعداد 10 دن میں یا 20 دن میں یا پھر 40 دنوں میں پوری کریں دونوں طریقے تعداد کے صحیح ہیں۔درود شریف اوّل آخر 11+11 مرتبہ پڑھیں دوران عمل اگربتی سلگائیں۔یاد رہے یہ بہت طاقتور اور زبردست عمل ہے۔شرائط ولوازمات عمل ہمزاد کے بیان کردہ اختیار



کرے تاکہ کوئی عمل میں کمی کوتاہی باقی نہ رہے اور کسی قسم کا نقصان نہ ہو۔

## عمل نمبر 7۔

### مؤکل علوی نوری

اگر آپ بعد نماز عشاء باوضو قبلہ رُو اگربتی سلگا کر خوشبو لگا کر بخور لوبان روشن کریں جو ہر وقت سلگتا رہے۔

12 یوم تک خلوت اختیار کر کے روزانہ بلاناغہ (12000) بارہ ہزار مرتبہ مسلسل اوّل آخر درود شریف 100+100 مرتبہ کے ساتھ " **یا بدیع ادرکنی بحق بُدوح** " پڑھیں اور لوازمات چلہ کشی کو پورا کریں تو حاضری بالکل واضح ہوگی۔ انشاءاللہ !

## عمل نمبر 8۔

### تسخیر جنّات

آپ عروج ماہ قمری شب جمعہ ایک ہزار (1000) مرتبہ 21 یوم تک مکمل پرہیز جلالی جمالی اختیار کرتے ہوئے تمام شرائط چلہ کشی کو پورا کرتے ہوئے مندرجہ ذیل عزیمت پڑھیں اوّل آخر درود شریف 10+10 مرتبہ باوضو قبلہ رو انشاءاللہ۔بحکم اللہ جل شانہ شہنشاہِ جنات حاضر خدمت ہو۔

**یابدیع ادرکنی باالجنات بحق بُدوح**

Scanned with CamScanner

عمل نمبر 9۔

## یا بدیع ظاهر هو یا حاضر کر
## میری مدد کر بحق بُدوح
## میرا هر ایک کام کر
## یا بدیع اتنا کام بهی نه کرے تو تجهکو قسم
## قسم بسم اللّٰه کی۔ قسم اسم اللّٰه کی۔ قسم اللّٰه کی
## چاروں طرف کرو کام
## یا بدیع۔ یا بدیع۔ یا بدیع

وہ عامل حضرات جو منتروں میں زیادہ طاقت سمجھتے ہیں اور اللہ ربّ العزت جو کائنات کا مالک ہے اس کی ذات سے شرک کرتے ہیں غیر کو پکارتے ہیں اور کہتے ہیں ہمارے پاس بہت بڑی طاقت ہے۔ یہ انکا وہم ہے کیونکہ شیاطین کو پیدا کرنے والا زیادہ طاقتور ہے ایک طرف شیاطین (جنود الشیاطین) ہیں دوسری طرف اللہ کی فوج (حزب الرّحمان) ہے منتروں اور سفلی اعمال جن میں غیر اللہ سے مدد چاہی جائے انمیں سوائے شیاطین کے اور کوئی نہیں حاضر ہوتا۔ مگر اس عمل کی برکت سے جو حاضری ہوگی وہ ہزار حاضریوں سے بہتر اور زیادہ طاقتور ہوگی۔ اللہ کے حکم سے علاوہ ازیں اس عمل کی برکت سے آپ ہر کام میں مدد لے سکتے ہیں جس تعویز پر بھی آپ پڑھ کر دم کریں گے بحکم خدا کالے علم کے تعویزوں سے بھی زیادہ طاقتور اور جلد از جلد نتائج کا حامل ثابت ہوگا اور یہ عمل شرک سے بالکل پاک ہے لہٰذا ایمان بھی



سلامت رہا اور کام بھی سر انجام ہوا۔

طریقہ : تمام لوازمات چلہ کشی پورا کرتے ہوئے کامل پرہیز کے ساتھ اگر بتی سلگا کر منہ بجانب قبلہ شریف عمل شروع کریں جس کی مختلف تعدادیں ہیں اور مختلف ہی حاضریاں ہیں فقط جگہ کی تبدیلی اور تعداد کا فرق ہے جنکی تفصیل مندرجہ ذیل ہے۔

1۔ تاثیر عمل وطریقہ کار : شب جمعہ سے عمل شروع کریں روزانہ ایک سو (100) مرتبہ 21 یوم تک پڑھیں عمل میں تاثیر پیدا ہوگی جو عمومی کام دے گی تعویزات میں دم پھوکے میں اعمال "یا بدیع" کی عزیمتوں میں مثلاً: آپ نے شفاء کا نقش تحریر کرنا ہے تو آپ تحریر سے قبل 11 یا 7 مرتبہ اس عمل کو پڑھیں پھر نقش تحریر کریں پھر 7 مرتبہ عزیمت یا بدیع شفاء والی پڑھ کر دم کردیں پھر دیکھیں کرشمہ کہ دنوں کا کام منٹوں میں کیسے تاثیر دکھاتا ہے یہی ترتیب حب اور بغض کے اعمال میں ہے جبکہ ہمارا طریقہ بھی یہی ہے کہ عمل سے قبل حاضری کا سبق پڑھ کر حاضری کی جائے پھر حاضری کے زیر نگرانی کوئی بھی عمل تعویز کر کے متعلقہ دم کر کے سائل کی ضرورت پوری کردیں اس طریقہ میں کوئی شک وشبہ باقی نہیں رہتا کام یقینی ہوتا ہے اور جلد تاثیر ظاہر ہوتی ہے۔

2۔ اگر برلب آب جاری 501 مرتبہ اور درود شریف اوّل آخر 5+5 مرتبہ پڑھیں۔ وقت جگہ تعین کے ساتھ بعد نماز عشاء رات 10:30 بجے سے 12:30 بجے کے درمیان آہستہ آہستہ رفتار سے لفظوں پر غور کرتے ہوئے بالکل آرام آرام سے پڑھیں 21 یوم تک۔ انشاء اللہ ایک مسلمان پری حاضری ہوگی جو

Scanned with CamScanner

پریوں کی شہزادی ہے ملکہ کا درجہ رکھتی ہے۔ دوران چلہ کشی تمام لوازمات عمل اور پرہیز جات کا خاص خیال رکھیں۔

3۔ اگر قبرستان میں 41 یوم تک تمام لوازمات چلہ کشی اور کامل پرہیز کے ساتھ رات 10:30 سے لیکر 12:30 بجے تک کے درمیانی اوقات میں وقت جگہ کے تعین کے ساتھ ایک ہزار (1000) مرتبہ اوّل آخر درود شریف 10+10 مرتبہ بلاناغہ مسلسل لوبان کے بخور کے ساتھ آگ جلا کر نظر دوران عمل آگ میں رکھیں پڑھائی کریں تو شہنشاہ جنات حاضر خدمت ہو اور آپکی ہر ضرورت اور ہر عمل میں ساتھ دے۔

4۔ اگر اسی عزیمت سفلی کو 1100 مرتبہ درود شریف اوّل آخر 11+11 مرتبہ کے ساتھ 41 یوم تک کامل پرہیز کے ساتھ تمام لوازمات چلہ کشی کو پورا کرتے ہوئے پڑھائی کی جائے تو نورانی مؤکل حاضر ہوگا جو بہت ہی زیادہ طاقتور ہے۔ پس جسکی خدمت میں یہ مؤکل حاضر ہو وہ خدا کا شکر کثرت کے ساتھ کرتا رہے اور تسبیح پڑھتا رہے اس لیے کہ بہت جلیل القدر ہے۔ یہ عمل حجرہ میں کیا جائے تو بہتر ہے اور صحیح طریقہ کار یہی ہے کہ کامل گوشہ نشینی کے ساتھ عمل کیا جائے۔ اس عمل کی قوت کا اندازہ کرنا تحریروں سے یا باتوں میں بہت مشکل ہے حقیقت تو یہ ہے کہ جو کرے گا خود بخود خواص عمل ہذا اس پر کھل کر آجائیں گے اگر قسمت نے ساتھ دیا اور مؤکل بالکل واضح ہو کر آپکے سامنے آگیا تو علویات میں آپکا تصرف ہوگا اور سفلیات پر راج (حکومت) اور عملیات کی دنیا کا بادشاہ کہلائے گا بس اس سے زیادہ عاجز کچھ



نہیں بیان کرتا کیونکہ دیواروں کے بھی کان ہوتے ہیں اور ایسی باتیں نا اہلوں سے پوشیدہ رکھنی چاہییں ہم نے تو اس عمل کی طاقت کے سامنے ہمزاد اور چڑیل کے عامل بھی ہیچ پائے ہیں۔ کوئی دیوی، دیوتا کوئی جن، بھوت، پری اور ڈائن وغیرہ کے حامل عامل بھی ایسے عامل کے سامنے سرکشی نہ کرسکیں گے اللہ کے حکم سے! ہمت اور حوصلہ کی ضرورت ہے اور اجازت عمل شرط اوّل ہوتی ہے پھر نظر کامل اور صحیح پشت پناہی کامیابی کا ذریعہ ثابت ہوتیں ہیں۔

## عمل نمبر 10۔

### حاضری مؤکلات نوری سفلی

بالکل پچھلے عمل کی طرح اس کے بھی وہی خواص وفوائد ہیں صرف مؤکلات کی تبدیلی ہے عزیمت وہی ہے۔

**یا بدیع حاضر ہو یا حاضر کر**
**بحق بدوح میری مدد کر**
**اجب یا جبرائیلؑ یا دردائیلؑ یا سراکیتائیلؑ یا لومائیلؑ**
**سامعًا مطیعًا حاضرًا بحق بدیع جدھر بھیجوں ادھر جاؤ**
**اتنا کام بھی نہ کرو تو تم کو قسم بسم اللہ کی**
**قسم اسم اللہ کی**
**یا بدیع چاروں طرف کرو کام بحق**
**یا بُدوح یا بُدوح یا بُدوح**

Scanned with CamScanner

جیسا کہ عاجز بیان کر چکا ہے کہ تعداد خواص وفوائد وہی ہیں عزیمت سفلی والے ہی مگر فرق یہ ہے کہ یہ عزیمت " یا بدیع " سفلی باموکل ہے اسمیں پریوں کی حاضری نہیں ہوتی ہے طریقہ جات پڑھائی کے پچھلے عمل کیطرح ہی مختلف ہیں جس طرح کی تعداد اور ایام کی محنت ہوگی اسطرح کا ہی پھل ملے گا۔

1۔ برلب آب جاری 501 مرتبہ 41 یوم تک پڑھائی کریں حاضری یقینی ہے چلہ کشی کے تمام لوازمات وشرائط بجالائیں۔

2۔ قبرستان میں ایک ہزار (1000) مرتبہ بلاناغہ مسلسل 41 یوم تک پڑھائی کریں جنات اور قوی ہیکل عفاریت حاضر خدمت ہوں پرہیز کامل شرط ہے اور لوازمات عمل ضروری ہیں۔

3۔ کسی بھی ہجرہ یا مسجد میں وقت جگہ کے تعین کے ساتھ 1100 مرتبہ بلاناغہ مسلسل 41 یوم تک شرائط چلہ کشی کے ساتھ عمل کے لوازمات پورا کرتے ہوئے درود شریف اوّل آخر 11+11 مرتبہ کامل یکسوئی کے ساتھ بعد نماز عشاء پڑھیں۔ نورانی مؤکلات اربعہ کی حاضری ہوگی بحکم اللہ جل جلالہ۔

4۔ تاثیر عمومی اور زبردست حاضرات کیلئے اپ 101 مرتبہ اوّل آخر درود شریف 5+5 مرتبہ 21 دن پڑھیں مسلسل بلاناغہ وقت جگہ تعین قبلہ رُو باوضو اگر بتی سلگا کر۔

یاد رہے یہ عمل باموکل ہے اس کا کیا ہوا دم ہر تعویز میں زبردست نتائج کا حامل ہے اور یہ عمل پچھلے بیان کردہ عمل سے جلد تاثیر ظاہر کرتا ہے۔



**نوٹ :** ایسے تمام عملیات جو باموکل ہوں مصنف کتاب ہٰذا سے اجازت لینا ضروری ہیں اور صاحب بصیرت سے تعلق ضروری ہے۔ تاکہ نقصان کا اندیشہ باقی نہ رہ جائے اور عمل اپنی مکمل تاثیر صحیح معنٰی میں دکھاسکے۔

## عمل نمبر 11۔

### حاضری مؤکلات اربعہ

**اقسمت علیکم وعزمت علیکم**

**اجب یا جبرائیلؑ یا دردائیلؑ یا سراکیتائیلؑ یا لومائیلؑ**

**سامعًا مطیعًا حاضرًا بحق یا بدیع**

**طریقہ :** اس عمل کے مختلف طریقے ہیں جو ہم بالترتیب بیان کریں گے۔ ان میں سے ہر طریقے کا عمل شب جمعہ عروج ماہ قمری کو ہی کرنا ہوگا مگر تعداد میں فرق ہے عمل کے لحاظ سے لیکن شرائط عمل وہی ہیں جو کہ ایک چلہ کشی کے ہوتی ہیں لہٰذا تمام لوازمات عمل کو پورا کرنا ہوگا اور کامل پرہیز شرط ہے۔ دوران عمل بخور لوبان کا بہتر ہے ورنہ اعلیٰ درجہ کی اگر بتی جلائیں پڑھائی بعد نماز عشاء کریں باوضو قبلہ رو درود شریف اوّل آخر 11+11 مرتبہ پڑھیں۔ تعداد عمل مندرجہ ذیل ہے جو پسند آئے کرسکتے ہیں عزیمت کو بیان کرچکے ہیں۔

1۔ 1100 مرتبہ بلاناغہ مسلسل پڑھیں 41 یوم تک یا پھر ایک ہزار (1000) مرتبہ 41 یوم تک۔

2۔ 3125 مرتبہ 41 یوم تک پڑھائی کرتے ہوئے سوالاکھ کی تعداد پوری کریں بہتر اور افضل طریقہ ہے۔

3۔ 4000 مرتبہ 41 یوم تک پڑھنا اعلیٰ اور بہترین ہے اور بہت ہی زبردست نتائج کا حامل ہے۔

ان چند طریقوں میں سے ہر ایک میں حاضری ہے جیسا کہ عمل کی عزیمت سے ہی واضح ہے۔ اب ہم آپکو چند طریقے ایسے بتلاتے ہیں۔ جو بہت ہی زیادہ زبردست ہیں بس آپ اپنی ہمت کے مطابق جو چاہیں طریقہ اپنالیں اور پھر عمل کی طاقت کا اندازہ لگائیں۔

**طریقہ نمبر1۔** سورۃ یٰسین 7 مرتبہ وردمبین کے ساتھ ہر مبین پر 7 مرتبہ عزیمت ہذا کو پڑھیں۔ درود شریف اوّل آخر 7+7 مرتبہ۔ پہلے 7 دنوں ہی میں حاضری ظاہر ہو جاتی ہے مگر عمل 41 یوم کا ہے۔ احتیاط شرط ہے مؤکل قدسی عرشی حاضر ہوتے ہیں۔

**طریقہ نمبر2۔** سورۃ یٰسین سادہ (بدون مبین) 1 مرتبہ ہر مبین پر 41 مرتبہ عزیمت کو پڑھیں کل مدت عمل 41 یوم ہے درود شریف اوّل آخر 100+100 مرتبہ۔ بہت ہی طاقتور مؤکلات حاضر خدمت ہوتے ہیں۔ جو علویات اور سفلیات میں تصرف کی بے پناہ قوت کے حامل ہیں نہایت آسان اور زبردست عمل ہے۔ عمل ہٰذا کا عامل عملیات کا بادشاہ کہلائے اس سے آسان اور طاقتور عمل کا ملنا بہت مشکل ہے کم محنت زبردست روحانیت جتنی بھی تعریف کی جائے کم ہے۔



**طریقہ نمبر3۔** سورۃ یٰسین وردمبین کے ساتھ 3 مرتبہ ہر مبین پر عزیمت ہٰذا 100 مرتبہ اوّل آخر درود شریف 10+10 مرتبہ نماز والا کل مدت عمل ہٰذا 21 یوم ہے وقت جگہ مقرر باوضو قبلہ رو اگربتی سلگا کر عمل تسلسل سے کریں بلاناغہ۔

## عمل نمبر12۔

### حاضری مؤکلات اربعہ بادی

**اقسمت علیکم وعزمت علیکم**

**اجب یا جبرائیلؑ یا دردائیلؑ یا سراکیتائیلؑ یا لومائیلؑ**

**سامعًا مطیعًا حاضرًا بحق یا بدیع السمٰوٰت والارض**

**طریقہ :** اس عمل کے مختلف طریقے ہیں جو ہم بالترتیب بیان کریں گے۔ ان میں سے ہر طریقے کا عمل شب جمعہ عروج ماہ قمری کو ہی کرنا ہو گا مگر تعداد میں فرق ہے عمل کے لحاظ سے لیکن شرائط عمل وہی ہیں جو کہ ایک چلہ کشی کے ہوتی ہیں لہٰذا تمام لوازمات عمل کو پورا کرنا ہو گا اور کامل پرہیز شرط ہے۔ دوران عمل بخور رلوبان کا بہتر ہے ورنہ اعلیٰ درجہ کی اگربتی جلائیں پڑھائی بعد نماز عشاء کریں باوضو قبلہ رو درود شریف اوّل آخر 11+11 مرتبہ پڑھیں۔ تعداد عمل مندرجہ ذیل ہے جو پسند آئے کرسکتے ہیں عزیمت کو بیان کر چکے ہیں۔

1۔ 1100 مرتبہ بلاناغہ مسلسل پڑھیں 41 یوم تک یا پھر ایک ہزار (1000) مرتبہ 41 یوم تک۔

Scanned with CamScanner

2۔ 3125 مرتبہ 41 یوم تک پڑھائی کرتے ہوئے سوالاکھ کی تعداد پوری کریں بہتر اور افضل طریقہ ہے۔

3۔ 4000 مرتبہ 41 یوم تک پڑھنا اعلیٰ اور بہترین ہے اور بہت ہی زبردست نتائج کا حامل ہے۔

ان چند طریقوں میں سے ہر ایک میں حاضری ہے جیسا کہ عمل کی عزیمت سے ہی واضح ہے۔ اب ہم آپکو چند طریقے ایسے بتلاتے ہیں۔ جو بہت ہی زیادہ زبردست ہیں بس آپ اپنی ہمت کے مطابق جو چاہیں طریقہ اپنالیں اور پھر عمل کی طاقت کا اندازہ لگائیں۔

**طریقہ نمبر 1۔** سورۃ یٰسین 7 مرتبہ وردمبین کے ساتھ ہر مبین پر 7 مرتبہ عزیمت ہذا کو پڑھیں۔ درود شریف اوّل آخر 7+7 مرتبہ۔ پہلے 7 دنوں ہی میں حاضری ظاہر ہو جاتی ہے مگر عمل 41 یوم کا ہے۔ احتیاط شرط ہے مؤکل قدسی عرشی حاضر ہوتے ہیں۔

**طریقہ نمبر 2۔** سورۃ یٰسین سادہ (بدون مبین) 1 مرتبہ ہر مبین پر 41 مرتبہ عزیمت کو پڑھیں کل مدت عمل 41 یوم ہے درود شریف اوّل آخر 100+100 مرتبہ۔ بہت ہی طاقتور مؤکلات حاضر خدمت ہوتے ہیں۔ جو علویات اور سفلیات میں تصرف کی بے پناہ قوت کے حامل ہیں نہایت آسان اور زبردست عمل ہے۔ عمل ہذا کا عامل عملیات کا بادشاہ کہلائے اس سے آسان اور طاقتور عمل کا ملنا بہت مشکل ہے کم محنت زبردست روحانیت جتنی بھی تعریف کی جائے کم ہے۔



**طریقہ نمبر 3۔** سورۃ یٰسین وردمبین کے ساتھ 3 مرتبہ ہر مبین پر عزیمت ہذا 100 مرتبہ اوّل آخر درود شریف 10+10 مرتبہ نماز والا کل مدت عمل ہذا 21 یوم ہے وقت جگہ مقرر باوضو قبلہ رو اگربتی سلگا کر عمل تسلسل سے کریں بلاناغہ۔

## عمل نمبر 13۔

### حاضری مؤکلات خاص

**اقسمت علیکم وعزمت علیکم**
**اجب یا جبرائیلؑ یا دردائیلؑ یا سراکیتائیلؑ یا لومائیلؑ**
**سامعًا مطیعًا حاضرًا بحق بدیع۔ یا بدیع افعلوا**
**ماتؤمرون بکذا وکذا بحق یا بُدوح یا بُدوح یا بُدوح**

**طریقہ:** اس عمل کے مختلف طریقے ہیں جو ہم بالترتیب بیان کریں گے۔ ان میں سے ہر طریقے کا عمل شب جمعہ عروج ماہ قمری کو ہی کرنا ہوگا مگر تعداد میں فرق ہے عمل کے لحاظ سے لیکن شرائط عمل وہی ہیں جو کہ ایک چلہ کشی کے ہوتی ہیں لہٰذا تمام لوازمات عمل کو پورا کرنا ہوگا اور کامل پرہیز شرط ہے۔ دوران عمل بخور لوبان کا بہتر ہے ورنہ اعلیٰ درجہ کی اگربتی جلائیں پڑھائی بعد نماز عشاء کریں باوضو قبلہ رو درود شریف اوّل آخر 11+11 مرتبہ پڑھیں۔ تعداد عمل مندرجہ ذیل ہے جو پسند آئے کرسکتے ہیں عزیمت کو بیان کر چکے ہیں۔

1۔ 1100 مرتبہ بلاناغہ مسلسل پڑھیں 41 یوم تک یا پھر ایک ہزار

Scanned with CamScanner

(1000) مرتبہ 41 یوم تک۔

2۔ 3125 مرتبہ 41 یوم تک پڑھائی کرتے ہوئے سوا لاکھ کی تعداد پوری کریں بہتر اور افضل طریقہ ہے۔

3۔ 4000 مرتبہ 41 یوم تک پڑھنا اعلیٰ اور بہترین ہے اور بہت ہی زبردست نتائج کا حامل ہے۔

ان چند طریقوں میں سے ہر ایک میں حاضری ہے جیسا کہ عمل کی عزیمت سے ہی واضح ہے۔ اب ہم آپکو چند طریقے ایسے بتلاتے ہیں۔ جو بہت ہی زیادہ زبردست ہیں بس آپ اپنی ہمت کے مطابق جو چاہیں طریقہ اپنالیں اور پھر عمل کی طاقت کا اندازہ لگائیں۔

**طریقہ نمبر1۔** سورۃ یٰسین 7 مرتبہ ورد مبین کے ساتھ ہر مبین پر 7 مرتبہ عزیمت ہٰذا کو پڑھیں۔ درود شریف اوّل آخر 7+7 مرتبہ۔ پہلے 7 دنوں ہی میں حاضری ظاہر ہو جاتی ہے مگر عمل 41 یوم کا ہے۔ احتیاط شرط ہے مؤکل قدسی عرشی حاضر ہوتے ہیں۔

**طریقہ نمبر2۔** سورۃ یٰسین سادہ (بدون مبین) 1 مرتبہ ہر مبین پر 41 مرتبہ عزیمت کو پڑھیں کل مدت عمل 41 یوم ہے درود شریف اوّل آخر 100+100 مرتبہ۔ بہت ہی طاقتور مؤکلات حاضر خدمت ہوتے ہیں۔ جو علویات اور سفلیات میں تصرف کی بے پناہ قوت کے حامل ہیں نہایت آسان اور زبردست عمل ہے۔ عمل ہٰذا کا عامل عملیات کا بادشاہ کہلائے اس سے آسان اور طاقتور عمل کا ملنا بہت مشکل ہے کم محنت زبردست روحانیت جتنی بھی تعریف کی جائے کم ہے۔



**طریقہ نمبر3۔** سورۃ یٰسین ورد مبین کے ساتھ 3 مرتبہ ہر مبین پر عزیمت ہٰذا 100 مرتبہ اوّل آخر درود شریف 10+10 مرتبہ نماز والا کل مدت عمل ہٰذا 21 یوم ہے وقت جگہ مقرر باوضو قبلہ رو اگربتی سلگا کر عمل تسلسل سے کریں بلا ناغہ۔

## عمل نمبر14۔

## طریقہ عزیمت مؤکلات حاضرات اسم " یا بدیع "

اس کتاب میں درج جتنی بھی عزیمتیں "یا بدیع" کی ہیں۔ انکے اوّل میں مؤکل کو قسم دینے سے عزیمت با مؤکل ہو جائے گی جسکا مؤکل آپکے امور جات میں زبردست معاونت کریگا بعض جگہ ہم نے تفصیل تحریر بھی کی ہے مگر پھر بھی ہم مزید طریقہ جات سمجھا دیتے ہیں تاکہ کوئی دقت پیش نہ آئے۔

**طریقہ:** جو عزیمتیں مثبت کاموں کی ہیں انکے اوّل میں **جبرائیل** کو قسم دیں۔ جو عزیمتیں منفی کاموں کیلئے ہیں۔ انکو **عزرائیلؑ** کے ساتھ قسم دیں۔

مثلاً۔ (i) **اجب یا جبرائیلؑ بحق بدیع سامعًا مطیعًا حاضرًا بحق یا بدیع العجائیب باالخیر یا بدیع**

(ii) **اجب یا عزرائیلؑ بحق بدیع سامعًا مطیعًا حاضرًا بحق یا بدیع العجائیب باالقہر یا بدیع**

(iii) **اجب یا میکائیلؑ بحق بدیع سامعًا مطیعًا حاضرًا بحق یا بدیع العجائیب باالرزق یا بدیع**

Scanned with CamScanner

علاوہ ازیں **اقسمت علیکم وعزمت علیکم اجب یا**
**( مؤکل )** پھر عزیمت مندرجہ بالا طریقہ پر۔ یعنی صرف قسم اور عزیمت بڑھا سکتے
ہیں۔ اس سے مؤکل پابند (مجبور) ہو جاتا ہے اور لازماً کام کرتا ہے۔

**تعداد :** سوالاکھ طاق دنوں میں یا پھر (4000) چار ہزار مرتبہ 41 یوم
تک پڑھیں۔ طریقہ کار پڑھائی کا وہی ہے جو عموماً چلہ کشی میں اپنایا جاتا ہے یعنی
پڑھائی تسلسل کے ساتھ کریں تعداد مقرر ہونی چاہیے وقت اور جگہ کا تعین ہو اور تمام
لوازماتِ چلہ کشی پورا کرتے ہوئے پرہیز جلالی جمالی اختیار کیا جائے۔

انشاء اللہ بحکم اللہ جل جلالہ ضرور حاضری ہو ورنہ حاضری والوں سے زیادہ
عمل میں طاقت پاؤ گے یہ شرط ہے اور روحانیت کا تاثیراتی کرشمہ ہے بفضل اللہ
سبحانہ وتعالیٰ ہر کام زبردست طریقہ سے ہوگا۔

## عمل نمبر 15۔

## تسخیر مؤکلات رزق اور مال و دولت

یوں تو ہم اب تک آپکو کافی حد تک حاضریوں کے عمل تحریراً بتلا چکے ہیں مگر
یاد رہے کہ صرف مؤکلات کی حاضری کو ہی حاضری نہیں کہتے بلکہ کسی بھی معاملہ میں
کسی بھی چیز کو حاضر کرنا بھی حاضری ہے۔ دوسرے لفظوں میں یوں کہہ لیجیے کہ کسی بھی
وقت جس چیز کی ضرورت پیش آئے اس کا مہیا ہونا غیب سے عمل کی برکت سے یہ سب
سے بڑی حاضری ہے اور تسخیر خلائق فتوحات غیبی اور قضائے حاجات وغیرہ جیسی



قوتوں کا حاصل ہونا بہت بڑی نعمت ہے۔ یہاں پر جو عمل تحریر کر رہا ہوں قلم خواص تحریر
کرنے سے قاصر ہے مگر تسلی کیلئے ہم چند خواص تحریر کر رہے ہیں۔

(i) ضرورت پیش آنے سے قبل حاجت روائی۔
(ii) روحانیت میں دن دوگنی رات چوگنی اضافہ۔
(iii) عملیات میں زبردست تاثیر یہ کہ جو ایک مرتبہ روحانیت خرچ ہوگی تو اس کی
جگہ فوراً کمی بھی پوری ہوگی اور نئی روحانیت کا انتظام بھی ہوگا ہر وقت نئی روحانیت نیا
رزق نیا اثر نئی فتوح و رجوع اور تسخیر نئی مال و دولت غرض کہ ہر نئی نئی چاہتوں کا پورا
ہونا ہر چیز دوبارہ حاصل کرنا اور اضافہ کرنا وغیرہ وغیرہ شامل ہے۔

عاجز یہ بات تحریر کرتے ہوئے محسوس کر رہا ہے کہ تحریر کرنا چاہتا ہوں بوجہ
الفاظ نہ ہونے کہ صحیح طریقے سے بیان نہیں کر پا رہا ہوں اس لئے اسی پر **اکتفاء**
کرتے ہوئے عمل بیان کرتا ہوں قدر کرنا بہت کچھ حاصل ہوگا زندگی ایک نیا رُخ پکڑ
لے گی تقدیر بھی نئی تحریر ہو جائے گی تمہاری چاہت کے موافق .............۔

بوقت تہجد یا بعد نماز فجر باوضو قبلہ رُو 41 یوم تک مسلسل بلاناغہ تعوذ و
تسمیہ کے بعد 11 مرتبہ درود **تنجینا** پھر 1100 مرتبہ یا بدیع پھر ہر مرتبہ
بسم اللہ کے ساتھ 11 مرتبہ سورۃ طٰہٰ پھر 11 مرتبہ درود **تنجینا** پڑھیں۔
کوئی پرہیز نہیں سوائے شرعی حدود کے یعنی جلالی و جمالی پرہیز کی ضرورت
نہیں ہے اگر ہمت کر کے 4 ماہ تک عمل کو کرلیں تو لوح محفوظ میں فیصلے تبدیل کروانے
کی طاقت حاصل ہو۔ جو مقدر میں نہیں وہ بھی حاصل ہو۔ باالفاظ محاورہ مقدر کا اسکندر

Scanned with CamScanner

کھلائے دنیا کا غم وفکر تک ختم کر دے جتنی بھی عمل ہذا کی تعریف کی جائے کم ہے پس عاجز اسی پر ہی **اکتفاء** کرتے ہوئے اپنی اس کتاب کا اختتام کرتا ہے اور اللہ سے دعا ہے کہ میری کتب کا فیض روحانی ہر جنات وانسان تک پہنچ جائے اور ہر عامل مستفید ہو اور اس عاجز وکمزور انسان کیلئے یہ کتاب فلاح دارین اور صدقہ جاریہ اور اجر عظیم کا باعث بنے۔ آمین آمین۔

اللّهم آمين اللّهم يا ربّنا تقبل منّا انك انت السميع العليم۔ بحق قوله تعالىٰ ادعوني استجب لكم يا مجيب يا مجيب يا مجيب برحمتك يا ارحم الراحمين وصلى الله على محمد وآلِ محمد كما باركت وسلمت علىٰ ابراهيم وآل ابراهيم برحمتك يا ارحم الراحمين يا ارحم الراحمين يا ارحم الراحمين۔ اغثني اغثني يا غياث المستغثين بحق يا حي يا قيوم۔ و اقضى كل حاجاتٍ ياقاضى الحاجات۔ بحق لا اله الا الله محمد رسول الله۔

**دعا گو:**

علی شاہ حیدری الروحانی البرق



# ادارہ شمس الرّوحانیات

## ادارہ شمس الرّوحانیات کی تیار شدہ لوحیں اور تعویزات

### لوح فتح نامہ

تحفظِ بندش و جادو ٹونہ اور حصولِ فتوحاتِ غیبی وکشائش کارہا میں زبردست نتائج کی حامل ہے۔

ہدیہ فقط -/550 روپے

### تعویز فتح نامہ کلاں

علامہ علی شاہ حیدری الروحانی البرق کے ہاتھ سے تحریر شدہ زعفران خالص اور مشک (کستوری) کی خوشبو کے ساتھ خاص وقت میں بخورات کا استعمال کر کے تیار شدہ جو زندگی بدل ڈالے جس کا ہر وقت ساتھ رکھنا ہزاروں فائدوں کا باعث ہے

ہدیہ فقط -/1100 روپے

سادہ خوشبودار سیاہی سے تیار کردہ فتح نامہ عام دم شدہ

ہدیہ فقط -/550 روپے

### لوح تحفظ

جادو جنات کے شر سے تحفظ کے ساتھ ساتھ ہر دشمن حاسد کے شر اور نظر بد

سے محفوظ رکھتی ہے اور عملیات کی رجعت سے بھی تحفظ کا باعث ہے۔ دم شدہ باموکل عمل اور خاص وقت میں تیار شدہ بخورات کے ساتھ۔

ہدیہ فقط 550/- روپے

## نقش تحفظ کلاں

مندرجہ بالا جملہ فوائد کا حامل نقش زعفران خالص سے تحریر کردہ اصلی خالص مشک (کستوری) کی خوشبو دم شدہ علامہ علی شاہ حیدری الرحمانی البرج کے ہاتھ سے تحریر شدہ خاص وقت میں بخورات کا استعمال کر کے۔

ہدیہ فقط 1100/- روپے

چار عدد یا چار سے زائد منگوانے پر ہدیہ فی نقش 770/- روپے

سادہ خوشبودار سیاہی سے تیار شدہ نقش تحفظ مندرجہ مذکورہ تمام خوبیوں کے ساتھ دم شدہ ہدیہ 250/- روپے

## دم شدہ نگینہ

بے شمار خوبیوں کا حامل ستاروں کی نحوسات سے تحفظ کا باعث آپ کی زندگی کا رخ خاص قسم کے سکون اور عروج کی طرف موڑ دینے والا نگینہ اصلی اور خالص پتھر بخورات کے ساتھ دم شدہ خاص وقت میں۔

ہدیہ انگوٹھی سائز 150/- روپے

ہدیہ لاکٹ سائز 200/- روپے



## انگشتری خاص

لاکھوں خوبیوں کی حامل جتنی بھی تعریف کی جائے کم ہے جو بھی پہنے خواص اور فوائد رفتہ رفتہ خود بخود اس پر ظاہر ہوتے چلے جائیں ہر شخص کے نام بمعہ والدہ کے مطابق تیار کی جانے والی جادو اثر انگشتری دم شدہ بخورات متعلقہ ستارہ کے عین مطابق تیار شدہ۔ ہدیہ 550/- روپے

## جادو شکن کورس

تعویزات اور دھونیوں پر مشتمل ایک انتہائی طاقتور اور بااثر مکمل کورس ادارہ شمس الروحانیات نے علامہ علی شاہ حیدری الرحمانی البرج کی زیرِ نگرانی تیار کیا ہے جن پر علامہ صاحب اپنے معمولات میں سے دم کر کے تیار کرتے ہیں بیسیوں لوگوں کو مفید ثابت ہو چکا ہے۔ جس کا فائدہ یقینی ہے ایک بار ضرور آزمائیں اور فائدہ اٹھائیں۔

ہدیہ فی کورس 2500/- روپے

## نقش اسم اعظم شمسی

رحمتِ خداوندی حصولِ فضل و کرم اور برکات الٰہی ایک عجیب تاثیر کا حامل زعفران خالص سے تحریر کردہ اصلی اور خالص مشک (کستوری) کی خوشبو اور بخورات سلگا کر خاص وقت میں تیار شدہ معمولاتی دم شدہ خاص بمعہ طریقہ و ترتیب کے ساتھ۔

ہدیہ 550/- روپے

Scanned with CamScanner

# نقش آیۃ الکریمہ

شاید ہی کوئی مسلمان ایسا ہو جو **آیۃ الکریمہ** کے فوائد اور فضائل نہ جانتا ہو۔ یہ نقش وہ تمام خواص اور فوائد کا حامل ہے جو **آیۃ الکریمہ** کے لیے چوڑے عمل کرنے کے بعد حاصل ہوتے ہیں بے شمار خوبیوں کا حامل یہ تعویز زعفران اور کستوری کی خوشبو سے تحریر شدہ دم کر کے متعلقہ بخورات سلگا کر تیار کیا گیا ہے ترتیب خاص کے ساتھ طریقہ حل مقصد کے ساتھ ارسال کیا جاتا ہے۔ جو آسمانی آفات و بلیات ونحوسات کو دفع کرنے اور پریشانیوں و مصیبتوں سے نجات اور جادو ٹونہ آسیب وغیرہ سے تحفظ کا باعث ہے۔

ہدیہ 550/- روپے

## نقش نادِ علی کرم اللہ وجہہ

تحفظِ سفلی جادو و نظر بد اور مصائب والم سے نجات کا حامل بے شمار خوبیوں کے ساتھ ایک زبردست پرتاثیر نتائج والا یہ نقش اپنے اندر اتنی ہی تاثیر رکھتا ہے جتنی ایک عام شخص 21 روزہ عمل سے تاثیر حاصل کرتا ہے۔ خاص ترتیب و ترکیب سے تیار شدہ عین سعد وقت میں بخورات سلگا کر زعفران و کستوری کی خوشبو کے ساتھ دم شدہ متعلقہ عمل با موکل۔

ہدیہ عددی تعویز 550/- روپے

ہدیہ تعویز ملفوظی 1100/- روپے

## تعویزاتِ سحر بندی

آجکل کے اس شر و حسد کے دور میں ہر شخص کو چاہیے کہ ان تعویزات کو کم از



کم زندگی میں ایک بار لازمی استعمال کرے کیونکہ جادو ٹونہ عام ہے اور اس نحوست سے تحفظ اگر بروقت نہ کیا جائے تو بہت سی مشکلات اور مصائب کا سامنا کرنا پڑتا ہے یہ تعویزات نام بمعہ والدہ و نانی کے مطابق تیار کیے جاتے ہیں۔ متعلقہ ستاروں کے بخورات سلگا کر خاص وقت میں خاص ترتیب کے ساتھ۔

آج ہی منگوائیں اور تحفظ پا کر بے فکر زندگی گزاریں۔

ہدیہ تعویزات 1100/- روپے

## نقش کثرتِ ماہواری

جن عورتوں کو خون حیض کثرت کے ساتھ آتا ہے اور طرح طرح کے علاجات کے باوجود صحیح اور مکمل کنٹرول نہیں ہوتا وہ آج ہی ادارہ شمس الروحانیت سے نقش منگوائیں۔ اور اس موذی بیماری سے نجات پائیں۔

ہدیہ 250/- روپے

اگر شکایت مرض پرانی ہو اور بہت زیادہ ہو تو دعا کے ساتھ ساتھ دوا ضروری ہے اس لیے واضح تحریر کرتے ہوئے ساتھ دوائی بھی منگوائیں۔

قیمت دوائی فی کورس 500/- روپے

## نقش تحفظِ حمل

جن عورتوں کا حمل ضائع ہو جاتا ہے وہ اس سے لازمی فائدہ اٹھائیں اور اپنی صحت و نسل کی حفاظت کریں۔

ہدیہ 250/- روپے

Scanned with CamScanner

## تعویز اٹھراہ

وہ عورتیں جن کو امراض اٹھراہ کی شکایت ہے یا صرف بیٹیاں ہی بیٹیاں ہی پیدا ہوتی ہوں یا بچے ہو کر مر جاتے ہوں یا بچوں میں پیدائشی امراض و اپاہج پن کی شکایت ہو اُن کیلئے یہ تعویز ایک انمول تحفہ ہے۔ ہدیہ -/550 روپے

ہدیہ مشک و زعفران -/1100 روپے

## نقش اکسیر طفلاں

چھوٹے بچوں کی ہر قسم کی بیماری روحانی و جسمانی اور نظر بد سے حفاظت کرتا ہے۔ چاہیے کہ پیدائش سے قبل ہی نقش منگوا کر رکھیں۔ یہ نقش ہر مرتبہ ہر بچے کے کام آتا ہے بشرطیکہ خراب نہ ہونے پائے۔ ہدیہ -/250 روپے

## نقش سبعہ سیارگان

تمام ستاروں اور بروج کی نحوسات کو دفع کرنے اور ذاتی ستارے کی رجعت سے تحفظ دیتا ہے ہر عامل کے پاس یہ نقش ہونا ضروری ہے اور جن احباب کے ستارے گردش میں ہوں وہ ضرور اس نقش سے فائدہ اٹھائیں زعفران اور کستوری کی خوشبو اور متعلقہ تمام ستاروں کے بخورات سلگا کر تیار شدہ دم با موکل کے ساتھ اور طریقہ کار کے ساتھ ارسال کیا جاتا ہے............ ہدیہ -/1100 روپے



## لوحِ مشتری

کشائش رزق اور ترقی کاروبار اور حصولِ معاش میں درجہ اکسیر تک مفید ایک پُر تاثیر اور زبردست نتائج کی حامل لوح جس سے بیسیوں افراد فیضِ روحانیت حاصل کر چکے ہیں اور ترقی کی منازل طے کر رہے ہیں۔ دس ہزار اور بیس ہزار روپے والی لوح فقط ادارہ کی طرف سے -/5000 روپے میں حاصل کریں۔ خالص چاندی اور متعلقہ دھات سے تیار شدہ۔

## نقش مشتری

بندہ ناچیز کی طرف سے مجبور اور غریب حضرات کیلئے خاص طور پر بوجہ ہمدردی و رحم دلی شرف اور اوج جیسے طاقتور وقت میں کافی تعداد میں تعویزات و نقوش مشتری پرنٹ کروائے گئے تھے نہایت مناسب ہدیہ -/550 روپے فی تعویز

یاد رہے یہ پرنٹ شدہ تعویزات تمام لوازمات اور اصول و ضوابط کو مدِ نظر رکھ کر متعلقہ بخورات و عمل مشتری دم کر کے تیار کیے گئے ہیں۔ اور یہ تاثیر میں ایک منہ بولتی مثال ہیں تجربہ پر کثیر تعداد میں دوست احباب فائدہ حاصل کر چکے ہیں۔

علامہ علی شاہ حیدری (الرحمانی الرح) کے دستِ مبارک سے تحریر کردہ زعفران اور مشک (کستوری) کی خوشبو والے تعویزات مشتری کا ہدیہ فقط -/2500 روپے

بالکل اسی طرح تمام قوانین عملیات کو مدِ نظر رکھ کر متعلقہ بخورات سلگا کر عملِ مشتری دم کر کے ہاتھ سے تحریر شدہ متعلقہ رنگ کے بہترین پیپر پر متعلقہ رنگ کی تحریر والے نقش مشتری کا ہدیہ /1100 روپے

Scanned with CamScanner

## نقش ذاتی ستارہ و برج

اپنے ذاتی ستارہ اور برج کی ہر قسم کی نحوسات اور آسمانی مصائب و بلائیوں سے تحفظ کیلئے اور مخالف ستارہ و برج والوں پر فتح حاصل کرنے اور انکے شر سے تحفظ کیلئے خاص طور پر ایک طاقتور طلسم تیار کیا جاتا ہے جو زبردست تاثیر کا حامل نقش ہے جس میں تسخیر سیارگان کی آیت بھی تحریر کر کے دم کی جاتی ہے اور متعلقہ ستارے کے مؤکلات کی عزیمت با مؤکل پڑھ کر ڈیوٹی لگائی جاتی ہے اور سردار مؤکل کی خدمت میں سلام پیش کیا جاتا ہے۔ تاکہ کسی بھی قسم کی کوئی کمی باقی نہ رہے۔ زعفران و کستوری کی خوشبو والا یہ تعویز ہر فرد کو اپنے پاس لازمی رکھنا چاہیے۔ ہدیہ بالکل مناسب ہے۔ آج ہی منگوائیں اور فائدہ اٹھائیں۔ ہدیہ -/1100 روپے

## تعویز قرآن

تمام قرآن مجید کے اعداد کا تعویز تیار کیا جاتا ہے شرف جیسے سعد ترین وقت میں جو جملہ خواص و فوائد اپنے اندر رکھتا ہے نام ہی کافی ہے۔

تحریر زعفرانی کستوری (مشک) کی خوشبو کے ساتھ ہدیہ -/1100 روپے

تحریر سادہ روشنائی میں ہدیہ -/550 روپے

## نقش آیت الکرسی کلاں

شاید ہی کوئی مسلمان آیت الکرسی کے فوائد اور خواص سے واقف کار نہ ہو



بلکہ ہر کوئی جانتا ہے کہ سب سے زیادہ طاقتور آیت حفاظت آیت الکرسی ہی ہے جو سوائے موت کے ہر بلا، بیماری، نحوست، سحر، آسیب، ہوائی اور نظر بد، شیطانی و سفلی جادو ٹونہ سے محفوظ رکھتی ہے۔ یہ نقش خاص وقت میں نوری مؤکلات آیت الکرسی کا عمل خاص دم کر کے نقش دکان و مکان کی حفاظت کیلئے تیار کیا جاتا ہے۔ متعلقہ بخورات سلگا کر عامل آیت الکرسی کے ہاتھوں آج کل کے حسد اور فتنہ کے دور میں یہ نقش ہر مکان و دکان میں لگانا انتہائی ضروری ہے۔ اس نقش کے طاقتور اثرات اور مضبوط روحانیت سے آج ہی منگوا کر فائدہ اُٹھائیں۔

خوبصورت رنگین پرنٹ شدہ نقش -/250 روپے

سادہ ہاتھ کی تحریر والا نقش -/550 روپے

زعفرانی تحریر والا نقش -/1100 روپے

## تعویزاتِ بندش خاص

ہر قسم کی طاقتور ترین بندش کروانے کیلئے بڑی سطح پر چند خاص تعویزات تیار کیے جاتے ہیں۔ تاکہ متعلقہ کام سرانجام ہو۔ ہدیہ -/1100 روپے

## نقش بندش

عام بندش مثلاً زبان بندی وغیرہ چھوٹی سطح پر بندش کرنے کیلئے باا ثر تعویز اور نقش مقصد کے ساتھ تحریر کیا جاتا ہے۔ ہدیہ -/550 روپے

Scanned with CamScanner

## تعویزات نفرت وجدائی

ہر قسم کی علیحدگی کیلئے خاص وقت میں عداوت و دشمنی کا مضبوط عمل تیار کیا جاتا ہے تا کہ صحیح تاثیر سے مقصد حاصل ہو۔ ہدیہ -/2100 روپے

## تعویزات عشق ومحبت

کہا جاتا ہے کہ ایک با اثر عمل حب کسی اکسیر سے کم نہیں ہم خاص الخاص وقت میں متعلقہ بخورات میں جنات کے بخور شامل کر کے پڑھائی با مؤکل کر کے عمل محبت وتسخیر تیار کرتے ہیں جسکا رزلٹ کم از کم ایک مرتبہ یہ لازمی ظاہر کرتا ہے کہ معشوق ومطلوب پر اثرات ہوئے ہیں۔

ہدیہ -/5,000 روپے

## نقش زوال دشمن

ایک ایسا تعویز جو ہر طرح کے دشمن کو ایک مرتبہ لازمی زیر کرتا ہے اور دشمن ذلیل وخوار ہو کر رہ جاتا ہے۔ ہدیہ -/2100 روپے

## عمل پُتلا (گڈے کا وار)

طاقتور دشمن کو کمزور اور لاچار کرنے اور صحت کو خراب کر کے مختلف بیماریوں میں مبتلا کرنے میں ایک زبردست تاثیر والا مضبوط عمل تیار کیا جاتا ہے جو دشمن کو مدت معینہ کے مطابق رفتہ رفتہ انجام تک پہنچا دیتا ہے۔ ہدیہ فی پتلا -/5550 روپے



## عمل نحوست

دشمن کی زندگی کو اجیرن بنانے اور جائیداد وکاروبار کو تباہ وبرباد کرنے کیلئے منحوس ترین عمل کیا جاتا ہے۔ ہدیہ -/5550 روپے

## تعویز امراض دشمن

یہ وہ تعویز ہے جو دشمن کو کسی لاعلاج بیماری میں مبتلا کرنے کیلئے پتلے کے پیٹ میں رکھا جاتا ہے اگر اسے پتلے کے علاوہ استعمال کیا جائے تو بھی اپنے اثرات لازمی دکھاتا ہے۔ ہدیہ -/2500 روپے

## نقش تسخیر خلائق ﴿ترقی و عروج﴾

اس نقش کے نام سے ہی واضح ہے زیادہ بیان کرنے کی ضرورت نہیں یہ نقش بے شمار خوبیوں کا حامل ہے جو شخص بھی استعمال میں لاوے گا دن بدن شہرت وترقی کیطرف بڑھتا چلا جائے گا علاوہ ازیں بہت ساری مشکلات سے بھی نجات پائے گا۔

ہدیہ -/2100 روپے

## نقش امن وسلامتی

آسمانی بلیات اور آفات سے تحفظ کیلئے اور ہر قسم کے حوادثات سے بچنے کے لیے اور نظر بد وموذی اثرات سے نجات کیلئے۔ ہر قسم کی نحوسات اور شر سے بچاؤں

Scanned with CamScanner

کیلئے خاص وقت میں تحریر کردہ نقش امن وسلامتی جان تیار کیا جاتا ہے آج کے دور میں یہ نقش ہر شخص کے پاس ضروری ہونا چاہیے۔

ہدیہ سادہ تحریر -/550 روپے

ہدیہ (مشک) زعفران -/1100 روپے

## نقش دفع بھوک وافلاس

قرآنی سورۃ واقعہ کا نقش اور آیات قرآنی سے مجرب المجرب کئی غریب اور مفلس حضرات فائدہ حاصل کر چکے ہیں قبلہ مرشد علی شاہ حیدریؒ الروحانی البرہ کے ہاتھ مبارک سے تحریر اور دم شدہ خالص طور پر اُمت مسلمہ کیلئے تیار کیا جاتا ہے یہ واضح رہے کہ مرشد پاک قبلہ علی شاہ حیدریؒ الروحانی البرہ مدظلکم العالی بذات خود سورۃ واقعہ کے بھی عامل ہیں باموکل طریقہ سے۔ اس سے زیادہ بیان کرنے کی ضرورت نہیں ہے۔ اپنے لیے اور اپنی اولادوں کیلئے ضرور تیار کروائیں تا کہ خوشحالی پیدا ہو اور مسلمان کم سے کم محنت میں زیادہ سے زیادہ روزی حاصل کر سکیں۔

تحریر سادہ روشنائی -/550 روپے

تحریر زعفرانی (مشک) ہدیہ -/1100 روپے

## نقش شفائے امراض

آج کل جس طرح کئی امراض طرح طرح کی بڑھتی جا رہی ہیں انکا علاج قرآنی آیات شفاء اور اسم یا شافی جیسے طاقتور کلام سے کیا جاتا ہے۔ تا کہ انسان امراض جسمانی سے بچا رہے۔ جہاں انسان ہزاروں روپے اپنی صحت کیلئے خرچ کرتا



ہے چاہیے کہ روحانی طریقہ علاج بھی کرے جو دعا کی حیثیت رکھتا ہے یعنی دوا کے ساتھ ساتھ دعا بھی لازمی ہونا چاہیے۔ بہتر ہے کہ نقش شفائے امراض منگوانے والے احباب اپنی مرض واضح تحریر کریں تا کہ عمل شفاء کے ذریعے روک تھام کی جا سکے۔ تا کہ جلد مریض صحت یاب ہو سکے۔

ہدیہ سادہ تحریر -/250 روپے

ہدیہ فی کورس (شفاء) -/550 روپے

ہدیہ زعفرانی مشک -/1100 روپے

انشاء اللہ عنقریب " آئینہ شفاء " تحریر کی جا رہی ہے اللہ کے حکم سے جسکا ہر گھر میں موجود ہونا لازمی ہے جسمیں تمام امراض کا علاج شافی مجرب المجرب تحریر ہے۔

نوٹ: واضح رہے کہ کسی بھی قسم کا کوئی تعویز ونقش اور کسی بھی قسم کی کوئی بھی لوح منگوانے کے لیے آپ منی آرڈر کے ساتھ ساتھ بذریعہ رجسٹری یا کسی بھی کوریئر سروس سے جوابی لفافہ ضرور ارسال کریں۔ اور اپنا ایڈریس واضح اور صاف تحریر کریں لوح یا تعویز ونقش کا نام بھی واضح اور صاف تحریر کریں۔

منجانب:۔ ادارہ شمس الروحانیات ﴿شعبہ تعویزات﴾

148/A بورے والا۔

پوسٹ کوڈ: 61010

Scanned with CamScanner

# مختصر تعارف

## ادارہ شمس الرّوحانیات

### نام ادارہ۔

ادارہ کا نام " شمس الروحانیت " رکھا گیا تاکہ سورج کی طرح روحانیت کی روشنی ہر شخص تک پہنچے اور ہر شخص فیض حاصل کرے۔

### وجہ قیام۔

عاجز فی زمانہ بعد از تحقیق اس نتیجہ پر پہنچا کہ پاکستان میں قائم چند ادارے ہیں مگر وہ عملیات کو صرف کتب کی حد تک کا کام سر انجام دے رہے ہیں مگر مکمل رہنمائی اعمال میں با تاثیر و با فیض نہیں کرتے بلکہ جب کوئی رہنمائی کسی عمل میں چاہتا ہے تو اجازت کے نام پر رقم تو وصول کر لی جاتی ہے مگر عمل میں کامیاب نہیں کرواتے اور نہ ہی فیض پہنچانے میں صحیح طریقہ سے ذمہ داری نبھاتے ہیں۔

اسی طرح مارکیٹ میں عملیات سے کتب بھری پڑی ہیں لوگ بیچارے خرید لیتے ہیں مگر انکو نہ تو یہ معلوم ہوتا ہے کہ کون سا تعویز قانوناً و اصولاً صحیح ہے اور کس طرح استعمال کرنے پر تاثیر کے قریب تر پہنچ کر فیض یاب ہو سکتے ہیں۔ بلکہ اکثر کتب کی اجازت ہی نہیں تحریر کی جاتی۔

ایک وجہ یہ بھی ہے کہ عامل ہر مقصد کیلئے مختلف جلالی و جمالی عملیات کرتا رہتا



ہے اور آدھا حصہ زندگی کا تجربہ کرتے ہوئے گزار دیتا ہے اتنی زیادہ مشقت کے بعد تو کنویں کے مینڈک کی طرح ایک عمل سے دو چند کام کے علاوہ وہ دیگر کام نہیں کر پاتا اور پھر وہ باقی مسائل کے حل کی خاطر جب نئے عمل کرتا ہے تو بعض عمل پہلے عمل سے بوجہ تضاد تاثیر میں کمی کا سبب بنتے ہیں اور محنت ضائع ہو جاتی ہے۔

اس طرح کی کئی شکایات کو مدِّ نظر رکھتے ہوئے اور عاجز کے مریدین و شاگرد حضرات کی پُر زور اپیل پر ایک ادارہ کو قائم کرنے کا فیصلہ کیا گیا۔

اگرچہ ادارہ ابتدائی دور سے گزر رہا ہے اور ایسے ادارے کیلئے ایک کھلی جگہ کی ضرورت ہے۔ اور وہاں وظائف و عملیات اور ریاضت کروانے کا مکمل انتظام ہو۔ علاوہ ازیں روحانیت کے تمام سلسلوں کا فیض پہنچانے کیلئے ایک خانقاہ ہو اور جہاں آنے جانے کی سہولت ہو کسی قسم کی کوئی مشکل نہ پیش آئے تمام نقاط پر غور کرتے ہوئے عاجز نے عارضی طور پر فی الحال اپنے گھر کا ایک حصہ مختص کر رکھا ہے اور عاجز ایک خانقاہ قائم کرنے کا ارادہ رکھتا ہے جس میں عملیات اور وظائف کروائے جائیں چلہ کشی کا پورا انتظام ہو اور سلوک و روحانیت کی منازل طے کروائی جائیں تاکہ مسلمان صحیح طریقہ سے قرآنی طاقتوں سے فیض یاب ہو سکیں۔ آپ حضرات سے التماس ہے کہ اپنی دعاؤں میں ضرور بندہ ناچیز اس عاجز کو یاد رکھیں۔ تاکہ اُمت مسلمہ کو صحیح رہنمائی اور طالب روحانیت کو مکمل اور صحیح فیض حاصل ہو۔

طالب دعا : عاجز بندہ ناچیز **علی شاہ حیدری** الروحانی البرۃ

Scanned with CamScanner

## مختصر ایڈریس

خط وکتابت کیلئے اتنا ایڈریس کافی ہے۔

ادارہ شمس الرّوحانیات 148 اے بلاک بورے والا

پوسٹ کوڈ : 61010

## تفصیلی ایڈریس

تاکہ جو احباب ملاقات کیلئے تشریف لائیں ان کو سہولت رہے۔

برائے مہربانی آنے سے قبل پہلے فون پر وقت ضرور طے کرلیں تاکہ ملاقات لازمی ہو اس لیے کہ بوجہ مصروفیت عاجز نے شاگرد حضرات و مریدین کے پاس رہنمائی کیلئے یا دیگر ذاتی امور کیلئے آنا جانا ہوتا ہے۔

ادارہ شمس الرّوحانیات

مکان نمبر 148 اے بلاک عربیہ اسلامیہ روڈ تحصیل بورے والا

ضلع وہاڑی (پنجاب) پاکستان

ذاتی فون نمبر: 0333-6292203

فون نمبر ادارہ : 0300-6997148



# پیغام

بندہ ناچیز نے اپنی زندگی کا بیشتر حصہ حصولِ دین اور روحانیت کی تلاش میں خرچ کیا ہے۔ جس پر عاجز نے کراچی سے لے کر لاہور تک اور لاہور سے لے کر پشاور تک غرض کہ جہاں بھی معلوم ہوا کہ فلاں جگہ پر فیض روحانی موجود ہے فوراً اُس جگہ سفر کیا مگر کئی مزاروں اور درباروں پر حاضری دینے پر یہ بات واضح ہوگئی کہ چند درباروں پر اللہ کی رحمت اور صاحب قبر روحانیت سے سرشار ہیں لیکن اکثر مزار اور دربار روحانیت سے خالی پائے اور جن درباروں یا مزاروں پر روحانیت محسوس کی وہاں پر موجود گدی نشین و متولی حضرات کو روحانی فیض سے خالی پایا۔

بندہ اس چیز کا منکر نہیں کہ روحانی سلسلوں میں فیضِ روحانیت نہیں ہے۔ بلکہ ہر سلسلے میں بڑی بڑی بزرگ ہستیاں پیدا ہوئیں ہیں۔ بندہ ناچیز احتراماً وعقیدتاً **اللہ** سبحانہ وتعالٰی کے نیک بزرگوں کی خاک کو بھی سلام کرتا ہے جس خاک سے اللہ رب العزت نے اپنے نیک بزرگوں اور اولیاء کرام کے جسم مبارک بنائے جبکہ وہ خاک جسم بنانے سے پہلے کچھ نہ تھی۔ عاجز نے تو خود سب سے پہلے سلسلہ نقشبندیہ سے فیض حاصل کیا پھر مزید روحانیت کی تلاش میں سلسلہ اویسیہ کاظمیہ سے فیض حاصل کیا پھر مختلف معروف وغیر معروف ہستیوں سے وقتاً فوقتاً فیض حاصل کرتا رہا یہاں تک کہ چھ بڑے سلسلوں (قادریہ، قلندریہ، اویسیہ ،نقشبندیہ، چشتیہ، سہروردیہ) کے مکمل اسباق واذکار کے ساتھ ساتھ ہر سلسلے کے اعمال بھی پورے کئے مگر غور کرنے پر ایک حقیقت یہ بھی سامنے آئی کہ آج کل سلسلوں میں موجود اکثر مرشد حضرات روحانیت

Scanned with CamScanner

کی اصل روح سے خالی ہیں بلکہ ان میں حب جاہ وحشمت دیکھنے میں آئی ہے اگر بالفرض روحانیت موجود ہے تو وہ فیض نہیں جو اولیائے کرام میں تھا۔یعنی کامل ولی میں اور وہ سادگی نہیں جو اسلام سکھلاتا ہے۔اور روحانیت کی وہ اصل طاقت ہی موجود نہیں ہے جو ایک کامل مرشد اپنے ایک مرید کو دیتا ہے۔جس طاقت کی وجہ سے مرید صرف اپنے مرشد کا ہی ہو کر رہ جاتا ہے بلکہ دوسری طرف دیکھنا شرک سمجھتا ہے۔

یہی وجہ ہے کہ آجکل اکثر سلسلوں میں بیعت شدہ لوگ ہی مصیبت پڑنے پر جعلی وسفلی عاملین کی دال روٹی کا ذریعہ بنے ہوئے ہیں۔اس لئے کہ ان میں فیض کی تلاش اور عقیدت حد درجہ کی ہوتی ہے اور اپنے مرشد سے اس درجہ کا فیض ملتا نہیں۔

ایک طبقہ وہ بھی ہے جو سرے سے ہی نہیں مانتا اس لئے کہ اکثر پیر حضرات بہت ساری ظاہری وباطنی کمزوریوں کا شکار ہوتے ہیں اور یہ طبقہ اکثریت کی وجہ سے دو چند کامل ہستیوں کو بھی نظرانداز کر جاتا ہے۔

اور ایک طبقہ عقیدت مند تو ہے مگر یہ کہہ کہ دل کو تسلی دیتا ہے کہ اصل درویش ہستیاں اور بزرگ حضرات موجود تو ہیں مگر دنیا والوں سے چھپ گئے ہیں جنگلوں میں یا پہاڑوں میں۔

بعض لوگ سفلی عاملین کی چند شعبدہ بازیوں سے متاثر ہو کر اُن کو ولی اللہ سمجھ لیتے ہیں اور اُن کی بیعت ہو جاتے ہیں جبکہ وہ تارک شریعت کے ساتھ ساتھ بہت ساری خرافات اور لایعنی وجہالت سے لبریز ہوتے ہیں۔

اسی وجہ سے عاجز نے ایک عرصہ پہاڑوں اور جنگلوں میں بھی گزارا اصل ولایت کاملہ اور حقیقت کی تلاش میں اور اللہ رب العزت سے رو رو کر دعائیں مانگیں



آخر کار میری محنتوں کا پھل مجھے ملنا شروع ہو گیا اور اللہ جل شانہ، کا خاص فضل و کرم اور رحمتیں وبرکتیں نصیب ہوئیں اور بندہ پر یہ حقیقت القا کی گئی بار ہا مرتبہ۔

" ہر دور میں اُمّت مسلمہ کو جس فیض کی ضرورت تھی اللہ تعالیٰ نے اپنے نیک بندوں کے ذریعے اُمّت تک پہنچا کر مسلمانوں کے ایمان کو مضبوط بھی بنایا اور اُمّت مسلمہ کو بڑھایا۔پیشوا بزرگ ہستیوں نے اپنی سمجھ کی بنا پر روحانی فیض کو سلسلوں کا نام دیا ( قادریہ، نقشبندیہ، چشتیہ، سہروردیہ ) اور بعض بزرگوں نے مزید تخصیص کرتے ہوئے اپنے ناموں کو بھی سلسلوں سے جوڑ کر سلسلہ جات بنائے" **نقیبیہ ، سیفیہ** " وغیرہ جس کی وجہ سے امت مسلمہ مزید در مزید تقسیم ہوتی چلی گئی اور دوسری طرف مسلکوں اور پھر ہر مسلک کی تنظیموں اور جماعتوں نے مزید در مزید تقسیم کر دیا اس نااتفاقی اور تقسیم کی وجہ سے نا صرف دلوں میں دوری پیدا ہوئی بلکہ کدورت بھی پیدا ہوئی یہی وجہ ہے کہ اُمّت مسلمہ اللہ جل شانہ، کی اجتماعی رحمت سے محروم ہو کر رہ گئی ہے اس لئے کامل بزرگ ہستیاں دنیا سے کنارہ کش ہو کر یہ سوچنے پر مجبور ہیں کہ کاش کوئی اللہ کا بندہ اس سخت امتحان سے گزر کر امت مسلمہ کو اس حقیقت سے روشناس کرواتے ہوئے دین محمد رسول اللہ ﷺ کا اصل مقصد اور دین کی اصل روح سمجھائے اور امت مسلمہ کو نااتفاقی سے نکال کر اتفاق اور بھائی چارہ کی روح پھونک دے اور مسلمانوں کو متحد کر دے اور روحانیت کے متلاشی حضرات کو صحیح طریقہ بتلائے تاکہ بے ترتیبی اور گمراہی سے بچتے ہوئے اپنی زندگیوں کے قیمتی وقت کو ضائع نہ کریں۔"۔

Scanned with CamScanner

واقعی یہ امتحان بہت ہی زیادہ سخت اور مشکل ترین ہے اس لئے کہ بڑے بڑے درباروں اور مزاروں کے گدی نشینوں، سفلی عمل والے پیروں، روحانی سلسلوں والے پیروں اور تمام مسالک کے ملاؤں، تنظیموں اور جماعتوں سے ایک ساتھ ایک ہی وقت میں ٹکر ہے اسی لئے عرصہ دراز سے کوئی بھی ولی کامل اس خطرناک امتحان سے گزرنے کو تیار نہیں ہے۔ اور یہ کہہ کر اپنے دل کو تسلی دیتے ہیں کہ اس کام کو حضرت امام مہدی علیہ السلام سرانجام دیں گے۔ اور ہم تو صرف انتظار میں ہیں۔

**مثال :** اگر کسی جگہ آگ لگ جائے تو ہم اس انتظام میں رہیں کہ فائر بریگیڈ کا عملہ ہی اس آگ کو بجھائے تو یہ سوچ انسانی ضمیر کے خلاف ہے۔ انسانی ہمدردی کا تقاضہ یہ ہے کہ ہر شخص اپنی ہمت کے مطابق آگ کو بجھانے کی کوشش کرے اور یہ بات دیکھنے میں بھی آئی ہے کہ ہر انسان کی کوشش ہوتی ہے کہ وہ آگ کو جلد از جلد بجھا کر انسانیت کا تقاضہ پورا کرتا ہے۔ بلکہ بعض لوگ آگ کے اندر گھس کر انسانوں کو بچانے کی کوشش کرتے ہیں۔ اور انسانیت اسی بات کا درس دیتی ہے۔

بلکہ آپ نے نوٹ کیا ہوگا انسانی ہمدردی کا یہ جذبہ جب آزاد کشمیر میں زلزلہ آیا تو علاقوں کے علاقے تحس نحس ہو گئے وہاں پوری قوم نے ملکر انسانی ہمدردی کا منہ بولتا ثبوت دیا۔ ورنہ اگر سوچ اس کے برعکس ہوتی تو یہ کہہ کر ڈال دیتے کہ اتنے بڑے حادثے کو صرف حکومت سنبھال سکتی ہے اور ذمہ داری بھی حکومت کی بنتی ہے وہ بیت المال سے یا حکومتی خزانہ سے اور سرکاری نفری کے ذریعے اس کی ذمہ داری



سنبھالے۔ لیکن آپ حضرات نے نوٹ کر لیا کہ عوام الناس نے بڑھ چڑھ کر حصہ لیا اور حکومتی فنڈ سے بڑھ کر عوام نے مدد کی۔ یہ سب کچھ اور ایسی کئی مثالیں روزمرہ کی زندگی میں دیکھنے میں آتی ہیں لیکن جب بات پوری اُمّت مسلمہ کی ہوتی ہے تو ہم اس ذمہ داری کو کیوں نہیں نبھاتے۔

یہ فقط دل کو تسلی ہے اگر ہمت کی جائے اور اُمّت مسلمہ کو حقیقت سے روشناس کروایا جائے تو آج بھی امت مسلمہ میں متحد ہونے کا جذبہ موجود ہے بلکہ اکثر مسلمان اس نااتفاقی سے تنگ ہیں اور دعا کرتے ہیں کہ اللہ مسلمانوں کو ایک قوم اور ملت بنائے۔ آیئے بندہ ناچیز تمام عاملین حضرات کو اور روحانی فیض کے متلاشی حضرات کو دعوت دیتا ہے کہ اپنی قیمتی زندگی کے تھوڑے سے وقت کو بجائے ضائع کرنے کے خاص نصاب کے مطابق عملیات کو صحیح طریقہ سے کریں اور اُمّت مسلمہ کی کمان سنبھالیں اور صحیح معنٰی میں مسلمانوں کو روحانی قوتوں سے فیض پہنچائیں۔ اللہ تعالیٰ ہمیں ہمت اور توفیق دے اس کام کو سرانجام دینے کی۔ آمین!

یاد رہے کہ تمام مسلمان کسی ایک تنظیم یا جماعت یا کسی ایک سلسلے میں کبھی بھی جمع نہیں ہو سکتے۔ یہ علیحدہ بات ہے کہ کسی تنظیم یا سلسلے کی سخت محنت سے اکثریت مسلمانوں کی تعداد اُس سلسلے یا جماعت و تنظیم میں جمع ہو جائے۔

لہٰذا مسلمانوں کے اتحاد کے لیے ضروری ہے کہ تمام مسلمان اپنے آپ کو سلسلوں، جماعتوں و تنظیموں جیسے گروہوں سے نکال کر اپنے آپ کو صرف " مسلمان " ہی سمجھیں اور تمام مسلمانوں کا صرف ایک ہی سلسلہ ہے اس سلسلے کا نام

Scanned with CamScanner

"محمدیہ" ہے یعنی تمام صحابہ کرام اس سلسلے میں بیعت تھے اور اس طرح فیض محمدی تابعین اور اس کے بعد اولیاء کرام سے ہوتا ہوا ہم جیسے کمزور مسلمانوں تک پہنچا۔ اسلام ہمیں فرقہ واریت اور علیحدگی کا درس نہیں دیتا اگر یہ سلسلے اور مسالک فرقہ واریت نہیں ہیں تو کیا ہے......؟ تنظیمیں اور جماعتیں تو آگے ان کی شاخیں ہیں ان سلسلوں اور مسلکوں کی۔

اس لئے کہ اللہ رب العزت نے سارے دینوں (دور حاضر میں پائے جانے والے تمام دین) کا مجموعہ دین محمدؐ رسول اللہ سیّد الانبیاء کو عطاء کیا اور تمام آسمانی کتابوں کا مجموعہ آسمانی کتاب قرآن مجید عطاء کی اور یہ بات طے شدہ اور حقیقت ہے کہ تمام انبیاء علیہ السلام ہمارے نبی محمدؐ رسول اللہ ﷺ کی حمایت اور اللہ کے دین کیلئے معبوث کئے گئے ہیں۔ اسی لئے آپ محمدؐ ﷺ کی محنت (دعوت و تبلیغ) صرف مشرکوں کیلئے نہیں تھی بلکہ ہر طبقہ کے ہر اس شخص کیلئے تھی جو کسی بھی دین سے تعلق رکھتا یا نہ رکھتا ہو یعنی کل بنی نوع انسان (اور جن) شامل ہیں۔ خواہ وہ یہودی ہوں یا نصرانی اور عیسائی ہوں یا ہندو یا وہ کیمونسٹ ہوں یا بدھ مت وغیرہ اسی لئے اللہ رب العزت نے یہودیوں عیسائیوں اور نصرانیوں کا نام لے لے کر انکے رائج الوقت قوانین اور عقائد کی تردید کرتے ہوئے واضح طور پر قرآن مجید میں فرمایا ہے " ان الدین عند اللہ الاسلام " (القرآن)۔

**مقصد۔**

مقصد معلوم ہوا کہ دعوت و تبلیغ کی محنت کا اصل مقصد تمام بنی نوع انسان خواہ



وہ کسی بھی دین سے تعلق رکھتے ہوں یا کسی بھی طبقہ سے ہوں ان سب کو ایک دین (شریعت محمدیہ) پر متحد و قائم کر دیا جائے اور یہ دین ہر انسان تک پہنچایا جائے اور یہ بھی مسلمہ بات ہے کہ جو بھی دین محمدؐ رسول اللہ ﷺ پر قائم ہوا خلوص سے کلمہ توحید و رسالت پر کر اقرار کیا وہ " مسلمان " ہے۔

**روح۔**

اور ہمارے دین کی اصل روح توحید و رسالت ہمیں آداب و اخلاق کا درس دیتی ہے نہ کہ تعصب و شدت اور تکبر و فخر کا۔

اگر ہم میں تعصب و شدت یا تکبر و فخر ہے تو دین اسلام کے روحانی فیض سے محروم ہیں۔ اور اسی طرح اگر توحید و رسالت میں سے کسی ایک میں بھی کمزور ہیں تو دین کی روح بھی ہمارے اندر اتنی ہی کمزور ہے۔

اور اگر ہم فرقہ واریت کا شکار ہیں تو سمجھ لو ہم نے دین کا اصل مقصد ہی فوت کر دیا۔

لہٰذا تمام جماعتوں، سلسلوں، مسلکوں اور انکے تعصب و شدت سے نکل کر ایک ہونے کا نام دین اسلام ہے اسلام ہمیں فرقہ واریت اور علیحدگی کا درس نہیں دیتا۔ اگر یہ سلسلے اور مسلک فرقہ نہیں تو کیا ہیں تنظیمیں اور جماعتیں تو آگے انکی شاخیں ہیں ان سلسلوں اور مسلکوں کی۔

مجھے کوئی ثابت کرے کہ دین محمد ﷺ میں ان کی اجازت ہے اور اسی کا نام دین محمد رسول اللہ ﷺ ہے۔

Scanned with CamScanner

اللہ کی قسم دین میں اگر ان سلسلوں کی اجازت ہوتی تو سلسلہ صدیقیہ ہوتا سلسلہ فاروقیہ اور عثمانیہ ہوتا یا سلسلہ حیدریہ ہوتا اور اگر دین میں اللہ کے علاوہ کسی غیر کی پرستی ہوتی تو افضل ترین شخصیت سیّد الانبیاء خیر البشر محمد ﷺ کی پرستی ہوتی تو سلسلہ محمدیہ ہوتا نہ کہ دین اسلام اور بالکل اسی طرح اگر علاقائی نسبتوں کی دین میں دخل دینے کی گنجائش ہوتی تو اہل مکہ کو مہاجر نہ کہا جاتا بلکہ " مکی " کہا جاتا اور اہل مدینہ (یثرب) کو "یثربی " یا "مدنی" کہا جاتا نہ کہ انصار۔ اور آج ہم دیوبند اور بریلی بھارت کے شہروں کے نام سے موسوم کرتے ہوئے اپنے دین کے اندر گروہ بندی کیے ہوئے ہیں بلکہ اسلام تو لسانی اور نسلی تعصب کے بھی خلاف ہے۔ حدیث شریف کا مفہوم ہے کسی کالے کو گورے پر اور گورے کو کالے پر کوئی فوقیت حاصل نہیں ہے اور اسی طرح عربی کو عجمی پر اور عجمی کو عربی پر کوئی فوقیت حاصل نہیں ہے بلکہ اللہ رب العزت کے نزدیک زیادہ عزت اور فوقیت والا متقی اور پرہیز گار شخص ہے۔

معلوم ہوا کہ اللہ رب العزت اور آپ رسول اللہ ﷺ ان باتوں کے قطعاً خلاف تھے اور یہی ترتیب صحابہ اکرام کی تھی۔ اللہ رب العزت تو اعمال کو دیکھتے ہیں جب وہ عمل ایک حد (مقبول) تک پہنچ جاتا ہے تو اللہ تعالیٰ اس عمل کیوجہ سے خطاب دیتے ہیں۔

**مثلاً** : (i) صحابہ کے اعمال سے خوش ہوکر "**رضی اللہ عنہ**" کا خطاب۔

(ii) ہجرت سے خوش ہوکر "مہاجر" کا خطاب۔

(iii) نصرت سے خوش ہوکر "انصار" کا خطاب۔



(iv) پکے دین دار مسلمانوں سے خوش ہوکر "مومن" کا خطاب۔

اور اسی طرح شرک کرنے والوں کو "مشرکین" کا خطاب۔ کینہ و بغض اور حسد رکھنے والے دوہری چال چلنے والوں کو "منافق" کا خطاب اور نافرمانوں اور کفر کرنے والوں کو "کفار" کا خطاب دیا گیا ہے۔

دین اسلام میں ان باتوں کی گنجائش تو دور کی بات ہے تصور بھی نہیں ہے اور یاد رہے بطور فقہی مسئلہ یہ بات طے شدہ ہے کہ ایک مجتہد سے اجتہادی غلطی ہوسکتی ہے۔

لہٰذا بندہ ناچیز علی شاہ حیدری (الروحانی البرؒ) تمام مسلمانوں کو ایک پلیٹ فارم پر جمع ہونے کی دعوت دیتا ہے خاص کر وہ حضرات جو مسلمانوں کے روحانی پیشوا یا شرعی سرپرست ہیں یعنی پیر حضرات اور علماءِ اکرام۔

عاجز نے تحقیق کی ہے کہ حضرت امام ابوحنیفہ رحمۃ اللہ علیہ نے اپنے درس میں یا کسی کتاب میں یہ تعلیم نہیں فرمایا کہ جو شخص میرے حل شدہ فقہی مسئلہ کو اپنا کر دین پر چلے وہ اپنے آپکو میرا مقلد ہی سمجھے اور جو میرا مقلد ہے وہ کسی دوسرے امام کے حل کردہ فقہی مسئلے کو نہ اپنائے اور وہ اپنے آپ کو حنفی ہی کہلائے۔

اگر فرمایا تو ثابت کریں عاجز رجوع کرنے کو تیار ہے اس لئے کہ عاجز میں تعصب نہیں ہے شدت نہیں ہے مگر عقیدہ پختہ ہے۔ بالکل اسی طرح دوسرے اماموں یا آئمہ اکرام نے نہیں فرمایا ہے یہ تو بعد میں آنے والے علماء نے نسبتیں جوڑی ہیں جنکی وجہ سے ہم فرقہ واریت اور نااتفاقی کے اس موڑ پر کھڑے ہیں جو ہمیں ایک اور متحد

Scanned with CamScanner

نہیں ہونے دیتے۔

بالکل اسی طرح بعد میں پیدا ہونے والے صوفیوں اور زاہدوں نے نسبتیں جوڑ کر سلسلوں کو جنم دیا ہے اگر یہ بات ہم نیک **نیّتی** سے سمجھنے کی کوشش کریں گے تو حقیقت معلوم ہوگی ورنہ دلائل تو ہر ایک کے پاس ہیں ہر کوئی اپنے آپ کو بہتر سے بہتر سمجھتا ہے۔ آؤ ہم تمام مسلمان اس سہو کا کفارہ ادا کریں جس کا خمیازہ اب تک ہم بھگت رہے ہیں۔

بندہ ناچیز آپکو چند نقلی اور عقلی مثالیں دے کر مزید واضح کر دیتا ہے اپنے مؤقف کو حالانکہ پیچھے بیان کردہ تحریر کافی تھی۔

اسلام میں مسلمانوں کو گروہ بندی اور فرقہ بندی تو بہت دور کی بات ہے بلکہ سرحد بندی کی بھی اجازت نہیں ہے بلکہ ہمیں اسلام ایک اور متحد ہونے کا علی الاعلان درس دیتا ہے۔ قرآن مجید مؤمنوں کو آپس میں بھائی بھائی کا درس دیتا ہے اور دوسرے مقام پر واضح طور پر فرماتا ہے کہ اسلام میں فرقہ واریت نہ کرو اللہ کی رسی کو مضبوطی سے تھام لو۔ بلکہ ایک اور مقام پر یہ بات واضح طور پر بیان کرتا ہے کہ اگر تم میں دو جماعتیں ہو جائیں کسی اختلاف کی وجہ سے تو کوشش کرو کہ اختلاف ختم ہو ورنہ حق والوں کا ساتھ دو۔ یہی بات تھی کہ حدیث شریف میں مسلمانوں کو ایک جسم کی مانند فرمایا بلکہ ایک دوسرے سے ہمدردی کا اس طرح درس دیا کہ اگر جسم کے کسی ایک حصے میں تکلیف ہو تو سارا جسم درد محسوس کرتا ہے علاوہ ازیں آپ محمدؐ رسول اللہ ﷺ نے فرقہ پیدا کرنے والی جماعت کی تعمیر کردہ مسجد تک گرا دی اور فرمایا کہ اسلام ہمیں



علیحدگی اور فرقہ واریت کا درس نہیں دیتا بلکہ اسلام بھائی چارے اور اتحاد کا نام ہے۔ ایک اور زندہ جاوید بہت بڑی مثال اسلام میں موجود ہے کہ اسلام مسلمانوں کو ایک دن میں پانچ مرتبہ نماز کے ذریعہ اتحاد کا درس سکھاتا ہے اور آپؐ نے فرمایا کہ اکیلے نماز پڑھنے سے پچیس گناہ زیادہ ثواب جماعت کے ساتھ نماز پڑھنے میں ہیں۔ بلکہ اور ایک جگہ فرمایا کہ میرا دل چاہتا ہے کہ میں بہت سارا ایندھن اکٹھا کروا کر اُن کے گھروں کو آگ لگا دوں جو فرض نماز گھروں میں پڑھتے ہیں اس سے بڑھ کر یہ بندہ ناچیز کیا کیا مثالیں آپ کے سامنے پیش کرے۔

دعا ہے کہ اللہ رب العزت ہمیں سمجھنے اور عمل کرنے کی توفیق عطا فرمائے آمین! ثم آمین۔

ایک نیک عمل کی بنیاد نیک نیت پر ہوتی ہے یہ عمل کی کسوٹی ہے اور عمل کا وزن خلوص پر ہوتا ہے یہ تقوٰی ہے اور عمل کا پھیلاؤ اور بڑھاؤ (باطنیہ) محنت و مشقت (باطنی) پر ہے یہ نفس کشی ہے۔ اور عمل کا بڑھاؤ اور پھیلاؤ (ظاہری فیض) دعوت و تبلیغ پر ہوتا ہے اور یہ جہد ہے۔ اور عمل کا ثمرہ صبر سے حاصل ہوتا ہے اللہ رب العزت نے دین اسلام پر عمل کرنے والوں کے تین درجے بنائے ہیں اور ایک چوتھا درجہ آخری ہے جو نصیب والوں کو ملتا ہے۔

(i) مسلمین ۔ (ii) مؤمنین ۔ (iii) محسنین ۔ (iv) صالحین ۔

اللہ رب العزت مسلمانوں کو ایک اور متحد ہونے کی توفیق عطا فرمائے آمین!

☆ ☆ ☆

Scanned with CamScanner

## دعائے الروحانی البرق

چڑھائی قرآن مجید کی۔ پڑھائی علی شاہ حیدری الروحانی البرق کی
پکا پکڑو قرآن کو کبھی نہ آئے ہار۔ **یا ایھا المزمل** کا نیزہ مار
**یٰسین والقرآن الحکیم** کی زنجیر تان
**والصّافات صفاً** فرشتوں کو بلا
**اقسمت علیکم و عزمت علیکم**
**اجب یا عطرائیلؑ بحق قل ھو اللہ احد**
**یا اسرافیلؑ بحق اللہ الصمد**
**یا طاطائیلؑ بحق لم یلد ولم یولد**
**یا رفتمائیلؑ بحق ولم یکن لّہ' کفواً احد**
دیوی ڈائن بھوت چڑیل ہمزاد کو پکڑ بچھاڑ
باندھو کالے علم کے **بیر** کو دشمن حاسد کو کرو مار
ظالم موذی زمین میں جائے دھنس۔ **الم ترکیف** کی ضرب مار
**طٰہٰ** اور **والضّحیٰ** افضل ہے تیری شان
پڑھ سورۃ جن حاضر ہو عفریت جنات بحق حضرت سلیمان
کیا بدعتی کافر مشرک **ابتر** بحق **سورۃ الکوثر**
فرقہ پرست تنظیموں، جماعتوں کو اُجاڑ
مسلمانوں کو کر متحد یا جامع یا وُدود بحق **سورۃ الرّحمٰن**



ڈنکے، مندرے، منتر سب توڑ
دشمن حاسد کا وار واپس موڑ
**بسم اللہ۔ اللہ اکبر۔ اللہ اکبر۔ اللہ اکبر**
**وقاتلوھم حتّٰی لا تکون فتنہ ویکون الدین کلّہ لِلّٰہ !**
**جنود الابلیس والشیاطین** کا قتل عام کرو
**تبت یدآ** کی تلوار مار۔ میری فریاد فریاد فریاد
**یا حي یا قیوم برحمتک نستغیث**
مشکل میری حل کرو یا مشکل کشا
المدد یا اللہ المدد یا رحمان
چلے فیض الروحانی البرق کا پھرے دعا
چاروں طرف کرو کام۔ یا بدوح یا بدوح یا بدوح
روشن کرو میرا نام
**بحق لا الہ الا اللہ محمد رسول اللہ**

کوشش کریں اس عمل کو عمل میں لانے کے لیے ایک سو مرتبہ کم از کم 21 دن یا 121 مرتبہ 41 دن عمل میں لائیں۔ پھر ہمیشہ 11 مرتبہ یا 21 مرتبہ ورد میں رکھیں بہت کامیاب اور مجرب المجرب عمل ہے۔ بندہ ناچیز نے جب سے اس عمل کو شروع کیا تو اللہ رب العزت نے پاکستان میں پرویز مشرف کی حکومت قائم کرتے ہوئے کئی بڑی تنظیموں اور جماعتوں کو فتنہ فساد سے روکا اور فرقہ وارانہ اختلافات پر قابو پایا۔

Scanned with CamScanner

## قصیدہ خلافتی الروحانی البرق

اللہ میرا بادشاہ ہے۔ محمد ﷺ ہے وزیر۔ علیؑ شیر خدا ہے سپہ سالار۔ دستگیر محی الدین پیران پیر ہے میں ( دعا مانگنے والا اپنا تصور کرے ) مانگو اللہ سے صدقہ محمد ﷺ کا علیؑ شیر خدا کو۔ بنوں خلیفہ بحق پیران پیر دستگیر۔ دائیں علی المرتضیٰ بائیں دستگیر۔ آگے آگے محمد ﷺ ۔ پیچھے پیچھے میرا ہمزاد چلے۔ **اقسمت علیکم و عزمت علیکم اجب یا جبرائیلؑ یا دردائیلؑ یا رفتمائیلؑ یا تنکفیلؑ سامعاً مطیعاً حاضراً بحق بدوح۔ یا بدوح افعلوا ما تؤمرون بکذا و کذا بحق بسم اللہ الرحمن الرحیم ألا تعلوا علي وأتوني مسلمین** ۔ سوا لاکھ حزبُ الرحمان دائیں یا جبرائیلؑ۔ سوا لاکھ حزبُ الرحمان بائیں یا میکائیلؑ ۔ سوا لاکھ حزبُ الرحمان آگے یا اسرافیلؑ ۔ سوا لاکھ حزب الرحمٰن پیچھے یا عزرائیلؑ ۔ اردگرد جنود اللہ چلے۔ فرش سے لیکر عرش تک میری خلافت چلے۔ علی شاہ حیدریؒ الروحانی البرق کا فیض چلے۔ علیؑ کی امامت چلے۔ محمد ﷺ کی رسالت چلے۔ پیران پیر شیخ عبد القادر جیلانی کی دستگیری چلے۔ انتظام خود اللہ میرا بادشاہ کرے۔ خدمت میری میرا ہمزاد کرے۔ پھرے میری دعا چلے قصیدہ الروحانی البرق کا۔ میرے پیر علی شاہ حیدری کا شبد سانچا۔ ویکھاں اپنے پیر مرشد کے قصیدے کی طاقت کا تماشا۔ چاروں طرف کرو کام **یا بدوح یا بدوح یا بدوح** روشن کرو میرا نام **بحق لا الہ الا اللہ محمد رسول اللہ۔**

اوّل آخر درود شریف 5+5 مرتبہ 41 دن متواتر 101 پڑھیں پھر ہمیشہ پانچ مرتبہ ورد میں رکھیں۔ خاص برائے شاگرد حضرات 21 مرتبہ روزانہ اوّل آخر درود شریف 3+3 مرتبہ کے ساتھ پڑھنا کافی ہے بدون عمل کے۔

۷۸۶

# آئینہ کوثر

المعروف

## عملیات سورۃ الکوثر

صرف ایک ہی سورت "سورۃ الکوثر" پر لکھی جانے والی ایک جامع کتاب جسمیں ایک عامل و روحانی پیشوا کو پیش آنے والے تمام مسائل کا مجرب المجرب حل موجود ہے اور عملیات تسخیر روحانیات، تسخیر جنات، تسخیر ہمزاد، تسخیر مؤکلات اور روحانی و جسمانی امراض کا شافی حل، جادو کی کاٹ و پلٹ، عملیات کشائش رزق و حصول مال و دولت، طلسمات و عملیات شرف کواکب کے طاقتور ترین عملیات دیے گئے ہیں جو عملیات میں بے حد مقبولیت کے ساتھ ساتھ مصنف کی پہچان کا ذریعہ ثابت ہوئی۔ عملیات سے تعلق رکھنے والے بڑے بڑے عاملین اور کاملین نے سراہا۔ اس کتاب سے صاحب عمل و ریاضت کو دیگر مختلف عملیات سے چھٹکارا حاصل ہوا اور وہ صرف ایک ہی سورت "سورۃ الکوثر" میں کامل ہستی بن کر مضبوط روحانیت کا کامل فیض عوام الناس کو پہنچانے کا ذریعہ بنے۔ یہ کتاب بازار میں پائی جانیوالی دیگر تمام عملیات کی کتب سے بے نیاز کر دیگی جس کا مطالعہ ہر عامل، خصوصاً مضبوط عمل کے متلاشی حضرات اور کاملین کی لائبریریوں کیلئے اشد ضروری ہے۔ آج ہی طلب فرما کر روحانی و قرآنی فیض حاصل کرتے ہوئے عوام الناس کو فیض پہنچانے کا ذریعہ بنیں۔

☆☆☆☆☆

Scanned with CamScanner